रजिस्टर्ड सं० डी० (डी)-73

REGISTERED NO. D (D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 2, 1975/ श्रावण 11, 1897
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 2, 1975/SRAVANA 11, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1975

का० आ० 2401.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 मे हुये उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 371-गंगीरी निर्वाचन-क्षेत्र मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम लुभाया, छर्रा, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे असफल रहे है,

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10 क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम लुभाया को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/371/74(1)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 15th April, 1975

S.O. 2401.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Lubhaya, Charra, Aligarh, Uttar Pradesh a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 371, Gangiri assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Lubhaya to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/371/74(1)]

आदेश

नई दिल्ली, 7 मई, 1975

का० आ० 2402.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुये उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 2-टहरी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जुग मन्दर दास मेन बाजार, टहरी, जिला टेहरी गढ़वाल, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत: उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि; उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10 क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री जुग मन्दर दास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/2/74(5)]

ORDER

New Delhi, the 7th May, 1975

S.O. 2402.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jugmandar Das, Main Bazar, Tehri, P.O. Tehri, Tehri Garhwal, U. P., a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 2-Tehri assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

2. And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagmandar Das to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/2/74(5)]

आदेश

नई दिल्ली, 6 जून, 1975

का०आ० 2403.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 25-अमरोहा सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री घासी, गांव नौरागाबाद, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, श्री घासी को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री घासी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित. करता है।

[सं० उ० प्र-वि० स०/25/74(14)]

ORDER

New Delhi, the 6th June, 1975

S.O. 2403.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ghasi, Village Norangabad, District Morabad, Uttar Pradesh a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 25-Amroha Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

2. And whereas the notice issued to Shri Ghasi has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghasi to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/25/74(14)]

आदेश

का० आ० 2404.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 90-बिलग्राम सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राजेन्द्र कुमार, गांव व पो०आ० पुरवाना, जिला हरदोई, उ०प्र०, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, श्री राजेन्द्र कुमार को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राजेन्द्र कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/90/74(7)]

ORDER

S.O. 2404.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajendra Kumar, Village & P.O. Purwana, District Hardoi, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 90-Bilgram Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And Whereas the notice issued to Shri Rajendra Kumar has been received back underlivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajendra Kumar to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP?LA/90/74(7)]

आदेश

का० आ० 2405 :— यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 91-मल्लांवा सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री छोटेलाल, मे० बन्दीपुर, मल्लावा, पो० मल्लावां, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री छोटे लाल को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री छोटे लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/91/74(8)]

ORDER

S.O. 2405.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhotey Lal, Mohalla Bandi Pur, P.O. Mallawan District Hordoi, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 91-Mallawan Assembly Constituency, has failed a lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

2. And whereas the notice issued to Shri Chhotey Lal has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhotey Lal to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/91/74(8)]

आदेश

का०आ० 2406 :— यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 122-गौरीगंज सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगन्नाथ, गांव माधोपुर, गौरीगंज, जिला सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री जगन्नाथ को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री जगन्नाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है ।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/122/74(9)]

ORDER

S.O. 2406.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagannath, Village Modhopur, Gauriganj, District Sultanpur, Uttar Pardesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 122-Gauriganj Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the notice issued to Shri Jagannath has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he no good reason or justification for such failure,

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the satis that he has no good reason or justification for such Shri Jagannath to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/122/74(9)]

आदेश

का० आ० 2407.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 141-हैदरगढ़ सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुलशन लाल वर्मा, बरहा कालोनी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री गुलशन लाल वर्मा को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री गुलशन लाल वर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/141/74(10)]

ORDER

S.O. 2407.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulshan Lal Verma, Barha Colony, Lucknow, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 141-Haidergarh Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the notice issued to Shri Gulshan Lal Verma has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

3. Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gulshan Lal Verma to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/141/74(10)]

आदेश

का० आ० 2408.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 169-राम नगर सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम प्यारे, गांव पो०आ० कडवा, जिला बस्ती (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री राम प्यारे को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम प्यारे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/169/74(11)]

ORDER

S.O. 2408.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Payare, Village and P.O. Kodwa, District Basti, Uttar Pradesh a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 169, Ram Nagar Assembly Constituency, has failed to ledge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the notice issued to Shri Ram Payare has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure:

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Pyare to be disqualified for being chosen as and forbeing a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/169/74(11)]

आदेश

का० आ० 2409.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 188-पनियारा सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री इन्द्र, गांव अकटहवा, पो०आ० पीपीगंज, जिला गोरखपुर, उ०प्र०, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री इन्द्र को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री इन्द्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/188/74(12)]

ORDER

S.O. 2409.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Inder, Village Aktahwa, P.O. Peepiganj, District Gorakhpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 188 Paniara, Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the notice issued to Shri Inder has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Inder to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/188/74(12)]

आदेश

का० आ० 2410.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 213-अतरौलिया सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लक्ष्मी कान्त, गांव सरया रतनावे, पो० आ० अमारी, जिला आजमगढ़, (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री लक्ष्मी कान्त को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर-ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लक्ष्मी कान्त को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/213/74(13)]

ORDER

S.O. 2410.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laxmi Kant Village Sarya Ratnawe P.O. Amari, District Azamgarh, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 213 Atraulia Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And, whereas, the notice issued to Shri Laxmi Kant has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxmi Kant to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/213/74 (13)]

आदेश

नई दिल्ली, 11 जून, 1975

का० आ० 2411.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 86 हरदोई सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती मूला देवी, गांव और पो०आ० सदिरपुर, तहसील बिलग्राम, जिला हरदोई (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्रीमती मूला देवी को जारी की गई सूचना अपरिदत्त वापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अभ्यर्थी का ठौर ठिकाना विदित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्रीमती मूला देवी को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/86/74(15)]

ORDER

New Delhi, the 11th June, 1975

S.O. 2411.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Moola Devi, Village & P.O. Saderpur, Tahsil Bilgram, District Hardoi, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U. P. Legislative Assembly from 86 Hardoi Assembly Constituency, has failed to lodge an account of election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And, whereas, the notice issued to Shrimati Moola Devi has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Moola Devi to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/86/74 (15)]

आदेश

नई दिल्ली, 12 जून, 1975

का० आ० 2412.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 190 लक्ष्मीपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामानुज, ग्राम महुवा, पो० करमहवा, जिला गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामानुज को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/190/74(16)]

ORDER

New Delhi, the 12th June, 1975

S.O. 2412.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramanuj, Village Mahuwa, Post Karmahwa, District Gorakhpur, U.P. a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 190-Lakshmipur Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satified that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramanuj to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/190/74(16)]

आदेश

नई दिल्ली 13 जून, 1975

का० आ० 2413.—यत: निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुये उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 60-पूरनपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, श्री खरगाई लाल, मोहल्ला हबीबगंज, साहूकारा, पूरनपुर, जिला पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्‌धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्‌द्वारा उक्त श्री खरगाई लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/60/74(17)]

ORDER

New Delhi, the 13th June, 1975

S.O. 2413.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khargai Lal, Moh. Habibganj, Shahukara, Puranpur, District Pilibhit, U.P., a contesting candidate for election to the U. P. Legislative Assembly from 60. Puranpur Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khargai Lal to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/60/74(17)]

आदेश

नई दिल्ली, 28 जून, 1975

का०आ० 2414.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-डिब्रूगढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री निबरन चन्द्र बोरा, पो० आ० मोहनाघाट, डिब्रूगढ़ (असम) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्‌धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्‌द्वारा उक्त श्री निबरन चन्द्र बोरा को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० असम-लो० स०/14/71]

आदेश से

ए० एन० सेन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 28th June, 1975

S.O. 2414.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nibaran Chandra Bora, P. O. Mohanaghat, Dibrugharh (Assam) a contesting candidate for general election to the House of the People held in March, 1971 from 14 Dibrugarh Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nibaran Chandra Bora to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No.AS-HP/14/71]

By Order,

A. N. SEN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1975

का०आ० 2415.—दरगाह ख्वाजा साहब अधिनियम, 1955 (1955 का 36) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, दरगाह समिति, अजमेर के परामर्श से उत्तर प्रदेश के सेवा निवृत्त उप-जिलाधीश श्री महमूद अली खां को 22 जुलाई, 1975 से छह मास की अवधि के लिए दरगाह ख्वाजा साहब, अजमेर के नाजिम के रूप में इसके द्वारा नियुक्त करती है।

[फा०सं० 11/6/74-वक्फ]

ई० वैंकटेश्वरन्, निदेशक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

New Delhi, the 14th July, 1975

S.O. 2415.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 9 of the Durgah Khawaja Saheb Act, 1955 (36 of 1955), the Central Government in consultation with the Durgah Committee, Ajmer, hereby appoints Shri Mahmood Ali Khan, Retired Deputy Collector, Uttar Pradesh as Nazim, Durgah Khawaja Saheb, Ajmer, for a period of six months with effect on and from the 22nd July, 1975.

[F. No. 11/6/74-Wakf]

E. VENKATESWARAN, Director

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषपाल का कार्यालय)

नई दिल्ली, 15 जून, 1975

का० आ० 2416.—भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषपाल या उसके अभिकर्ताओं के द्वारा पूर्त अक्षय निधि अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के अधीन 31 मार्च, 1975 को धारित पूर्त अक्षय निधि (केन्द्रीय) से संबंधित सम्पत्तियों और प्रतिभूतियों की सूची तथा 1974-75 के लेखों का सारांश सामान्य जानकारी के लिये नीचे प्रकाशित किया जा रहा है :

भाग I—प्रतिभूतियों से भिन्न सम्पत्तियों की सूची

क्रम संख्या	निधान आदेश का ब्यौरा		अक्षय निधि का नाम	सम्पत्ति के प्रशासक	धारित सम्पत्ति			टिप्पणी
	संख्या	दिनांक			विवरण	मूल्य	वार्षिक आय यदि मालूम हो	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
भारत :								
1.	स्वास्थ्य मंत्रालय अधिसूचना संख्या एफ० 4-3(2)/53-एम०-1, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4-2/61 एम० II (एम० ई० द्वारा यथा-संशोधित)।	12-6-1953 27-11-1963	महिलाओं तथा बच्चों के लेडी हार्डिंग अस्पताल दिल्ली की निधि	लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल का प्रशासनिक बोर्ड	लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल दिल्ली की भूमि और इमारत सभी। फिक्स्चर/फर्नीचर और उपकरणों आदि सहित। लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल दिल्ली का क्षेत्रफल 49.82 एकड़ है। स्थान : पंचकुईयां रोड। हदबन्दी इस प्रकार है:— उत्तर : पंचकुईयां रोड। दक्षिण : लेडी हार्डिंग रोड। पूर्व : कनाट सर्कस। पश्चिम : बेयर्ड रोड। सर्वेक्षण संख्या :— सी० ई० 2370 भू० वि० का० संख्या 94 शर्तें—यह जमीन भूमि तथा विकास अधिकारी, दिल्ली द्वारा संस्था को एक रुपया प्रति वर्ष के नाम मात्र किराये पर पट्टे पर दी गई है। मस्जिद, चर्च आदि को मिलाकर इस पर कुल 71 इमारतें हैं : भूमि तथा विकास अधिकारी, दिल्ली ने इन इमारतों का मूल्य लगभग 63,50,537 रु० आंका है।	63,50,537.00 रुपये	मालूम नहीं	

1 2	3	4	5	6	7	8	9
2. स्वास्थ्य मंत्रालय अधिसूचना संख्या एफ०-14-26-61—इंस्टिट्यूट	31-8-1962	पास्चर इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया	पास्चर इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया का प्रशासक	(1) एन्टीरेबीज रिसर्च सेंटर, कसौली की इमारत (2) लेडी लिनलिथगो सैनिटोरियम, कसौली की इमारत (3) शैल्टन लॉज कसौली	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
3. रक्षा मंत्रालय अधिसूचना सं० एस० आर० ओ० 260	19 जुलाई, 1960	कमोला तथा, उदयपुरी स्थित कुमाऊ रैजीमेंटल फारम की फारम निधि	निधि का प्रशासन	कमोला तहसील कालाढूंगी, जिला नैनीताल			
				1. औषधालय (30 फीट × 24 फीट)	4,000	सदैव	
				2. धिमैया लाज (30 फीट × 24 फीट)	4,000		
				3. अतिथि गृह नं० 1 (30 फीट × 35 फीट)	5,000		
				4. अतिथि गृह नं० 2 (28 फीट × 26 फीट)	3,500		
महाराष्ट्र							
1. जी०आई०एम० डी० शिक्षा, संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बंबई का कलेक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा	"विक्टोरिया बिल्डिंग" —पूर्ण स्वामित्व (फ्री-होल्ड) की वह सारी भूमि जो फोर्ट में पारसी बाजार स्ट्रीट के पूर्व में एल्फिन्स्टन सर्किल पर या उसके बराबर में स्थित है। इसमें वाटिका गृह, वास गृह और इमारतें शामिल हैं जिसे "विक्टोरिया बिल्डिंग" कहा जाता है। इसका क्षेत्रफल 482-3/4 वर्ग गज है।	मालूम नहीं	तदेव	
2 और 3	तदेव	तदेव	तदेव	"एल्वियन प्लेस और अलेग्जेंडरा टेरेस"—भूमि का वह सारा भाग जो परेल रोड के पूर्व में भायखला में स्थित है। इसमें वाटिका गृह, वास गृह और इमारतें अहाते में बने नौकर-चाकरों के मकान और अस्तबल शामिल हैं, जिन्हें एल्वियन प्लेस और अलेग्जेंडरा टेरेस कहा जाता है, इसका क्षेत्रफल 11,104 वर्ग गज है।	तदेव	तदेव	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
तथा 3-क जी०आई० एच० डी० शिक्षा संख्या 433		27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बंबई का कलेक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा	भायखला के निकट परेल रोड जिसे अब डा० अम्बेडकर रोड के नाम से पुकारा जाता है, के पूर्वी ओर 11,104 वर्ग गज भूमि पर होटल हैरिटेज नामक एक नई इमारत का निर्माण ।	19,00,000.00	1,89,120.00	
4 और 5		तदेव	तदेव	तदेव	'रे हाउस' और 'सेंडहर्स्ट हाउस' बम्बई द्वीप में, अपोलो रिक्लेमेशनल पर स्थित भूमि का पट्टे पर मिला हुआ वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 2004-8/9 वर्ग गज है और जिस पर "रे हाउस" और "सेंडहर्स्ट हाउस" नामक दो इमारतें बनी हुई हैं ।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
6 और 7	तदेव		तदेव	तदेव	"रूजवैल्ट या एजरा हाउस"—पट्टे पर मिली भूमि का वह सारा टुकड़ा जो अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 533.3/9 वर्ग गज है और जिस पर "रूजवैल्ट हाऊस या एजरा हाउस" नामक इमारतें बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 573.3/5 वर्ग गज का पट्टे पर ली गई भूमि का वह टुकड़ा भी जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है ।			
8 और 9	तदेव		तदेव	तदेव	"सारजेंट हाउस" और "जेकिन्स हाउस"—बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित 3487-2/9 वर्ग गज का भूमि का वह टुकड़ा जिस पर सारजेंट हाउस और जकिन्स हाऊस नामक इमारतें स्थित हैं ।	तदेव	तदेव	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
10. जी०म्राई०एच० डी० मिसल संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विश्राम संस्थान	बंबई का कलेक्टर श्री नारायण दत्ता-त्रेय सिकर और श्री नवल एच० टाटा	"न्यू शामजी बिल्डिं-गस जिसे अब स्टेशन टरेसिस स्लीटर रोड" कहा जाता है फोरस टन्योर की लगभग 2,290 वर्ग गज की भूमि, जिस का कई वाटिका गृह, वास गृह या रिहायशी मकान बने हुए हैं, जिन्हें न्यू शामजी, बिल्डिंगस कहा जाता था परन्तु वर्तमान नान-स्टेशन टेरेस है तथा यह बम्बई में स्लीटर रोड के दक्षिण में स्थित है।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
11. तदेव	तदेव	तदेव	तदेव	"केन्डी हाउस" पट्टे पर मिली हुई भूमि का वह टुकड़ा जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्ले-मेशन पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल लग-भग 529-6/9 वर्ग गज है और जिसे "केण्डी हाउस" कहा जाता है।	तदेव	तदेव	
12 और 13	तदेव	तदेव	तदेव	"एल्वियन प्लेस और अलेग्जेंड्रा टेरेस" के निकट भूमि का वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 8,570 वर्ग गज है और जो बम्बई के कलेक्टर द्वारा बम्बई शहर में परेल रोड पर भायखला में स्थित भूमि खंड के साथ पंजीकृत है, इसमें वाटिका गृहवास, गृह और रिहायशी मकान शामिल हैं। इसे "एल्वियन प्लेस और अलग्जेंड्रा टेरेस" के निकट की भूमि कहा जाता है।	तदेव	तदेव	बम्बई शहर के लिये भूमि अभि-ग्रहण अधिकारी ने 107-8/9 वर्ग गज भूमि को अभिगृहीत कर लिया है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14	जी०आई०एच०डी० शिक्षा संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बंबई का कलेक्टर श्री नारायण दत्ता-क्षेय सिकर और श्री नवल एच० टाटा	"परेल टैंक रोड पर स्थित भूमि" (1) लगभग 67,057 वर्ग गज भूमि का वह टुकड़ा जिसमें से 7021 वर्ग गज सरकारी टोका भूमि और 2189 वर्ग गज सरकारी भूमि जिसका हाल ही में निर्धारण किया गया है, शामिल है और शेष इनाम भूमि है जो परेल में पेरल गवर्नमेंट टैंक की जाने वाली सार्वजनिक सड़क पर स्थित है जिसे परेल टैंक रोड स्थित भूमि (आगे श्री. हिल) कहा जाता है।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	74,686 वर्ग गज भूमि में से 15,575.80 वर्ग गज भूमि टाटा हाईड्रोइलैक्ट्रिक पावर एंड सप्लाई कम्पनी लि० के लिए प्रेषण लाइनें बिछाने और अन्य निर्माण कार्य करने के लिए भूमि अभिग्रहण अधिनियम के अन्तर्गत सरकार द्वारा अभिगृहीत कर ली गई तथा 37471.53 वर्ग गज भूमि बाद में 1922 में भूमि अभिग्रहण अधिकारी द्वारा अभिगृहीत कर ली गई।
					(2) परेल स्थित इनाम भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 6005 वर्ग गज है। (3) गवर्नमेंट टोका भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 1058 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलांकी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है।			
					(4) सरकारी टोका भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 566 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलांकी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है।			परेल टंक रोड पर स्थित भूमि का एक भाग सी० एस० संख्या 1/202 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 2043.88 वर्ग गज है और सी० एस० संख्या 203 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 623.33 वर्ग गज है, बंबई

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								नगर निगम ने भूमि अभिग्रहण अधिनियम (1894 का पहला) की धारा 12 (2) के अधीन एक जलाशय के निर्माण के लिए अभिग्रहीत कर लिया था।
15	जी०आई०एच० श्री० शिक्षा सं० 433	27 मई 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बम्बई का कलक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा	बम्बई नगर और रजिस्ट्रेशन उपजिले में कोलाबा रोड के पश्चिम में स्थित भूमि का वह सारा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 2020 वर्गगज है और जिसकी हदबंदी इस प्रकार है :— उत्तर में या उत्तर की ओर : सर करीमभाई इब्राहिम बारोनेतसी न्यास के न्यासियों की संपत्ति, दक्षिण में या दक्षिण की ओर: पुलिस चौकी की सड़क, पूर्व में या पूर्व की ओर: कोलाबा रोड, पश्चिम में या पश्चिम की ओर: वोडहाउस रोड । यह भूमि बम्बई के कलक्टर की किताबों में रेंट रोल संख्या 8509 पर दर्ज है और इसकी कोलाबा प्रभाग की बन्दोबस्त सर्वेक्षण संख्या 48 है । इसमें उस भूमि पर बनी इमारतें और अन्य ढांचे शामिल हैं । इनका निर्धारण बम्बई नगर पालिका द्वारा प्रभार्ग संख्या 213 और 214 और क्रमश: कोलाबा रोड और वोडहाउस रोड की गली संख्या 158 और 125 तथा लोअर कोलाबा रोड की गली संख्या 154 के अंतर्गत किया गया है।	18,44,108.28 रु०	199,675.08 रु०	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
16	जी० ग्रार० ई० डी०संख्या 452	7 मार्च, 1906	सर जमशेदजी जेजीभाई पारसी हितकारी संस्थान	सचिव, सर जमशेद जी जेजी भ्राई पारसी हितकारी संस्थान बम्बई	बम्बई में हार्नबी रोड, फोर्ट पर स्थित 1688 वर्गगज भूमि का टुकड़ा और उस पर बने हुए रिहायशी मकान और इमारतें ।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
17	जी० ग्रार० ई० डी० संख्या 1778	10 जुलाई, 1912	तदेव	तदेव	गोलगली, फोर्ट बम्बई में स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि का सारा टुकड़ा और उस पर बने हुए वाटिका गृह वासगृह और अस्तबल, जिसका क्षेत्रफल लगभग 173 और 62 वर्ग गज है ।	तदेव	तदेव	
	मद्रास							
	मद्रास सरकार आदेश संख्या 389-शिक्षा	25 जून, 1904						
	भारत सरकार रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 778-क, समय-समय पर यथा संशोधित	14 मई, 1949	लारेंस मेमोरियल स्कूल (लवडेल) निधि	(क) भारत सरकार के तीन प्रतिनिधि जिनमें से एक शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय से होगा जो इस निधि का अध्यक्ष होगा, एक वित्त मंत्रालय से होगा जो स्कूल का कोषाध्यक्ष होगा और एक सदस्य रक्षा मंत्रालय से होगा (ख) चार अन्य सदस्य भारत सरकार द्वारा नाम जद किए जायेंगे। (ग) माता पिता (घ) एक वृद्ध लारेंसिस्म	(क) मद्रास में स्थित भूमि जिसकी सर्वेक्षण संख्या 232 है और जिस का क्षेत्रफल 15 कानी, 18 ग्रांउड और 1678 वर्गफुट है और उस पर बनी इमारत जिसका नाम मद्रास सैनिक बालिका अनाथालय (मद्रास मिलिट्रीफीमेल आरफन असाईलम है (ख) नीलगिरि जिले में केटी और ऊटाकमंड में स्थित भूमि खंड जिनकी सर्वेक्षण संख्याएं और क्षेत्रफल इस प्रकार है :— ग्राम: | सर्वे सं० | क्षेत्रफल ए० सी० केटी 1158 12—57 1224—4 49—26 1354—2 606—55 1335—5 25—34 1355—5 4—20 1356—2 0—74 1356—4 1—06 1225 0—67	1,26,475.99 रु०	तदेव	इस संपत्ति पर असैनिक अनाथालय का कब्जा है । यह कब्जा इस शर्त पर दिया गया था कि वहां पर अनाथालय की लड़कियों के अलावा मद्रास असैनिक बालिका अनाथालय में पहले भर्ती गयी 30 अन्य बालिकाओं के भरण पोषण और शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी । शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय की दिनांक पहली मार्च 1975 की अधिसूचना संख्या एफ० 5-15/68/(डी० एस० ई०-6)/यू० टी० 2 की शर्तों के अनुसार कोषपाल को निधि की कुछ सम्पत्तियों से

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								वंचित कर दिया गया है। सरकार को सम्पत्ति के अन्तरित जाने कि ये सम्बन्धी कदम उठाये जा रहे हैं।
				ऊटाकमंड	5020 1.66-4/8			
					5018 0.55-5/8			
				केटी	1159-1 0-14			
					1161-1बी 1-65			
				ऊटाकमंड	4956 6.3-4/8			
उत्तर प्रदेश								
1. उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा विभाग अधिसूचना संख्या 602/XV 301 और 808 जी। XV/619/1923		क्रमशः 2 अप्रैल, 1918 और 29 नवम्बर, 1923	गिरौंडी कायस्थ पाठशाला अक्षय निधि मिरजापुर	प्रबन्ध समिति, जिसके अध्यक्ष मिरजापुर के कलक्टर होंगे और जिसमें स्व० मुंशी बिन्देश्वरी प्रसाद वकील की संपत्ति के निष्पादक सदस्य होंगे।	(क) जिला मिरजापुर पदेन के मुहल्ला बेलेजलीगज में स्थित तीन मकान जिनकी हदबंदी इस प्रकार है :—			
					(1) दक्षिण : श्री प्यारे लाल का मकान; उत्तर : मुसम्मात मुन्ना का मकान ; पश्चिम : गवर्नमेंट रोड; पूर्व : श्री सुमेर सुनार का मकान।	600.00 रु०	36.00	
					(2) दक्षिण: मुंशी बिन्देश्वरी प्रसाद वकील का मकान; उत्तर : मस्जिद; पश्चिम : श्री रामेश्वर तेली का मकान ; पूर्व: सड़क ।	600.00 रु०.	36.00	
					(3) दक्षिण : श्री धुद्ध का मकान ; उत्तर : मुंशी बिन्देश्वरी प्रसाद वकील का मकान ; पश्चिम : मुसम्मात उमराव का मकान; पूर्व : सड़क।	600.00 रु०	36.00	
					(ख) मिरजापुर जिले की चुनार तहसील के मौजा गिरौंडी में स्थित बाग।	600.00रु०	15.00	
					(ग) मिरजापुर जिला की चुनार तहसील के मौजा गिरौंडी में, उपर्युक्त (ख) में बताये गये बाग में स्थित पाठशाला।	50.00 रु०	मालूम नहीं	

पंजाब

चूंकि केन्द्रीय पूर्त अक्षय निधि से सम्बद्ध सम्पत्तियों का भारत और पाकिस्तान के बीच बटवारा अभी नहीं हुआ है, इसलिए इन सम्पत्तियों की सूची अभी तैयार नहीं की गई है।

भाग 2—प्रतिभूतियों की सूची और लेखा सारांश

मामला पूर्ण अक्षय संख्या	निधि का नाम	वे व्यक्ति जिनकी ओर से धारित है	प्रतिभूतियों का ब्यौरा	प्रतिभूतियों की कुल रकम	नकद	
					वसूल किया गया ब्याज या लाभांश	
1	2	3	4	5	6	
				रु०	रु०	रु०
भारत						
1.	खण्डपारा राज्य न्यास निधि	खण्डपारा राज्य न्यास निधि का न्यासी बोर्ड	तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड में मियादी जमा	30,600.00	30,600.00	2,218.50
2.	सशस्त्र सेना हितकारी निधि	सशस्त्र सेना हितकारी निधि की सामान्य समिति	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	8,00,400.00	8,00,400.00	24,012.00

प्राप्तियां		नकद व्यय		नकद शेष	टिप्पणी
अन्य नकद प्राप्तियां	नकद प्राप्तियों की कुल रकम	अदायगियां			
7	8		9	10	11
रु०	रु०		रु०	रु०	
—	2,218.50	दिया गया ब्याज	2,196.32		
		सरकार को दी गई फीस	22.18	—	
			2,218.50		
	रु०		रु०		
—	24,012.00	दिया गया ब्याज	23,771.88	—	
		सरकार को दी गई फीस	240.12		
			24,012.00		

1	2	3	4	5	6	
				रु०	रु०	रु०
3.	महिलाओं तथा बच्चों के लिए लेडी हार्डिंग अस्पताल (दिल्ली) की निधि	लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल का प्रशासनिक बोर्ड	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	8,05,800.00		
			4½ प्रतिशत ऋण 1986	7,300.00		
			4½ प्रतिशत ऋण 1977	25,300.00		
			राजकोष बचत/रक्षा जमा पत्र	19,500.00		
			राष्ट्रीय /प्रायोजना/रक्षा बचत पत्र	14,60,000.00	26,23,500.00	43,368.75
			तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास मियादी जमा	1,63,100.00		
			7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (निर्गम II)	41,000.00		
			6 प्रतिशत पश्चिम बंगाल राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1982	22,000.00		
			5¾ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1979	79,500.00		

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	
(क)	81,015.29	1,23,384.04	दिया गया ब्याज	41,628.24	55.00	(क) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :—
			सरकार को दी गई फीस	420.51		अवशेष 80,000.00
			(ख) अन्य अदायगियां	80,000.00		80,000 रुपये की परिशोधन प्राप्तियों को 79,984.71 रुपये की लागत पर 79,500 रुपये 5¾ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1979 में पुनः निवेश करने के पश्चात शेष बची रकम 15.29
				1,22,048.75		80,015.29
						(ख) यह रकम 5¾ प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1979 की प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी गयी रकम की द्योतक है ।
						स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।

1	2	3	4	5		6
				रु०	रु०	रु०
4.	सेंट डन्सटन्स (इंडिया) फण्ड	सेंट डन्सटन्स (इंडिया) फंड का न्यासी बोर्ड	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	92,900.00		
			4¾ प्रतिशत ऋण 1989	15,000.00	1,07,900.00 (ग)	3,499.50

7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०		
(ग)	60,000.00	63,499.50	दिया गया ब्याज	3,464.50		
			सरकार को दी गई फीस	35.00		
			(ग) अन्य अदायगियां	60,000.00		
				63,499.50		(ग) यह रकम दस वर्षीय रक्षा जमा पत्र के परिशोधन मूल्य की द्योतक है जो निधि प्राधिकारियों को वापस भेजी जा चुकी है।

1	2	3	4		5	6
5.	वायुसेना अधिकारी अंशदायी शिक्षा निधि	वायु सेना अधिकारी अंशदायी शिक्षा निधि की सामान्य समिति	राष्ट्रीय रक्षा पत्र	55,000.00		
			4½ प्रतिशत सग्राम ऋण 1976	40,100.00	95,100.00	12,279.74
6	थामस रोड बैन स्मारक निधि	अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान और कालेज, देहरादून	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	3,100.00	3,100.00	93.00

7	8	9		10	11
(घ)	1,50,000.00	1,62,279.74	दिया गया ब्याज	12,156.94		
			सरकार को दी गई फीस	122.80		
			(घ) अन्य अदायगियां	1,50,000.00		(घ) यह रकम 1,00,000 रुपये के दस वर्षीय रक्षा जमा पत्र तथा तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड में मियादी जमा के रूप में लगाये गये 50,000 रुपये की परिशोधन प्राप्तियों की द्योतक है जो निधि प्राधिकारियों को वापस की जा चुकी है।
				1,62,279.74		
		93.00	दिया गया ब्याज	92.06		
			सरकार को दी गई फीस	0.94		
				93.00		

1	2	3	4	5		6
				रु०	रु०	रु०
7.	केन्द्रीय युद्धोपरान्त पुनर्वास निधि	केन्द्रीय युद्धोपरान्त पुनर्वास निधि की प्रबन्ध समिति	4 प्रतिशत ऋण 1979	1,80,000.00	1,80,000.00	7,200.00
8.	भारतीय पाश्चर संस्थान	भारतीय पाश्चर संस्थान की संस्था के प्रशासक	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	66,900.00		
			4 प्रतिशत ऋण 1980	1,10,900.00		
			राष्ट्रीय आयोजना बचत पत्र	15,000.00	1,92,800.00	6,443.00
9.	राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण निधि	राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण निधि की सामान्य समिति	5½ प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1977	29,08,700.00		
			तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास मियादी जमा	23,00,000.00		
			5¾ प्रतिशत बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र, 1977	82,75,000.00		
			5¾ प्रतिशत बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र 1978	25,68,500 00	180,29,800.00	9,76,966.73
			5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश राज्य विकास ऋण 1977	19,77,600.00		

7	8		9	10	11
रु०	रु०		रु०	रु०	
—	7,200.00	दिया गया ब्याज	7,128.00		
		सरकार को दी गई फीस	72.00		
			7,200.00		
—	6,443.00	दिया गया ब्याज	6,378.56	—	
		सरकार को दी गई फीस	64.44		
			6,443.00		
—	9 76,966.73	दिया गया ब्याज	9 67,197.06	—	स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आय कर व अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
		सरकार को दी गई फीस	9,769.67		
			9,76,966.73		

1	2		3	4	5	6
				रु०	रु०	रु०
10.	पुस्तकालय विज्ञान के लिए शारदा रंगनाथन पूर्त अक्षय निधि	निधि की प्रबन्ध समिति	तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास मियादी जमा	3,80,000.00	3,80,000.00	23,050.00
11.	देहरादून स्थित वयस्क अन्ध प्रशिक्षण केन्द्र की कुमारी बीरमजी कांगा प्रशिक्षणार्थी कल्याण निधि	अधीक्षक, वयस्क अन्ध प्रशिक्षण केन्द्र देहरादून	रक्षा जमापत्र	10,350.00	54,350.00	2,866.30
			7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (तीसरा निर्गम)	39,600.00		
			6 प्रतिशत पश्चिम बंगाल राज्य बिजली बोर्ड बांड 1982	4,400.00		
12.	झंडा दिवस निधि	झंडा दिवस निधि की प्रबंध समिति	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	4,20,000.00	4,20,000.00	28,845.00

	7	8		9	10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
	—	23,050.00	दिया गया ब्याज	22,819.49		
			सरकार को दी गयी फीस	230.51		
				23,050.00		
(क)	11.00	2,877.30	दिया गया ब्याज	2,837.63	11.00	(क) यह अवशेष की द्योतक है जो निधि प्राधिकारियों को वापस की जा चुकी है ।
			सरकार को दी गई फीस	28.67		
			(क) अन्य अदायगियां	11.00		
				2,877.30		
(ख)	7,22,000.00	7,50,845.00	दिया गया ब्याज	28,556.54		
			सरकार को दी गई फीस	288.46		
			(ख) अन्य अदायगियां	7,22,000.00		(ख) यह रकम कुछ 4½ प्रतिशत ब्याज वाला राज्य सरकार ऋण 1974 के परिशोधन मूल्य की द्योतक है जो कि निधि प्राधिकारियों को वापस की जा चुकी है ।
				7,50,845.00		

1	2	3	4	5	6	
13.	युद्ध पीड़ितों और अपंग सैनिकों के लिए विशेष सहायता निधि	प्रबंध समिति, युद्ध पीड़ितों और अपंग सैनिकों के लिए विशेष सहायता निधि	5 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1984	1,50,16,700.00		
			तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास सावधि जमा	1,00,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला बंगलोर जल पूर्ति और जल-मल निकासी बोर्ड ऋण-पत्र बाण्ड 1984	7,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला केरल वित्त निगम बाण्ड 1983	2,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला आन्ध्र प्रदेश बिजली बोर्ड बाण्ड 1984	40,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला गुजरात आवासन बोर्ड ऋण 1983 (दूसरी श्रृंखला)	8,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला आन्ध्र प्रदेश सहकारी केन्द्रीय भूमि बंधक बैंक के ऋण पत्र 1982-87	1,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला उड़ीसा राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1984	45,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला असम राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1984 (1)	2,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला केरल राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1982	10,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला केरल राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1984	3,75,000.00		
			बिहार राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लि० के 6 प्रतिशत ब्याज वाले ऋण पत्र 1985	3,00,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड बांड 1982 (पहला निर्गम)	4,50,000.00		
			6 प्रतिशत ब्याज वाला गुजरात औद्योगिक विकास बांड 1983 (दूसरा निर्गम)	15,00,000.00	3,95,91,700.00	9,18,032.00
			6 प्रतिशत ब्याज वाले तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम बाण्ड 1984	4,50,000.00		

7	8		9	10	11
—	9,18,032.00	दिया गया ब्याज	9,08,851.67	—	स्तम्भ 6 में दिखाये गये ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
		सरकार को दी गई फीस	9,180.33		6 प्रतिशत ब्याज वाली उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड की प्रतिभूतियां जो निधि प्राधिकारियों की ओर से खरीदी गयी थी अभी भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त नहीं हुई हैं।
			9,18,032.00		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
महाराष्ट्र					
1. भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलोर की सम्पत्तियां)	भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलोर की परिषद	7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (तीसरा निगम)	2,200.00	2,200.00	119.90
2. भारतीय विज्ञान संस्थान (बम्बई की सम्पत्तियां)	भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलोर की परिषद	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	10,22,800.00	12,20,900.00	41,724.00
		5½ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2,000	1,40,300.00		
		5¾ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1982	57,800.00		

	7	8		9	10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(छ)	110.00	229.90	दिया गया ब्याज	108.90	119.90	(छ) यह राशि अधशेष की द्योतक है।
			सरकार को दी गई फीस	1.10		
				110.00		
(ज)	15,369.02	57,033.02	दिया गया ब्याज	56,495.34	27.02	(ज) यह राशि अधशेष की द्योतक है।
			सरकार को दी गई फीस	570.66		
				57,066.00		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
3. कराची के फकीरजी कोवासजी की छात्रवृत्ति निधि	कप्तान-अधीक्षक प्रशिक्षण पोत, "राजेन्द्र" ग्राफ न्यू फेरी वर्फ, बम्बई-9	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	60,000.00	60,000.00	1,386.00
4. वैटफील्ड स्मारक पुरस्कार निधि	1. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय पूना 2. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, धारवाड़। 3. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, अहमदाबाद	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	200.00	200.00	6.00
5. गणेश बलवन्त लिमये छात्रवृत्ति निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	56,000.00	56,000.00	1,680.00

	7	8	9	10	11	12
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(झ)	1,107.00	2,493.00	दिया गया ब्याज (घ) अन्य भुगतान सरकार को दी गई फीस	2,052.00 414.00 27.00 2,493.00		(झ) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :— अधशेष 693.00 आयकर और अधिभार का प्रत्यर्पण जो निधि प्राधिकारियों को वापस किया जा चुका है 414.00 1,107.00 स्तम्भ 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
(ञ)	28.25	34.25	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	— 0.06 3.46 0.04 3.46 0.04 7.06	27.19	(ञ) यह रकम अधशेष की द्योतक है। चूंकि संस्थान पहली अप्रैल 1964 से बन्द पड़ा है इसलिए ब्याज की रकम रख ली गयी है।
(ट)	840.00	2,520.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	2,494.80 25.20 2,520.00	—	(ट) यह रकम अधशेष की द्योतक है।

1	2	3	4	5	6
6. सर विलियम मूरे स्मारक निधि	निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महाराष्ट्र राज्य बम्बई	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	1,100.00	1,1009.00	33.00
7 बम्बई प्रेजीडेंसी में मुसलमानों में शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए काजी शाहबुद्दीन अक्षय निधि	निदेशक, शिक्षा महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	1,45,300.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1981	5,100.00	1,50,400.00	4,652.24
8. अंग्रेजी में एस०एस०सी० परीक्षा सम्बन्धी पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	400.00	400.00	282.00

	7	8	9	10	11	12
(ठ)	16.50	49.50	दिया गया ब्याज	48.99		(ठ) तदैव
			सरकार को दी गई फीस	0.51		
				49.50		
(ड)	2,326.12	6,978.36	दिया गया ब्याज	6,908.55	--	(ड) तदैव
			सरकार को दी गई फीस	69.81		
				6,978.36		
(ढ)	3,006.00	288.00	दिया गया ब्याज	285.12	3,000.00	(ढ) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :—
			सरकार की दी गई फीस	2.88		यथाशेष 6.00
				288.00		3000 रुपये की 4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई पत्तन न्यास ऋण 1974-75 की परिशोधन प्राप्तियां जिन्हें पहली जनवरी 1975 को वापस दे दिया गया था । पुनः निवेश सम्बन्धी आदेश की प्रतीक्षा की जा रही है । 3,000.00
						3,006.00

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
9. कृषि और शिक्षा संबंधी सर सेसून डेविड न्यास निधि	कृषि और सहकारिता विभाग, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई के सचिव के मार्फत निधि का न्यासी बोर्ड	5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1983	7,51,100.00	7,51,100.00	43,188.24
10. बम्बई राज्य परिवीक्षा और अनुरक्षण संस्था निधि	अध्यक्ष बम्बई राज्य परिवीक्षा और अनुरक्षण संस्था बी० आई० टी० ब्लाक संख्या 33, किंग्स सर्किल मांटुगा, बम्बई-19	5½ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1978	14,000.00		
		3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	7,000.00	21,000.00	980.00
11. भारतीय इम्पीरियल सहायता (छात्रवृत्ति) निधि	शिक्षा, निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	25,200.00	25,000.00	756.00
12. सावित्री बाई कृष्णाबरा उपलप छात्रवृत्ति	तदेव	तदेव	12,800.00	12,800.00	384.00
13. बम्बई प्रदेश कृषि प्रदर्शनी निधि	कृषि निदेशक, महाराष्ट्र राज्य पूना	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	4,16,000.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1979	2,000.00	4,18,000.00	12,595.00

7	8	9	10	11	12
..	43,188.24	दिया गया ब्याज	42,756.36	..	
		सरकार को दी गई फीस	431.88		
			43,188.24		
(ण) 490.00	1,470.00	दिया गया ब्याज	1,455.30		(ण) यह राशि अवशेष की द्योतक है।
		सरकार को दी गई फीस	14.70		
			1,470.00		
(त) 378.00	1,134.00	दिया गया ब्याज	1,122.66	..	(त) —तदेव—
		सरकार को दी गई फीस	11.34		
			1,134.00		
(थ) 192.00	576.00	दिया गया ब्याज	570.24	..	(थ) —तदेव—
		सरकार को दी गई फीस	5.76		
			576.00		
(द) 6,297.50	18,892.50	दिया गया ब्याज	18,703.56	..	(द) —तदेव—
		सरकार को दी गई फीस	188.94		
			18,872.50		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
14. डा० रामचन्द्र कि तार्मः पोरेदी छात्रवृत्ति नि धि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य पूना	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	11,100.00	11,100.00	333.00
15. सर कुसरो वाडिया न्यास निधि	निधि के शासी निकाय के अध्यक्ष द्वारा सचिव, कृषि और सहकारिता विभाग महाराष्ट्र सरकार बम्बई	4-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1976	12,81,300.00	12,81,300.00	60,861.74
16. युद्धोपरान्त सैन्य पुर्नि र्मा ण निधि (राजस्थान ांश)	निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एस० एस० तथा ए० बोर्ड, पूना-1	5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1982	6,400.00	11,100.00	587.75
		3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	1,200.00		
		6 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1984	3,500.00		
17. भारतीय वाणिज्य ना विकों के लिये युद्ध स्मारक निधि 1947	इण्डियन सेलर्स होम सोसाइटी की प्रबन्ध समिति, मस्जिद बन्दर सार्किग रोड, बम्बई-9	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	21,32,900.00	21,32,900.00	63,987.00

	7	8	9	10	11	12
		रु०		रु०		
(ध)	166.50	499.50	दिया गया ब्याज	494.49	..	(ध) यह राशि अर्थ शेष की द्योतक है।]
			सरकार को दी गई फीस	5.01		
				499.50		
(न)	97.08	60,958.82	दिया गया ब्याज	60,253.12	97.08	(न) —तदैव—
			सरकार को दी गई फीस	608.62		
				60,861.74		
(प)	3,518.00	4,105.75	दिया गया ब्याज	599.69	35.00	—तदैव—
			(य) सरकार को दी गई फीस	6.06		
			(फ) अन्य अदायगियां	3,465.00		
				4,070.75		
(भ)	31,993.50	95,980.50	दिया गया ब्याज	95,020.68	..	(भ) —तदैव—
			सरकार को दी गई फीस	959.82		
				95,980.50		

1	2	3	4	5	6
18. होमी मेहता विजय धन्य-वाद निधि (राजस्थान अंश)	निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एस० एम० तथा ए० बोर्ड पूना-1	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	800.00	1,300.00	50.74
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2003	100.00		
		6 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1984	400.00		
19. एल०टी० मंडके पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	1,600.00	1,600.00	48.00

7	8	9	10	11	12	
(म) 412 00	462 74	दिया गया ब्याज	62.11	4.00	(प) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है:—	
		सरकार को दी गई फीस	0.63			
		(य) अन्य अदायगियां	396.00			
			458.74		अधशेष	18.00
					3,500 रुपये की 4½ प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र ऋण 1974 की परिशोधन प्राप्तियां जिन्हें 27 अगस्त, 1974 को लौटा दिया गया था।	3,500.00
						3,518.00
					(फ) यह रकम 3,500 रुपये के 6 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र ऋण 1984 की लागत की द्योतक है।	
(र) 24.00	72.00	दिया गया ब्याज	71.28	24.00	(र) यह राशी अधशेष की द्योतक है	
		सरकार को दी गई फीस	0.72			
			72.00			

1	2	3	4	5	6
20. कुमारी मणिकबाई सवेब, शिन्दे पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1896-97	1,000.00	1,000.00	30.00
21. मराठा युद्ध स्मारक निधि	मराठा युद्ध स्मारक निधि के अवैतनिक सचिव मराठा लाईट इन्फेंटरी रेजिमेंटल सेंटर, बेलगांव	5½ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2000 3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण 1946	9,100.00 5,45,300.00	5,54,400.00	16,801.50
22. सर एम० बी० जोशी न्यास निधि	प्रिंसिपल, कृषि कालेज, पूना	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946 5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2002	12,800.00 500.00	13,300.00	412.74
23. कुमारी क्लार्क स्मारक उपचय निधि	भारत की नारियों को स्त्री रोग चिकित्सा सहायता तथा शिक्षा प्रदान करने वाली राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के अध्यक्ष द्वारा श्री आर० एन० भावनगरी एस० बी० बिल्लीमोरिया एंड कम्पनी, चार्टर्ड एका-उन्टेंट, 113, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-1	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	11,000.00	11,000.00	330.00

7		8	9	10	11	12
				रु०	रु०	रु०
	..	30.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	29.70 0.30 30.00	..	
(कख)	8,215.41	25,016.91	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	24,730.60 250.40 24,981.00	35.91	(कख) यह रकम अथशेष की द्योतक है । स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है
(कग)	192.00	604.74	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	598.70 6.04 604.74	..	(कग) यह राशि अथशेष की द्योतक है
(कघ)	165.00	495.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	490.05 4.95 495.00	..	(कघ) —तदेव—

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
24. बरजोरजी मानेकजी सुतारिया पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	2,000.00	2,000 00	60.00
25. कैम्पबेल स्मारक निधि	एशियाटिक सोसाइटी की बम्बई शाखा की प्रबन्ध समिति, टाउन हाल बम्बई-1	5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1984	4,900.00	4,900 00	281.74

7	8	9	10	11	12
			रु०	रु०	रु०
(कङ) 30.00	90.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	89.10 0.90 90.00	..	(कङ) यह रकम अवशेष की द्योतक है।
(कच) 140.87	422.61	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	418.38 4.23 422.61	..	(कच) —तदैव—

1	2	3	4	5	6
26. सर जमशेदजी जेजी भाई पारसी हितकारी संस्था	सचिव, सर जे० जे० पी० बी० संस्था 209 डा० दादाभाई नौरोजी रोड, फोर्ट, बम्बई-1	स्टेट बैंक के शेयर	1,300.00		
		3 प्रतिशत ऋण 1896-97	6,900.00		
		3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	12,99,500.00		
		4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1981	500.00		
		4-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1989	500.00		
		6 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1984	3,000.00		
		4-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण 1976	7,000.00		
		पालिका के ऋण पत्र 5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2001	8,80,800.00		
		4-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण 1976	2,000.00		
		$5\frac{1}{2}$ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1978	4,400.00		
		$5\frac{1}{2}$ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1977	500.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण 1979	2,500.00		

1	2	3	4	5	6
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण 1980	2,500.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1982	11,400.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1981	8,900.00		
		6 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र राज्य बिजली बाण्ड 1981	3,36,200.00		26,29,300.00
		6 प्रतिशत ब्याज वाला बम्बई नगरपालिका के ऋण पत्र 1983	20,500.00		
		5½ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1999	10,500.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2002	3,400.00		
		6 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1998	11,300.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2003	15,200.00		
		5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1985	500.00		1,15,929.48

7	8	9	10	11	12
(कछ) 49,559.89	1,45,489.37	दिया गया ब्याज	1,35,681.69	75.46	(कछ) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है:— अग्रशेष 35,123.25 4-1/2 प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1974 की परिशोधन प्राप्तियां जिन्हें 27 अगस्त 1974 को लौटा दिया गया था 3,000.00 4 प्रतिशत ब्याज वाला बम्बई पत्तन न्यास ऋणपत्रों की परिशोधन प्राप्तियां जिन्हें पहली जनवरी 1975 को लौटा दिया गया था 11,000.00 आयकर अधिभार का प्रत्यर्पण 399.00
		(कज) अन्य भुगतान	28,361.18		
		सरकार को दी गई फीस	1,371.04		
			1,65,413.91		

7	8	9	10	11	12	
					4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई पत्तन न्यास ऋण पत्रों की परिशोधन प्राप्तियों को 10,962.36 रुपये की लागत पर 11,300 रुपये के मूल्य के 6 प्रतिशत वाला ऋण 1998 में पुनः निवेश करने के पश्चात् अनिवेशित शेष	37.64
						49,559.89
					(कज) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है:— 15,200 रुपये के मूल्य के 5-3/4 प्रतिशत वाला ऋण 2003 की लागत	13,992.18
					3,000 रुपये के मूल्य के 6 प्रतिशत वाला महाराष्ट्र ऋण 1984 की लागत	2,970.00
					निवेश के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी गयी रकम	11,000.00
					निधि प्राधिकारियों को वापस दी गयी कर की रकम	399.00
						28,361.18
					स्तम्भ 6 में दिखायी गयी कर की रकम में स्रोत पर काटी गयी आय कर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
27. भारत की नारियों को स्त्री रोग चिकित्सा और सहायता और शिक्षा प्रदान करने की राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा	राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के कोषाध्यक्ष, द्वारा	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	2,18,100.00		
	श्री आर० एन० भावनगरी एस० बी० बिल्लीमोरिया एण्ड कम्पनी 113, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-1	5½ प्रतिशत ब्याज वाला महाराष्ट्र ऋण 1981	30,000.00	2,48,100.00	8,268.00
28. रुस्तमजी जमशेदजी जेजी भाई गुजराती विद्यालय, निधि	सचिव, सर जे० जे० पारसी हितकारी संस्था 209, डा० दादा भाई नौरोजी रोड, फोर्ट बम्बई	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946	72,000.00	72,000.00	2,160.00
29. भूतपूर्व संगली राज्य द्वारा रखी गई किंग एडवर्ड स्मारक निधि	शिक्षा निदेशक महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपांतरण ऋण, 1946	49,100.00		
		3 प्रतिशत ब्याज वाला ऋण, 1996-97	1,200.00	50,300.00	3,772.50

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(कज)	4,134.00	12,402.00	दिया गया ब्याज	12,277.95	..	(कज) यह रकम अधशेष की द्योतक है ।
			सरकार को दी गई फीस	124.05		
				4,134.00		
(कझ)	1,080.00	3,240.00	दिया गया ब्याज	3,207.60	..	(कझ) -तदेव-
			सरकार को दी गई फीस	32.40		
				3,240.00		

दिया गया ब्याज	3,734.77
सरकार को दी गई फीस	37.73
	3,772.50

मद्रास

1	लारेन्स स्मारक (लवडेल) निधि	(क) विद्यालय भारत सरकार के तीन प्रतिनिधि, जिनमें से एक शिक्षा तथा वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय से होगा, जो अध्यक्ष होगा, एक सदस्य वित्त मंत्रालय से होगा जो विद्यालय का कोषाध्यक्ष होगा और एक सदस्य रक्षा मंत्रालय से होगा : (ख) चार अन्य सदस्य जिनको भारत सरकार नामजद करेगी (ग) माता पिता (घ) एक वृद्ध लारेंसियन	$4\frac{1}{2}$ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1986 3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946 $5\frac{1}{2}$ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1990 त० औ० निवेश निगम लि० के पास मीयादी जमा मीयादी जमा	16,400.00 7,90,900.00 16,000.00 71,600.00 1,00,000.00	13,44,300.00	50,775.40

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(कट)	4,06,887.89	4,57,663.29	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	54,679.68 552.32	53,031.29	(कट) शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय की दिनांक पहली मार्च 1975 की अधिसूचना संख्या एफ० 5-15/68/(सी० बी० एस० ई०-6) डब्ल्यू० टी० 2 की शर्तों के अनुसार कोषपाल को निधि की परिसम्पत्तियों से वंचित कर दिया गया है। प्रतिभूतियों के सरकार को अन्तरित किये जाने सम्बन्धी कदम उठाये जा रहे हैं । क यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :— अवशेष 57,393.89 तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड में मियादी जमा के रूप में लगाई गयी पूंजी की परिशोधन प्राप्तियां 3,46,000.00 3,49,400 की 6 प्रतिशत ब्याज वाली तमिलनाडु ऋण 1984 की प्रतिभूतियां खरीदने से हुआ लाभ 3,494.00 4,06,887.89
(कण)			अन्य अदायगियां	3,49,400.00		(कण) यह रकम 3,49,400 के 6 प्रतिशत ब्याज वाले तमिलनाडु ऋण 1984 की लागत की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी ब्याज और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
				4,04,632.00		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
2. विक्टोरिया जयन्ती छात्रवृत्त अक्षय निधि मंगलोर	एक समिति जिसके सदस्य हैं 1. दक्षिण कनारा के जिला न्यायाधीश (अध्यक्ष) 2. दक्षिण कनारा के जिला बोर्ड के अध्यक्ष 3. मंगलोर नगर परिषद के सभापति 4. दक्षिण कनारा के जिला शिक्षा अधिकारी	3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण, 1946	35,400.00	35,400.00	1,062.00
3. जोमागडला रंगैया चेट्टी कालेज छात्रवृत्ति निधि, मद्रास	कालेज शिक्षा के निदेशक, मद्रास	6 प्रतिशत ब्याज वाला तमिलनाडु ऋण 1984	3,000.00		
		3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण, 1946	32,400.00		
		5¾ प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण, 1980	3,200.00	41,700.00	1,521.40
		5¾ प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण, 1979	400.00		
		5¾ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण, 2001	2,700.00		

7		8		9	10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(कट)	3,127.98	4,189.98	दिया गया ब्याज	2,460.00	1,705.25	(कट) यह रकम अधशेष की द्योतक है
			सरकार को दी गई फीस	24.73		
				2,484.73		
(कठ)	5,322.43	6,843.84	(कल) अन्य भुगतान	9,000.00	3,843.84	(कठ) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :— अधशेष 2,292.43; 3,000 रुपये के 4½ प्रतिशत ब्याज वाला मद्रास ऋण 1974 की परिशोधन प्राप्तियां 3,000.00; 3,000 रुपये की 6 प्रतिशत ब्याज वाली तमिलनाडु ऋण 1984 की प्रतिभूतियां खरीदने से हुआ लाभ 30.00; 5,322.43
						(कल) यह रकम 3,000 रुपये के 6 प्रतिशत ब्याज वाले तमिलनाडु ऋण 1984 की लागत की द्योतक है ।

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
4. ब्रिग स्मारक अक्षय निधि मद्रास	विद्यालयी शिक्षा निर्देशक, मद्रास और कलेक्टर मद्रास	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	11,500.00	12,600.00	394.24
		5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1981	1,100.00		
5. जे० एम० ओर्ल स्मारक अक्षय निधि, मद्रास	दक्षिण रेलवे के मुख्य अभियन्ता, मद्रास	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	300.00		
		5¾ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1982	1,200.00		
		5¾ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1983	100.00	1,600.00	67.74
पश्चिमी बंगाल					
1. भारतीय अकाल सहायता न्यास	प्रबन्धक बोर्ड, नई दिल्ली	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	32,78,400.00	32,78,400.00	
2. यहूदी पूर्त अक्षय निधि	मूसा बोर्ड कलकत्ता	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	38,000.00		
		5¾ प्रतिशत पश्चिम बंगाल ऋण, 1983	59,700.00	97,700.00	

	7	8	9	10		11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(कड)	2,768.22	3,162.46	दिया गया ब्याज	768.75	2,385.94	यह रकम अवशेष की द्योतक है।
			सरकार को दी गई फीस	7.77		स्तम्भ 6 में दिखाई गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये ब्याज और अधिभार की रकम शामिल है।
				776.52		
(कड)	827.74	893.48	..	..	893.48	यह रकम अवशेष की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखाई गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये ब्याज और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
पश्चिमी बंगाल						
1.	..	98,352.00	दिया गया ब्याज	97,368.48	..	
			सरकार को दी गई फीस	983.52		
				98,352.00		
2. (खख)	1,321.31	5,104.11	दिया गया ब्याज	5,053.08	..	(खख) यह रकम अवशेष की द्योतक है।
			सरकार को दी गई फीस	51.03		
				5,104.11		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
3. वाणिज्यिक बेड़े के अधिकारियों और नाविकों की चिकित्सा सहायता निधि मध्य प्रदेश	सिविल सर्जन और महासचिव अस्पताल न्यास निधि समिति, चटगांव	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	10,000.00	10,000.00	..
1. नवाब सुल्तान जहां बेगम शिक्षा अक्षय निधि, भोपाल	गवर्नर बोर्ड जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं:—	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	9,24,400.00		
	(1) महामान्य सिकन्दर सौलन इफ्तिखार-उल-मुल्क नवाब मुहम्मद हमीदुल्ला खां ;	5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1982	4,24,500.00	13,48,900.00	40,148.74
	(2) श्री महावीर प्रसाद वर्मा, भूतपूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, भोपाल ;				
	(3) श्री मुहम्मद अहमद अन्सारी, भूतपूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय भोपाल ;				
	(4) कर्नल यमीमलमुल्क नवाबजादा रशीदुज्जफर खां बहादुर ; और				
	(5) मुतमिदुल इंशा अली कादिर, श्री सैयद माशूक अली, महामान्य नवाब भोपाल के सर्फेखास विभाग के सचिव				

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(गग)	1,389.25	1,389.25	..	..	1,389.25	(गग) यह रकम अर्धशेष की द्योतक है।
(कघ)	766.18	50,914.92	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	50,165.68 660.06 50,825.74	89.18	(कघ) यह रकम अर्धशेष की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।

1	2	3	4	5	6
2. सी०पी० और बरार किंग एडवर्ड स्मारक समिति निधि	सचिव, शासी निकाय किंग एडवर्ड स्मारक समिति नागपुर	3 प्रतिशत ऋण 1896-97	19,000.00		
		5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	1,85,900.00		
		3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	2,42,800.00	2,47,700.00	28,548.48
3. सी० पी० कृषि और उद्योग सुधार निधि	सचिव शासी निकाय कृषि और उद्योग नागपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,24,000.00	1,29,900.00	6,122.86
		5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण 1979	5,900.00		
4. एन्सन गार्डिनर स्मारक छात्रवृत्ति निधि	नागपुर का विशप	5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	3,800.00		
		3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	400.00	4,200.00	3,54.00

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(कण)	36.97	28,555.45	दिया गया ब्याज	28,177.60	36.97	(कण) यह रकम अधशेष की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखायी गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
			सरकार को दी गई फीस	370.88		
				28,548.48		
(कत)	130.13	62,521.99	दिया गया ब्याज	6,171.79	..	(कत) यह रकम अधशेष की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्त्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
			सरकार को दी गई फीस	81.20		
				6,252.99		
(कथ)	11.17	365.17	दिया गया ब्याज	347.40	13.17	(कथ) यह रकम अर्धशेष की द्योतक है। पिछले वर्ष आयकर में जो 2 रुपये की अधिक अदायगी की गयी थी उसे चालू वर्ष में वसूल कर लिया गया है। स्तम्भ 6 में दिखायी गई ब्याज की रकम में स्त्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
			सरकार को दी गई फीस	4.60		
				352.00		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
5. सौभाग्यवती कृष्णाबाई बाल कृष्णा सूले पुरस्कार निधि	नागपुर परिमण्डल के विद्यालयों की निरीक्षिका, नागपुर	5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	200.00	200.00	19.00
6. राय बहादुर बन्धुजी, जनार्दन चौबल पुरस्कार निधि	सचिव, विदर्भ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नागपुर	5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	900.00	900.00	77.48
7. रामचन्द्र ठाकुर पुरस्कार निधि	सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मध्य प्रदेश, भोपाल	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	500.00	500.00	23.00

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(कफ)	292.85	311.85		..	311.85	(कफ) यह रकम अथशेष की द्योतक है । स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्त्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
(कब)	390.23	467.71	..	..	467.71	(कब) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है। अथशेष 390.15 पिछले वर्ष के खाते में शामिल किये गये स्टाक में सरकारी बचतपत्रों के रूपान्तरण के लिये भारतीय रिजर्व बैंक नागपुर द्वारा बैंक कमीशन न लिया जाना 0.08 390.23
		23.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस	22.68 0.32 23.00	..	स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्त्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
8. ब्राउनिंग छात्रवृत्ति और ब्राउनिंग शिक्षक छात्र-वृत्ति निधि	कलक्टर, नागपुर, शिक्षा निदेशक, मध्य प्रदेश भोपाल और विद्यालय निरीक्षक, नागपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1979	11,600.00 2,200.00	13,800.00	540.00
9. हार्डिंग पदक निधि	शिक्षा निदेशक, मध्य प्रदेश, भोपाल	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	2,100.00	2,100.00	102.00
10. मेहयू और स्पेंस रजत पदक निधि	जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर	5¾ प्रतिशत मध्य प्रदेश, ऋण 1983	500.00	500.00	43.53
11. पंडित प्रेमशंकर गंगाशंकर ठाकुर छात्रवृत्ति निधि	मुख्य कार्यकारी अधिकारी जनपद सभा, दमोह	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	7,100.00	7,100.00	330.00

7	8	9		10	11
रु०	रु०	..	रु०	रु०	
(कम) 78.44	618.44	दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस	533.04 6.96 ——— 540.00 ———	78.44 (कम)	यह रकम अधशेष की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
..	102.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	100.72 1.28 ——— 102.00 ———		स्तम्भ 6 में दिखायी गयी रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है
(कम) 118.22	161.75	दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस	65.18 0.85 ——— 66.03 ———	95.72 (कम)	यह रकम अधशेष की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
	330.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	325.72 4.28 ——— 330.00 ———	..	स्तम्भ 6 में दिखायी गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
12. रेवाशंकर पंड्या हाई स्कूल छात्रवृत्ति निधि	मंडल शिक्षा अधीक्षक जबलपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	5,000.00	5,000.00	235.00
13. लक्ष्मीबाई छात्रवृत्ति निधि	जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	2,600.00	2,600.00	109.00
14. बुडवर्न छात्रवृत्ति निधि	प्रिंसिपल राजकुमार कालेज रायपुर	5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण 1983	2,400 00		
		3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	8,300.00	10,700 00	597.00
15. मध्य प्रदेश राज्य क्षय रोग संस्था निधि	अवैतनिक सचिव, मध्य-प्रदेश राज्य क्षयरोग संस्था, नागपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	64,100.00	64,100.00	2,962.00

7	8	9		10	11
रु०	रु०		रु०	रु०	
..	235.00	दिया गया ब्याज	232.00	..	स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
		सरकार को दी गई फीस	3.00		
			235.00		
...	109.00	दिया गया ब्याज	107.44	..	स्तम्भ 6 दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
		सरकार को दी गई फीस	1.56		
			109.00		
(कम) 44.63	641.63	दिया गया ब्याज	589.24	44.63	(कम) यह रकम अवशेष की द्योतक है । स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
		सरकार को दी गई फीस	7.76		
			597.00		
..	2,962.00	दिया गया ब्याज	2,923.52		स्टाम 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
		सरकार को दी गई फीस	38.48		
			2,962.00		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
बिहार					
1. बुड हाउस स्मारक निधि	कलक्टर, भागलपुर	रक्षा जमा-पत्र	1,100.00	1,100.00	49.50
2. राजा रघुनंदन प्रसाद न्यास निधि	अवैतनिक कोषाध्यक्ष, बिहार एस० पी० सी० ए० सदाकत आश्रम, पटना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,600.00	1,600.00	48.00
3. सर फखरुद्दीन स्मारक, स्वर्ण पदक निधि	शिक्षा निदेशक, बिहार पटना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,100.00	1,100.00	33.00
उत्तर प्रदेश, अलीग					
1. तसद्दुक रसूल अरबी, छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	कोषाध्यक्ष, मुस्लिम विश्व-विद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	20,200.00	20,200.00	303.00
2. सर सैयद अहमद स्मारक न्यास	रजिस्ट्रार, मुस्लिम विश्व-विद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,16,000.00	1,16,000.00	1,740 00

7	8	9	10	11
रु०	रु०	रु०	रु०	
			..	
..	49.50	दिया गया ब्याज 49.00 सरकार को दी गई फीस 0.50 49.50	..	
..	48.00	दिया गया ब्याज 47.52 सरकार को दी गई फीस 48 48.00	..	
	33.00	दिया गया ब्याज 32.66 सरकार को दी गई फीस 0.34 33.00	..	
..	303.00	दिया गया ब्याज 299.97 सरकार को दी गई फीस 3.03 303.00		
..	1,740	दिया गया ब्याज 1,722.60 सरकार को दी गई फीस 17.40 1,740.00	..	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
3 सर विलियम मैरिस छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	कुलपति मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	6,100 00	6,100 00	96 00
इलाहाबाद					
4 रीवा छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट इंटर कालेज, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	4,100 00	4,100 00	61 50
5 पन्ना छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	5,200 00	5,200 00	78 00
6 विजयनगरम छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट इंटर कालेज, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	14,800 00	14,800 00	222 00
7 विजयनगरम् छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	रजिस्ट्रार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	26,000 00	26,000 00	390 00

7	8	9		10	11
रु०	रु०		रु०	रु०	
	96 00	दिया गया ब्याज	95 04		
		सरकार को दी गयी फीस	0 96		
			96 00		
..	61 50	दिया गया ब्याज	60 88		
		सरकार को दी गयी फीस	0 62		
			61 50		
	78 00	दिया गया ब्याज	77 22	.	
		सरकार को दी गयी फीस	0 78		
			78 00		
	222 00	दिया गया ब्याज	219 78	.	
		सरकार को दी गई फीस	2 22		
			222 00		
.	390 00	दिया गया ब्याज	386 10	..	
		सरकार को दी गई फीस	3 90		
			390 00		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
8. वाराणसी साधोलाल [छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	उपकुलपति, वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	15,000 00	45,000 00	675 00
9. काठियावाड़ संस्कृत छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	तदेव	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	9,100 00	9,100 00	136.50
10. रीवा छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	5,800 00	5,800.00	87 00
11. नागरी प्रचारिणी सभा अक्षय निधि न्यास	सचिव, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,63,100.00	1,63,100 00	2,383 50
12 महाराज कुमार सुधांशु शेखर सिंह देव, सोनपुर संपदा के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी उड़ीसा पदक अक्षय निधि न्यास	कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,500 00	1,500 00	22 50

7	8	9		10	11
रु०				रु०	
..	675 00	दिया गया ब्याज	668.25	..	
		सरकार को दी गई फीस	6.75		
			675.00		
..	136.50	दिया गया ब्याज	135.13	..	
		सरकार को दी गई फीस	1 37		
			136.50		
..	87.00	दिया गया ब्याज	86 13	..	
		सरकार को दी गई फीस	0.87		
			87.00		
..	2,383.50	दिया गया ब्याज	2,359 03	..	स्तम्भ 6 में दिखायी गयी ब्याज की रकम में 18,300/– रुपये की प्रतिभूतियां पर स्त्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
		सरकार को दी गई फीस	24.47		
			2,383.50		
	22.50	दिया गया ब्याज	22.27	..	
		सरकार को दी गई फीस	0.23		
			22.50		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
13 बस्ती की रानी भुवन राज लक्ष्मी देवी अक्षय निधि न्यास	रजिस्ट्रार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	7,300 00	7,300.00	109.50
पौड़ी गढ़वाल					
14 गढ़वाल क्षेत्रिय शिक्षा न्यास निधि	सचिव, गढ़वाल क्षत्रिय शिक्षा न्यास निधि पौड़ी गढ़वाल	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	51,800.00	51,800 00	777 00
लखनऊ					
15 नगर शिक्षा अक्षय निधि न्यास, अपर इंडिया, लखनऊ	सचिव, नगर शिक्षा अक्षय निधि न्यास, अपर इंडिया, लखनऊ	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	16,600 00		
		7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (तीसरा निर्गम)	19,400 00	36,000 00	1,232 30
16 कप्तान कु० इन्द्रजीत सिंह, एम०सी०आई०एम० एस०, स्मारक अनुसंधान छात्रवृत्ति अक्षय निधि	प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, लखनऊ	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,06,600 00	1,06,600 00	1,599.00
मिर्जापुर					
17. गिरौंडी कायस्थ पाठशाला अक्षय निधि न्यास	कलक्टर, मिर्जापुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,600.00	9,150.00	24 00
		7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (दूसरा निर्गम)	7,550 00		

7	8		9	10	11
	रु०		रु०	रु०	
...	109 50	दिया गया ब्याज	108.40		
		सरकार को दी गई फीस	1.10		
			109 50		
	777 00	दिया गया ब्याज	769 23		
		सरकार को दी गई फीस	7.77		
			777.00		
(कक) 108.90	1,341 20	दिया गया ब्याज	1,196.91	131 97 (कख)	यह रकम अधशेष की द्योतक है। 131 97 रुपये का बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया इलाहाबाद से प्राप्त नहीं हुआ है।
		सरकार को दी गई फीस	12 32		
			1,209.23		
...	1 599 00	दिया गया ब्याज	1,583.01		
		सरकार को दी गई फीस	15.99		
			1,599.00		
	24.00	दिया गया ब्याज	23.76		
		सरकार को दी गई फीस	0 24		
			24.00		

1	2	3	4	5	6	7
पंजाब						
भारत और पाकिस्तान के बीच केन्द्रीय पूर्त अक्षय निधियों में सम्बन्धित प्रतिभूतियों का विभाजन न हो सकने के कारण प्रतिभूतियों की सूची तैयार नहीं की जा सकी ।						
1.	भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए पांडिचेरी विशेष निधि	सचिव, सैनिक, नाविक और वायु सैनिक बोर्ड	5¾ प्रतिशत ब्याज वाला कृषि पुनर्वित्त बाण्ड	1,000 00	1,000 00	.

[सं० एफ० 1/1/75-टी०सी०ई०]

मंगल राम पाल, कोषपाल

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Treasurer of Charitable Endowments for India)

New Delhi, the 15th June, 1975

S.O 2416.—The following list of properties and of securities as on the 31st March, 1975 and abstract of accounts of interest for the year 1974-75 in respect of Charitable Endowments (Central) held by the Treasurer of Charitable Endowments for India or his agents under the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), are published for general information

Part I—List of Properties other than Securities

Sl. No.	Particulars of Vesting Order: No.	Particulars of Vesting Order: Date	Name of endowment	Administrators of Property	Property held: Description	Property held: Value	Property held: Annual Income, if known	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9
INDIA								
1.	Ministry of Health Notification No. F.4-3(2)53-MI as amended by the Ministry of Health Notification No. F.4-2/61 MII (ME).	12-6-1953 27-11-1963	The Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi, Fund.	Board of Administration, Lady Hardinge Medical College and Hospital	Land and buildings of the Lady Hardinge Medical College and Hospital, Delhi together with all fixtures, furniture, equipment, etc. The area of the Lady Hardinge Medical College and Hospital Delhi—49.82 acres. Location—Punchkuin Road, Boundaries : North—Punchkuin Road South—Lady Hardinge Road. East—Connaught Circus. West—Baird Road. Survey No. CF-2370. L.DO. No. 94 Terms—Leased to the institution by the Land and Development Officer, Delhi on a nominal rental of Re. 1 per annum. Number of buildings including Mosque, Church, etc. 71 in all Approximate cost of building assessed by the Land and Development Officer, Delhi. Rs. 63,50,537-	Rs 63,50,537 00	Not known	
2.	Ministry of Health Notification No. F. 14-26 61-Instt.	31-8-1962	Pasteur Institute of India.	Administrator of the Pasteur Institute of India.	1. Anti-Rabies Research Centre building, Kasauli. 2. Lady Linlithgo Sanatorium building, Kasauli. 3. Shelton Lodge, Kasauli	Not known	Not known	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3.	Ministry of Defence Notification No. S.R.O. 250	19th July, 1960	Farm Fund of the Kumaon Regimental Farm at Kamola and Udaipuri.	Board of Administration of the Fund.	Kamola Tehsil Kaladhungi District Nainital.			
					1. Dispensary (20 ft. x 24 ft.)	4,000	Not known	
					2. Thimayya Lodge (30ft. x 24ft.)	4,000		
					3. Guest House No. 1 (30ft. x 35ft.)	5,000		
					4. Guest House No. 2 (28ft. x 26ft.)	3,500		
MAHARASHTRA								
1.	G.T.H.D. Education No. 433.	27th May, 1909	The Indian Institute of Science	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Victoria Buildings"—All that piece of free-hold situated in the Fort on the eastern side of Parsi Bazar Street, at or near the Elphinstone Circle with the messuage, tenements, buildings, thereon known as "Victoria Buildings" containing by admeasurement 482-3/4 sq. yards or thereabouts.	Not known	Do.	
2 & 3	Do.	Do.	Do.	Do.	"Albion Place and Alexandra Terrace"—All that piece of land, situated at Byculla on the eastern side of Parel Road with the messauage, tenements and buildings thereon, with their out-houses and stables known as "Albion Place and Alexandra Terrace" containing by admeasurement 11,104 sq. yards or thereabouts.	Do.	Do.	
3A.	Do.	Do.	Do.	Do.	New construction being a building now known as "Hotel Heritage" built on portion of land admeasuring 11,104 sq. yards or thereabouts situated at Byculla on the eastern side of Parel Road now known as Dr. Ambedkar Road.	19,00,000.00	1,89,120.00	
4 & 5	Do.	Do.	Do.	Do.	"Reay House" and "Sandhurst House"—All that piece or parcel of leasehold land situated on the Apollo Reclamation in the Island of Bombay, containing by admeasurement 2,004 8/9 square yards, with the two buildings thereon, known as 'Reay House" and "Sandhurst House".	Not known	Not known.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
6 & 7	G.I.H.D. Education No. 433	27th May, 1909	The Indian Institute of Science	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Rosevelt or Ezra House"—All that piece or parcel of lease hold land situated on the Apollo Reclamation, containing by admeasuremnent 533 square yards and 3/9 of another square yard, with the buildings thereon, known as the "Rosevelt House of Ezra House" and secondly all that piece of leasehold land also situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 573 square yards and 3/5 of another square yard.	Not known	Not known	
8 & 9.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Sargent House" and "Jenkins House"—All that piece or parcel of land situated on the Apollo Reclamation in the Island of Bombay containing by admeasurement 3487-2/9 square yards with the buildings thereon known as "Sargent House" and "Jenkins House".	Do.	Do.	
10.	Do.	Do.	Do.	Do.	"New Shamji Buildings" now known as Station Terraces, "Sleater Road"—All that piece of land of Foras tenure admeasuring 2,290 square yards or thereabouts with the several messuages, tenements or dwelling houses, known as "New Shamji Buildings Extension" now known as the "Station Terraces" situated on the South side of the Sleater Road, Bombay.	Do.	Do.	
11.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Candy House"—All that piece of leasehold land, situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 529-6/9 square yards known as "Candy House".	Do.	Do.	
12 & 13.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Land near Albion Place and Alexandra Terrace"—All that piece of land containing by admeasurement 8,570 square yards or thereabouts, registered by the Collector of Bombay with other land situated at Byculla on the eastern side of Parel Road in the City of Bombay, together with messuages, tenements and dwelling Houses standing thereon known as "Land near Albion' Place and Alexandra Terrace."	Do.	Do.	107-8/9 sq. yards acquired by the Land acquisition Officer for the city of Bombay.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14. G.I.H.D. No. 433	Education	27th May, 1909	The Indian Institute of Science	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Land at Parel Tank Road" Firstly—All that piece of land admeasuring 67,057 square yards or thereabouts whereof 7,021 sq. yards is Government Toka land and 2,189 sq. yards is recently assessed Government Land and remaining is Inam land situated at Parel on the public road leading to Parel Government Tank known as "Land at Parel Tank Road" Wageshri Hill. Secondly—All that piece of vacant Inam land admeasuring 6,005 square yards or thereabouts situated at Parel. Thirdly—All that piece of vacant land of the Government Toka tenure containing by admeasurement 1,058 square yards or thereabouts situated at and on the south side of Golangi Hill Road at Parel in the City of Bombay. Fourthly—All that piece of vacant Government Toka land containing by measurement 566 square yards or thereabouts situated at and on the south side of Golangi Hill Road at Parel in the City of Bombay.	Not known	Not known	Out of 74,686 square yards 15,575.80 square yards acquired by Government under Land Acquisition Act for the construction of the work of the Tata Hydro-Electric Power Supply Co. Ltd. in connection with its transmission lines and 37,471.52 square yards subsequently acquired in 1922 by the Land Acquisition Officer. A portion of the land at Parel Tank Road admeasuring 2,043.88 square yards of CS No. 1/202 part and 623.33 square yards of CS No. 203 part has been acquired by the Bombay Municipal Corporation for the purpose of construction of Water Reservoir under Section 12(2) of the Land Acquisition Act I of 1894.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
15.	G.I.H.D. Education No.433	27th May, 1909.	The Indian Institute of Science.	The collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	All that piece of land situated on the West side of the Colaba Road at Colaba within the city and Registration Sub-district of Bombay containing by admeasurement 2,020 sq. yards or thereabouts and bounded as follows: that is to say on or towards the North by the Property of the Trustees of Sir Currimbhoy Ebrahim Baronetcy Trust, on or towards the South by the Road of Police Chowkey, on or towards the East by Colaba Road and on or towards the West by Wodehouse Road, and which said piece of land is registered in the books of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 8509 and bears Cadestal Survey No. 48 of Colaba Division together with the buildings and erections standing thereon assessed by the Municipality of Bombay under Award Nos. 213, 214 and Street Nos. 158 and 125 of Colaba Road and Wodehouse Road and Street No. 154 of lower Colaba Road respectively.	18,44,108.28	1,99,675.08	
16.	G.R.E.D.No.452	7th March, 1906	Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution.	The Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay.	A piece of land with dwelling house and building situated at Hornby Road, Fort, Bombay, admeasuring 1,688 square yards.	Not known	Not known	
17.	G.R.E.D.No.1778	10th July 1912	Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution.	The Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay.	All that piece or parcel of freehold land with Messuage, tenement or stables standing thereon situated at Gola Lane, Fort, Bombay, admeasuring 173 and 62 square yards or thereabouts.	Do.	Do.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
MADRAS Madras Government 25-6-1904 Order No.389-Education								
1.	Government of India Ministry of Defence Notification No. 778-A as amended from time to time.	14th May, 1949.	The Lawrence Memorial School (Lovedale) Fund.	(a) Three representatives of the Govt. of India of whom one shall be from the Ministry of Education and Scientific Research and shall be the Chairman, one shall be from the Ministry of Finance and shall be the Treasurer of the School and one shall be from the Ministry of Defence. (b) Four other members to be nominated by the Govt. of India. (c) Aparent. (d) An Old Lawrencian.	(a) Land in Madras bearing Survey No. 232 and measuring 15 cawnies 18 grounds and 1678 sq. ft. with the buildings thereon known as "Madras Military Female Orphan Asylum". (b) Lands in Ketti and Ootacamund in the Nilgiris District having the Survey number and extents as noted below: *Village* S.No. Extent A.C. Ketti 1158 12-57; 1224/4 49-26; 1354/2 606-55; 1355/3 25-34; 1355/5 4-20; 1356/2 0-74; 1356/4 1-06; 1225 0-67; Ootacamund 5020 1-66-4/8; 5018 0-05-5/8; Ketti. 1159/1 0-14; 1161/1B 1-65; Ootacamund. 4956 6-3-4/8	Rs. 1,26,475.00	Not known	The property is in the occupation of the Civil Orphan Asylum in consideration of the maintaining and educating 30 additional girls in addition to the girls of the Asylum such as were formerly admitted to the Madras Military Female Orphan Asylum. The Treasurer has been divested of certain properties of the Fund in terms of the Ministry of Education and Social Welfare Notification No. F.5-15/68/-(BSE-6)/-V.T.2, dated the 1st March, 1975. Necessary action for transferring the property to Government is being taken.
UTTAR PARDASH								
1.	Government of U.P. Education Deptt. Notifications Nos. 602/XV-301 and 808-G/XV/619/1923.	2nd April, 1918 and 29th November, 1923 respectively.	Giraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust, Mirzapur.	A Committee of Management consisting of the Collector, Mirzapur as Ex-officio Chairman and Executors of the Estate of the late Munshi Bindeshwari Prasad Pleader.	(a) Three houses situated in Mohalla Welles-lygunj, Distt, Mirzapur bounded as follows:— (1) South-House of Sri Piyare Lal, North—House of Musammat Jhunna, West—Government Road, East—House of Sri Sumer Sonar.	Rs. 600.00	Rs. 36.00	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
					(2) South—House of Munshi Bindeshwari Prasad, Vakil, North — Mosque, West—House of Shri Rameshwar Teli, East—Road.	600.00	36.00	
					(3) South—House of Shri Budhu, North—House of Munshi Bindeshwari Prasad Vakil, West—House of Musammat Umrao, East—Road.	600.00	36.00	
					(b) A grove situated in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur.	600.00	15.00	
					(c) Pathshala in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur situated in the grove mentioned in (b) above.	50.00	Not known	

PUNJAB

Pending apportionment of properties relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of properties could not be prepared.

PART II—List and abstract

Case No.	Name of endowment	Persons in whose behalf held	Particulars of Securities		Total of Securities	Cash — Interest or divdend realised
1	2	3	4		5	6
				Rs.	Rs.	Rs.
INDIA						
1	Khandpara State Trust Fund.	Board of Trustees, Khandpara State Trust Fund.	Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd.	30,600.00	30,600.00	2,218.50
2	Armed Forces Benevolent Fund.	Armed Forces Benevolent Fund General Committee.	3% Conversion Loan 1946.	8,00,400.00	8,00,400.00	24,012.00

Account of Securities — Receipts — Other Cash receipts	Total Cash receipts	Cash Expenditure — Payments		Balance in cash	Remarks
7	8	9		10	11
Rs. P.	Rs. P.		Rs. P.	Rs. P.	
..	2,218.50	Interest remitted Fee paid to Govt.	2,196.32 22.18	..	
		..	2,218.50		
..	24,012.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	23,771.88 240.12	..	
			24,012.00		

1	2	3	4		5	6
				Rs.	Rs.	Rs.
3	Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi, Fund.	Board of Administration, Lady Hardinge Medical College & Hospital.	3%Conversion Loan 1946 4-1/2%Loan 1986 4-1/2%Loan 1977 Tresury Savings/Defence Deposit Certificates National/Plan/Defence/ Savings Certificates Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corp.Ltd. 7-Year National Savings Certificates (II Issue) 6%West Bengal State Electricity Board Bonds 1982 5¾%Maharashtra State Development Loan 1979	8,05,800.00 7,300.00 25,300.00 19,500.00 14,60,000.00 1,63,100.00 41,000.00 22,000.00 79,500.00	26,23,500.00	43,368.75
4	St. Dunstan's (India) Fund.	Board of Trustees, St. Dunstan's (India) Fund	3%Conversion Loan 1946 4-3/4% Loan 1989	92,900.00 15,000.00	1,07,900.00	3,499.50
5	Air Force Officers' Contributory Education Fund.	General Committee, Air Force Officers' Contributory Education Fund.	National Defence Certificates 4-3/4%Madras Loan 1976	55,000.00 40,100.00	95,100.00	12,279.74
6	Thomas Reed Bell Memorial Fund.	The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun.	3%Conversion Loan 1946	3,100.00	3,100.00	93.00

7		8	9		10	11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(a)	81,015.29	1,23,384.04	Interest remitted . Fee paid to Govt. . (b) other payments	41,628.24 420.51 80,000.00 1,22,048.75	1,335.29 ..	(a)Represents— 80,000.00 Opening balance 15.29 Balance remained after reinvestment of the redemption proceeds of Rs. 80,000 in the 5¾% Maharashtra State Development Loan 1979 for Rs. 79,500 at a cost of Rs. 79,984.71. 80,015.29 (b) Represents remittance tof the R.B.I. for purchase o-securities of the 5¾% Mahat rashtra State Development Loan 1979. The Interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(c)	60,000.00	63,499.50	Interest remitted . Fee paid to Govt. . (c) Other payments	3,464.50 35.00 60,000.00 63,499.50	..	(c) Represents redemption value of Ten-Year Defence Deposit Certificate since remitted back to the Fund authorities.
(d)	1,50,000.00	1,62,279.74	Interest remitted . Fee paid to Govt. (d) Other payments	12,156.94 122.80 1,50,000.00 1,62,279.74	..	(d) Represents redemption valve of Ten-Year Defence Deposit Certificate of Rs. 1,00,000 and Fixed Deposit Investment with the Tamilnadu industrial Investment Corporation Ltd. of Rs. 50,000, since remitted back to the fund authorities.
		93.00	Interest remitted . . Fee paid to Govt. .	92.06 0.94 93.00	..	

1	2	3	4		5	6
7	Central Post-War Resettlement Fund.	The Managing Committee Central Post-War Resettlement Fund.	4%Loan 1979	1,80,000 00	1,80,000.00	7,200.00
8	Pasteur Institute of India.	Administrator of the Pasteur Institute of India.	3%Conversion Loan1946	66,900.00		
			4% Loan 1980	1,10,900.00		
			National Plan Savings Certificates	15,000.00	1,92,800.00	6.443.00
9	National Foundation for Teacher's Welfare.	General Committee, National Foundation for Teachers' Welfare.	5-1/2% Maharashtra State Development Loan 1977.	29,08,700.00		
			Fixed Deposit with the T.I.I. Corp. Ltd.	23,00,000.00		
			5-3/4% Bombay Municipal Debentures 1977.	82,75,000.00		
			5-3/4% Bombay Municipal Debentures 1978	25,68,500.00	1,80,29,800.00	9,76,966.73
			5-1/2% Madhya Pradesh State Development Loan 1977	19.77,600.00		
10	Sarada Ranganathan Endowment for Liabrary Science.	Committee of Management of the Fund.	Fixed Deposit with the Tamil Nadu Industrial Investment Corp. Ltd.	3,80,000.00	3,80.000.00	23,050.00
11	Banubai Byramji Kanga Trainees' Welfare Fund of the Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun.	The Superintendent Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun.	Defence Deposit Certificates'	10,350.00		
			7 year National Savings Certificates (III Issue)	39,600.00		
			6% West Bengal State Electricity Board Bonds, 1982.	4,400.00	54,350.00	2,866.30
12	Flag Day Fund	Managing Committee, Flag Day Fund.	3% Conversion Loan 1946.	4,20,000,000	4.20,000.00	28,845.00

7	8	9		10	11
..	72,00.00	Interest remitted .	7,128.00	..	
		Fee paid to Govt. .	72.00		
			7,200.00		
..	6,443.00	Interest remitted .	6,378.56	..	
		Fee paid to Govt. .	64.44		
			6,443.00		
..	9,76,966.73	Interest remitted .	9,67,197.06	..	The Interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
		Fee paid to Govt.	9,769.67		
			9,76,966.73		
..	23,050.00	Interest remitted .	22,819.49	..	
		Fee paid to Govt.	230.51		
			23,050.00		
(e) 11.00	2,877.30	Interest remitted .	2,837.63	..	(e) Represents Opening Balance since remitted back to the Fund authorities.
		Fee paid to Govt. .	28.67		
		(e) Other payments	11.00		
			2,877.30		
(f) 7,22,000.00	7,50,845.00	Interest remitted .	28,556.54	..	(f) Represents redemption value of certain 4½% State Government Loans 1974 since remitted back to the Fund authorities.
		Fee paid to Govt. .	288.46		
		(f) other payments .	7,22,000.00		
			7,50,845.00		

1	2	3	4	5		6
				Rs.	Rs.	Rs.
13	War Bereaved and Disabled Servicemen Special Relief Fund.	Managing Committee, War Bereaved and Disabled Servicement Special Relief Fund.	5% Loan 1984.	1,50,16,700.00		
			Fixed Deposit with Tamil Nadu Industrial Investment Corp. Ltd.	1,00,00,000.00		
			6% Bangalore Water Supply & Sewerage Board Debenture Bonds 1984.	7,00,000.00		
			6% Kerala Financial Corp. Bonds 1983.	2,00,000 00		
			6% Andhra Pradesh Electricity Board Bonds 1984.	40,00,000.00		
			6% Gujarat Housing Board Debentures 1983. (II Series)	8,00,000.00		
			6% Andhra Pradesh Corp. Central Land Mortgage Bank Debentures 1982—87.	1,00,000.00		
			6% Orissa State Electricity Board Bonds 1984.	45,00,000.00		
			6% Assam State Electricity Board Bonds 1984. (I)	2,00,000.00		
			6% Kerala State Electricity Board Bonds 1982.	10,00,000.00		
			6% Kerala State Electricity Board Bonds 1984.	3,75,000.00		
			6% Debentures 1985 of Bihar Rajya Sahakari Bhumi Vikas Bank Ltd.	3,00,000.00		
			6% U.P. State Electricity Bd. Bonds 1982. (I Series)	4,50,000.00		
			6% Gujarat Ind. Dev. Bonds 1983. (II)	15,00,000.00		
			6% Tamilnadu Industrial Investment Corp. Bonds 1984.	4,50,000 00	3,95,91700.00	9,18,032.00
MAHARASHTRA						
1.	Indian Institute of Science (Bangalore Properties).	The Council of the Indian Institute of Science, Bangalore.	7 Years National Savings Certificates. (III Issue)	2,200.00	2,200.00	119.90
2.	Indian Institute of Science (Bombay Properties).	The Council of the Indian Institute of Science, Bangalore.	3% Conversion Loan 1946.	10,22,800.00	12,20,900.00	41,724.00
			5½% Loan 2000	1,40,300.00		
			5½% Mharashtra Loan, 1982.	57,800.00		
3.	Fakirjee Coswasjee of Karachi Scholarship Fund.	Captain Superintendent Training ship "Rajendra," Off New Ferry Wharf, Bombay-9.	3% Conversion Loan 1946	60,000.00	60,000.00	1,386.00
4.	Chatfield Memorial Prize Fund.	1. Principal, Training College for men, Poona.				
		2. Principal Training College for men, Dharwar.	3% Conversion Loan 1946.	200.00	200.00	6.00
		3. Principal, Training College for men, Ahmedabad.				

	7	8	9		10	11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
	..	9,18,032.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	9,03,851.67 9,180.33 9,18,032.00	..	The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and Surcharge deducted at Source. The Securities of the 6% U.P. State Electricity Board Bonds 1985 for Rs. 1,25,000 purchased on behalf of the Fund are still awaited from the R.B.I
(g)	110.00	229.90	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	103.90 1.10 110.00	119.90	(g) Represents Opening Balance.
(h)	15,369.02	57,093.02	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	56,495.34 570.66 57,066.00	27.02	(h) Represents Opening Balance.
(i)	1,107.00	2,493.00	Interest remitted . (s) Other Payments Fee paid to Govt. .	2,052.00 414.00 27.00 2,493.00	..	(i) Represents:— 693.00 Opening Balance. 414.00 Refund of income-tax and surcharge, since 1,107.00 remitted to fund authorities. The interests shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(j)	28.25	34.25	1. Interest remitted Fee paid to Govt. . 2. Interest remitted. Fee paid to Govt. 3. Interest remitted. Fee paid to Govt. .	.. 0.06 3.46 0.04 3.46 0.04 7.06	27.19	(j) Represents Opening Balance. Interest retained as the institution stand closed w.e.f. 1-4-1964.

1	2	3	4		5	6
5.	Ganesh Balwant Limaye Scholarship Fund.	Director of Education Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946	56,000.00	56,000.00	1,680.00
6.	Sir William Moore Memorial Fund.	Director of Health Services, Maharashtra State, Bombay.	3% Conversion Loan 1946	1,100.00	1,100.00	33.00
7.	Kazi Shahbuddin Endowment for the encouragement of Education among Mohamedans in the Bombay Presidency.	Director of Education Maharashtra State Poona.	3% Conversion Loan 1946 5½% Maharashtra Loan 1981.	1,45,300.00 5,100.00	1,50,400.00	4,652.24

	7	8	9		10	11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(k)	840.00	2,820.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	2,494.80 25.20 2,520.00	...	(k) Represents opening Balance.
(l)	16.50	49.50	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	48.99 0.51 49.50	...	(l) Do.
(m)	2,326.12	6,978.36	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	6,908.55 69.81 6,978.36	...	(m) Do.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
8.	Fund for Prizes in English in connection with the S.S.C. Examination.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946	400.00	400.00	282.00
9.	Sir Sassoon David Trust Fund for Agriculture and Educational purposes.	Board of Trustees of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture and Co-operation Deptt. Bombay.	5¼% Maharashtra Loan 1983.	7,51,100.00	7,51,100.00	43,188.24
10.	After-care Fund in connection with the Bombay State Probation and After-care Association.	President Maharashtra State Probation and After-care Association, B.I.T. Block No. 33, King's Circle Matunga, Bombay-19.	5¾% Maharashtra Loan 1978. 3% Conversion Loan 1946.	14,000.00 7,000.00	21,000.00	980.00
11.	Imperial Indian Relief (Scholarship) Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946.	25,200.00	25,200.00	756.00
12.	Savitribai Krishnarao Uplap Scholarship Fund.	Do.	3% Conversion Loan 1946.	12,800.00	12,800.00	384.00
13.	Bombay Province Agricultural Show Fund.	Director of Agriculture, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946. 5¼% Maharashtra Loan 1979.	4,16,000.00 2,000.00	4,18,000.00	12,595.00
14.	Dr. Ramachandra Shivaji Poredi Scholarship Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946.	11,100.00	11,100.00	333.00

	7	8	9	10	11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
	...	48,188.24	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	42,756.36 431.88 43,188.24	
(o)	490.00	1,470.00	Interest remitted . Fee paid to Govt.	1,455.30 84.70 1,470.00	... (o) Represents Opening Balance.
(p)	378.00	1,134.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	1,122.66 11.34 1,134.00	... (p) Do.
(q)	192.00	576.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	570.24 5.76 576.00	... (q) Do.
(r)	6,297.50	18,892.50	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	18,703.56 188.94 18,892.50	... (r) Do.
(s)	166.50	499.50	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	494.49 5.01 499.50	... (s) Do.

1	2	3	4		5	6
				Rs.	Rs.	Rs.
15.	Sir Cusrow Wadia Trust Fund.	Chairman of the Governing Body of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture & Co-operation Deptt. Bombay.	4½% Maharashtra Loan 1976.	12,81,300.00	12,81,300.00	60,861.74
16.	Post-War Services Reconstruction Fund (Rajasthan Share).	Secretary of the Fund C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Poona-1.	5½% Maharashtra Loan 1982. 3% Conversion Loan 1946. 6% Maharashtra Loan 1984.	6,400.00 1,200.00 3,500.00	11,100.00	587.75
17.	War Memorial Fund for Indian Merchant Seamen 1947.	Committee of Management of the Indian Sailors' Home Society, Masjid Bunder Siding Road, Bombay-9.	3% Conversion Loan 1946.	21,32,900.00	21,32,900.00	63,987.00
18.	Homi Mehta Victory Thanks giving Fund (Rajasthan Share).	Secretary of the Fund C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Poona-1.	3% Conversion Loan 1946. 5½% Loan 2003 6% Maharashtra Loan 1984.	800.00 100.00 400.00	1,300.00	50.74
19.	L.V. Mandke Prize Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	1,600.00	48.00
20.	Miss Manikbai Shinde Prize Fund.	Do.	3% Loan 1896-97.	1,000.00	1,000.00	30.00

	7	8	9		10	11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(t)	97.08	60,958.82	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	60,253.12 608.62 60,861.74	97.08	(t) Represents Opening Balance
(u)	3,518.00	4,105.75	Interest remitted . Fee paid to Govt. . (v) other payments .	599.69 6.06 3,465.00 4,070.75	35.00	(u) Represents— 18.00 Opening Balance. 3,500.00 Redemption proceeds of 4½% Maharashtra Loan 1974 of Rs. 3,500 repaid on 27-8-74. 3,518.00 (v) Represents—Cost of 6% Maharashtra Loan 1984 for Rs. 3,500.
(w)	31,993.50	95,980.50	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	95,020.68 959.82 95,980.50	...	(w) Represents Opening Balance.
(x)	412.00	462.74	Interest remitted . Fee paid to Govt. . (y) Other payments	62.11 0.63 396.00 458.74	4.00	(x) Reprecsents— 12.00 Opening Balance. 400.00 Redemption proceeds of 4½% Maharashtra Loan 1974 of Rs. 400 repaid on 27-8-84. 412.00 (y) Represents—Cost of 6% Maharashtra Loan 1984 of Rs. 400.
(z)	24.00	72.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	71.28 0.72 72.00	...	(z) Represents Opening Balance.
	...	30.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	29.70 0.30 30.00	...	

1	2	3	4	5		6
				Rs.	Rs.	Rs.
21.	Maratha War Memorial Fund.	Hony. Secretary, Maratha War Memorial Fund, The Maratha Light Infantry Regimental Centre, Belgaum.	5½% Loan 2000. 3% Conversion Loan 1946.	9,100.00 5,45,300.00	5,54,400.00	16,801.50
22.	Sir M.V. Joshi Trust Fund.	Principal, Agricultural College, Poona.	3% Conversion Loan 1946. 5¾% Loan 2002.	12,800.00 500.00	13,300.00	412.74
23.	Miss Clarke Memorial Nursing Fund.	Chairman. Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and Instruction to the Women of India, C/o Shri R.N. Bhavnagri, S.B. Billimoria & Co., Chartered Accountants, 113, Mahatma Gandhi Road, Bombay-1.	3% Conversion Loan 1946.	11,000.00	11,000.00	330.00
24.	Barjorji Maneckji Sutaria Prize Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946.	2,000.00	2,000.00	60.00
25.	Campbell Memorial Medal Fund.	Committee of Management of the Asiatic Society of Bombay, Town Hall, Bombay-1.	5¾% Maharashtra Loan 1984.	4,900.00	4,900.00	281.74

	7	8	9	10		11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(ab)	8,215.41	25,016.91	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	24,730.60 250.40 24,981.00	35.91	(ab) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(ac)	192.00	604.74	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	598.70 6.04 604.74	...	(ac) Represents Opening Balance.
(ad)	165.00	495.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	490.05 4.95 495.00	...	(ad) Do.
(ae)	30.00	90.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	89.10 0.90 90.00	...	(ae) Do.
(af)	140.87	422.61	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	418.38 4.23 422.61	...	(af) Do.

1	2	3	4	5	6	
				Rs.	Rs.	Rs.
26.	Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution.	Secretary, Sir J.J.P.B. Institution, 209 Dr. Dadabhoy Naoraoji Road, Fort, Bombay.	State Bank Shares	1,300.00		
			3% Loan 1896-97	6,900.00		
			3% Conv. Loan 1946	12,99,500.00		
			4% Loan 1981	500.00		
			4½% Loan 1989	500.00		
			6% Maharashtra Loan 1984.	3,000.00		
			4½% Maharashtra Loan 1976.	7,000.00		
			5½% Loan 2001	8,80,800.00		
			4¾% Madras Loan 1976	2,000.00		
			5½% Maharashtra Loan 1978.	4,400.00		
			5¼% Maharashtra Loan 1977.	500.00		
			5½% Madras Loan 1979	2,500.00		
			5½% Madras Loan 1980	2,500.00		
			5½% Maharashtra Loan 1982.	11,400.00		
			5½% Maharashtra Loan 1981.	8,900.00		
			6% Maharashtra State Electricity Board Bonds 1981.	3,36,200.00		
			6% Bombay Municipal Debentures 1983.	20,500.00		
			5¼% Loan 1999	10,500.00		
			5½% Loan 2002	3,400.00		
			6% Loan 1998	11,300.00		
			5¾% Loan 2003	15,200.00		
			5½% Maharashtra Loan 1985	500.00	26,29,300.00	1,15,929.48

	7	8	9	10		11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(ag)	49,559.89	1,65,489.37	Interest remitted .	1,35,681.69	75.46	(ag) Represents—
			(ai) Other Payments	28,361.18		35,123.25 Opening Balance.
			Fee paid to Govt. .	1,371.04		3,000.00 Redemption proceeds of 4½% Maharashtra Loan 1974 repaid on 27-8-74.
				1,65,413.91		11,000.00 Redepmtion proceeds of 4% B.P.T. Debentures 1914—75 repaid on 1-1-75.
						399.00 Refund of income-tax surcharge.
						37.64 Un-invested balance remained after re-investment of redemption proceeds of 4% B.P.T. Debentures into 6% Loan 1998 of Rs. 11,300 at a cost of Rs. 10,962.36.
						49,559.89
						(ai) Represents—
						13,992.18 Cost of 5¾% Loan 2003 of the value of Rs. 15,200.
						2,970.00 Cost of 6% Maharashtra Loan 1984 of Rs. 3,000.
						11,000.00 Remittance to the R.B.I. for investment.
						399.00 Refund of tax remitted to Fund authorities
						28,361.18
						The interest shown under column 6 is exclusive of income tax and surcharge deducted at source.

1 2	3	4		5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
27. Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and instruction to the Women of India.	Treasurer of the Bombay Branch of the National Association, C/o. Shri R.N. Bhavnagri S.B. Billimoria and Co., 113 M.G. Road, Bombay-1.	3% Conversion Loan 1946. 5¾% Maharashtra Loan 1981.	2,18,100.00 30,000.00	2,48,100.00	8,268.00
28. Rustomji Jamsetjee Jejeebhoy Gujarati School Fund.	Secretary, Sir J.J. Parsee Benevolent Institution 209, Dr. D. N. Road, Fort, Bombay.	3% Conversion Loan 1946.	72,000.00	72,000.00	2,160.00
29. Kingh Edward Memorial Fund maintained by Ex-Sangli State.	Director of Education, Maharashtra State Poona.	3% Conversion Loan 1946 3% Loan 1996-97	49,100.00 1,2,00.00	50,300.00	3,772.50
MADRAS					
1. The Lawrence Memorial School (Lovedale) Fund.	(a) Three representatives of the Govt. of India of whom one shall be from the Ministry of Education and Scientific Research, and shall be the Chairman, one shall be from the Ministry of Finance and shall be the Treasurer of the School and one shall be from the Ministry of Defence. (b) Four other members to be nominated by the Govt. of India. (c) A parent. (d) An Old Lawrencian.	4¼% Loan 1986 3% Conversion Loan 1946. 5½% Loan 1990 Fixed Deposit with the T.I.I. Corp. Ltd. Fixed Deposit 6% Tamil Nadu Loan 1984.	16,400.00 7,90,900.00 16,000.00 71,600.00 1,00,000.00 3,49,400.00	13,44,300.00	50,775.40
2. The Victoria Jubilee Scholarship Endowment Fund at Mangalore.	A Committee consisting of (1) Dt. Judge, South Kanara (2) President District Board. S. Kanara (3) The Chairman, Municipal Council, Mangalore and (4) District Educational Officer South Kanara with the District Judge, South Kanara as President.	3% Conversion Loan 1946	35,400.00	35,400.00	1,062.00
3. Jonnagadla Rangiah Cheety Collegiate Scholarship Endowment Fund at Madras.	The Director of Collegiate Education Madras.	6% Tamilnadu Loan 1984. 3% Conversion Loan 1946. 5¾% Madras Loan 1980 5¾% Madras Loan 1979 5¾% Loan 2001	3,000.00 32,400.00 3,200.00 400.00 2,700.00	41,700.00	1,521.41
4. Grigg Memorial Endowment Fund at Madras.	The Director of School Educational Madras & Collector Madras.	3% Conversion Loan 1946. 5¾% T.N. Loan 1981	11,500.00 1,100.00	12,600.00	394.24
5. J.M. Bourne Memorial Endowment Fund at Madras.	The Chief Engineer of the Southern Railway, Madras.	3% Conversion Loan 1946 5¾% T.N. Loan 1982 5¾% T.N. Loan 1983	300.00 1,200.00 100.00	1,600.00	67.74
WEST BENGAL					
1. The Indian People's Famine Trust.	Board of Management New Delhi.	3% Conversion Loan 1946	32,78,400.00	32,78,400.00	98,352.00
2. The Jewish Charitable Endowment Fund.	Mussa Board, Calcutta.	3% Conversion Loan 1946 5¾% West Bengal Loan 1983.	38,000.00	97,700.00	3,782.74
3. The Fund for the Medical Relief for Officers and Seamen of the Mercantile Marine.	Civil Surgeon and Secy. General Hospital Trust Fund Committee, Chittagong.	3% Conversion Loan 1946	10,000.00	10,000.00	..

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(ah) 4,134.00	12,402.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	12,277.95 124.05 12,402.00	..	(ah) Represents opening Balance
(aj) 1,430.00	3,240.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	3,207.60 32.40 3,240.00	..	(aj) Do.
..	3,772.50	Interest remitted Fee paid to Govt.	3,734.77 37.73 7,372.50	..	
(ak) 4,06,887.89	4,57,663.29	Interest remitted . Fee paid to Govt. . (al) Other payments	54,679.68 552.32 3,49,400.00 4,04,632.00	53,031.29	The Treasurer has been divested of the properties of the Fnud interms of the Mnistry of Education and Social Welfare Notification No. F. 5-15/68/(CBSE-6)/W.T. 2 dated the 1st March, 1975. Necessary action for transferring the securities to Government is being taken. (ak) Represents— 57,393.89 Opening Balance 3,46,000.00 Redemption proceeds of Fixed Deposit Investment with the Tamilnadu Industrial Investment Corporation Ltd. 3,494.00 Capital gain by way of purchase of 6% Tamilnadu Loan 1984 for Rs. 3,49,400. 4,06,887.89 (al) Represents cost of 6% Tamilnadu Loan 1984 for Rs. 3,49,400. The interest shown under Column 6 is exclusive of interest and surcharge deducted at source.
(am) 3,127.98	4,189.98	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	2,460.00 24.73 2,484.73	1,705.25	(am) Represents Opening Balance.
(an) 5,322.43	6,843.84	(ao) Other payments	9,000.00	3,843.84	(an) Represents— 2,292.43 Opening Balance. 3,000.00 Redemption proceeds of 4½% Madras Loan 1974 for Rs. 3,000. 30.00 Capital gain by way of purchase of 6% Tamilnadu Loan 1984 for Rs. 3,000. 5,322.43 (ao) Represents cost of 6% Tamilnadu Loan 1984 for Rs. 3,000. The interest shown under column 6 is exclusive of interest and Surcharge deducted at sources.
(ap) 2,768.22	3,162.46	Interestremittea . Fee paid to Govt. .	768.75 7.77 776.52	2,385.94	(ap) Represents Opening Balance The interest shown under column 6 is exclusive of interest and surcharge deducted at source.
(aq) 827.74	895.48			895.48	(aq) Represent Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of interest and surcharge deducted at source.
..	98,352.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	97,368.48 983.52 98,352.00	..	
(bb) 1,321.37	5,104.11	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	5,053.08 51.03 5,140.11	..	(bb) Represents Opening Balance.
(cc) 1,389.25	1,389.25		..	1,389.25	(cc) Represents Opening Balance

1	2	3	4	5	6	7
				Rs.	Rs.	Rs.
	MADHYA PRADESH					
1	Nawab Sultan Jahan Begum Education Endowment, Bhopal.	Board of Governors consisting of the following :— (1) His Highness Sikander Saulat Iftikhar-ul-Mulk Nawab Mohammad Hamidullah Khan. (2) Shri Mahabir Prasad Verma formerly Judge of the Bhopal High Court. (3) Shri Mohammed Ahmed Anssari formerly Judge of the Bhopal High Court. (4) Colonel Yameenul Mulk Nawabzada Rashiduz-Zafar Khan Bahadur, and (5) Mutamidul-Insha Ali Quadir Shri Syed Mashuq Ali, Secretary, Sarf-e-Khas of His Highness, the Nawab of Bhopal.	3% Conversion Loan, 1946. 5½% M.P. Loan, 1982.	9,24,400.00 4,24,500.00	13,48,900.00	
2	C.P. & Bear King Edward Memorial Society Fund.	Secretary to the Governing Body of the King Edward Memorial Society, Nagpur.	3% Loan 1896-97. 5½% M.P. Loan 1983 3% Conversion Loan 1946.	19,000.00 1,85,900.00 2,42,800.00	4,47,700.00	28,548.48
3	C.P. Agriculture and Industries Improvement Fund.	Secretary to the concerning Body of the Society of Agriculture and Industries, Nagpur	3% Conversion Loan 1946. 5½% M.P. Loan 1979.	1,24,000 5,900.00	1,29,900.00	6,122.86
4	Anson Gardner Memorial Scholarship Fund.	Bishop of Nagpur	5½% M.P. Loan 1983. 3% Conversion Loan 1946	3,800.00 400.00	4,200.00	3,54.00
5	Saubhagyawati Krishnabai Bal Krishna Sule Prize Fund.	Inspectress of Schools, Nagpur Circle, Nagpur.	5½% M.P. Loan 1983	200.00	200.00	19.00

	8	9	10		11	12
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(ar)	10,766.18	50,914.92	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	50,165.68 660.06 50,825.74	89.18	(ar) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(as)	36.97	28,585.45	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	28,177.60 370.88 28,548.48	36.97	(as) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(at)	130.13	6,252.99	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	6,171.79 81.20 6,252.99	..	(at) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source
(au)	11.17	365.17	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	347.40 4.60 352.00	13.17	(au) Represents Opening Balance. The over payment of Rs. 2/- of income-tax made last year has been recorded during the current year. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(av)	292.85	311.85		..	311.85	(av) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.

1	2	3	4	5	6	7
				Rs.	Rs.	Rs.
6	R.B. Bhanduji Janardhan Chaubal Prize Fund.	Secretary, Vidarbha Board of. Secondary Education, Nagpur.	5¼% M.P. Loan 1983	900.00	900.00	77.48
7	Ram Chandra Thakur, Prize Fund.	Secretary, Board of Secondary Education, M.P. Bhopal.	3% Conversion Loan 1946.	500.00	500.00	23.00
8	Browning Scholarship and Browning Teacher Scholarship Fund.	Collector, Nagpur Director of Public Instructions, M.P. Bhopal & Inspector of Schools, Nagpur.	3% Conversion Loan 1946 5¼% M.P. Loan 1979	11,600.00 2,200.00	3,800.00	5,40.00
9	Hardinge Medal Fund	Director of Public Instructions, M.P. Bhopal.	3% Conversion Loan 1946.	2,100.00	2,100.00	1,02.00
10	Meyhew and Spence Silver Medal Fund.	District Educational Officer, Bilaspur.	5¼% M.P. Loan 1983	500.00	500.00	43.53
11	Pandit Premshankar Gangashanker Thakur Scholarship Fund.	Chief Executive Officer, Janapad Sabha, Damoh.	3% Conversion Loan 1946.	7,100.00	7,100.00	3,30.00
12	Rewa Shanker Pandya High Scholarship Fund.	Divisional Superintendent of Education, Jabalpur.	3% Conversion Loan 1946.	5,000.00	5,000.00	2,35.00
13	Laxmibai Scholarship Fund.	District Educational Officer, Jabalpur.	3% Conversion Loan 1946.	2,600.00	2,600.00	1,09.00
14	Woodburn Scholarship Fund.	Principal Rajkumar, College, Raipur.	5¼% M.P. Loan 1983 3% Conversion Loan 1946.	2,400.00 8,300.00	10,700.00	5,97.00

	8	9		10		11
	Rs.	Rs.		Rs.		
(aw)	390.23	467.71		..	467.71	(aw) Represents. 390.15 Opening Balance. 0.08 Non-recovery of Bank 390.23 Commission by the R.B.I. Nagpur for conversion of G.P. Note into Stock included in the last year's accounts.
	..	23.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	22.68 0.32 23.00	..	The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(ax)	78.44	618.44	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	533.04 6.96 540.00	78.404	(ax) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
	..	102.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	100.72 1.28 102.00	..	The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(ay)	188.22	161.75	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	65.18 0.85 66.03	95.72	(ay) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
	..	330.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	325.72 4.28 330.00	..	The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
	..	235.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	232.00 3.00 235.00	..	the interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
	..	109.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	107.44 1.56 109.00	..	The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(az)	44.63	641.63	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	589.24 7.76 597.00	44.63	(az) Represents Opening Balance. The interest shown under column 6 is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.

1	2	3		4	5	6
				Rs.	Rs.	Rs.
15.	M.P. State Tuberculosis Association Fund.	Honorary Secretary, Vidarbha Regional T.B. Association, Nagpur.	3% Conversion Loan 1946.	64,100.00	64.100 00	2,962.00
BIHAR						
1.	The Woodhouse Memorial Fund.	The Collector, Bhagalpur.	Defence Deposit Certificate	1,100.00	1.100.00	49.50
2.	The Raja Raghunandan Prasad Trust Fund.	The Honorary Treasurer, Bihar SPCA, Sadaquat Ashram, Patna.	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	1,600.00	48.00
3.	The Sir Fakhruddin Memorial Gold Medal Fund.	The Director of Education, Secondary Education, Bihar, Patna.	3% Conversion Loan 1946.	1,100.00	1,100.00	33.00
UTTAR PRADESH						
Aligarh						
1.	Tassadduque Rasul Arabic Scholarship Endowment Trust.	Treasurer, Muslim Univerisity, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946.	20,200.00	20,200.00	303.00
2.	Sir. Syed Ahmed Memorial Trust Fund.	Registrar, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946.	1,16,000.00	1,16,000.00	1,740.00
3.	Sir William Marris Scholarship Endowment Trust.	Vice-Chancellor, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946.	6,400.00	6,400.00	96.00
Allahabad						
4.	Rewa Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Inter College, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	4,100.00	4.100.00	61.50
5.	Panna Scholarship Endowment Trust.	Director of Education, U.P. Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	5,200.00	5,200.00	78.00
6.	Vizianagram Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Inter College, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	14,800.00	14,800.00	222.00
7.	Vizianagram Scholarship Endowment Trust.	Registrar, Allahabad University, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	26,000.00	26,000.00	390.00
Varanasi						
8.	Sadholal Scholarship Endowment Trust.	Up-Kulpati, Varanaseya Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	45,000.00	45,000.000	675.00
9.	Kathiawad Sanskrit Scholarship Endowment Trust	Do.	3% Conversion Loan 1946.	9,100.000	9,100.00	136.50
10.	Rewa Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Higher Secondary School, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	5,800.00	5,800.00	87.00
11.	Nagri Pracharni Sabha Endowment Trust.	Secretary Nagri Pracharni Sabha, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	1,63,100.00	1,63,100.00	3,383.50

7	8	9	10		11
Rs.	Rs		Rs.		Rs.
..	2,962.00	Interest remitted	2,923.52	..	The Interest shown under Column 6 is exclusive of Income tax and Surcharge deducted at source.
		Fee paid to Govt.	38.48		
			2962.00		
..	49.50	Interest remitted	49.00	..	
		Fee paid to Govt.	0.50		
			49.50		
..	48.00	Interest remitted	47.52	..	
		Fee paid to Govt,	0.48		
			48.00		
.	33.00	Interest remitted	32.66	..	
		Fee paid to Govt.	0.34		
			33.00		
	303.00	Interest remitted	299.97	..	
		Fee paid to Govt.	8.03		
			303.00		
..	1,740.00	Interest remitted	1,722.60	..	
		Fee paid to Govt,	17.40		
			1,740.00		
..	96.00	Interest remitted	95.04	..	
		Fee pait to Govt.	0.96		
			96.00		
..	61.50	Interest remitted	60.88	..	
		Fee paid to Govt.	0.62		
			61.50		
..	78.00	Interest remitted	77.22	..	
		Fee paid to Govt.	0.78		
			78.00		
..	222.00	Intrrest remitted	219.78	..	
		Fee paid to Govt.	8.22		
			222.00		
..	390.00	Interest remitted	386.10	..	
		Fee paid to Govt.	3.90		
			390.00		
..	675.00	Interest remitted	668.25	..	
		Fee paid to Govt.	6.75		
			675.00		
..	136.50	Interest remitted	135.13	..	
		Fee paid to Govt.	1.37		
			136.50		
..	87.00	Interest remitted	86.13	..	
		Fee paid to Govt.	0.87		
			87.00		
..	2,383.50	Interest remitted	2,359.03	..	The interest shown under Column 6 is exclusive of Income-tax and Surcharge deducted at source on the securities of Rs. 18,300.
		Fee paid to Govt.	24.47		
			2383.50		

1 2	3	4	5		6
12. Maharaj Kumar Sri Sudhansu Sekhar Singh Deo heir apparent of Sonepur Estate Orissa Medal Endowment Trust.	Vice-Chancellor, Banaras Hindi University, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	1,500.00	1,500.00	22.50
13. Rani Bhuwan Raj-Lakshmi Devi of Basti Endowment Trust.	Registrar, Banaras Hindu University, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	7,300.00	7,300.00	109.50
Pauri Garhwal					
14. Garhwal Kshattriya Education Trust Fund.	Secretary, Garhwal Kshattriya Education Trust Fund, Pauri Garhwal.	3% Conversion Loan 1946.	51,800.00	51,800.00	777.00
Lucknow					
15. Nagar Education Endowment Trust, Upper India, Lucknow.	Secretary, Nagar Education Endowment Trust, Upper-India, Lucknow.	3% Conversion Loan 1946	16,600.00		
		7-year National Savings Certificates (III Issue).	19,400.00	36,000.00	1,232.30
16. Captain Kr. Indrajit Singh M.C.I.M.S. Memorial Research Scholarship Endowment Fund.	Principal, Medical College, Lucknow.	3% Conversion Loan 1946.	1,06,600.00	1,06,600.00	1,599.00
Mizapur					
17. Giravadi Kayastha Pathshala Endowment Trust.	Collector, Mirzapur.	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	9,150.00	24.00
		7-year National Savings Certificates (II Issue).	7,550.00		
Pondicherry					
1. Special Fund for reconstruction & Rehabilitation of Ex-Servicemen.	Secretary "Soldiers, Sailors' & Airmen's Board"	5½% Agricultural Refinance Bonds 1,000.00	1,000.00	..	..

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
..	22.50	Interest remitted	22.27	..	
		Fee paid to Govt.	0.23		
			22.50		
..	109.50	Interest remitted	108.40	..	
		Fee paid to Govt.	1.10		
			109.50		
..	777.00	Interest remitted	769.23	..	
		Fee paid to Govt.	7.77		
			777.00		
(aa) 108.90	1,341.20	Interest remitted	1,196.91	131.97	(aa) Represents Opening Balance Bank Draft for Rs. 131.97 not received from S.B. Allahabad.
		Fee paid to Govt.	12.32		
			1,209.23		
..	1,598.00	Interest remitted	1,583.01	..	
		Fee paid to Govt.	15.99		
			1,599.00		
..	24.00	Interest remitted	23.76	..	
		Fee paid to Govt.	0.24		
			24.00		

Punjab

Pending apportionment of Securities relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of Securities could not be prepared.

[No. F 1/1/75-TCE]

M. D. Pal, Treasurer of Charitable Endowments for India

(राजस्व और बीमा विभाग)

(आयकर)

नई दिल्ली, 19 मई, 1975

का०आ० 2417.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सर्वश्री बी० राजेन्द्रम् और यू० राजगोपालन् को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 174 (फा०सं० 404/291/72-आई०टी०सी०सी०) तारीख 4 सितम्बर, 1972 और अधिसूचना संख्या 572 (फा०सं० 404/80/74-आईटीसीसी) तारीख 15 मार्च, 1974 के अधीन की गई क्रमशः सर्वश्री एन० वेंकटरामन् और ए० वी० बालसुब्रह्मण्यन् की नियुक्तियां 9 जून, 1975 से रद्द की जाती हैं।

3. यह अधिसूचना 9 जून, 1975 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 907/फा०सं० 404/94/75-आई टी सी सी]

(Department of Revenue and Insurance)

(Income-Tax)

New Delhi, the 19th May, 1975

S.O. 2417.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri B. Rajendram and U. Rajagopalan who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointments of S/Shri N. Venkataraman and A. V. Balasubramanian, made under Notification No. 174 (F. No. 404/291/72-ITCC) dated the 4th September, 1972 and 572 (F. No. 404/80/74-ITCC) dated the 15th March, 1974 respectively are hereby cancelled with effect from the 9th June, 1975.

3. This Notification shall come into force with effect from the 9th June, 1975.

[No. 907/F. No. 404/94/75-ITCC]

का० आ० 2418.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एस० के० सहाय को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 289 (फा० सं० 404/2/73-आई टी सी सी) तारीख 7 फरवरी, 1973 के अधीन की गई श्री आर०डी० प्रसाद की नियुक्ति 1 जुलाई, 1975 से रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना 1 जुलाई 1975 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 909/फा०सं० 404/95/75-आई टी सी सी]

S.O. 2418.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri S. K. Sahay who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri R. D. Prasad made under Notification No. 289 (F. No. 404/2/73-ITCC) dated the 7th February, 1973 is hereby cancelled with effect from the 1st July, 1975.

3. This Notification shall come into force with effect from the 1st July, 1975.

[No. 909/F. No. 404/95/75-ITCC]

नई दिल्ली, 21 मई, 1975

का० आ० 2419.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वश्री बी० डी० जोशी और एस० बी० रोहतगी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना उस तारीख से प्रवृत्त होगी जिस तारीख को सर्वश्री बी० डी० जोशी और एस० बी० रोहतगी कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य भार संभालते हैं।

[सं० 916/फा०सं० 404/63/75-आई० टी० सी० सी०]

S.O. 2419.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri B. D. Joshi and S. B. Rohatgi who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri B. D. Joshi and S. B. Rohatgi take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 916/F. No. 404/63/75-ITCC]

नई दिल्ली, 28 मई, 1975

का० आ० 2420.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री सतनाम सिंह को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 664 (फा०सं० 4011/16/74-आई०टी०सी०सी०) तारीख, 13 जून, 1974 द्वारा की गई श्री एस० एन० प्रसाद की नियुक्ति, श्री सतनाम सिंह के कर वसूली अधिकारी के रूप में भार ग्रहण करने की तारीख से रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख से श्री सतनाम सिंह कर वसूली अधिकारी के रूप में भार ग्रहण करते हैं।

[सं० 922/फा० सं० 404/95/75-आई० टी० सी० सी०]

टी० आर० अग्रवाल, उप-सचिव

S.O. 2420.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Satnam Singh who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri S. N. Prasad made under Notification No. 644 (F. No. 404/16/74-ITCC) dated the 13th June, 1974 is hereby cancelled with effect from the date Shri Satnam Singh takes over charge as a Tax Recovery Officer.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Satnam Singh takes over as a Tax Recovery Officer.

[No. 922/F. No. 404/95/75-ITCC]

T. R. AGGARWAL, Dy. Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आदेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1975

का० आ० 2421.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड आय-कर (प्रमाणपत्र कार्यवाहियां) नियम, 1962 के नियम 6 के अनुसरण में निदेश देता है कि श्री सतनाम सिंह, जिन्हें केन्द्रीय सरकार, द्वारा आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अधीन करवसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया गया है साथ-साथ श्री एस०एन० प्रसाद के स्थान पर बिहार राज्य में समस्त राजस्व जिलों की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. बोर्ड के आदेश सं० 645 (फा०सं० 404/16/74-आई०टी०सी० सी०) तारीख 13 जून, 1974 के अन्तर्गत श्री एस०एन० प्रसाद को प्रदत्त अधिकारिता, श्री सतनाम सिंह के कर वसूली अधिकारी के रूप में भार ग्रहण की तारीख से प्रत्याहृत की जाती है।

3. यह आदेश श्री सतनमा सिंह के कर वसूली अधिकारी के रूप में भार ग्रहण की तारीख से प्रवृत्त होगा।

[सं० 923/फा०सं० 404/95/75-आई० टी०सी०सी०]

टी० आर० अग्रवाल, सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

ORDER

New Delhi, the 28th May, 1975

S.O. 2421.—In pursuance of Rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Shri Satnam Singh authorised by the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officer under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall concurrently exercise jurisdiction in respect of all the revenue districts in the State of Bihar, vice Shri S. N. Prasad.

2. The jurisdiction conferred upon Shri S. N. Prasad under Board's Order No. 645 (F. No. 404/16/74-ITCC) dated the 13th June, 1974 is hereby withdrawn with effect f m the date Shri Satnam Singh takes over as a Tax Recovery Officer.

This order shall come into force with effect from the date Shri Satnam Singh takes over as a Tax Recovery Officer.

[No. 923/F. No. 404/95/75-ITCC]

T. R. AGGARWAL, Secy.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1975

आय-कर

का०आ० 2422.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे उस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में समस्त पूर्व अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 2 में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों/वार्डों और जिलों में आय-कर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय के संबंध में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :

अनुसूची

रेंज	आय-कर सर्किल /वार्ड और जिले
1. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), क-रेंज, जयपुर।	1. ख और ग वार्ड, जयपुर। 2. कंपनी सर्किल जयपुर 3. संग्रहण वार्ड/ और 2, जयपुर 4. वेतन सर्किल, जयपुर 5. सम्पदा शुल्क एवं आय-कर सर्किल, जयपुर, 6. अलवर में सभी वार्ड/सर्किल। 7. सवाई माधोपुर में सभी वार्ड/सर्किल 8. विशेष वार्ड 1, 2, 3 और 4 जयपुर।
2. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) ख-रेंज, जयपुर।	1. ऊपर ए०ए०सी० रेंज, जयपुर और ए०ए०सी० केन्द्रीय, रेंज, जयपुर के सामने विनिर्दिष्ट वार्डों और सर्किलों से भिन्न जयपुर में सभी वार्ड/सर्किल/ 2. भीलवाड़ा में सभी वार्ड/सर्किल। । निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल
3. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) बिकानेर रेंज, बिकानेर	1. (क) बिकानेर (ख) श्री गंगानगर (ग) नागौर (घ) चूरू (ङ) हनुमानगढ़ (च) झुंझनूं (छ) सीकर में निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल
4. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) जोधपुर रेंज० जोधपुर।	1. (क) जोधपुर (ख) बाड़मेर निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल
5. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), अजमेर, रेंज, अजमेर।	1. (क) अजमेर। (ख) ब्यावर (ग) पाली (घ) सिरोही (ङ) जालोर निम्नलिखित में। सभी वार्ड/सर्किल
6. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उदयपुर रेंज, उदयपुर।	2. (क) उदयपुर (ख) चित्तौड़गढ़ निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल
7. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) कोटा रेंज, कोटा।	3. (क) कोटा। (ख) भरतपुर

जहां कोई आय कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वह उस आय कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें, उस तारीख से, जिससे यह अधिसूचना प्रभावी हो, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएंगी ।

[सं० 815/फा० सं० 261/13/74–आई० टी० जे०]

New Delhi, the 10th January, 1975

Income-tax

S.O. 2422.—In exercise of the powers conferrd by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act,'1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges, specified in column I of the Schedule below, shall perform their function respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles/Wards and districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof :

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles/Wards and Districts
1	2
1. Appellate Assitt. Commissioner of Income-tax, A-Range Jaipur.	1. B and C Wards, Jaipur. 2. Company Circle, Jaipur. 3. Collection Wards I and II, Jaipur. 4. Salary Circles, Jaipur. 5. Estate Duty-cum-I.T. Circle, Jaipur. 6. All Wards/Circles at Alwar. 7. All Wards/circles at Sawai Madhopur. 8. Special Wards-I, II, III and IV Jaipur.
2. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, B-Range, Jaipur	1. All Wards/Circles at Jaipur other than these specified against A.A.C. A-Range, Jaipur and A.A.C. Central Range, Jaipur, above. 2. All Wards/Circles at Bhilwara
3. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Bikaner Range, Bikaner.	1. All Wards/Circles at : (a) Bikaner. (b) Sri Ganganagar. (c) Nagour. (d) Churu. (e) Hanumangarh. (f) Jhunjhunu. (g) Sikar.
4. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Jodhpur Range, Jodhpur.	1. All Wards/Circles at: (a) Jodhpur. (b) Barmer.
5. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Ajmer Range Ajmer.	1. All Wards/Circles at: (a) Ajmer. (b) Beawer. (c) Pali. (d) Sirohi (e) Jalore.
6. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Udaipur Range, Udaipur.	2. All Wards/Circles at: (a) Udaipur. (b) Chittorgarh.
7. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Kota Range, Kota.	3. All Wards/Circles at: (a) Kota. (b) Bharatpur.

Where an Income-tax Circles/Wards or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeal arising out of assessments made in that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from whom that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said Circles/Ward or Districts or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 15-1-1975.

EXPLANATORY NOTE :

The amendment has become necessary on account of re-adjustment of the jurisdiction of the Appellate Assistant Commissioners within the Commissioners' Charges.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 815/F. No. 261/13/74-TTJ]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 22 जनवरी 1975

का०आ० 2423.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि उसकी अधिसूचना सं० 790 (फा०सं० 261/3/74–आई०टी०जे०) तारीख 13-12-74 की अनुसूची में निम्नलिखित शुद्धि की जाएगी, अर्थात् :—

"क्रम सं० 3 "ए०ए०सी०, ग–रेंज, मुम्बई" के स्थान पर "सम्पदा शुल्क नियंत्रक एवं ए०ए०सी०, ग रेंज, मुम्बई" रखा जाएगा।

[सं० 821 फा०सं० 261/3/74–आई० टी० जे०]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd January, 1975

S.O. 2423.—In exercise of the powers conferred by sub-section 1 of the Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the following correction shall be made in the Schedule to its Notification No. 790 (F. No. 261/3/74-ITJ) dated 13-12-74 viz. :—

Sl. No. 3 "A.A.C., C-Range, Bombay" shall be substituted as "Appellate Controller of Estate Duty-cum-AAC, C-Range, Bombay".

[No. 821/F. No. 261/3/74-ITJ]

नई दिल्ली, 30 जनवरी 1975

का०आ० 2424.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों

का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 434 (फा०सं० 261/12/74–आई०टी०जे०) तारीख 14-8-1973 का आंशिक उपान्तरण करते हुए, निदेश देता है कि विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा, गुंटूर और अनन्तपुर के सहायक आयकर आयुक्त, (अपील), उसके स्तम्भ (3) में की प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों, वार्डों और जिलों में, उन्हें छोड़ कर जो आदेश सं० 150 (फा०सं० 262/183/71–आई०टी०जे०) तारीख 17-8-1971 द्वारा सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), विजयवाड़ा से सहायक आय-कर आयुक्त, (अपील) गुन्टूर को विनिर्दिष्टत: आवंटित किए गए हैं, आय-कर और अधिकर या धन-कर या दान कर या व्यय कर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे ।

क्रम सं०	सहायक आयुक्त (अपील) रेंज	आय-कर सर्किल, वार्ड और जिला
1	2	3
1.	विशाखापत्तनम रेंज, विशाखापत्तनम ।	1. विशाखापत्तनम । 2. विजयानगरम । 3. श्रीकाकूलम । 4. अनकापल्ली । 5. बोबिली (पुराना) ।
2.	विजयवाड़ा रेंज, विजयवाड़ा	1. विजयवाड़ा 2. मछलीपत्तनम् 3. एलुरु 4. टनुकु 5. पालाकोले 6. गुडीवाड़ा 7. आमलापुरम् 8. सर्किल–I, काकीनाड़ा 9. सर्किल–II, काकीनाड़ा 10. काकीनाड़ा (पुराना) 11. रामचन्द्रपुरम (पुराना) 12. टेनाली 13. बापटला ।
3.	गुन्टूर रेंज, गुन्टूर	1. गुन्टूर 2. करनूल 3. राजामुंदरी
4.	अनन्तपुर रेंज, अनन्तपुर	1. प्रोद्दातुर 2. चित्तूर 3. तिरुपति 4. एडोनी 5. नन्दयाला 6. अनन्तपुर 7. हिन्दपुर 8. महबूबनगर 9. कडप्पाह 10. नेल्लोर 11. माइका सर्किल, नेल्लोर (पुराना)

जहां कोई आय कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता वहां उस आय कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें, उस तारीख से, जिस से यह अधिसूचना प्रभावी हो, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

[सं० 825 फा० सं० 261/16/74–आई० टी० जे]

New Delhi, the 30th January, 1975

S.O. 2424.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of notification No. 434 (F.No. 261/12/73-ITJ) dated 14-8-1973, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Asst. Commissioners of Income-tax Visakhapatnam, Vijayawada, Guntur and Anantapur shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to income-tax and Super tax or Wealth tax or Gift tax or Expenditure tax in the Income-tax circles, wards and districts specified in entry in column (3) thereof, excepting those that have been specifically allotted to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Guntur from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Vijayawada by order No. 150 (F.No. 262/183/71-ITJ), dated 17-8-1971.

Sl. No,	Appellate Assistant Commissioner's Range	Incometax Circle, Ward and District
(1)	(2)	(3)
1.	Visakhapatnam Range, Visakhapatnam	1. Visakhapatnam 2. Vizianagaram. 3. Srikakulam. 4. Anakapally. 5. Bobbili (Old).
2.	Vijayawada Range, Vijayawada.	1. Vijayawada. 2. Machilipatnam. 3. Eluru. 4. Tanuku. 5. Palakole. 6. Gudivada 7. Amalapuram. 8. Circle-I, Kakinada. 9. Circle-II, Kakinada. 10. Kakinada (Old) 11. Ramachandrapuram (Old) 12. Tenali. 13. Bapatla.
3.	Guntur Range, Guntur	1. Guntur. 2. Kurnool. 3. Rajahmundry.
4.	Anantapur Range, Anantapur.	1. Proddatur. 2. Chittoor. 3. Tirupathi. 4. Adoni. 5. Nandyala. 6. Ananthapur. 7. Hindpur. 8. Mahaboobnagar. 9. Cuddapah. 10. Nellore. 11. Mica Circle, Nellore (Old).

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to

another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax circle, ward or district or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from which the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred, shall from the date, this notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-2-1975.

[No. 825/F.No. 261/16/74-I.T.J.]

का०आ०2425.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि उसकी अधिसूचना सं० 777 (फा०सं० 261/9/74-आई०टी०जे०) तारीख 22-11-74 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे अर्थात्:—

उक्त अनुसूची में केन्द्रीय रेंज 2, मद्रास, के सामने, स्तम्भ 1 और 2 में नीचे क्रमशः निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

केन्द्रीय रेंज 2, मद्रास।	1 केन्द्रीय सर्किल XV से XVII तक मद्रास।
	2 केन्द्रीय सर्किल 1 और 2, कोयम्बटूर।
	3 विशेष अन्वेषण सर्किल 2, कोयम्बटूर।
	4 विशेष अन्वेषण सर्किल 2, मद्रास।
	5. केन्द्रीय सर्किल 1 और 2, बंगलौर

यह अधिसूचना 1-2-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 826/फा०सं० 261/9/74-आई०टी०जे०]

S.O.2425.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes that the following amendments shall be made in its Notification No. 777 (F.No. 261/9/74 ITJ) dated 22-11-74 namely:—

In the said Schedule, against Central Range II, Madras under columns 1 and 2 the following shall be respectively substituted, namely:—

Central Range II, Madras.	1. Central Circles XV to XVII Madras.
	2. Central Circles I & II, Coimbatore.
	3. Special Investigation Circle Coimbatore.
	4. Special Investigation Circle II, Madras.
	5. Central Circles I & II, Bangalore.

This notification shall take effect from 1-2-1975.

[No. 826/F. No. 261/9/74-ITJ]

का०आ०2426—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 768 (फा०सं० 261/11/74-आई०टी०जे०) तारीख 2-11-1974 का आंशिक उपान्तरण करते हुए निदेश देता है कि आयकर सर्किल मिर्जापुर में आय-कर और अधिकर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत सहायक आय-कर आयुक्त, (अपील) वाराणसी, अपने कृत्यों का पालन नहीं करेगा, और सहायक आय-कर आयुक्त, ख-रेंज (अपील) लखनऊ अपने कृत्यों का पालन करेगा।

जहां कोई आय-कर सर्किल वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें, उस तारीख से, जिससे यह अधिसूचना प्रभावी हो, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 1-2-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 827/फा० सं० 261/11/74-आई० टी० जे०]

S.O. 2426.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf and in partial modification of Notification No 768 (F. No. 261/11/74-ITJ) dated 2-11-1974 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Varanasi, shall not and the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, B-Range, Lucknow shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax and Super-tax in the Income-tax Circle Mirzapur.

Where an Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said circle, ward or district or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-2-1975.

[No. 827/F. No. 261/11/74-ITJ]

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1975

का०आ०2427.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 754 (फा० सं० 261/12/74-आई०टी०जे०) का आंशिक उपान्तरण करते हुए निदेश देता है कि उक्त अधिसूचना की अनुसूची में क्रम सं० 1, 2, 4 और 6 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सर्किल/वार्ड और जिले
1	2	3
1.	रेंज-1, आगरा	(i) आगरा सर्किल
		(ii) सर्किल 1 आगरा
		(iii) विशेष सर्वेक्षण सर्किल, आगरा
		(iv) मथुरा सर्किल
		(v) सम्पदा शुल्क-एवं आय-कर सर्किल, आगरा
		(vi) फीरोजाबाद सर्किल
2.	रेंज-2, आगरा	(i) सर्किल, 2 आगरा
		(ii) अलीगढ़ सर्किल
		(iii) हाथरस सर्किल
		(iv) एटा सर्किल
		(v) मैनपुरी सर्किल
4.	विशेष रेंज, कानपुर	(i) विशेष सर्किल, कानपुर
		(ii) कम्पनी सर्किल, कानपुर
		(iii) फतेहगढ़ सर्किल
		(iv) बांदा सर्किल
		(v) सीसी-III IV, और V कानपुर
6.	रेंज 2, कानपुर	(i) सर्किल-2 सर्किल 2 (1) और 2 (7) को छोड़कर, कानपुर
		(ii) वेतन सर्किल, कानपुर
		(iii) झांसी सर्किल, क-वार्ड और ख-वार्ड
		(iv) उन्नाव सर्किल
		(v) फतेहपुर सर्किल
		(vi) आई टी सी प्रशा० 2, कानपुर
		(vii) आई टी ओ संग्रहण, कानपुर
		(viii) इटावा सर्किल

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग, इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें, उस तारीख से, जिससे यह अधिसूचना प्रभावी हो, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएंगी।

यह अधिसूचना 1-3-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 841/फा०सं० 261/12/74-आई०टी०जे०]

New Delhi, the 20th February, 1975.

S.O. 2427—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in modification of notification No. 754 (F.No. 261/12/74-ITJ) dated 31-10-1974, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the entries at Sl. Nos. 1, 2, 4 and 6 in the Schedule to the said Notification shall be substituted by the following entries:—

SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Circles, Wards, and Districts
1	2	3
1.	Range-I, Agra	(i) Agra Circle.
		(ii) Circle I, Agra
		(iii) Special Survey Circle, Agra
		(iv) Mathura Circle
		(v) Estate Duty-*cum*-Income-tax Circle, Agra.
		(vi) Firozabad Circle.
2.	Range-II, Agra	(i) Circle-II, Agra
		(ii) Aligarh Circle.
		(iii) Hathras Circle
		(iv) Etah Circle.
		(v) Mainpuri Circle.
4.	Special Range, Kanpur.	(i) Special Circle, Kanpur.
		(ii) Companies Circle, Kanpur
		(iii) Fatehgarh Circle.
		(iv) Banda Circle.
		(v) C.Cs. III, IV and V, Kanpur.
6.	Range-II, Kanpur.	(i) Circle-II excluding Circle-II (1) & II *(6)*, *Kanpur*.
		(ii) Salary Cirlce, Kanpur.
		(iii) Jhansi Circle, A-Ward and B-Ward.
		(iv) Unnao Circle.
		(v) Fatehpur Circle.
		(vi) I.T.O. Admn. II, Kanpur
		(vii) I.T.O. Collection-II, Kanpur
		(viii) Etawah Circle.

Where an Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom that said Circle, Ward District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-3-1975.

[No. 841/F.No. 261/12/74-ITJ]

का०आ० 2428—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबन्ध में समस्त पूर्व अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए, निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 2 में तत्संबन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों वार्डों और जिलों में आय-कर या अधिकर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेगा :

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सर्किल / वार्ड और जिले
1	2	3
1.	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) क—रेंज जयपुर ।	1. ख और ग वार्ड, जयपुर 2. कम्पनी सर्किल, जयपुर 3. संग्रहण वार्ड 1 और 2, जयपुर 4. वेतन सर्किल, जयपुर 5. सम्पदा शुल्क-एवं आय-कर सर्किल, जयपुर । 6. अलवर में सभी वार्ड / सर्किल । 7. सवाई माधोपुर में सभी वार्ड/सर्किल
2.	सहायक आयकर आयुक्त, (अपील), ख. रेंज, जयपुर ।	1. जयपुर में उनसे भिन्न सभी वार्ड / सर्किल, जो ऊपर ए ए सी क रेंज जयपुर और ए ए सी सेन्ट्रल रेंज जयपुर में विनिर्दिष्ट हैं । 2. भीलवाड़ा में सभी वार्ड/सर्किल
3.	सहायक आय-कर आयुक्त, बीकानेर, रेंज, बीकानेर ।	निम्नलिखित में सभी वार्ड— 1. (क) बीकानेर (ख) श्री गंगानगर (ग) नागौर (घ) चूरु (ङ) हनुमानगढ़ (च) झुंझनूं (छ) सीकर
4.	सहायक आय-कर आयुक्त, जोधपुर रेंज, जोधपुर ।	निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल 1. (क) जोधपुर । (ख) बाड़मेर ।
5.	सहायक आयकर आयुक्त, (अपील) अजमेर रेंज, अजमेर ।	निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल 1. (क) अजमेर (ख) ब्यावर (ग) पाली (घ) सिरोही (ङ) जालौर
6.	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उदयपुर रेंज, उदयपुर	निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल 1. (क) कोटा (ख) चित्तौड़गढ़
7.	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) कोटा रेंज, कोटा	निम्नलिखित में सभी वार्ड/सर्किल 3. (क) कोटा (ख) भरतपुर
8.	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) सेन्ट्रल रेंज, जयपुर	1. केन्द्रीय सर्किल 1, 2 और 3 जयपुर 2. विशेष वार्ड 1, 2, 3, और 4, जयपुर

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें, उस तारीख से, जिससे यह अधिसूचना प्रभावी हो, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 1-3-1975 से प्रभावी होगी ।

[सं० 842 फा० सं० 261/3/75—आई०टी०जे]

S.O. 2428—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges, specified in column 1 of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles/Wards and districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof :

SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Circles/Wards and Districts
1	2	3
1.	Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, A-Range, Jaipur.	1. B and C Wards, Jaipur. 2. Company Circle, Jaipur. 3. Collection Wards I and II, Jaipur. 4. Salary Circles, Jaipur. 5. Estate Duty-*cum*-I.T. Circle, Jaipur. 6. All Wards/Circles of Alwar. 7. All Wards/Circles at Sawai Madhopur.
2.	Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, B-Range, Jaipur.	1. All Wards/Circles at Jaipur other than these specified against A.A.C. A-Range, Jaipur and A.A.C. Central Range, Jaipur, above. 2. All Wards/Circles at Bhilwara
3.	Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax Bikaner Range, Bikaner.	1. All Wards/Circles at : (a) Bikaner. (b) Sri Ganganagar. (c) Nagaur. (d) Churu. (e) Hanumangarh. (f) Jhunjhunu. (g) Sikar.
4.	Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, Jodhpur Range, Jodhpur.	1. All Wards/Circles at : (a) Jodhpur. (b) Barmer.
5.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Ajmer Range, Ajmer.	1. All Wards/Circles at:— (a) Ajmer. (b) Beawer. (c) Pali. (d) Sirohi. (e) Jalore.
6.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Udaipur Range, Udaipur.	1. All Wards/Circles at:— (a) Udaipur. (b) Chittorgarh.

1	2	3
7.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Kota Range, Kota.	3. All Wards/Circles at:— (a) Kota. (b) Bharatpur.
8.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Central range Jaipur.	1. Central Circles I, II & III, Jaipur. 2. Special Wards I, II, III & IV, Jaipur.

Where an Income-tax Circles/Wards or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeal arising out of assessments made in that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from whom that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said Circles/Ward or Districts or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-3-1975.

[No. 842/F.No. 261/3/75-ITJ]

शुद्धि पत्र

का०आ० 2429.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा उस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि उसकी अधिसूचना सं० 813 (फा० सं० 261/19/74–आई०टी०जे०) तारीख 9-2-75 में निम्नलिखित शुद्धि की जाएगी अर्थात्:—

क्रम 6 के सामने विद्यमान प्रविष्टि "ए ए सी, रेंज ए आर IV, अहमदाबाद" के स्थान पर "ए ए सी ए आर VI, अहमदाबाद" रखा जाएगा।

[सं० 843/फा०सं० 261/19/74–आई०टी०जे]

CORRIGENDUM

S.O. 2429.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the following correction shall be made in its Notificaion No. 813 (F. No. 261/19/74-ITJ) dated 9-2-75 viz :—

Against S 1.6 the existing entry A. A. C. Range ARIV, Ahmedabad shall be substituted by "A. A. C. AR. VI, Ahmedabad".

[No. 843/F. No. 261/19/74-ITJ]

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1975

का०आ० 2430.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा उस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसकी अधिसूचना सं० 728 (फा०सं० 261/5/74–आई०टी०जे०) तारीख 30 सितम्बर, 1974 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अनुसूची में, स्तम्भ 3 में, 'क' रेंज, नई दिल्ली के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा:—

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सर्किल/वार्ड और जिले
1.	क. रेंज नई दिल्ली	(i) जिला (1), (2), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10) (अतिरिक्त), (12) और (13) नई दिल्ली। (ii) जिला VIII (15), (16), (17), (18), (19) और (19) (अतिरिक्त) नई दिल्ली। (iii) सर्वेक्षण सर्किल-IV, नई दिल्ली। (iv) जिला XI (1) और (1), (2), नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 24-2-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 845/फा०सं० 261/4/75–आई०टी०जे]

New Delhi, the 24th February, 1975.

S.O. 2430.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following ammendments in the schedule appended to its Notification No. 728 (F.No. 261/5/74-ITJ) dated the 30th September, 1974.

In the said schedule the entries in column 3 against 'A' Range, New Delhi shall be substituted by the following:—

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards and Districts.
1.	A. Range, New Delhi.	(i) District (1), (2), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10)(Addl.), (12) and (13), New Delhi. (ii) District VIII (15), (16), (17), (18), (19) & (19)(Addl.), New Delhi. (iii) Survey Circle-IV, New Delhi (iv) District XI (1) & XI(2), New Delhi.

The Notification shall take effect from 24-2-1975.

[No. 845/F.No. 261/4/75-ITJ]

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1975

का०आ० 2431.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबन्ध में सभी पूर्व अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 2 में तत्संबन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सकिलों और वार्डों में आय-कर या अधिकर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सर्किल/वार्ड और जिले
1.	'क' रेंज, अमृतसर	केन्द्रीय सर्किल-2 किसी अन्य सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के सामने स्तम्भ 2 में वर्णित सर्किलों, वार्डों या जिलों से भिन्न सभी आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले, जिनके मुख्यालय अमृतसर में थे या हैं (केन्द्रीय सर्किल-III अमृतसर को छोड़कर)
2.	'ख' रेंज, अमृतसर	सभी आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले, जिनके मुख्यालय (1) बटाला (2) जिला 1, (I) से जिला-1 (IX) अमृतसर तथा (3) केन्द्रीय सर्किल-3 अमृतसर में हैं ।
3.	जालन्धर रेंज, जालन्धर	ऐसे व्यक्तियों की बाबत जिनके कारबार का मुख्य स्थान, या निवास, आय-कर कार्यालय, जिसका मुख्यालय होशियारपुर में है, की अधिकारिता के भीतर है ऐसे आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले जिनके अपने मुख्यालय (I) होशियारपुर (II) जालन्धर तथा (III) संग्रहण वार्ड चंडीगढ़ में थे या हैं।
4.	जम्मू रेंज, जम्मू ।	सभी आय-कर सर्किल, वार्ड, या जिले जिनके मुख्यालय (1) गुरदासपुर, (II) जम्मू (III) पठानकोट, और (I) श्री नगर में थे या हैं ।
5.	भटिन्डा रेंज, भटिन्डा ।	सभी आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले जिनके मुख्यालय (I) अबोहर (II) भटिन्डा, (III) फिरोजपुर और (I) मोगा में थे या हैं ।

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें, उस तारीख से, जिससे यह अधिसूचना प्रभावी हो, उस रेंज के जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएंगी ।

जहां ऐसे सभी सर्किल, वार्ड और जिले, जिनके मुख्यालय किसी विशेष स्थान पर हैं किसी सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को समनुदेशित कर दिए गए हैं वहां उसे इन मुख्यालयों, जो अब उत्सादित कर दिए गए हैं, में के सर्किलों, वार्डों और जिलों की बाबत भी अधिकारिता होगी ।

यह अधिसूचना 1-3-1975 से प्रभावी होगी ।

[सं० 846/फा० सं० 261/2/75-आई० टी० जे०]

New Delhi, the 25th February, 1975

S.O. 2431.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges specified in column 1 of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or super-tax in the Income-tax Circles, wards and Districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof:—

SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Circles' Wards and Districts
1.	'A' Range Amritsar	All Income-tax Circles, Wards or Districts at Amritsar which had or have their headquarters At Amritsar (except Central Circle-III, Amritsar) other than those mentioned in column 2 against any other Appellate Assistant Commissioner of Income-tax.
2.	'B' Range, Amritsar.	All Income-tax Circles Wards and Districts having headquarters at (1) Batala, (2) Distts. 1 (i) to Distts. I (xii), Amritsar and (3) Central Circle-III, Amritsar.
3.	Jullundur Range, Jullundur.	All Income-tax Circles, Wards or Districts which had or have their head-quarters at (i) Hoshiarupur, (ii) Jullundur and (iii) Collection Ward, Chandigarh in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of Income-tax Officer with headquarters at Hoshiarpur.
4.	Jammu Range, Jammu.	All Income-tax Circles, Wards or Districts which had or have their headquarters at (i) Gurdaspur, (ii) Jammu, (iii) Pathankot and (iv) Srinagar.
5.	Bhatinda Range, Bhatinda.	All Income-tax Circles, Wards or Districts which had or have their headquarters at (i) Abohar, (ii) Bhatinda, (iii) Ferozepur and (iv) Moga.

Where an Income-tax Circle, Ward and District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range, appeals arising out of assessments made in that income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax of the range to whom the said circle, ward or District or part thereof is transferred.

Where all circles, wards and districts having headquarters at a particular place have been assigned to an Appellte Asstt. Commissioner he will have jurisdiction in respect of Circles, Wards and Districts at these headquarters since abolished also.

This Notification shall take effect from 1-3-1975.

[No. 846/F. No. 261/2/75-ITJ]

शुद्धि-पत्र

का० प्रा० 2432.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, भाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि उसकी अधिसूचना सं० 729 (फा० सं० 261/4/74-आई टी जे) तारीख 30-9-74 में निम्नलिखित शुद्धि की जाएगी, अर्थात् :—

1. क्रम सं० 29 के सामने विद्यमान प्रविष्टि "1. विशेष सर्वेक्षण सर्किल-viii (ग, घ और ङ वार्ड" के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा।

"2. मुर्शिदाबाद।

3. नादिया"

2. क्रम सं० 5 के सामने, विद्यमान प्रविष्टि "1. कम्पनी जिला 2, कलकत्ता," के स्थान पर "1. कम्पनी जिला 1, कलकत्ता" रखा जाएगा।

[सं० 847/फा० सं० 261/4/74-आई टी जे]

सी० वी० पद्मनाभन्, अवर सचिव

CORRIGENDUM

S.O. 2432.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the following correction shall be made in its Notification No. 729 (F. No. 261/4/74 3/4ITJ) dated 30-9-74 viz :—

1. Against Sl. No. 29 after the existing entry "1. Spl. Survey Circle-VIII (C, Addl. C, D and E Wards" following shall be added.

"2. Murshidabad.

3. Nadia"

2. Against Sl. No. 5 the existing entry "1. Comp. Distt. II, Calcutta" shall be substituted by "1. Comp. Distt. I, Calcutta".

[No. 847/F. No. 261/4/74-ITJ]

C. V. PADMANABHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1975

का० प्रा० 2433.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उसे इस निमित्त सशक्त बनाने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 679 (फा० सं० 187(2)/74-II ए० आई०) तारीख 20 जुलाई, 1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अनुसूची में क्रम सं० 13 क केरल-II, एर्नाकुलम में स्तम्भ 3 में से मद संख्या 4 को निकाल दें और निम्नलिखित को मद सं० 4 (क) और 4 (ख) के रूप में जोड़े

"4(क) आयकर अधिकारी, सर्किल I कालीकट

4(ख) आय कर अधिकारी, सर्किल II कालीकट"।

[सं० 930/फा० सं० 187(2)74-II-ए० आई०]

New Delhi, the 2nd June, 1975

S.O. 2433.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment in the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-II-AI) dated 20th July, 1974.

In the said schedule in Sl. No. 13A Kerala-II Ernakulam in col. 3 item No. 4 and add the following as item Nos. 4(a) and 4(b).

"4(a) Income-tax Office, Circle-I, Calicut.

4(b) Income-tax Office, Circle-II, Calicut."

The Notification takes effect from 2nd June, 1975.

[No. 930/F. No. 187/2/74-II-AI]

का० प्रा० 2434.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 775 (फा०सं० 187/2/74-II ए० आई०) तारीख 19-11-74 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

क्रम सं० 10 के सामने, स्तम्भ 1, 2, 3 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी:—

अनुसूची

क्रम सं० आयुक्त का प्रभार	मुख्यालय	अधिकारिता
10. गुजरात-1	अहमदाबाद	1. केन्द्रीय सर्किल, अहमदाबाद
		2. विशेष आई० एन० वी० सर्किल, अहमदाबाद
		3. विशेष आई० एन० वी० सर्किल, जामनगर
		4. विशेष आई० एन० वी० सर्किल, जूनागढ़
		5. विशेष आई० एन० वी० सर्किल, सूरत
		6. कम्पनी सर्किल, अहमदाबाद
		7. बुलसार सर्किल
		8. वापी सर्किल

75 से प्रभावी होगी।

[सं० 931/फा० सं० 187/2/74-II (ए० आई०)]

वी० वी० श्रीनिवासन, अवर सचिव

S.O. 2434.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 775 [F.No. 187/2/74-II(AI)] dated 19-11-74.

Existing entries in cols. 1, 2, 3 against Sr. No. 10 shall be substituted by the following entries —

SCHEDULE

Sl. No.	Commissioner's Charge.	H.Q.	Jurisdiction
10.	Gujarat-I.	Ahmedabad.	1. Central Circle, Ahmedabad. 2. Special Inv. Circle, Ahmedabad. 3. Special Inv. Circle, Jamnagar. 4. Special Inv. Circle, Junagadh. 5. Special Inv. Circles, Surat. 6. Companies Circles, Ahmedabad. 7. Bulsar Circle. 8. Vapi Circle.

This notification shall take effect from 2-6-1975.

[No. 931/(F.No.187/2/74-II(AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under secy.

(आय कर आयुक्त कार्यालय)

(विदर्भ एवम मराठवाडा)

नागपुर, 24 जून, 1975

का० आ० 2435.—ऐसे निर्धारितियों के नाम व अन्य विवरण जिनका निर्धारण धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 1973–74 के दौरान शुद्ध धन 10 लाख रुपयों से अधिक पर हुआ है, की सूची निम्न संकेतानुसार है—हैसियत के लिये (क) जिसमें व्यक्ति के लिए 'व्य', हिन्दू अविभक्त परिवार के लिए 'हि' (ख) निर्धारण वर्ष (ग) घोषित धन (घ) निर्धारित धन (ङ) निर्धारिती द्वारा देय कर और (च) निर्धारिती द्वारा दिया गया कर:—

(1) श्री ग्वालदास मोहता, हिंगणघाट (क) 'हि' (ख) 1970–71 (ग) रु० 13,26,697 (घ) 13,40,000 रु० (ङ) रु० 15,500 (च) रु० 15,500 (2) श्री गिरधरदास मोहता, हिंगणघाट (क) 'हि' (ख) 1970–71 (ग) रु० 10,41,030 (घ) रु० 10,80,600 (ङ) रु० 9,015 (च) रु० 9,015 (3) श्री जी० एम० चिटणवीस, नागपुर, (क) 'हि' (ख) 1973-74 (ग) रु० 11,62,861 (घ) रु० 28,00,910 (ङ) रु० 1,34,070 (च) रु० 18,640 (4) श्री विष्णु राधाकिसन, वैधानिक उत्तराधिकारी स्व० श्रीमती लक्ष्मीबाई राधाकिशन तोषनीवाला अकोला (क) 'व्य' (ख) 1965–66 (ग) रु० 12,25,926 (घ) रु० 12,66,400 (ङ) रु० 14,641 (च) रु० 14,644 (5) श्री मणिकांत लक्ष्मीचंद सेलू (क) 'व्य' (ख) 1968–69 (ग) रु० 12,64,169 (घ) रु० 12,95,800 (ङ) रु० 12,916 (च) रु० 12,916 (6) (ख) 1969–70 (ग) रु० 12,60,586 (घ) रु० 13,32,570 (ङ) रु० 15,314 (च) रु० 15,314 (7) (ख) 1970–71 (ग) रु० 12,60,075 (घ) रु० 13,63,-260 (ङ) रु० 16,081 (च) रु० 16,081 (8) (ख) 1971-72 (ग) रु० 12,67,780 (घ) रु० 13,58,680 (ङ) रु० 24,760 (च) रु० 24,760 (9) श्री मधुकान्त लक्ष्मीचंद सेलू (क) 'व्य' (ख) 1968–69 (ग) रु० 12,50,975 (घ) रु० 12,75,540 (ङ) रु० 12,510 (च) रु० 12,510 (10) (ख) 1969–70 (ग) रु० 12,46,893 (घ) रु० 13,19,580 (ङ) रु० 14,990 (च) रु० 13,390 (11) (ख) 1970–71 (ग) रु० 11,98,155 (घ) रु० 13,53,900 (ङ) रु० 15,848 (च) रु० 14,078 (12) (ख) 1971–72 (ग) रु० 12,5-899 (घ) रु० 13,53,980 (ङ) रु० 24,620 (च) रु० 19,620 (13) रतीलाल पदमसी सेलू (क) 'हि' (ख) 1968-69 (ग) रु० 18,35,189 (घ) रु० 18,55,310 (ङ) रु० 23,606 (च) रु० 23,606 (14) (ख) 1969–70 (ग) रु० 17,06,359 (घ) रु० 18,33,170 (ङ) रु० 27,329 (च) रु० 27,329 (15) (ख) 1970–71 (ग) रु० 16,49,-340 (घ) रु० 17,82,360 (ङ) रु० 26,059 (च) रु० 26,059 (16) (ख) 1971–72 (ग) रु० 17,69,839 (घ) रु० 18,-20,360 (ङ) रु० 40,814 (च) रु० 40,814 ।

[सं० प्रकाशन/धन कर 42क/74-75]

कलवंत राय, आयकर आयुक्त

(OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX)

(Vidharbha and Marathwada)

Nagpur, the 24th June, 1975

S.O. 2435.—Following is the list of the names and other particulars of the assesses who have been assessed under the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the Financial year 1973-74 (i) indicates status—'I' for Individual, 'H' for H.U.F. (ii) for assessment year, (iii) for wealth returned (iv) for wealth assessed, (v) for tax payable and (vi) for tax paid by the assessed,:

(1) Shri Gwaldas Mohata, Hinganghat, (i) 'H' (ii) 1970-71, (iii) Rs. 1326697 (iv) Rs. 1340000 (v) Rs. 15500 (vi) Rs. 15500 (2) Shri Girdhardas Mohata, Hinganghat (i) 'H' (ii) 1970-71 (ii) Rs. 1041030 (iv) Rs. 1080600 (v) 9015 (vi) Rs. 9015 (3) Shri G. M. Chitnavis, Nagpur (i) 'H' (ii) 1973-74 (iii) Rs. 1162861 (iv) Rs. 2800910 (v) Rs. 134070 (vi) 18640. (4) Shri Vishnu Radhakisan Legal heir of Late Smt. Laxmabai Radhakisan Toshniwal, Akola (i) 'I' (ii) 1965-66 (iii) 1225926 (iv) Rs.1266400 (v) Rs. 14641 (vi) Rs. 14641 (5) Shri Manikant Laxmichand, Sailu (i) 'I' (ii) 1968-69 (iii) Rs. 1264169 (iv) Rs. 1295800 (v) Rs. 12916 (vi) Rs. 12916 (6) (ii) 1969-70 (iii) Rs. 1260586 (iv) Rs. 1332570 (v) Rs. 15314 (vi) Rs 15314 (7) (ii) 1970-71 (iii) Rs. 1260075 (iv) Rs. 1363260 (v) Rs. 16081 (vi) Rs. 16081 (8) (ii) 1971-72 (iii) Rs. 1267780 (iv) 1358680 (v) Rs. 24760 (vi) Rs. 24760 (9) Shri Madhukant Laxmichand, Sailu (i) 'I' (ii) 1968-69 (iii) Rs. 1250975 (iv) Rs. 1275540 (v) Rs. 12510 (vi) Rs. 12510 (10) (ii) 1969-70 (iii) Rs. 1246893 (iv) Rs. 1319580 (v) Rs. 14990 (vi) Rs. 13390 (11) (ii) 1970-71 (iii) Rs. 1198155 (iv) Rs. 1353900 (v) Rs. 15848 (vi) Rs. 14078 (12) (ii) 1971-72 (iii) 1257899 (iv) Rs. 1353980 (v) Rs. 24620 (vi) Rs. 19620 (13) Shri Ratilal Padamsey Sailu (i) 'H' (ii) 1968-69 (iii) Rs. 1257899 (iv) Rs. 1855310 (v) Rs. 23606 (vi) Rs. 23606 (14) (ii) 1969-70 (iii) Rs. 1706359 (iv) Rs. 1833170 (v) Rs. 27329 (vi) Rs 27329 (15) (ii) 1970-71 (iii) Rs. 1649340 (iv) Rs. 1782360 (v) Rs. 26059 (vi) Rs. 26059 (16) (ii) 1971-72 (iii) Rs. 1769839 (iv) Rs. 1820360 (v) Rs. 40814 (vi) Rs. 40814.

[No. Publication/W.T. 42A/74-75]

KALWANT RAI, Commissioner of Incometax.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

CORRIGENDUM

Madurai, the 8th July, 1975

S.O. 2436.—In the English version of this office Notification No. 1/75 (CE) dated 6-2-75 published in part II Section 3 (ii) of the Gazette of India adated 29-3-75, S.O.No. 937 at pages 1244-1245, the following corrections may please be made :—

For the words	Occurring at	Read as
1. Powers or steam	(the end of Para 1)	Power or steam.
2. Central Excise Rules.	(Column 2 in the heading)	Central Excise Rules, 1944.
3. Bank of Officer	(Column 3 in the heading)	Rank of officers.
Limitations and 7, condition.	(column 4 in the heading)	limitations and conditions.

For the words	Occuring at	Read as
5. to condone delay.	(column 4 in last item of sl. No. 3)	to condone delays.
6. to condone delay.	(column 4 in first item of sl. No. 4)	to condone delays.
7. Rupees five thousands.	(column 4 in S.No. 7	Rupees five thousand.

[No. 1/75/V:19/30/2/74-ex-2]

K. MOHAN RANGA RAO, Dy. Collector

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1975

का० आ० 2437.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा यह घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध झुनझुनू केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, झुनझुनू (राजस्थान) पर 1 मार्च, 1974 से 13 अप्रैल, 1974 तक की अवधि के लिये लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ० 8-4/75-ए सी]

कु० भवानी, उपसचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 9th July, 1975

S.O. 2437.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of section 11 of the said Act shall not apply to the Jhunjhunu Kendriya Sahakari Bank Ltd., Jhunjhunu (Rajasthan), for the period from 1 March 1974 to 13 April, 1974.

[No. F. 8/4/75-AC]

Smt. K. BAVANI, Dy. Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1975

का०आ० 2438.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में जून 1975 के दिनांक 27 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

इशू विभाग

देयताएँ	रुपये	रुपये	आस्तियाँ	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	16,87,83,000		सोने का सिक्का और बुलियन —		
			(क) भारत में रखा हुआ .	182,52,58,000	
संचलन में नोट .	6583,79,86,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां .	121,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट .		6600,67,69,000			
			जोड़ .		304,26,55,000
			रुपये का सिक्का .		6,01,26,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियाँ .		6290,39,88,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र .		..
कुल देयताएँ .		6600,67,69,000	कुल आस्तियाँ .		6600,67,69,000

एस० सी० सेन गुप्ता, गवर्नर

27 जून, 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
चुकता पूंजी .	5,00,00,000	नोट .	16,87,83,000
आरक्षित निधि .	150,00,00,000	रुपये का सिक्का .	2,66,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का .	3,06,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि .	284,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी .	132,10,56,000
(स्थिरीकरण) निधि .	95,00,00,000	(ख) विदेशी .	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकारी खजाना बिल .	290,72,08,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि .	265,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया* .	429,03,10,000

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
जमाराशियां :—		निवेश**	673,77,32,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार . . .	73,47,97,000	(i) केन्द्रीय सरकार को . .	..
(ii) राज्य सरकारें . . .	7,92,89,000	(ii) राज्य सरकारों को . .	363,34,70,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक . .	477,65,38,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को × .	273,97,87,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक .	26,28,15,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को × × . .	264,24,43,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक .	1,47,06,000	(iii) दूसरों को . . .	40,75,35,000
(iv) अन्य बैंक . . .	1,13,97,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को . .	69,72,46,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को . .	13,34,35,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को . .	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को . .	79,20,00,000
(ग) अन्य	838,61,06,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश .	10,65,46,000
देय बिल	164,22,73,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	81,22,40,000
अन्य देयताएं	976,68,23,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम . .	264,64,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	..
		अन्य आस्तियां	362,79,25,000
रुपये . .	3366,47,44,000	रुपये . .	3366,47,44,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

† राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्टर शामिल हैं।

× भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 197,97,00,000/- रुपये शामिल हैं।

× × राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

दिनांक : 2 जुलाई, 1975

च० व० मीरचन्दानी,
अवर सचिव

(सं०का०10(1)/75 बी ओ-I]
एन० सी० सेन गुप्ता गवर्नर।

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, the 9th July, 1973

S.O.-2438.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 27th day of June, 1975

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	16,87,83,000		Gold Coin and Bullion:— (a) Held in India	182,52,58,000	
Notes in circulation	6583,79,86,000		(b) Held outside India	..	
Total notes issued		6600,67,69,000	Foreign Securites	121,73,97,00	
			Total		304,26,55,000
			Rupee Coin		6,01,26,000
			Government of India Rupee Securities		6290,39,88,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
Total Liabilities		6600,67,69,000	Total Assets		6600,67,69,000

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 27th June, 1975.

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	16,87,83,000
		Rupee Coin	2,66,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	3,06,000
		Bill Purchased and Discounted:—	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	(a) Internal	132,10,56,000
		(b) External	..
		(c) Government Treasury Bills	290,72,08,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Balances Held Abroad*	429,03,10,000
		Investments**	673,77,32,000
		Loans and Advances to:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	265,00,00,000	(i) Central Government	..
		(ii) State Governments@	363,34,70,000
Deposits:—		Loans and Advances to:—	
		(i) Scheduled Commercial Banks+	273,97,87,000
(a) Government		(ii) State Co-operative Banks++	264,24,43,000
		(iii) Others	40,75,35,000
(i) Central Government	73,47,97,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
(ii) State Governments	7,92,89,000	(a) Loans and Advances to:—	
(b) Banks		(i) State Governments	69,72,46,000
(i) Scheduled Commercial Banks	477,65,38,000	(ii) State Co-operative Banks	13,34,35,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	..
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	26,28,15,000	(iv) Agricultural Refinance Corporation	79,20,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures.	10,65,64,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,47,06,000	Loans and Advances from National Agricultural Credits (Stabilisation) Fund	
(iv) Other Banks	1,13,97,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks	81,22,40,000
		Loans, Advances and Investments from National	
Others	838,61,06,000	Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	264,64,56,000
Bills Payable	164,22,73,000	(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank.	..
Other Liabilities	976,68,23,000	Other Assets	362,79,25,000
Rupees	3366,47,44,000	Rupees	3366,47,44,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Terms Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

+Includes Rs. 197,97,00,000/- advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

++Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 2nd day of July 1975.

F. No. 10(1)/75-B.O-I.]

N. C. SEN GUPTA, Governor.

भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1975

का० आ० 2439.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में जुलाई, 1975 के दिनांक 4 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

इशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में			सोने का सिक्का और बुलियन:		
रखे हुए नोट	12,46,00,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
संचलन में नोट	65,81,27,37,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां	121,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट		65,93,73,37,000			
			जोड़		304,26,55,000
			रुपये का सिक्का		4,07,65,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		62 85,39,17,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		..
कुल देयताएं		65,93,73,37,000	कुल आस्तियां		65,93,73,37,000

4 जुलाई, 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी	5,00,00,000	नोट	12,46,00,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	2,81,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	2,98,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	334,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	120,45,85,000
(स्थिरीकरण) निधि	140,00 00,000	(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकारी खजाना बिल	248,18,09,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	390,00,00 000	विदेशों में रखा हुआ बकाया*	412,34,50,000
जमा राशियां:—		निवेश**	901,66,10,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	58,16,38,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	10,76,08,000	(ii) राज्य सरकारों को@	292,81,69,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	523,45,74,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	251,37,45,000
(ii) अनुसूचित राज्य		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को††	251,05,46,000
सहकारी बैंक	23,92,57,000	(iii) दूसरों को	52,78,70,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन	
सहकारी बैंक	1,48,22,000	प्रवर्तन) निधि से ऋण,	
(iv) अन्य बैंक	1,18,04,000	अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	69,70,59,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	13,26,27,000
		(iii) केन्द्रीय भूमि बंधक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	87,20,00,000

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
1	2	3	4
(ग) अन्य	994,74,02,000	(ख) केन्द्रीय भूमि बन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	10,65,46,000
देय बिल	122,72,82,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	92,06,47,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन) प्रवर्तन निधि से	
अन्य देयताएं	713,64,43,000	ऋण अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	264,64,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	—
		अन्य आस्तियां	388,35,32,000
रुपये	3469,08,30,000	रुपये	3469,08,30,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं है, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

†भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 204,84,00,000/- शामिल हैं।

††राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

दिनांक : 9 जुलाई 1975

[सं० फा० 10(1)/75 बी औ-1]

एन० सी० सेन गुप्ता, गवर्नर

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, 15th July, 1975

S.O. 2439.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 4th day of July, 1975

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
1	2	3	4	5	6
Notes held in the Banking Department	12,46,00,000		Gold Coin and Bullion :—		
			(a) Held in India	182,52,58,000	
Notes in circulation	6581,27,37,000		(b) Held outside India	..	
Total notes issued		6593,73,37,000	Foreign Securities	121,73,97,000	
			Total		304,26,55,000
			Rupee Coin		4,07,65,000
			Government of India Rupee Securities		6285,39,17,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
Total Liabilities		6593,73,37,000	Total Assets		6593,73,37,000

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 4th July, 1975

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
1	2	3	4
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	12,46,00,000
		Rupee Coin	2,81,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	2,98,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit		(a) Internal	120,45,85,000
(Long Term Operations) Fund	334,00,00,000	(b) External	..
		(c) Government Treasury Bills	248,18,09,000
National Agricultural Credit		Balances Held Abroad*	412,34,50,000
(Stabilisation) Fund	140,00,00,000	Investments**	901,66,10,000
		Loans and Advances to :—	
National Industrial Credit		(i) Central Government	..
(Long Term Operations) Fund	390,00,00,000	(ii) State Governments@	292,81,69,000
		Loans and Advances to :—	
Deposits :—		(i) Scheduled Commercial Banks†	251,37,45,000
		(ii) State Co-operative Banks††	251,05,46,000
		(iii) Others	52,78,70,000
(a) Government			
(i) Central Government	58,16,38,000	Loans Advances and Investments from National	
(ii) State Governments	10,76,08,000	Agricultureal Credit (Long Term Operations) Fund	
(b) Banks		(a) Loans and Advances to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	523,45,74,000	(i) State Governments	69,70,59,000
		(ii) State Co-operative Banks	13,26,27,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	23,92,57,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	87,20,00,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,48,22,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	10,65,46,000
(iv) Other Banks	1,18,04,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
(c) Others	994,74,02,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks	92,06,47,000
		Loans, Advances and Investments from National	
Bills Payable	122,72,82,000	Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
Other Liabilities	713,64,43,000	(a) Loans and Advances to the Development Bank	264,64,56,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		Other Assets	388,35,32,000
RUPEES	3469,08,30,000	RUPEES	3469,08,30,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 204,84,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

[No. F. 10 (1) 75-B O.1]

Dated the 9th day of July, 1975

N. C, SEN GUPTA, Governor

भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1975

का० आ० 2440.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में जुलाई, 1975 के दिनांक 11 को समाप्त हुये सप्ताह के लिये लेखा

इशू विभाग

देयतायें	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुये नोट	32,54,41,000		सोने का सिक्का और बुलियन:—		
संचलन में नोट	5670,72,09,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां	121,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट		603,26,50,000	जोड़		304,26,55,000
			रुपये का सिक्का		3,60,71,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		6295,39,24,000
			देशी विनयम बिल और दूसरे व वाणिज्य पत्र		..
कुल देयतायें		6603,26,50,000	कुल आस्तियां		6603,26,50,000

11 जुलाई, 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयतायें	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी	5,00,00,000	नोट	32,54,41,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	5,24,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	334,00,00,000	छोटा सिक्का	
		खरीदे और भुनाये गये बिल	3,19,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	140,00,00,000	(क) देशी	122,98,11,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	390,00,00,000	(ख) विदेशी	..
जमाराशियां :—		(ग) सरकारी खजाना बिल	284,82,08,000
(क) सरकारी		विदेशों में रखा हुआ बकाया*	434,57,23,000
(i) केन्द्रीय सरकार	51,37,91,000	निवेश**	989,42,34,000
(ii) राज्य सरकारें	6,66,68,000	ऋण और अग्रिम:—	
(ख) बैंक		(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	558,94,63,000	(ii) राज्य सरकारों को‡	238,75,88,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	22,26,88,000	ऋण और अग्रिम:—	
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,45,50,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को@	160,53,00,000
(iv) (अन्य बैंक) ¶	1,16,71,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को @@	248,14,27,000
		(iii) दूसरों को	52,81,45,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम:—	
		(i) राज्य सरकारों को	69,64,18,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	13,01,40,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	87,20,00,000

देयतायें	रुपये	आस्तियां	रुपये
(ग) अन्य	1004,79,53,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	10,65,46,000
देय बिल	157,20,21,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	91,93,82,000
अन्य देयतायें	656,39,53,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश . . .	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम . .	264,64,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश . . .	..
		अन्य आस्तियां	377,50,96,000
रुपये	3479,27,58,000	रुपये	3479,27,58,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

‡राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थाई ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

@भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 137,16,00,000 रुपये शामिल हैं।

@@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

[सं० फा० 10(1)/75-बी० ओ० 1]

दिनांक : 16 जुलाई, 1975

एन० सी० सैन गुप्ता, गवर्नर

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, 18th July, 1975.

S. O. 2440.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act. 1934, for the week ended the 11th day of July, 1975.

(ISSUE DEPARTMENT)

Liabilities	*Rs.*	*Rs.*	*Assets*	*Rs.*	*Rs.*
Notes held in the Banking Department	32,54,41,000		Gold Coin and Bullion :—		
			(a) Held in India	1,82,52,58,000	
Notes in circulation	65,70,72,09,000		(b) Held outside India		
Total notes issued		66,03,26,50,000	Foreign Securities	1,21,73,97,000	
			Total		3,04,26,55,000
			Rupee Coin		3,60'71,000
			Government of India Rupee Securities		62,95,39,24,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
Total Liabilities		66,03,26,50,000	Total Assets		66,03,26,50,000

N. C. Sen Gupta, Governor

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 11th July, 1975.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,00,000	Notes	32,54,41,000
		Rupee Coin	5,24,000
Reserve Fund	1,50,00,00,000	Small Coin	3,19,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	3,34,00,00,000	(a) Internal	1,22,98,11,000
		(b) External	..
		(c) Government Treasury Bills	2,84,82,08,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	1,40,00,00,000	Balances Held Abroad*	4,34,57,23,000
		Investments**	9,89,42,34,000
		Loans and Advances to :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	3,90,00,00,000	(i) Central Government	..
		(ii) State Governments@	2,38,75,88,000
		Loans and Advances to :—	
Deposits :—		(i) Scheduled Commercial Banks†	1,60,53,00,000
(a) Government		(ii) State Co-opeartive Banks††	2,48,14,27,000
(i) Central Government	51,37,91,000	(iii) Others	52,81,45,000

(ii) State Governments	6,66,68,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to :—	
(b) Banks		(i) State Governments	69,64,18,000
(i) Scheduled Commercial Banks	5,58,94,63,000	(ii) State Co-operative Banks	13,01,40,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	22,26,88,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	87,20,00,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,45,50,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	10,65,46,000
(iv) Other Banks	1,16,71,000		
(C) Others	10,04,79,53,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	91,93,82,000
Bills Payable	1,57,20,21,000	Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	2,64,64,56,000
Other Liabilities	6,56,39,53,000	(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		Other Assets	3,77,50,96,000
Rupees	34,79,27,58,000	Rupees	34,79,27,58,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) 'Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including termporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 137,16,00,000/-advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated 16th July, 1975

N. C. SEN GUPTA, Governor.

[F. No. 10 (1)/75 BO-I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1975

विस्कोस स्टेपल फाइबर नियन्त्रण आदेश 1972 दिनांक 6-12-1972 संशोधन

का० आ० 2441.—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नियन्त्रण आदेश में एतद्द्वारा निम्नोक्त संशोधन करती है :—

(1) इस आदेश को विस्कोस स्टेपल फाइबर नियन्त्रण (संशोधन) आदेश 1975 कहा जाएगा;

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा;

(3) उक्त नियन्त्रण आदेश की कंडिका 2(ग) में निम्नोक्त खण्ड प्रतिस्थापित किया जाए :—

(ग) "वस्त्र आयुक्त" का अभिप्राय, केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किए गए वस्त्र आयुक्त से है और इसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किए गए अपर वस्त्र आयुक्त, संयुक्त वस्त्र आयुक्त, औद्योगिक सलाहकार तथा पदेन संयुक्त वस्त्र आयुक्त अथवा उप वस्त्र आयुक्त शामिल हैं।"

[फा० सं० 28016/1/टैक्स(5)/74]

के० रामानुजम, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 11th July, 1975

VISCOSE STAPLE FIBRE CONTROL ORDER 1972 DATED 6-12-1972 AMENDMENT THEREOF

S.O. 2441.—In exercise of the powers conferred by Section-3 of the Essential Commodity Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following amendment to the Control Order :—

(i) This Order may be called 'Viscose Staple Fibre Control (Amendment) Order, 1975;

(ii) It shall come into force at once;

(iii) In paragraph 2(c) of the said Control Order the following clause may be substituted :—

(c) "Textile Commissioner" means the Textile Commissioner appointed by the Central Government and includes any Additional Textile Commissioner, Joint Textile Commissioner, Industrial Adviser and Ex-Officio Joint Textile Commissioner or Deputy Textile Commissioner appointed by the Central Government."

[F. No. 28016/1/Tex(V)/74]

K. RAMANUJAM, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1975

का० आ० 2442.—केन्द्रीय सरकार सूती वस्त्र (निर्यात नियन्त्रण) आदेश, 1949 के खण्ड 5 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य और उद्योग मन्त्रालय की अधिसूचना सं० 3(1)/63-नियन्त्रण, तारीख 21 जून, 1963 में निम्नलिखित और संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 9क के खण्ड (ii) के उप-खण्ड (घ) में और पैरा 9 ख के खण्ड (ii) के उपखण्ड (ग) में "1.8 मीटर" अंकों और शब्द के स्थान पर "1 स्क्वायर मीटर" अंक और शब्द रखे जाएंगे।

[फा० सं० 9(102)/69-टेक्स-1/टेक्स 3]

जे० एस० बजाज, उप-सचिव

New Delhi, the 15th July, 1975

S.O. 2442.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (i) of clause 5 of the Cotton Textiles (Export Control) Order, 1949, the Central Government hereby directs that the following further amendment shall be made in the notifica-

tion of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. 3(1)/63/Control, dated the 21st June, 1963, namely :—

In the said notification, in sub-clause (d) of clause (ii) of paragraph 9A and in sub-clause (c) of clause (ii) of paragraph 9B, for the figures and word "1.8 metre", the figure and words "1 square metre" shall be substituted.

[F. No. 9(102)/69-Tex(I)/Tex(III)]

J. L. BAJAJ, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1975

का० आ० 2443.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार अल्तामाउन्ट रोड, बम्बई स्थित डा० रमण सी० अमीन की फर्म को खनिज तथा अयस्क ग्रुप 1, खनिज तथा अयस्क ग्रुप 2, अकार्बनिक रसायन सामग्री, कार्बनिक रसायन-सामग्री, लांड्री सोप अकार्बनिक रंग-द्रव्य, तापस इंटो, रबड़ होज, रबड़ के आइसबैग, रबड़ की गर्मपानी की बोतलों (बैग) रबड़ के दस्तानों, रबड़ की बैल्टों तथा रबड़ के पट्टों के निरीक्षण के लिये एतद्द्वारा मान्यता देती है।

[एफ० सं० 5(2)/75-ई आई एंड ई पी]

के० वी० बालसुब्रमणियम, उप-निदेशक

New Delhi, the 2nd August, 1975

S.O. 2443.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises the firm of Dr. Raman C. Amin, at Altamount Road, Bombay as the Agency for the inspection of the Minerals and Ores Group I, Minerals and Ore Group II, Inorganic Chemicals, Organic Chemicals, Laundry Soap, Inorganic Pigments, Refractory Bricks, Rubber Hoses, Rubber Ice Bags, Rubber Hot Water Bottles (Bags), Rubber Gloves, Rubber Belts and Rubber Beltings.

[F. N. 5 (2)/75-EI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Director

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

बम्बई, 11 दिसम्बर, 1974

का० आ० 2444.—सर्वश्री आदर्श वूलन मिल्स, 21, वीवर्स कालोनी, पानीपत को हंगरी के वूलन कार्ड क्लोदिंग डायमंड पाइंट के आयात के लिए 70,147 रुपये का आयात लाइसेंस संख्या : पी/ए/1364325, दिनांक 21-12-1972 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल प्रति अस्थानस्थ हो गई है आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति शेष 11,322.39 रुपये को छोड़कर 58,824 रुपये के लिए प्रयोग कर ली गई थी।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने शपथ आयुक्त पानीपत द्वारा विधिवत् साक्ष्यांकित स्टाम्प कागज पर एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस संख्या : पी/ए/1364325, दिनांक 21-12-1972 की मूल सीमाशुल्क प्रति खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता हूं कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस संख्या : पी/ए/1364325, दिनांक 21-12-1972 की मूल सीमाशुल्क प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

[सं० 732/एमसी 209009/एएम-73/एयू-I]

एस० वेंकट, उप-मुख्य नियंत्रक कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

ORDER

Bombay, the 11th December, 1974

Subject :—Order for cancellation of Customs copy of Licence No. P/A/1364325 dated 21-12-1972 issued in favour of M/s. Adarsh Woollen Mills, Panipat.

S.O. 2444.—M/s. Adarsh Woollen Mills, 21, Weavers Colony, Panipat were granted import licence No. P/A/1364325 dated 21-12-1972 for import of Hungarian Woollen Card Clothing Diamond Point valued at Rs. 70,147. They have applied for duplicate Customs copy of the said licence on the ground that the original copy of the licence has been lost or misplaced. It is further stated that the Customs copy of the licence was utilised for Rs. 58,824 leaving an unutilised balance of Rs. 11,322.39.

In support of this contention, the applicant has filed an Affidavit on stamped paper duly attested by the Oath Commissioner, Panipat. I am satisfied that the original Customs copy of licence No. P/A/1364325 dated 21-12-1972 has been lost or misplaced and direct that duplicate Customs copy of the licence may be issued to the applicant. The original customs copy of the licence No. P/A/1364325 dated 21-12-1972 is hereby cancelled.

[No. 732/M.C. 209009/AM-73/AU-1]

S. VENKAT, Dy. Chief Controller
for Jt. Chief Controller of I. & E.

उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1975

का०आ० 2445.—मुख्य क्रय अधिकारी, बीजक्रय संगठन, तलवाड़ा टाउनशिप (पंजाब) को 19418 रुपये (उन्नीस हजार चार सौ उठारह रुपये मात्र) मूल्य का एक आयात लाईसंस सं. जी/ए/1065218/सी/एक्स एक्स/50/एच/37-38/ सी जी-2 (दोनों प्रतियां) दिनांक 18.4.1974 प्रदान किया गया था। उन्होने उक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल आयात लाइसेंस खो गया/अस्थानस्थ हो गया हो। यह भी उल्लेख किया गया है। कि मूल आयात लाइसेन्स किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकरण में पंजीकृत नहीं कराया गया था और उसका बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया था।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने शपथ अधिकारी उच्च न्यायालय, दिल्ली द्वारा विधिवत् साक्ष्यांकित एक शपथपत्र दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूं कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट खो गया है। इसलिए, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मुख्य क्रय अधिकारी, बीज क्रय संगठन, तलवाड़ा टाउनशिप (पंजाब) को जारी किया गया। उक्त मूल आयात लाइसेन्स सं० जी/ए/1065218/सी/एक्स एक्स/50/एच/37-38/सी जी-2 (दोनों प्रतियां) दिनांक 18-4-74 को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

3. उक्त आयात लाइसेन्स की अनुलिपि प्रति लाइसेन्सधारी को अलग से जारी की जा रही है।

[सं० : सी जी-2/बी पी ओ (102)/73-74]

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 16th July, 1975

S.O. 2445.—The Chief Purchase Officer Beas Purchase Organisation, Talwara Township (Punjab) were granted an Import licence No. G/A/1065218/C/XX/50/H/37-38/CGII (Both copies), dated 18-4-1974 for Rs. 19418 (Rupees Nineteen Thousand four hundred and eighteen only). They have applied for the issue of a duplicate copy of the said import licence on the ground that the original import licence has been lost/misplaced. It is further stated that the original import licence was not registered with any custom Authority or utilised at all.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit duly attested by the Oath Commissioner, High Court of Delhi. I am accordingly satisfied that the original CCP has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the imports (Control) order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original import licence No. G/A/1065218/C/XX/H/37-38/CGII (Both copies), dated 18-4-1974 issued to the Chief Purchase Officer, Beas Purchase Organisation, Talwara Township (Punjab) is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the said import licence is being issued separtely to the licensee.

[No. CG. II/BPO(102/73-74]

आदेश

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1975

का०आ० 2446.—सर्वश्री राज्य व्यापार निगम भारत लि०, नई दिल्ली को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से सिन्थेटिक रबड़ के आयात के लिये 10,000 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० जी०/टी०/2413549 दिनांक 22-3-74 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति उनके द्वारा खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस भारत के किसी भी पत्तन पर पंजीकृत नहीं करवाया गया है

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस जी०/टी/2413549 दिनांक 22-3-74 की मूल सीमाशुल्क प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि उन्हें उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति जारी की जानी चाहिये। लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति इसके द्वारा रद्द की जाती है।

लाइसेंस सं० जी०/टी०/2413549 की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति इसके द्वारा रद्द की जाती है।

[सं० एस० टी० सी०/रबर-509-516/73-74/आर० एम० सैल/750]

ORDER

New Delhi, the 22nd July, 1975

S.O. 2446.—The State Trading Corporation of India Ltd., New Delhi were granted licence No. G/T/2413549 dated 22-3-1974 for the import of Synthetic Rubber from G.C.A. to the value of Rs. 10,000. They have requested for the issue of duplicate Custom Copy of the above licence on the ground that the original customs copy of the above licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been registered with any port in India.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original custom copy of the licence No. G/T/2413549 dated 22-3-1974 has been lost and direct that duplicate custom copy of the said licence should be issued to them. The original custom copy of the licence is hereby cancelled.

The duplicate custom copy of the licence No. G/T/2413549 is being issued separately.

[F. No. STC/Rubber-509-516/73-74/RMC/750]

आदेश

का०आ० 2447.—दि परियोजना एवं उपकरण निगम, भारत लि० को चैकोस्लोवाकिया से पहिये वाले कृषि जेटर 2011 ट्रैक्टर के स्वीकृत किस्म के फालतू पुर्जों के आयात के लिये 3,30,000 रुपये का एक आयात लाइसेंस सं० जी०/टी०/2413057/दिनांक 7-2-74 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की दोनों प्रतियों के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि उन के द्वारा दोनों मूल प्रतियां खो गई हैं। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस भारत के किसी भी पत्तन पर पंजीकृत नहीं करवाया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस सं० जी०/टी०/2413057 दिनांक 7-2-74 की दोनों प्रतियां खो गई हैं और उन्हें उक्त लाइसेंस की दोनों अनुलिपि प्रतियां जारी की जानी चाहियें। लाइसेंस की दोनों प्रतियां इसके द्वारा रद्द की जाती हैं।

लाइसेंस सं० जी०/टी०/2413057 की दोनों प्रतियां अलग से जारी की जा रही हैं।

[संख्या एस० टी० सी०/जैड ई० सी०-46/73-74/आर० एम० सैल०/751]

के० आर० श्रीनिवासन, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 2447.—The Projects & Equipments Corporation of India Ltd., New Delhi were granted licence No. G/T/2413057 dated 7-2-1974 for the import of permissible type of spare parts for wheeled Agricultural Zetor 2011 tractor from Czechoslovakia to the value of Rs 3,30,000/-. They have requested for the issue of both copies of the above licence on the ground that the original both copies of the licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been registered with any port in India.

In support of their contention, the application have filed an Affidavit. The undersigned is satisfied that both the copies of licence No. G/T/2413057 dated 7-2-1974 has been lost and direct that duplicate both copies of the said licence should be issued to them. The both copies of the licence is hereby cancelled.

Both copies of the licence No. G/T/2413057 is being issued separately.

[F. No. STC/Zec-46/73-74/RM Cell/751]

K. R. SRINIVASAN, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 25 जून, 1975

का०आ० 2448.—वरिष्ठ भंडार अधिकारी, डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी को संयुक्त राज्य अमरीका से सिलेण्डर लाइनर्ज के आयात के लिए 2,19,780 रुपये का एक आयात लाइसेन्स जी/आर/2089286 दिनांक 30-7-73 जारी किया गया था। अब लाइसेन्स धारी ने लाइसेन्स की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस कार्यालय से इस आधार पर

आवेदन किया है कि मूल प्रति सीमाशुल्क कार्यालय, कलकत्ता में पंजीकृत कराने और 91,627/- रुपये का उपयोग करना शेष रहते हुए, 1,28,153/- रुपये की सीमा तक आंशिक उपयोग करने के बाद खो गई/अस्थानस्थ हो गई है ।

आवेदन के समर्थन में आवेदक ने सरकारी कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है ।

अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति सं० जी/आर/2089286 दिनांक 30-7-73 आवेदक से खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देती है कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

आयात लाइसेन्स सं० जी/आर/2089286 दिनांक 30-7-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

[संख्या : 38 एस/रेलवे/73-74/जी एल एस/35]

एस० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 25th June, 1975

S.O. 2448.—An Import Licence No. G/R/2089286 dated 30-7-1973 for Rs. 2,19,780 for the import of Cylinder Liners from U.S.A. was issued in favour of Senior Stores Officer, DLW, Varanasi. Now the licensee has requested this office for issue of Duplicate Customs copy of the same on the grounds that the original Customs Copy has been lost/misplaced after having been registered with Calcutta Customs and partly utilised to the extent of Rs. 1,28,153 leaving the balance of Rs. 91,627.

In support of the request the applicant has filed an affidavit on stamped paper.

The undersigned is satisfied that the original CCP No. G/R/2089286 dated 30-7-1973 has been lost/misplaced by the applicant and directs that duplicate Customs Copy of the same should be issued in favour of the applicant.

The original Customs Copy of Import Licence No. G/R/2089286 dated 30-7-1973 is hereby cancelled.

[No. 38. S/RLY/73-74/GLS/35]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1975

का० आ० 2449.—सर्वश्री सुसन टैक्सटाइल बेयरिंग लि० बड़ोदा को पश्चिमी जर्मनी से आयात के लिए 33,253 रु० का एक आयात लाइसेंस सं० पी०/सी/2069282 दिनांक 14-4-75 स्वीकृत किया गया था ; उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस (सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति) किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए और उसका बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गया/अस्थानस्थ हो गया है । इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक के सम्मुख विधिवत शपथ लेते हुए एक शपथ पत्र दाखिल किया है । मैं तदनुसार संतुष्ट हूं कि मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियां) खो गया है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (सी सी) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री सूसन टैक्सटाइल बेयरिंग लि० बड़ौदा को जारी किए गए उक्त लाइसेंस सं० पी/सी/2069282/सी/एक्स एक्स/55/एच/39-40/सी जी-3 दिनांक 14-4-75 को इस के द्वारा रद्द किया जाता है।

अनुलिपि लाइसेंस (मुद्रा विनिमय नियंत्रण सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति) अलग से जारी किया जा रहा है।

[संख्या : 3167/74/8 ए-सी जी 3/1277]

नन्द कुमार, संयुक्त मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1975

S.O. 2449.—M/s. Sussen Textile Bearings Limited, Baroda were granted an import licence No. P/C/2069282, dated 14-4-75 for Rs. 33,253/- for import from West Germany. They have applied for the issue of duplicate copy of the said licence on the ground that the original licence (Custom and Exchange Control Copy) has been lost/misplaced without having been registered with any customs authority and unutilised at all. In support of this contention the applicant has filed an affidavit duly sworn in before Notary Public, I am accordingly satisfied that the original licence (both copies) has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said licence No. P/C/2069282/C/XX/55/H/39-40/CG III dated 14-4-75 issued to M/s Sussen Textile Bearings Limited, Baroda is hereby cancelled.

A duplicate import licence (Exchange Control and Customs Copy) is being issued separately.

[F. No. 3167/74/8A-CG III/1277]

NAND KUMAR, Joint Chief Controller.

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1975

का० आ० 2450.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अनुसूचित किया जाता है कि लाईसेंस संख्या सी एम/एल-3547 जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फर्म का नाम बदलने के कारण 1 मई, 1975 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल-3547 19-9-1973	मेसर्स आर्ट लेदर प्राइवेट लि० सर विट्ठलदास चेम्बर 16, अपोलो स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-1	ट्रेस करने का कपड़ा।	IS : 2037-1962 ट्रेस करने के कपड़े की विशिष्टि।

[सी० एम० डी०/55 : 3547]

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

Indian Standards Institution

New Delhi, the 2nd July, 1975

S.O. 2450.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution here by notifies that Licence No. CM/L-3547 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1 May, 1975 on account of/due to change in the name and style of the firm.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-3547 19 Sep. 1973	M/s. Art Leather Private Ltd., Sir Vithaldas Chamber, 16, Apollo Street, Fort, Bombay-1.	Tracing Cloth	IS : 2037-1962 Specification for Tracing Cloth.

[[No. CMD/55 : 3547]

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1975

का०आ० 2451.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाईन, उसके शाब्दिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है, वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न उनके आगे दी गई तिथि से लागू हो जायेंगे।

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	IS : 1312	मिथाइल ब्रोमाइड	IS 1312-1967 मिथाइल ब्रोमाइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या अंकित है।	16 अप्रैल, 1975
2.	IS : 7347	छोटे साइज के चिनगारी दाही इंजिनों की कार्यप्रदता	IS : 7347-1974 छोटे साइज के चिनगारी दाही इंजिनों का कार्यप्रदता की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिस में 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या अंकित है।	1 अप्रैल, 1975

[सं० सी०एम० डी०/13:9]

New Delhi, the 7th July, 1975

S. O. 2451.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 1312	Methylbromide	IS : 1312-1967 Specification for methylbromide (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design)	16 April 1975.
2.	IS : 7347	Performance of small size spark ignition engines.	IS : 7347-1974 Specification for performance of small size spark ignition engines.	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top size of the monogram as indicated in the design.	1 April 1975.

[No. CMD/13 : 9]

का० ग्रा० 2452.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए ब्यौरे के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस उनके आगे दी गई तिथियों से लागू हो जाएंगी।

अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	मिथाइल ब्रोमाइड	IS : 1312-1967 मिथाइल ब्रोमाइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	एक मीटरी टन	रु० 5.00	16 अप्रैल, 1975
2.	छोटे साइज के चिनगारी दाही इंजिनों की कार्यप्रदता	IS एस : 7347-1974 छोटे साइज के चिनगारी दाही इंजिनों का कार्यप्रवता की विशिष्टि।	एक इंजिन	(1) पहली 10000 इकाइयों के लिए 50 पैसे प्रति इकाई; (2) 10001 से 20000 तक की इकाइयों के लिये 30 पैसे प्रति इकाई और (3) शेष इकाइयों के लिए 10 पैसे प्रति इकाई।	1 अप्रैल, 1975

[सं० सी० एम० डी०/13: 10]

S. O. 2452.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Methylbromide	IS : 1312-1967 Specification for methylbromide (first revision).	One Tonne	Rs. 5.00	16 Apr 1975
2.	Performance of small size spark ignition engines.	IS : 7347-1974 Specification for performance of small size spark ignition engines.	One Engine	(i) 50 Paise per unit for the first 10,000 units; (ii) 30 Paise per unit for the next 10,001st to 20,000 units and (iii) 10 Paise per unit for remaining units.	1 Apr 1975

[No. CMD/13 : 10]

का० आ० 2453.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिये गये 157 लाइसेंसों का नवीकरण नवम्बर 1973 में किया गया है।

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	वैधता की अवधि से	वैधता की अवधि तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी पदनाम
1	2	3	4	5	6
1.	सी० एम०/एल०—36 4-11-1957	16-11-73	15-11-74	दि नेशनल इंसुलेटेड कम्पनी आफ इंडिया लि०, शामनगर, 24 परगना (पं० बंगाल)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS :398—1961
2.	सी० एम०/एल०-37 4-11-1957	16-11-73	15-11-74	दि नेशनल इंसुलेटेड कंपनी आफ इंडिया लि०, शाम नगर, 24 परगना (प० बंगाल)	11 किवा तक की कार्यकारी वोल्टता की पावर और रोशनी के लिये रबड़ रोधित केबल और लचकीली डोरियां (तांबे अथवा एलुमिनियम चालकों वाले)— IS : 434(भाग 1 और 2)—1969
3	सी० एम०/एल०-104 7-10-1958	1-11-73	31-10-74	ई० आई० डी० पैरी लिमिटेड, नेल्ली कुप्पम, दक्षिण आर्काट जिला	परिशोधित स्पिरिट ग्रेड-1 IS : 323—1959
4.	सी० एम०/एल०-111 24-9-1959	1-10-73	30-9-74	टाटा फाइसन इंडस्ट्रीज लि०, 20 हावड़ा रोड, सल्किया, कलकत्ता	डी० डी० टी० धूलन पाउडर— IS : 564—1955
5.	सी० एम०/एल०-150 15-10-1959	1-11-73	31-10-74	दि पैकिंग मेटेरियल कारपोरेशन, खेद गैधी (कार्यालय: गोखले रोड, दक्षिण) बम्बई—28	पैक करने का चमकदार जलसह बिटुमेनी कागज— IS :1398—1968
6.	सी० एम०/एल०-153 15-10-1959	1-11-73	31-10-74	दि अल्कली एंड केमिकल कारपोरेशन आफ इंडिया लि०, रिषरा, हुगली	बी० एच० सी० तकनीकी— IS : 560—1961
7.	सी० एम०/एल०-168 22-2-1960	1-10-73	30-9-74	टाटा फाइसन इंडस्ट्रीज लि०, 20 हावड़ा रोड, सल्किया, कलकत्ता	बी० एच० सी० जल विसर्जनीय चूर्ण— IS : 562—1962
8.	सी० एम०/एल०-243 23-11-1960	1-12-73	30-11-74	हिन्दुस्तान टिन वर्क्स प्राइवेट लि०, जी० टी० रोड, गाजियाबाद (उ० प्र०)	18 लिटर समाई वाले वर्गाकार टिन— IS : 916—1966
9.	सी० एम०/एल०-339 1-9-1961	1-11-73	31-10-74	प्रोडक्शन सेंटर फार इलेक्ट्रिक मोटर्स, तिरुवल्ला (केरल)	तीन फेजी प्रेरण मोटर 7.5 किवा (10 हापा) ए श्रेणी के रोधन वाली— IS : 325—1961
10.	सी० एम०/एल०-389 5-3-1962	16-11-73	15-11-74	दि नेशनल इंसुलेटेड केबल कं० आफ इंडिया लि०, शामनगर, 24 परगना (पं० बंगाल)	पी० वी० सी० रोधित केबल 250/440 वोल्ट और 650 / 1100 वोल्ट ग्रेड— IS : 694 (भाग 1 और 2)—1964
11.	सी० एम०/एल०-429 30-6-1962	16-11-73	31-8-74	हिन्दुस्तान मिनरल्स प्राडक्ट्स कं० प्रा० लि०, प्लाट संख्या 27, मैंगनीज डिपो, सेवरी बम्बई-15	बी० एच० सी० जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 562—1962
12.	सी० एम०/एल०—501 23-1-1963	1-10-73	30-9-74	टाटा फाइसन इंडस्ट्रीज लि०, 20 हावड़ा रोड, सल्किया कलकत्ता	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958
13.	सी० एम०/एल०—539 30-5-1963	1-10-73	30-9-74	,,	सी० ओ० सी० जल विसर्जनीय चूर्ण— IS : 1507—1966
14.	सी० एम०/एल०—607 11-12-1963	1-11-73	30-4-74	प्रोडक्शन सेंटर फार इलेक्ट्रिक मोटर्स, तिरुवल्ला (केरल)	एक फेजी केपेसिटर स्टार्ट वाली छोटी एसी और यनिवर्सल बिजली की मोटर 0.18 किवा (0.25 हापा) से 0.7 किवा० 1 (हापा) ए श्रेणी के रोधन वाली— IS : 996—1964
15.	सी० एम०/एल०—616 7-1-1964	16-10-73	15-10-74	जयपुर मेटल्स एंड इलेक्ट्रिकल्स लि०, निकट रेलवे स्टेशन, जयपुर (राजस्थान)	शिरोपरिपावर प्रेषण कार्यों के लिये सख्त खिंचे लड़वार पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
16.	सी० एम०/एल०—696 17-6-1964	16-11-73	15-11-74	दि नेशनल इंसुलेटेड केबल कम्पनी आफ इंडिया लि०, शामनगर, 24 परगना (प० बंगाल)	पी० वी० सी० रोधित (भारी ड्यूटी) बिजली के केबल 1100 वोल्ट तक कार्यकारी वोल्टता के लिये तांबे या एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 1554(भाग 1)—1961
17.	सी० एम०/एल०—701 26-6-64	16-10-73	15-10-74	गोदरेज सोप्स प्राइवेट लि०, विक्रोली, बम्बई-79	(1) स्टियरिक अम्ल, तकनीकी केवल टाइप 1, 2, 4 और 5— IS : 1675—1971 (2) ओलेक अम्ल तकनीकी ग्रेड—3 IS : 1676—1960

1	2	3	4	5	6
18.	सी० एम०/एल०—732 29-6-1964	1-11-73	31-10-74	श्री मशीनरी कारपोरेशन प्रा० लि०, कैथोलिक सेंटर, 5/6 आरमेनियन स्ट्रीट मद्रास	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
19.	सी० एम०/एल०—733 29-6-1964	1-11-73	31-10-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
20.	सी० एम०/एल—802 23-10-1964	16-11-73	15-11-74	के० एल० मल्होत्रा ब्रदर्स, डब्ल्यू० एक्स-83, बस्ती नौ जलंधर शहर (पंजाब)	बेडमिंटन रैकेट के फ्रेम— IS : 831—1966
21.	सी० एम०/एल०—809 26-10-1964	1-12-73	30-11-74	प्रकाश स्टील रोलिंग जलन्धर सिटी (पंजाब)	संरचना धातु (मानक किस्म)— IS : 226—1969
22.	सी० एम०/एल—810 26-10-64	1-12-73	30-11-74	"	संरचना धातु (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
23.	सी० एम०/एल०—839 23-11-1964	1-12-73	30-11-74	इंडस्ट्रियल रिसर्च कारपोरेशन, 128 लैटिस ब्रिज रोड, मद्रास-20	रंजकों से बनी फाउंटेनपेन की स्याही (नीली, हरी, लाल और भूरी)— IS : 1221—1971
24.	सी० एम०/एल०-846 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	कंकनारा कम्पनी लिमिटेड, क्लार्क घाट रोड, भटपाड़ा 24 परगना (पं० बंगाल)	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)—1971 (2) टाट के बोरे— IS : 3790—1966
25.	सी० एम०/एल०—847 28-11-1964	1-12-73	30-11-74		पटसन बोरे और सैकिंग कपड़ा : (1) ए ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874—1964 (4) पटसन मक्का के बोरे— IS : 2875—1964 (5) लिवरपूल ट्विल (एल०-ट्विल) बोरे— IS : 3794—1966 (6) बी०-ट्विल कपड़ा— IS : 3667—1966 (7) लिवरपूल ट्विल (एल-ट्विल) कपड़ा— IS : 3668—1966 (8) पटसन मक्का के बोरे कपड़ा— IS : 3750—1966 (9) भारी सी कपड़ा— IS : 3751—1966
26.	सी० एम०/एल—850 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	हावड़ा मिल्स कम्पनी लि०, 493/सी०/ ए० जी० टी० रोड, दक्षिण, हावड़ा	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)—1971 (2) टाट के बोरे— IS : 3790—1966
27.	सी० एम०/एल०—851 28-11-1964	1-12-73	30-11-74		पटसन सैकिंग और सैकिंग कपड़ा— (1) ए० ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874—1964

1	2	3	4	5	6
					(4) पटसन मक्का बोरे— IS : 2875-1964 (5) लिवरपूल ट्विल (एल-ट्विल) IS : 3794-1966 (6) बी-ट्विल कपड़ा— IS : 3667-1966 (7) लिवरपूल ट्विल (एल-ट्विल) कपड़ा— IS : 368-1966 (8) पटसन मक्का सैकिंग कपड़ा— IS : 3750-1966 (9) भारी सी कपड़ा— IS : 3751-1966
28.	सी० एम०/एल०-854 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	बजबज मिल्स, (इकाई : डेल्टा) मानिकपुर सर्करियल, हावड़ा	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)-1971 (2) टाट बोरे— IS : 3790-1966 पटसन सैकिंग और सैकिंग कपड़ा :
29.	सी० एम०/एल०-855 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	"	(1) ए-ट्विल पटसन बोरे— आई एस : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566-1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874-1969 (4) बी-ट्विल कपड़ा— IS : 3667-1966 (5) भारी सी कपड़ा— IS : 3751-1966
30.	सी० एम०/एल०-858 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	आकलैण्ड जूट कं० लि०, जगतदल, 24 परगना (प० बंगाल)	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)-1971 (2) टाट बोरे— IS : 3790-1966 पटसन सैकिंग और सैकिंग कपड़ा :
31.	सी० एम०/एल०-859 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	आकलैण्ड जूट कं० लि०, जगतदल, 24 परगना (प० बंगाल)	(1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566-1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874-1964 (4) पटसन मक्का बोरे— IS : 2875-1964 (5) लिवरपूल ट्विल (ए-ट्विल) बोरे— IS : 3794-1966 (6) बी-ट्विल कपड़ा— IS : 3667-1966 (7) लिवरपूल ट्विल (एल-ट्विल) कपड़ा— IS : 3668-1966 (8) पटसन मक्का सैकिंग कपड़ा— IS : 3750-1966 (9) भारी सी कपड़ा— IS : 2751-1966

1	2	3	4	5	6
32.	सी० एम०/एल०-860 28-11-1964	1-1-74	31-12-74	दि डलहौजी जूट, कं० लि०, बांसबारी, जिला हुगली	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)-1966 (2) टाट के बोरे- IS : 3790-1966
33.	सी० एम०/एल०-861 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	दि किन्नीसन जूट मिल्स कं० लि०, टीटागढ़, 24 परगना (प० बंगाल)	(1) भारतीय टाट - IS : 2818 (भाग 2) 1971 (2) टाट के बोरे—- IS : 3790-1966
34.	सी० एम०/एल०-862 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	दि किन्नीसन जूट मिल्स कं० लि०, टीटागढ़, 24 परगना (प० बंगाल)	(1) भारतीय टाट- - IS : 2818 (भाग 2)-1971 (2) टाट के बोरे— IS : 3790-1966
35.	सी० एम०/एल०-874 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	नेशनल कम्पनी लिमिटेड बजरंग श्रंदूल, हावड़ा	पटसन सैकिंग और सैकिंग कपड़ा— (1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे—- IS : 2566-1965 (3) बी-ट्विल कपड़ा- IS : 3667-1966
36.	सी० एम०/एल०-884 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	हेस्टिंग्स मिल लि०, रिषरा, हुगली	पटसन सैकिंग : (1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे- IS : 2566-1965
37.	सी० एम०/एल०-894 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	हुकमचंद जूट मिल्स लि०, 47, घोष-पाड़ा रोड- हालीशहर (प० बंगाल)	पटसन सैकिंग और सैकिंग कपड़ा : (1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566-1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874-1964 (4) पटसन मक्का बोरे — IS : 2875-1964 (5) लिवरपूल ट्विल (ए-ट्विल) बोरे— IS : 3794-1966 (6) बी-ट्विल कपड़ा—- IS : 3667-1966 (7) लिवरपूल ट्विल (एल-ट्विल) बोरे — IS : 3668-1966 (8) पटसन मक्का बोरे का कपड़ा— IS : 3750-1966 (9) भारी सी कपड़ा—- IS : 3751-1966
38.	सी० एम०/एल०-903 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	गगलभाई जूट मिल्स (डिविजन: मफतलाल गगलभाई एण्ड कम्पनी प्रा०लि० मिजबेरिया, डाकघर (उलूबेरिया हावड़ा)	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)-1971 (2) टाट के बोरे— IS : 3790-1966

1	2	3	4	5	6
39.	सी० एम०/एल० 910 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	दि इंडिया जूट कम्पनी लि०, पुलिस स्टेशन सेरमपुर, हुगली	पटसन सैकिंग और सैकिंग कपड़ा : (1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे — IS : 2566-1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874-1964 (4) पटसन मक्का के बोरे— IS : 2875-1964 (5) बी-ट्विल कपड़ा— IS : 3667-1966 (6) पटसन मक्का बोरे का कपड़ा— IS : 3750-1966 (7) भारी सी कपड़ा— IS : 3751-1966
40.	सी० एम०/एल०-919 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	दि नई हट्टी जूट मिल्स कं० लि०, डाकघर हाजीनगर, 24 परगना (प० बंगाल)	(1) भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग 2)-1971 (2) टाट के बोरे— IS : 3790-1966
41.	सी० एम०/एल०-920 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	दि नईहट्टी जूट मिल्स कं० लि०, डाकघर हाजीनगर, 24 परगना (प० बंगाल)	बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566-1965
42.	सी० एम०/एल०-934 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	एम्पायर जूट कम्पनी लि०, टीटागढ़, 24 परगना (प० बंगाल)	पटसन सैकिंग : (1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943-1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566-1965 (3) भारी सी पटसन बोरे— IS : 2874-1964
43.	सी० एम०/एल०-977 30-11-1964	1-12-73	30-11-74	इंडस्ट्रियल रिसर्च कारपोरेशन, 128, लैटिस ब्रिज रोड, मद्रास- 20	फैरो-गैलो टैनेट फाउंटेन पेन की स्याही (01 प्रतिशत लोहा युक्त)— IS : 220-1972
44.	सी० एम०/एल०-1131 27-8-1965	1-11-73	31-10-74	ट्रैको केबल कम्पनी लि०, इरिमपनम् तिरुवंकुलम् गांव, कन्यान्नूर तालुक, एर्णाकुलम जिला (केरल)	पी० वी० सी० रोधित केबल : टाइप — वोल्टता — चालक (1) इकहरी कोर (बिना खोल वाले) — 250/440 — केवल तांबा (2) इकहरी कोर (बिना खोल वाले) — 650/1100 — या एलुमिनियम (3) इकहरी कोर (पी०वी०सी० खोल वाले — 650/1100 (ख) पीवीसी रोधित लचकीली डोरियां (4) दुहरी मरोड़ी (बिना खोल वाले) — 250/440 — केवल तांबा IS : 694(भाग 1 और 2)-1964
45.	सी० एम०/एल०-1144 14-9-1965	16-10-73	15-10-74	आटो पिन्स (इंडिया) रजिस्टर्ड प्लाट संख्या 16, इंडस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद (हरयाणा)	पत्ती वार कमानियां और कमानी की पत्ती— IS : 1135-1966
46.	सी० एम०/एल०-1146 17-9-1965	15-10-73	11-10-74	लिलुवा स्टील एण्ड वायर कम्पनी लि०, 15/2, बेलूर रोड, लिलुवा, हावड़ा	संरचना इस्पात (मानक किस्म) परीक्षित इस्पात के 25 मिमी (1 इंच) व्यास वाले गोले और केवल समान क्षेत्रफल अन्य सेक्शन— IS : 226-1969

1	2	3	4	5	6
47.	सी एम/एल—1147 17-9-1965	16-10-73	15-10-74	लिलुआ स्टील एण्ड वायर कम्पनी लि०, 15/3, बेलूर रोड, लिलुआ, हावड़ा	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)-परीक्षित इस्पात के 25 मिमी (1 इंच) व्यास गोल और केवल सम्पन्न क्षेत्रफल के अन्य सेक्शन— IS: 1977–1969
48.	सी एम/एल—1389 13-1-1967	1-10-73	15-1-74	अमर डाई केम लि०, शेहाड़ निकट कल्याण (मध्य रेलवे) थाना	बी–ग्राक्सीनैफथोइक अम्ल (बान अम्ल)— आई एस : 3242–1965
49.	सी एम/एल—1517 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, वेंकटरायपुरम्, तनकू पश्चिम गोदावरी, जिला (आ० प्र०)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561–1962
50.	सी एम/एल—1518 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, वेंकटरायपुरम, तनकू, पश्चिम गोदावरी जिला (आ०प्र०)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561–1962
51.	सी एम/एल—1519 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, वेंकटरायपुरम, तनकू पश्चिम गोदावरी जिला (आ०प्र०)	बी एच सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर IS : 562–1964
52.	सी एम/एल—1520 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, वेंकटरायपुरम, तनकू पश्चिम गोदावरी जिला (आ० प्र०)	इन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310–1958
53.	सी एम/एल—1552 24-10-1967	1-11-73	29-2-74	इंडस्ट्रियल केबल्स (इंडिया) लि०, इंडस्ट्रियल एरिया (राजपुरा) पंजाब	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सख्त खिंचे पूण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक — IS : 398–1961
54.	सी एम/एल—1553 25-10-1967	1-11-73	31-10-74	देवीदयाल रोलिंग एण्ड रिफाइनरीज प्रा० लि०, पोखरन रोड, थाना बम्बई	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226–1969
55.	सी एम/एल—1554 [25-10-1967	1-11-73	31-10-74	देवीदयाल रोलिंग एण्ड रिफाइनरीज प्रा०लि०, पोखरन रोड, थाना बम्बई	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977–1968]
56.	सी एम/एल—1556 7-11-1967	16-11-73	15-11-74	सहगल सेनीटरी फिटिंग्ज (प्रा० लि०), गांव छुहारवाली डाकघर आदमपुर जलंधर	पानी सेवाओं के लिए बालू टली घुमाकर खुलने वाली पीतल की टोटिया साइज, 15 मिमी और टोटियां स्टाफ 15 मिमी साइज— IS : 781–1967
57.	सी एम/एल—1576 29-11-1967	1-12-73	30-11-74	सुदर्शन टिम्बर ट्रेडिंग कम्पनी, सहारनपुर रोड, युमुना नगर जिला अम्बाला (हरियाणा)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पट्टियां— IS : 10–1970
58.	सी एम/एल—1586 [14-12-1967	1-11-73	31-10-74	प्रकाश पुल्वराइजिंग मिल्स इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर राजस्थान	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 562–1962
59.	सी एम/एल—1587 15-12-1967	1-11-73	30-4-74	प्रकाश पुल्वराइजिंग मिल्स इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर राजस्थान	डी डी टी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 565–1961
60.	सी एम/एल—1653 13-3-1968	1–12-73	30-11-74	जे एन कपूर एण्ड कम्पनी, सहारनपुर रोड यमुना नगर जिला अम्बाला (हरयाणा)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पट्टिया IS : 10–1970
61.	सी एम/एल—1674 10-4-1968	16-10-73	15-10-74	इण्डोफिल केमिकल्स लि०, (कार्यालय: अकबर कैम्प रोड) कोलशेत रोड, थाना	जिनाब जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 3899–1970
62.	सी एम/एल—1679 22-4-1968	1-11-73	30-4-74	भगवती स्टील प्राइवेट लि०, 58/4, गोशाला रोड, लिलुआ हावड़ा	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226–1969
63.	सी एम/एल—1701 17-5-1968	1-10-73	30-9-74	दि ऐग्रो इंडस्ट्रियल केमिकल कं०, 13-ए, कल्याणीध्यू, रूद्रपुर जिला नैनीताल (उ०प्र०)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561–1962
64.	सी एम/एल—1707 31-5-1968	16-11-73	15-11-74	दि एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, रामचन्द्र पुरम, हैदराबाद—32 (आ०प्र०)	पूर्ण एलुमिनियम चालक— IS : 398–1961
65.	सी एम/एल—1788 16-9-1968	1-10-73	30-9-74	एस्सो स्टैण्डर्ड ईस्टर्न कारपोरेशन, एस्सो बिल्डिंग, 17 जमशेदपुर जी टाटा रोड, बम्बई—1	हेक्सेर खाद्य श्रेणी का— IS : 3470–1966
66.	सी ऐम/एल—1791 16-9-1968	16-10-73	15-10-74	सूर आयरन एण्ड स्टील कं० (प्रो०) लि०, 378, जीटी रोड, बेलूर हावड़ा	300 अम्पीयर की अधिकतम लगातार हस्त वेल्डिंग धारा वाले डीसी बिजली के वेल्डिंग जनित्र 17— IS : 2635–1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67.	सी एम/एल-1799 25-9-1968	1-10-73	30-9-74	दि ऐग्रो इंडस्ट्रियल एण्ड केमिकल कम्पनी, 13-ए कल्याणीव्यू, रुद्रपुर, जिला नैनीताल (उ०प्र०)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958
68.	सी एम/एल-1807 9-10-1968	16-10-73	15-10-74	अडवानी ओर्लिकान प्रा० लि०, बिलासपुर रोड, रायपुर (म०प्र०)	सामान्य प्रवेश पाने वाले संभरण इस्पात की मेटल आर्क वेल्डिंग के लिए ढके इलेक्ट्रोड— IS : 814—1970
69.	सी एम/एल-1814 15-10-1968	16-10-73	15-10-74	एल० मदनलाल (एलुमिनियम) प्रा० लि०, 2 हरेन मुखर्जी रोड, बेलूर, हावड़ा	एलुमिनियम के बर्तन एस आई सी ग्रेड— IS : 21—1959
70.	सी एम/एल-1817 15-10-1968	1-11-73	31-10-74	बम्बई वायर रोप्स लि०, कोलशेट रोड, थाना (महाराष्ट्र)	इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों की कोर के लिए इस्पात के तार— IS : 398—1961
71.	सी एम/एल-1841 22-11-1968	1-12-73	30-11-74	इंडिक्लो प्लाट संख्या 2 उद्योग नगर, गोरेगांव बम्बई-62	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 562—1962
72.	सी एम/एल-1892 14-1-1969	16-9-73	15-9-74	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, वेंकटेरायपुरम, तनकू पश्चिम गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश)	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564—1961
73.	सी एम/एल-1893 14-1-1969	16-9-73	15-9-74	,,	पैराथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2129—1962
74.	सी एम/एल-1910 31-1-1969	1-11-73	31-10-74	यू. के पेंट इंडस्ट्रीज जी टी रोड, अमृतसर (पंजाब)	वांछित रंग वेमे का शुष्क डिस्टेम्पर— IS: 427—1965
75.	सी एम/एल-1967 16-5-1969	16-9-73	15-9-74	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, वेंकटरायपुरम, तनकू पश्चिमी गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567—1963
76.	सी एम/एल-2008 7-11-1969	16-11-73	15-11-74	दि नेशनल इंसुलेटेड केबल कं० आफ इन्डिया लि०, शामनगर, 24 परगना (प० बंगाल)	ताप नम्य रोधित ऋतुसह केबल— (क) पी वी सी रोधित और पी वी सी खोलवाले (1) इकहरी कोर 250/440वो० और 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले (2) दुहरी कोर, चपटे 250/440वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले— 0.3035 (भाग 1)—1965 (ख) पोलीइथाइलीन रोधित, टेप लगे ब्रेडेड और सहमिलित— (1) इकहरी कोर, 250/440 वोल्ट और 650/1100वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले और (2) चपटे दुहरी कोर, 250/440 वोल्ट और 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 2)—1965
77.	सी एम/एल-2069 9-9-1969	16-9-73	15-9-74	ए० वी० जे० वायर्स प्राइवेट लि०, दामोदर गार्डन्स, 8 बी टी रोड, बेलघेरिया।	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृदु इस्पात के तार— IS : 280—1972
78.	सी एम/एल-2079 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स, बम्बई।	बी एच सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 561—1962
79.	सी एम/एल-2080 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स कं० प्रा० लि०, कुरला मरोल रोड, चकला, अंधेरी, बम्बई-58	बी एच सी जल विर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 562—1962
80.	सी एम/एल-2081 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	,,	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564—1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
81.	सी एम/एल-2082 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स कं० प्रा० लि०, कुरला मरोल रोड, चकला अंधेरी, बम्बई-58	डी डी टी जलविसर्जनीय धूलन पाउडर—— IS: 565—1961
82.	सी एम/एल-2085 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	,,	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव—— IS: 1310—1958
83.	सी एम/एल-2086 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	,,	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव—— IS: 2567—1963
84.	सी एम/एल-2087 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	,,	डाइएल्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव—— IS: 1054—1962
85.	सी एम/एल-2102 30-9-1969	16-11-73	15-11-74	वरुण इंजीनियरिंग कम्पनी, जलंधर (पंजाब)	ढालू कुले लोहे के मल पाइप, 150 मि०मी० साइज—— IS: 1729—1964
86	सी एम/एल-2111 16-10-1969	1-11-73	31-10-74	साउथ इंडिया एलुमिनियम कम्पनी, कंदनवावाडी, महाबलीपुरम् रोड, मद्रास-20	बर्तनों के लिए पिटवां एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रधातु, ग्रेड एस आइ सी—— IS: 21—1959
87.	सी एम/एल-2115 16-10-1969	16-10-73	15-10-74	हिन्दुस्तान सेनीटरीवेयर एण्ड इंडस्ट्रीज लि०, बहादुर गढ़, जिला रोहतक (हरयाणा)	केवल 12.5 लिटर समाई वाली नीचे लगने वाली डब्ल्यू०सी० और मूत्रालयों (वाल्व रहित साइफन नुमा) के लिए चीनी मिट्टी की फ्लश की टंकियां—— IS: 774—1971
88.	सी एम/एल-2116 16-10-1969	16-10-73	15-10-74	,,	निम्नलिखित प्रकार का कांचाभ सेनीटरी सामान (चीनी मिट्टी) के (1) पनखुड्डी के लिए पानी की टंकियां; (2) पनखुड्डी के लिए पानी की टंकियां, नमूना 1, आगे और पीछे की 440 मि०मी० ऊंचाई वाली; (3) 630 मि०मी० 580 मि० मी० और 680 मि०मी०साइज लम्बे पाएदान वाली नमूने की बैठने वाली टट्टियां; (4) उड़ीसा नमूने की बैठने वाली टट्टियां; 630/450 मि०मी० 580/440 मि०मी० (5) वाशबेसिन चपटे पृष्ठ वाले 450/500 मि० मी०; 550/440; (6) कुंडी नमूने के चपटे पृष्ठ वाले वाशबेसिन 400/400 मि०मी०; (7) वाशबेसिन की पाद साधार (8) प्रयोगशालाओं के नाव, साइज 450/300/150 मि०मी०; (9) चपटी पीठ वाले कटोरेनुमा मूत्रालय (10) कुंडी नमूने की कटोरे साइज 340/410 मि० मी० कम से कम 265 मि०मी० (11) साईफननुमा पनखुड्डी के डब्ल्यू सी (फ्लश की टंकिया लगी) दुहरी एस ट्रेप मापी ट्रैप वाली (12) बिडिएट, बड़े IS : 2556 (भाग 2, 3, 4, 5, 6, 8 और 9)—1967
89.	सी एम/एल-2150 26-11-1969	16-12-73	15-12-74	रांका केबल कारपोरेशन, इंडस्ट्रियल स्टेट, कुडप्पा (आंध्र प्रदेश)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलमुनियम चालक— IS 398—1961
90.	सी एम/एल-2172 10-12-1969	1-10-73	30-9-74	टाटा फाईसन इंडस्ट्रीज लि०, 20 हावड़ा रोड, सल्किय, कलकत्ता	बी एच सी पायसनीय तेज द्रव—— IS: 632—1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
91.	सी एम/एल-2173 10-12-1969	1-10-73	30-9-74	टाटा फाइसन इंडस्ट्रीज लि०, 20 हावड़ा रोड, सल्किया, कलकत्ता	डी डी टी पायसनीय तेल द्रव— IS : 633—1956
92.	सी एम/एल-2228 29-1-1970	1-11-73	31-10-74	अनन्त इंडस्ट्रीज (रजि०) एम-30 के निकट, इंडस्ट्रियल एरिया, जलंधर शहर	बढ़इयों के धातु के बने धातु के सांचे वाले बेंच रंदे— IS : 4057—1967
93.	सी एम/एल-2254 16-2-1970	1-11-73	31-10-74	रूबी इंडस्ट्रीज 17/89 रामनारायण बाजार, कानपुर	खनिकों के लिए केवल चमड़े के सोल सगेचमड़े के बचाव जूते— IS : 1989—1967
94.	सी एम/एल-2312 27-4-1970	1-11-73	31-10-74	यू. के पेंट्स इंडस्ट्रीज जी टी रोड, अमृतसर (पंजाब)	धातु फ्रेमों में प्रयुक्त पट्टी— IS : 419—1967
95.	सी एम/एल-2315 30-4-1970	1-11-73	30-9-74	सनरे केमिकल इंडस्ट्रीज, मोतीलाल नेहरू रोड, जमुना किनारा, आगरा	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1962
96.	सी एम/एल-2338 5-6-1970	16-12-73	15-12-74	दि इंडिया रोलिंग मिल्स, 79-फजलगंज, कानपुर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
97.	सी एम/एल-2339 5-6-1970	16-12-73	15-12-74	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
98.	सी एम/एल-2361 13-7-1970	1-12-73	30-11-74	टिम्बर ट्रेडर्स, खजुरी रोड, यमुनानगर, जिला अम्बाला (हरयाणा)	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड की पट्टियां— IS : 10—1970
99.	सी एम/एल-2442 30-10-1970	1-11-73	31-10-74	वेनसंस ऐग्रोकेमिकल्स एण्ड एलाइड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, प्राइवेट इंडस्ट्रियल इस्टेट कोयम्बतूर (तमिलनाडु)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1962
100.	सी एम/एल-2443 30-10-1970	1-11-73	31-10-74	भोरुका उद्योग बड़ा मंदिर, पानीहटी 24 परगना	20 लिटर समाई वाले ग्रेड बी-2 जस्ता चढ़े इस्पात के ड्रम; 10, 15, 20 और 25 लिटर समाई वाले ग्रेड बी-2 (बिना जस्ता चढ़े) 10, 15, 20 और 25 लिटर समाई वाले (बिना जस्ता चढ़े) सी ग्रेड— IS : 2552—1970
101.	सी एम/एल-2455 12-11-1970	16-11-73	15-9-74	एवर शाइन इलेक्ट्रिकल वर्क्स (इ) 10/61, इंडस्ट्रियल एरिया कीर्तिनगर नई दिल्ली-15	(1) पी वी सी रोधित केवल खोल और बिना खोल वाले इकहरी कोर, एलुमिनियम चालक, 250/440 और 650/1100 वोल्टता ग्रेड और (2) पी वी सी रोधित और पी वी सी खोल वाले केबल, चपटे दुहरी कोर एलुमिनियम चालकों वाले 250/440 वोल्टता— IS : 694 (भाग 2)—1964
102.	सी एम/एल-2473 3-12-1970	1-12-73	30-11-74	ज्योति वायर इंडस्ट्रीज, प्लाट संख्या 23-ए शाह इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीरा देसाई रोड, (कार्यालय : अंधेरी वरसोवा रोड) अंधेरी पश्चिम, बम्बई-58	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
103.	सी एम/एल-2549 18-2-1971	1-12-73	30-11-74	किन्नीसन जूट मिल्स कं० लि०, टीटागढ़, 24 परगना (प० बंगाल)	गलीचों के पीछे लगाने का पटसन कपड़ा— IS : 4900—1969
104.	सी एम/एल-2556 19-2-1971	1-1-74	31-12-74	डलहौजी जूट कं० लि०, बांसबारी जिला हुगली (प० बंगाल)	गलीचों के पीछे लगाने का पटसन कपड़ा— IS : 4900—1969
105.	सी एम/एल-2567 25-2-1971	1-12-73	30-11-74	आकलैण्ड जूट कम्पनी लि०, जगतदल, 24 परगना (प० बंगाल)	गलीचों के पीछे लगाने का पटसन कपड़ा— IS : 4900—1969
106.	सी एम/एल-2612 29-3-1971	1-10-73	30-9-74	ई आई डी पैरी लि०, क्रम संख्या 38/3 कातीवक्कम गांव एन्नोर सैदपेट तालुक, मद्रास-57	पशुओं के लिए मिश्रित आहार— IS : 2052—1968

1	2	3	4	5	6
107.	सी एम/एल-2634 29-3-1971	1-12-73	30-11-74	यूनिवर्सल केबल्स लि०, सतना (म० प्र०)।	पी वी सी रोधित केबल, इकहरी कोर, खोल वाले और बिना खोल वाले एलुमिनियम चालकों वाले 650/1100 वोल्ट— IS : 694 (भाग 2)—1964
108.	सी एम/एल-2642 30-3-1971	16-10-73	15-4-74	यूनिवर्सल केबल मैन्युफैक्चरिंग लि०, रेलवे स्टेशन के सामने फरीदाबाद (हरियाणा)	(1) इकहरी कोर पोलीइथाइलीन रोधित और पोलीइथाइलीन खोल वाले, ऋतुसह केबल 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— (2) इकहरी कोर पोलीइथाइलीन रोधित टेप लगे, बिना टेप लगे ब्रेडेड और ऋतुसह सहमिलित— (3) ऋतुसह केबल 250/440 वोल्ट एलुमिनियम चालक— (4) चपटे दुहरी कोर पोलीइथाइलीन रोधित पोलीइथाइलीन खोल वाले, 250/440 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले— (5) पोलीइथाइलीन रोधित, टेप लगे, बिना टेप लगे ब्रेडेड और सहमिलित ऋतुसह चपटे दुहरी कोर 650/1100 वोल्ट के एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 2)—1965 और IS : 3035 (भाग 3)—1967
109.	सी एम/एल-2646 30-3-1971	1-10-73	15-9-74	ई आई डी पैरी लि०, टाडेपल्ली, गुन्टूर जिला (आंध्र प्रदेश)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1962
110.	सी एम/एल-2665 22-4-1971	1-11-73	31-10-74	केजरीवाल आयरन एण्ड स्टील वर्क्स, 12/2, गिरीश घोष रोड, डाकघर बेलूरमठ, हावड़ा (प० बंगाल)	जल गैस और निकास के लिए (600 मि०मी० व्यास) दाब पाइपों के ढलवां लोहे के फिटिंग— IS : 1538—1969
111.	सी एम/एल-2706 24-6-1971	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स केमिकल्स कं० प्रा० लि०, कुरला मरोल रोड, चकला अंधेरी, बम्बई-58	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव— IS : 633—1956
112.	सी एम/एल-2730 5-8-1971	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स, बम्बई	एण्डोसल्फन पायसनीय तेज द्रव— IS : 43323—1967
113.	सी एम/एल-2756 31-8-1971	16-9-73	15-9-74	आर एम चटर्जी आयरन फाउंड्री (प्रा०) लि०, 63, सीतानाथ बोस लेन, सल्किया, हावड़ा	(1) बालू ढले लोहे के मल पाइप (100 मि० मी० तक साइज के) (2) छोटी त्रिज्या वाले मोड़ पहुंच द्वार सहित अथवा रहित (0-95°, 100 मी० मी० साइज के) (3) ट्रैप (0-95°, 100 मि० मी० साइज) (4) सम शाखाएं; अंडाकार पहुंच द्वार सहित अथवा रहित (0-95°, 100 मि० मी० साइज के) IS: 1729—1964
114	सी एम/एल-2771 16-9-1971	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स कं० प्रा० लि०, कुरला मरोल रोड, चकला अंधेरी, बम्बई-58	थीमिटॉन पायसनीय तेज द्रव— IS: 3905—1966
115.	सी एम/एल-2772 16-9-1971	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स कं० लि०, कुरला मरोल रोड, चकला, बम्बई-58	डाइक्लोरवोस पायसनीय तेज द्रव— IS : 5277—1969
116.	सी एम/एल-2773 16-9-1971	16-9-73	15-9-74	दि अंगूस कम्पनी लिमिटेड, डाकघर अंगूस, हुगली (प० बंगाल)	(1) दुहरी ताने के आटे के पटसन बोरे— IS : 3966—1967 (2) दुहरे ताने के आटे के बोरे— IS: 3984—1967

1	2	3	4	5	6
117.	सी एम/एल-2777 27-9-1971	1-10-73	30-9-74	फोर्ट ग्लोस्टर इंडस्ट्रीज लि०, (न्यू मिल यूनिट) फोर्ट ग्लोस्टर, (जिला हावड़ा, प० बंगाल)	(1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965
118.	सी एम/एल-2785 22-10-1971	1-11-73	31-10-74	दि सरदार आयरन एण्ड स्टील मिल्स, आगरा रोड, विखरोली बम्बई-83	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
119.	सी एम/एल-2786 22-10-1971	1-11-73	31-10-74	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
120.	सी एम/एल-2787 26-10-1971	1-11-73	15-8-74	मेरीफर इंडस्ट्रीज, श्री राम लेन, जिंदल-आयरन मिल्स के सामने, जी टी रोड, शाहदरा, दिल्ली	(1) पी वी सी रोधित और पी वी सी खोल वाले ऋतुसह केबल, एलुमिनियम चालकों वाले, 250/440 और 650/1100 वोल्टता ग्रेड— IS : 3035 (भाग 1)—1965 (2) पोलीइथाइलीन रोधित और पोलीइथाइलीन खोल वाले ऋतुसह केबल, इकहरी कोर एलुमिनियम चालकों वाले, 650/1100 वोल्टता ग्रेड— IS : 3035 (भाग 3)—1967
121	सी एम/एल-2788 27-10-1971	1-11-73	31-10-74	जे के स्टील एण्ड इंडस्ट्रीज लि०, रिषरा, जिला हुगली (प० बंगाल)	कवच दार केबल के लिए मृदु इस्पात के जस्ता चढ़ी पट्टियां— IS : 3985—1967
122.	सी एम/एल-2792 29-10-1971	1-11-73	31-10-74	संतराम रामजीदास आयरन एण्ड स्टील रोलिंग मिल्स, मंडी गोबिंदगढ़ (पंजाब)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
123.	सी एम/एल-2793 29-10-1971	1-11-73	31-10-74	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
124.	सी एम/एल-2803 8-11-1971	16-9-73	15-9-74	प्रेमचंद जूट मिल्स, पट्टाधारी : सोनाजुली टी एण्ड इंडस्ट्रीज लि०, पेरील, हावड़ा (प० बंगाल)	रुई की गांठे बांधने के लिए पटसन के बोरे का कपड़ा— IS : 4436—1967
125.	सी एम/एल-2807 11-11-1971	16-11-73	15-11-74	दि सिंह इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा० लि०, एफ क्यू/20-ए, रानी गंज, पनकी, डाकघर गंगागंज, कानपुर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226—1969
126.	सी एम/एल-2808 11-11-1971	16-11-73	15-11-74	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
127.	सी एम/एल-2809 12-11-1971	16-11-73	15-11-74	आर० जे० इंडस्ट्रीज, 63/21, हरवंस मोहाल, कानपुर	जूतों के बचाव के लिए इस्पात की टोपियां— IS: 5852—1970
128.	सी एम/एल-2820 26-11-1971	1-12-73	30-11-74	दि हिन्द आयरन कम्पनी, रेलवे रोड, बटाला (पंजाब)	केवल 100 मि० मी० के ढलवां लोहे के बरसाती पानी के पाइप— IS: 1230—1968
					पटसन सैकिंग
129.	सी एम/एल-2825 2-12-1971	1-12-73	30-1-74	फोर्ट ग्लोस्टर इंडस्ट्रीज लि०, इकाई : नार्थमिल फोर्ट ग्लोस्टर, जिला हावड़ा, (प० बंगाल)	(1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS: 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965
130.	सी एम/एल-2852 23-12-1971	16-12-73	15-10-74	वेंकटेश्वर एग्रो केमिकल्स एण्ड मिनरल्स, प्लाट संख्या 3-बी, इंडस्ट्रियल इस्टेट अम्बात्तूर, मद्रास-53	बी० एच० सी० धूलन पाउडर— IS : 564—1962
131	सी एम/एल-2853 23-12-1971	16-12-73	15-10-74	,,	डी० डी० टी० धूलन पाउडर— IS: 564—1961

1	2	3	4	5	6
132.	सी एम/एल-2873 14-1-1972	16-10-73	15-10-74	इंडस्ट्रियल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स प्रा० लि०, कुरला मरोल रोड, चकला अंधेरी, बम्बई-58	क्लोरडेन धूलन पाउडर— IS: 2864—1964
133.	सी एम/एल-2874 14-1-1972	16-10-73	15-10-74	,,	फेनीट्राथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS: 5281—1969
134.	सी एम/एल-2875 14-1-1972	16-10-73	15-10-74	,,	डायजीनो पायसनीय तेज द्रव— IS: 2861—1964
135.	सी एम/एल-2927 21-2-1972	1-11-73	31-10-74	मेरीफर इंडस्ट्रीज, श्रीराम लेन, सम्मुख जिंदल आयल मिल्स, जी टी रोड, शाहदरा, दिल्ली	पोलीइथाइलीन रोधित और पी वी सी खोल वाले केबल इकहरी कोर और चपटे दुहरे एलुमिनियम चालकों वाले, 250/440 वोल्ट— IS: 1596—1970
136.	सी एम/एल-3039 30-3-1972	16-10-73	15-10-74	पारस प्राइवेट लिमिटेड, 16 इंडस्ट्रियल एरिया, बांसवाड़ा (राजस्थान)	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के सख्त खिचे लड़वार पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS: 398—1961
137.	सी एम/एल-3164 22-9-1972	1-10-73	30-9-74	दि विदर्भ कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि०, अमरावती, बाडनेरा रोड, अमरावती से चौथे मील पर पोस्ट बाक्स सं 46, अमरावती	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1962
138.	सी एम/एल-3171 28-9-1972	1-10-73	30-9-74	नेल्लीमरला जूट मिल्स कं० लि०, नेल्लीमरला, विजयनगरम (आ०प्र०)	(1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965
139.	सी एम/एल-3180 9-10-1972	1-10-73	30-9-74	आकलैण्ड जूट कं० लि०, घोषपाड़ा रोड़, जगतदल 24-परगना (प० बंगाल)	(1) सीमेंट पैकिंग के लिए पटसन बोरे— IS : 2580—1965 और IS : 3984—1967
140.	सी एम/एल-3182 9-10-1972	16-10-73	15-10-74	चित्तवलाश जूट मिल्स कं० लि०, चितवलाश डाकघर, विशाखापत्तनम्, जिला आन्ध्र प्रदेश	(1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965
141.	सी एम/एल-3186 19-10-1972	1-11-73	31-10-74	किसान केमिकल्स, 3, इंडस्ट्रियल इस्टेट, पिंजौर (हरियाणा)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958
142.	सी एम/एल-3191 24-10-1972	1-11-73	31-10-74	मलहोत्रा स्टील इंडस्ट्रीज (गुजरात) प्रा० लि०, ऊधव रोड, ऊधव गांव के निकट अहमदाबाद (गुजरात)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226—1969
143.	सी एम/एल-3192 24-10-1972	1-11-73	31-10-74	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
144.	सी एम/एल-3193 24-10-1972	1-11-73	30-4-74	एम पी वायर्स एंड कंडक्टर्स प्रा० लि०, 31, इंडस्ट्रियल इस्टेट, बिड़ला नगर, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)	शिरोपरि पावर प्रषण कार्यों के लिए सख्त खिंचे लड़वार पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
145.	सी एम/एल-3196 27-11-1972	1-11-73	31-10-74	रेवती एंटरप्राइजेज, 1050-ए, टी एच रोड, तिरूवोतियूर, मद्रास-19 (तमिल नाडु)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
146.	सी एम/एल-3199 27-10-1972	1-11-73	31-10-74	दि इंडिया फ्लोर मिल्स कंपनी, सी 49/50, लारेंस रोड, रामपुरा, दिल्ली-35	बेसन— IS : 2400—1963
147.	सी एम/एल-3200 27-10-1972	1-11-73	31-10-74	इंडियन केमिकल एसोसियटस, 10 वां मील, एन० ए० एल० रोड़, रामगुंडल्ली डाकघर, जिला बंगलौर	औद्योगिक कार्यों के लिए संश्लिष्ट प्रचालक टाइप 3— IS : 4956—1968

1	2	3	4	5	6
148.	सी एम/एल-3201 27-10-1972	1-11-73	31-10-74	नागपाल अम्बावी पेट्रोकेम रिफाइनिंग लि०, मनाली, मद्रास-68 (तमिलनाडु)	ट्रांसफार्मर और स्विचगियर के लिए नया रोधन तेल— IS : 335—1972
149.	सी एम/एल-3203 1-11-1972	1-11-73	31-8-74	दि एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, संख्या 1, सिरेमिक फैक्टरी रोड, कुंडारा (केरल)	1100 वोल्ट तक कार्यकारी वोल्टता रेटिंग के पी वी सी रोधित और पी वी सी खोल वाले ठोस एलुमिनियम चालकों वाले केबल— IS: 4288—1967
150.	सी एम/एल-3204 1-11-1972	1-11-73	30-4-74	सेवरी आयरन एंड स्टील कंपनी 6, सेवरी क्रास रोड, बम्बई-15	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226—1969
151.	सी एम/एल-3205 1-11-1972	1-11-73	30-4-74	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977—1969
152	सी एम/एल-3207 1-11-1972	1-11-73	31-10-74	विक्की इलेक्ट्रानिक्स, प्लाट संख्या 92 सी, कांडीव्ली इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांडीव्ली, बम्बई-67	पी वी सी रोधित केबल : (1) इकहरी कोर, बिना खोल वाले 250/440 वोल्ट ग्रेड तांबे के चालकों वाले, और (2) इकहरी कोर, खोलवाले 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 694 (भाग 2)—1964 IS : 694 (भाग 1)—1964
153	सी एम/एल-3210 3-11-1972	16-11-73	15-2-74	टाटा फाइसन इंडस्ट्रीज लि०. प्लाट संख्या 94. इंडस्ट्रियल इस्टेट अम्बत्तूर, मद्रास-58	फेनीट्रोथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 5281—1969
154	सी एम/एल-3211 3-11-1972	1-11-73	30-4-74	काविसा इंडस्ट्रियल कारपोरेशन (कंडक्टर्स डिवीजन) ए-5, इंडस्ट्रियल इस्टेट, वाराणसी, उ० प्र०	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
155.	सी एम/एल-3222 28-11-1972	1-12-73	30-11-74	दि मेंघना मिल्स कं० लि०, डाकघर जगतदल, जिला 24-परगना (प० बंगाल)	पटसन सैकिंग : (1) ए-ट्विल पटसन बोरे— IS : 1943—1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे— IS : 2566—1965
156.	सी एम/एल-3232 28-11-1972	1-12-73	30-11-74	नेशनल मेटल प्रेसिंग कारपोरेशन, 83/2, इंडस्ट्रियल एरिया, बंगलौर-22	पिटवां, एलुमिनियम के बर्तन— ग्रेड एस आई सी और एन एस 3— IS : 21—1959
157.	सी एम/एल-3234 30-11-1972	1-12-73	30-11-74	सी प्रभुदास एण्ड कम्पनी प्रा० लि०, इंडस्ट्री डिवीजन, बंदर रोड, भावनगर (गुजरात)	इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों की कोर के लिए इस्पात के तार— IS : 398—1961

[सं० सी एम डी/13 : 12]

ए० के० गुप्ता, उपमहानिदेशक।

S.O. 2453.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that one hundred and fiftyseven licences particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of November, 1973:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and date	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS : Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-36 4-11-1957	16-11-73	15-11-74	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, 24-Parganas (West Bengal).	AAC & ACSR conductors— IS : 398—1961.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	CM/L-37 4-11-1957	16-11-73	15-11-74	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, 24-Parganas (West-Bengal)	Rubber-insulated cables and flexible cords (with copper or aluminium conductors) for electrical power and lighting (for working voltages upto and including 11 (kV)— IS : 434 (Parts I & II)—1964
3.	CM/L-104 7-10-1958	1-11-73	31-10-74	E.I.D. Parry Ltd,. Nelli Kuppam, South Arcot Distt.	Rectified spirit, Grade 1— IS : 323—1959
4.	CM/L-141 24-9-1959	1-10-73	30-9-74	Tata Fision Industries Ltd., 20, Howrah Road, Salkia, Calcutta.	DDT DP— IS : 564-1955
5.	CM/L-150 15-10-1959	1-11-73	31-10-74	The Packing Material Corpn., Khed Gally (Off : Gokhle Road, South) Bombay-28	Packing paper, water proof, bitumen-laminated— IS : 1398-1968
6.	CM/L-153 15-10-1959	1-11-73	31-10-74	The Alkali & Chemical Corpn of India Ltd., Rishra, Hooghly.	BHC, technical— IS : 560-1961
7.	CM/L-168 22-2-1960	1-10-73	30-9-74	Tata Fision Industries Ltd., 20, Howrah Road, Salkia, Calcutta.	BHC WDP— IS : 562-1962
8.	CM/L-243 23-11-1960	1-12-73	30-11-74	Hindustan Tin Works Private Limited, G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)	18-litre square tins— IS : 916—1966
9.	CM/L-339 1-9-1961	1-11-73	31-10-74	Production Centre for Electric Motors, Tiruvalla, (Kerala).	Three-phase induction motors upto 7.5 Kw (10 hp) with class 'A' insulation— IS : 325—1961
10.	CM/L-389 5-3-1962	16-11-73	15-11-74	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, 24-Parganas (West Bengal).	PVC insulated cables, 250/440 volts 650/1100 volts grade— IS : 694 (Parts I & II)—1964
11.	CM/L-429 30-6-1962	16-11-73	31-8-74	Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., Plot No. 27, Managanese Depot, Sewari, Bombay-15.	BHC WDPC— IS : 562-1962
12.	CM/L-501 23-10-1963	1-10-73	30-9-74	Tata Fision Industries Ltd., 20, Howrah Road, Salkia, Calcutta.	Endrin EC— IS : 1310-1958.
13.	CM/L-539 30-5-1963	1-10-73	30-9-74	Do.	CO WDPC— IS : 1507-1966
14.	CM/L-607 11-12-1963	1-11-73	30-4-74	Producton Centre for Electric Motors, Tiruvalla, (Kerala).	Single-phase capacitor start small AC and universal electric motor from 0.18 kW (0.25 hp) to 0.75 kW (1hp) with class 'A' insulation— IS : 996-1964
15.	CM/L-616 7-1-1964	16-10-73	15-10-74	Jaipur Metals & Electricals Limited, Near Railway Station, Jaipur (Rajasthan)	Hard-drawn stranded all aluminium conductors and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961
16.	CM/L-696 17-6-1964	16-11-73	15-11-74	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, 24-Parganas (West Bengal)	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts with copper or aluminium conductors— IS : 1554 (Part I)—1964
17.	CM/L-701 26-6-1964	16-10-73	15-10-74	Godrej Soaps Private Ltd., Vikhroli, Bombay79.	(1) Stearic Acid, Technical Type 1,2,4, & 5 only— IS : 1675—1971 (2) Oleic acid, technical, Grade 3— IS : 1676—1960
18.	CM/L-732 29-6-1964	1-11-73	31-10-74	Sri Rama Machinery Corporation P. Ltd., Catholic Centre, 5/6 Armenian Street, Madras.	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969
19.	CM/L-733 29-6-1964	1-11-73	31-10-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969
20.	CM/L-802 23-10-1964	16-11-73	15-11-74	K.L. Malhotra Brothers, WX-83, Basti Nau, Jullundur City (Punjab)	Badminton racket frames— IS : 831—1966
21.	CM/L-809 26-10-1964	1-12-73	30-11-74	Aeron Steel Rollings, Jullundur City (Punjab)	Strucutral steel (standard quality)— IS : 226—1969
22.	CM/L-810 26-10-1964	1-12-73	30-11-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969
23.	CM/L-839 23-11-1964	1-12-73	30-11-74	Industrial Research Corporation, 128, Lattic Bridge Road, Madras-20.	Dye-based fountain pen ink (blue, green, red & violet)— IS : 1221—1971
24.	CM/L-846 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Kanknarrah Co. Ltd., 1, Clark Ghat Road, Bhatpara, 24 Parganas (W.B.)	(1) Indian hession— IS : 2818 (Part II)—1971 and (2) Hessian bags— IS : 3790—1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
25.	CM/L-847 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Kanknarrah Co. Ltd., 1, Clark Ghat Road, Bhatpara, 24 Parganas (W.B.)	Jute sackings and sacking cloth— (1) A-twill jute bags IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964 (4) Jute corn sakes— IS : 2875—1964 (5) Liverpool twill (L-twill) bags— IS : 3794—1966 (6) B-twill cloth— IS : 3667—1966 (7) Liverpool twill (L-twill) cloth— IS : 3668—1966 (8) Jute corn sack cloth— IS : 3750—1966 (9) Heavy cee cloth— IS : 3751—1966
26.	CM/L-850 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Howrah Mills Co. Ltd., 493/C/A, G.T. Road, South Howrah.	(1) Indian hession— IS : 2818 (Part II)—1971 (2) Hessian bags— IS : 3790—1966
27.	CM/L-851 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Do.	Jute sackings and sacking cloth— (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964 (4) Jute corn sacks— IS : 2875—1964 (5) Liverpool twill (L-twill) bags— IS : 3794—1966 (6) B-twill cloth— IS : 3667—1966 (7) Liverpool twill (L-twill) cloth— IS : 3668—1966 (8) Jute corn sack cloth— IS : 3750—1966 (9) Heavy cee cloth— IS : 3751—1966
28.	CM/L-854 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Budge Budge Amalgamated Mills, (Unit : Delta), Manikpore, Sankrial, Howrah.	(1) Indian hessian— IS : 2818 (Part II)—1971 (2) Hessian bags— IS : 3790—1966
29.	CM/L-855 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Do.	Jute sackings and sacking cloth— (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964 (4) B-twill cloth— IS : 3667—1966 and (5) Heavy cee cloth— IS : 3751—1966
30.	CM/L-858 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Auckland jute Co. Ltd., Jagatdal, 24 Parganas (W. Bengal).	(1) Indian hessian— IS : 2818 (Part II)—1971 and (2) Hessian bags— IS : 3790-1960
31.	CM/L-859 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Auckland Jute Co. Ltd., Jagatdal, 24 Paraganas, (W. Bengal).	Jute sakcing and sacking cloth— (1)A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964 (4) Jute corn sacks— IS : 2875—1964 (5) Liverpool twill (L-twill) bags— IS : 3794—1966 (6) B-twill cloth— IS : 3667—1966 (7) Liverpool twill (L-twill) cloth— IS : 3668—1966 (8) Jute corn sack cloth— IS : 3750—1966 and (9) Heavy cee cloth— IS : 3751—1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
32.	CM/L-860 28-11-1964	1-1-74	31-12-74	The Dalhousie Jute Co Ltd., Champdany, Distt. Hooghly.	(1) Indian hessian— IS : 2818—(Part II)—1971 and (2) Hessian bags— IS : 3790—1966
33.	CM/L-861 28-11-64	1-12-73	30-11-74	The Kinnison Jute Mills Co. Ltd., Titaghur, 24 Parganas, (W.B.).	(1) Indian hessian— IS : 2818 (Part II)—1971 and (2) Hessian bags— IS : 3790—1966
34.	CM/L-862 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Do.	Jute sackings : (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 and (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964
35.	CM/L-874 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	National Co. Ltd, Rajgung, Andul Howrah.	Jute sackings and sacking cloth— (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 and (3) B-twill cloth— IS : 3667—1966
36.	CM/L-884 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Hastings Mill Ltd., Rishra, Hooghly.	Jute sackings— (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965
37.	CM/L-894 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Hukamchand Jute Mills Ltd., 47, Ghoshpara Road, Halisahar (W.B.).	Jute sacking and sacking cloth— (1) A-twill jute bags— IS : 1943-1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964 (4) Jute corn sacks— IS : 2875—1964 (5) Liverpool twill (L-twill) bags— IS : 3794—1966 (6) B-twill cloth— IS : 3667—1966 (7) Liverpool twill (L-twill) Cloth— IS : 3668—1966 (8) Jute corn sack cloth— IS : 3750—1966 (9) Heavy cee cloth— IS : 3751—1966
38.	CM/L-903 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Gagalbhai Jute Mills (Division : Mafatlal Gagalbahi & Co. Pvt. Ltd), Sijberia, P.O. Ulberia, Howrah.	(1) Indian hessian— IS : 2818—(Part II)—1971 and (2) Hessian bags— IS : 3790—1966
39.	CM/L 910 28-11-1964	1-12-73	30 11-74	The India Jute Co. Ltd., P.S. Serampore, Hooghly.	Jute sackings and sacking cloth— (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964 (4) Jute Corn sacks— IS : 2875—1964 (5) B-twill cloth— IS : 3667—1966 (6) Jute corn sack cloth— IS : 3750—1966 and (7) Heavy cee cloth— IS : 3751—1966
40.	CM/L-919 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	The Naihati Jute Mills Co. Ltd., P.O. Hazinagar, 24 Parganas (W.B.).	(1) Indian hessian— IS : 2818—(Part II)—1971 and (2) Hessian bags— IS : 3790—1966
41.	CM/L-920 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Do.	B-twill jute bags— IS : 2566—1965
42.	CM/L-934 28-11-1964	1-12-73	30-11-74	Empire Jute Co. Ltd., Titaghur, 24 Parganas (W.B.).	Jute sackings— (1) A-twill jute bags— IS : 1943—1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566—1965 and (3) Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43. CM/L-977 30-11-1964	1-12-73	30-11-74	Industrial Research Corpn., 128, Lattice Bridge Road, Madras-20.	Ferro-gallo tannate fountain pen-ink (0.1 percent iron content)— IS : 220—1972
44. CM/L-1131 27-8-1965	1-11-73	31-10-74	Traco Cable Co. Ltd., Irimpanam, Thiruvamkulam, Village Kanayannur Taluk, Ernakulam Distt (Kerala)	PVC insulated cables of the following types :— Type / Voltage Grade / Conduction (a) PVC insulated cables : (1) Single core (unsheathed) / 250/440 volts / Copper or aluminium (2) Single core (unsheathed) / 650/1100 volts / aluminium only (3) Single core (PVC sheathed) / Do. / Do. (b) PVC insulated flexible cords : (4) Twin twisted (unsheathed) / 250/440 volts / copper only IS : 694 (Part I and II)—1964
45. CM/L-1144 14-9-1965	16-10-73	15-10-74	Auto Pins (India) (Regd), Plot No. 16, Industrial Area, Faribad (Haryana).	Spring leaves and leaf springs— IS : 1135—1966
45. CM/L-1146 17-9-1965	16-10-73	15-10-74	Lillooah Steel and Wire Company Limited, 15/2 Belur Road, Lillooah, Howrah.	Structural steel (standard quality), tested steel upto 25 mm (1 inch) dia rounds and other sections of equivalent area only— IS : 226—1969
47. CM/L-1147 17-9-1965	16-10-73	15-10-74	Do.	Structural steel (ordinary quality), tested steel upto 25 mm (1 inch) dia rounds and other sections of equivalent area only— IS : 1977—1969
48. CM/L-1389 13-1-1967	1-10-73	15-1-74	Amar Dye-chem Ltd., Shahad, Near Kalyan (CR) Thana.	B-oxynaphthoic acid (bon acid)— IS : 3242—1965
49. CM/L-1517 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	Jayalakshmi Fertilizers, Venkatarayapuram, Tanuku, West Godavari Distt (A.P.).	BHC, DP— IS : 561—1962
50. CM/L-1518 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	Do.	DDT WDPC— IS : 565—1961
51. CM/L-1519 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	Do.	BHC WDP— IS : 562—1962
52. CM/L-1520 15-9-1967	16-9-73	15-9-74	Do.	Endrin EC— IS : 1310—1958
53. CM/L-1552 24-10-1967	1-11-73	28-2-75	Industrial Cables (India) Limited, Industrial Area, Rajpura (Pb).	Hard-drawn stranded all aluminium conductors and steel-cored aluminium, conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961
54. CM/L-1553 25-10-1967	1-11-73	31-10-74	Devidayal Rolling & Refineries Private Ldt., Pokhran Road, Thana, Bombay	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969
55. CM/L-1554 25-10-1967	1-11-73	31-10-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969
56. CM/L-1556 7-11-1967	16-11-73	15-11-74	Sehgal Sanitary Fittings (Private) Ltd., Village Chuharwali, P.O. Adampur, Jullundur.	Sand-cast brass screw-down bib taps, 15 mm size, and stop taps, 15 mm size for water services— IS : 781—1967
57. CM/L-1576 29-11-1967	1-12-73	30-11-74	Sudershan Timber Trading Co., Sahaharanpur Road, Yamunanagar, Distt Ambala (Haryana).	Plywood tea-chest battenes— IS : 10—1970
58. CM/L-1586 14-12-1967	1-11-73	31-10-74	Prakash Pulverising Mills, Industrial Area Alwar (Rajasthan).	BHC water dispersible powder concentrates— IS : 562—1962
59. CM/L-1587 15-12-1967	1-11-73	30-4-74	Do.	DDT water dispersible powder concentrates— IS : 565—1961
60. CM/L-1653 13-3-1968	1-12-73	30-11-74	J.N. Kapur &Co., Saharanpur Road, Yamunanagar, Distt. Ambala, (Haryana).	Plywood tea-chest battens— IS : 10—1970
61. CM/L-1674 10-4-1968	16-10-73	15-10-74	Indofil Chemicals Ltd., (Off : Akbar Camp Road), Kolshet Road, Thana.	Zineb WDPC— IS : 3899—1966
62. CM/L-1679 22-4-1968	1-11-73	30-4-74	Bhagawati Steel Private; Ltd., 58/4, Goshala Road, Liluah, Howrah.	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
63.	CM/L-1701 17-5-1968	1-10-73	30-9-74	The Agro Industrial Chemical Co., 13-A, Kalyani View, Rudrapur, Distt. Nanital (U.P.).	BHC—DP— IS : 561—1962
64.	CM/L-1707 31-5-1968	16-11-73	15-11-74	The Aluminium Industries Ltd., Ramachandrapuram Hyderabad-32 (A.P.).	AAC conductors— IS : 398—1961—
65.	CM/L-1788 16-9-1968	1-10-73	30-9-74	Esso-Standard Eastern Inc., Esso Building, 17 Jamshedji Tata Road, Bombay-1.	Hexane, food grade— IS : 3470—1966
66.	CM/L-1791 16-9-1968	16-10-73	15-10-74	Sur Iron & Steel Co (P) Ltd., 378 G.T. Road, Belur Howrah.	DC electric welding generator having maximum continuous hand welding current of 300 amperes IS : 2635—1966
67.	CM/L-1799 25-9-1968	1-10-73	30-9-74	The Agro Industrial & Chemical Company, 13-A, Kalyani View, Rudrapur, Distt Nanital.	Endrin EC— IS : 1310—1958
68.	CM/L-1807 9-10-1968	16-10-73	15-10-74	Advani-Oerlikon Pvt. Ltd., Bilaspur Road, Raipur (M.P.).	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel, normal penetration type— IS : 814—1970
69.	CM/L-1814 15-10-1968	16-10-73	15-10-74	L. Madanlal (Aluminium) Pvt. Ltd., 2 Haren Mukherjee Road, Belur, Howrah.	Aluminium utensils, SIC grade— IS : 21-1959
70.	CM/L-1817 15-10-1968	1-11-73	31-10-74	Bombay Wire Ropes Ltd., Kolshat Road, Thana (Maharashtra).	Steel wire for the core of steel-cored aluminium conductors— IS : 398 1961
71.	CM/L-1841 22-11-1968	1-12-73	30-11-74	Indiclay, Plot No. 2, Udyog Nagar, Goregaon, Bombay-62.	BHC WDPC— IS : 562-1962
72.	CM/L-1892 14-1-1969	16-9-73	15-9-74	Jayalakshmi Fertilizers, Venkatarayapuram, Tanuku, West Godavari Distt. (AP).	DDT DP— IS : 564-1961
73.	CM/L-1893 14-1-1969	16-9-73	15-9-74	Do.	Parathion EC— IS : 2129-1962
74.	CM/L-1910 31-1-1969	1-11-73	31-10-74	U.K. Paint Industries, G.T. Road, Amritsar (Punjab)	Distemper, dry, colour as required— IS : 427-1965
75.	CM/L-1967 16-5-1969	16-9-73	15-9-74	Jayalakshmi Fertilizers, Venkatarayapuram, Tanuku, West Godavari Distt., (AP).	Malathion-EC— IS : 2567-1963
76.	CM/L-2008 7-11-1969	16-11-73	15-11-74	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, 24-Parganas (West Bengal).	Thermoplastic insulated weatherproof cables : (a) PVC insulated and PVC sheathed : (1) Single core, 250/440 volts and 650/1100 volts grade with aluminium conductors; and (2) Twin core, flat, 250/440 volts grade with aluminium conductor— IS : 3035 (Part I)—1965 (b) Polythene insulated, taped braided and compounded : (1) Single core, 250/440 volts and 650/1 100 volts grade with aluminium conductors; and (2) Flat twin core, 250/440 volts and 650/1 100 volts grade with aluminium conductors— IS : 3035 (Part II)—1965.
77.	CM/L-2069 9-9-1969	16-9-73	15-9-74	A.V.J. Wires Pvt. Ltd., Damodar Gardens, 8, B.T. Road, Belghoria.	Mild steel wire for general engineering purposes— IS : 280-1972
78.	CM/L-2079 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals, Bombay.	BHC DP— IS : 561-1962.
79.	CM/L-2080 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals Co. Pvt. Ltd., Kurla—Marol Road, Chakala, Andheri, Bombay-58.	BHC WDP— IS : 562-1962
80.	CM/L-2081 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Do.	DDT DP— IS : 564-1961
81.	CM/L-2082 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals Co. Pvt. Ltd., Kurla—Marol Road, Chaflala, Andheri, Bombay-58.	DDT WDP— IS : 565-1961
82.	CM/L-2085 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Do.	Endrin EC— IS : 1310-1958
83.	CM/L-2086 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Do.	Malathian EC— IS : 2567-1963
84.	CM/L-2087 30-9-1969	16-10-73	15-10-74	Do.	Dieldrin EC— IS : 1054-1962

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
85.	CM/L-2102 30-9-1969	16-11-73	15-11-74	Varuna Engineering Co., Jullundur (Pb).	Sand cast iron soil pipes, upto 150 mm size— IS : 1729-1964
86.	CM/L-2111 16-10-1969	1-11-73	31-10-74	South India Aluminium Company, Kandanchavadi, Mahabalipuram Road, Madras—20.	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils Grade : SIC— IS : 21-1959
87.	CM/L-2115 16-10-1969	16-10-73	15-10-74	Hindustan Sanitaryware & Industries Ltd., Bahadurgarh, Distt. Rohtak (Haryana).	Flushing cisterns for water closets and urinals (valveless siphonic type) vitreous china, low level, 12.5 litres capacity only— IS : 774-1971
88.	CM/L-2116 16-10-69	16-10-73	15-10-74	Do.	Vitreous sanitary appliances (vitreou s china) consisting of :* *(1) Wast-down water closets; (2) Wash-down water-closets, pattern 1, height 400 mm, front & rear; (3) Squatting pans, longpan pattern, size 630 mm, 580 mm, and 680 mm; (4) Squatting pans, Orissa pattern, sizes 630x450 mm, 580x440 mm; (5) Wash-basins, flat back, sizes 450x300 mm, 550x400 mm, 630x 450 mm, (6) Wash basins, angle back, size 400x400 mm; (7) Pedestals for wash basins; (8) Laboratory sinks, size 450x300x150 mm; (9) Urinals (bowls flat back), Bowl, angle back, size 340x410 mm x Minimum 265 mm; (11) Siphonic wash-down water-closets (with flushing cisterns) double front pattern with 'S' trap or (P) trap; and (12) Bidets, large— IS : 2556 (Parts II, III, IV, V, VI, VIII & IX)—1967
89.	CM/L-2150 26-11-1969	16-12-73	15-12-74	Ranka Cable Corporation, Industrial Estate, Cuddapah (AP).	AAC & ACSR conductors— IS : 398-1961
90.	CM/L-2172 10-12-1969	1-10-73	30-9-74	Tata Fision Industries Ltd., 20, Howrah Road, Salkia, Calcutta.	BHC EC— IS : 632-1966
91.	CM/L-2173 10-12-1969	1-10-73	30-9-74	Do.	DDT EC— IS : 633-1956
92.	CM/L-2228 29-1-1970	1-11-73	31-10-74	Anant Industries (Regd.), Near M-30, Industrial Area, Jullundur City.	Carpentar's Metal Bodied Jack Bench Planes— IS : 4057—1967
93.	CM/L-2254 16-2-1970	1-11-73	31-10-74	Ruby Industries, 17/89 Ram Narain Bazar, Kanpur.	Miner's safety leather boots & shoes with leather sole only— IS : 1989-1967
94.	CM/L-2312 27-4-1970	1-11-73	31-10-74	U.K. Paint Industries, G.T. Road, Amritsar (Pb).	Putty for use on metal frames— IS : 419-1967
95.	CM/L-2315 30-4-1970	1-11-73	30-9-74	Sunray Chemical Industries, Motilal Nehru Road, Jamuna Kinara, Agra.	BHC dusting powders— IS : 561-1962
96.	CM/L-2338 5-6-1970	16-12-73	15-12-74	The India Rolling Mills, 79 Fazalganj, Kanpur.	Structural steel (Standard quality)- IS : 226-1969
97.	CM/L-2339 5-6-1970	16-12-73	15-12-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
98.	CM/L-2361 13-7-1970	1-12-73	30-11-74	Timber Traders, Khajuri Road, Yamunanagar, Distt. Ambala, (Haryana).	Plywood tea-chest battens— IS : 10-1970
99.	CM/L-2442 30-10-1970	1-11-73	31-10-74	Vensons Agro Chemicals & Allied Industries Pvt. Ltd., Private Industrial Estate, Coimbatore (Tamil Nadu).	BHC DP— IS : 561-1962
100.	CM/L-2443 30-10-1970	1-11-73	31-10-74	Bhoruka Udyog, Bara Mandir, Panihati, 24, Parganas.	Steel drums, grade B-2 (galvanised) 20 litre capacity, grade B-2 (ungalvanised) 10, 15, 20 and 25 litres, capacity grade-C (ungalvanised) 10, 15, 20 and 25 litres capacity— IS : 2552-1970
101.	CM/L-2455 12-11-1970	16-11-73	15-9-74	Evershine Electrical Works (I), 10/61, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi-15.	(1) PVC insulated cables, sheathed & unsheathed, single core, aluminium conductors, 250/440 and 650/1100 voltage grades and (2) PVC insulated and PVC sheathed cables, flat twin-core, aluminium conductor, 250/440 voltage grade— IS : 694 (Part II)—1964

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
102.	CM/L-2473 3-12-1970	1-12-73	30-11-74	Jyoti Wire Industries, Plot No. 23A, Shah Industrial Estate, Veera Desai Road, (Off : Andheri Versova Road) Andheri West, Bombay-58.	AAC & ACSR conductors— IS : 398-1961
103.	CM/L-2549 18-2-1971	1-12-73	30-11-74	Kinnison Jute Mills Co. Ltd., Titaghur, 24 Parganas, (W.B.).	Jute carpet backing fabric— IS : 4900-1969
104.	CM/L-2556 19-2-1971	1-1-74	31-12-74	Dalhousie Jute Co. Ltd. Champdany, Distt. Hooghly, (W.B.).	Jute carpet backing fabric— IS : 4900-1969
105.	CM/L-2567 25-2-1971	1-12-73	30-11-74	Auckland Jute Company Limited, Jagatdal, 24 Paraganas (W.B.).	Jute carpet backing fabric— IS : 4900-1969
106.	CM/L-2612 29-3-1971	1-10-73	30-19-74	E.I.D. Parry Ltd., S. No. 38/3, Kathivakkam Village Ennore, Saidpet Taluk, Madras-57.	Compounded feeds for cattles— IS : 2052-1968
107.	CM/L-2634 29-3-1971	1-12-73	30-11-74	Universal Cables Ltd., Satna (M.P.).	PVC insulated cables single core, sheathed & unsheated aluminium conductors 650/1100 V— IS : 694 (Pt II)—1964
108.	CM/L-2642 30-3-1971	16-10-73	15-4-74	Universal Cable Manufacturing Co., Opposite Railway Station, Faridabad (Haryana).	(1) Single core-polytheylene insulated and polyethylene sheathed, weatherproof cable 650/1100 volts, aluminium conductor, (2) Single core polyethylene insulated, taped untaped, braided and weatherproof compounded, (3) weatherproof cable, 250/440 volts, aluminium conductor, (3) Flat twin core polyethylene insulated, polyethylene sheathed, 250/440 volts, weatherproof, aluminium conductor and (4) Polyethylene insulated, taped untaped, braided and compounded, weatherproof, flat twin core 650/1100 volts with aluminium conductor— IS : 3035 (Part II)—1965 & IS : 3035 (Pt. III)—1967
109.	CM/L-2646 30-3-1971	1-10-73	15-9-74	E.I.D. Parry Ltd., Tadepalli, Guntur District (A.P.).	BHC, DP— IS : 561-1962
110.	CM/L-2665 22-4-1971	1-11-73	31-10-74	Kejriwal Iron & Steeel Works, 12/2 Girish Ghosh Road, P.O. Belurmath, Howrah (W. Bengal).	Cast iron Fittings for pressure pipes for water, gas and sewage (upto 600 mm dia)— IS : 1538-1969
111.	CM/L-2706 24-6-1971	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals Co. Pvt. Ltd., Kurla-Marol Road, Chakala, Andheri, Bombay-58.	DDT EC— IS : 633-1956
112.	CM/L-2730 5-8-1971	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals, Bombay.	Endosulfan EC— IS : 4323-1967
113.	CM/L-2756 31-8-1971	16-9-73	15-9-74	R.M. Chatterjee Iron Foundry (P) Ltd., 63, Sitanath Bose Lane, Salkia, Howrah.	(1) Sand cast iron soil pipes (upto 100 mm Nominal size), (2) Short radius bends with and without access doors— (0-950, 100 mm size), (3) Traps (0—950, 100 mm size), and (4) Equal branches with and without oval access doors (0—950, 100 mm size)— IS : 1729-1964
114.	CM/L-2771 16-9-1971	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals Co. Pvt. Ltd., Kurla-Marol Road, Chakala, Andheri Bombay-58.	Thimeton EC— IS : 3905-1966
115.	CM/L-2772 16-9-1971	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals and Chemicals Co. Pvt. Ltd., Kurla-Marol Road, Chakala, Bombay-59.	Dichlorovos EC— IS : 5277-1969
116.	CM/L-2773 16-9-1971	16-9-73	15-9-74	The Angus Company Limited, P.O. Angus, Hooghly, (W. Bengal.)	(1) DW-Flour Jute Cloth— IS : 3966-1967 (2) DW-Flour bags— IS : 3984-1967
117.	CM/L-2777 27-9-1971	1-10-73	30-9-74	Fort Gloster Industries Ltd., (Unit New Mill), Fort Gloster, (Distt. Howrah, W. Bengal.)	(1) A-twil jute bags— IS : 1943-1964 (2) B-twil jute bags— IS : 2566-1965
118.	CM/L-2785 22-10-1971	1-11-73	31-10-74	The Sirdar Iron & Steel Mills, Agra Road, Vikhroli, Bombay-83.	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
119.	CM/L-2786 22-10-1971	1-11-73	31-10-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
120.	CM/L-2787 26-10-1971	1-11-73	15-8-74	Meryfur Industries, Shri Ram Lanes Opp. Jindal Oil Mills, G.T. Road, Shahdara, Delhi.	(1) PVC insulated and PVC sheathed weatherproof cables, aluminium conductor, 250/440 and 650/1100 voltage grades— IS : 3035 (Part I)—1965 and (2) Polyethylene insulated and pollythylene sheathed weatherproof cables, single-core aluminium conductor, 650/1100 voltage grade— IS : 3035 (Part III)—1967
121.	CM/L-2788 27-10-1971	1-11-73	31-10-74	J.K. Steel & Industries Ltd., Rishra, Distt. Hooghly (W. Bengal.)	Mild steel ungalvanized tapes for armouring cables— IS : 3975–1967
122.	CM/L-2792 29-10-1971	1-11-73	31-10-74	Sant Ram Ramji Dass Iron & Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh (Pb)	Structural steel (standard quality)— IS : 226–1969
123.	CM/L-2793 29-10-1971	1-11-73	31-10-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS - 1977–1969
124.	CM/L-2803 8-11-1971	16-9-73	15-9-74	Premchand Jute Mills, (Lesee : Sonajuli Tea & Industries Ltd.,) Chengail, Howrah (W. Bengal).	Jute bagging for wrapping cotton bales— IS : 4436 1967
125.	CM/L-2807 11-11-1971	16-11-73	15-11-74	The Singh Engineering Works Pvt. Limited, FQ/20-A, Raniganj, Panki, P.O. Gangaganj, Kanpur.	Structural steel (standard quality)— IS : 226–1969
126.	CM/L-2808 11-11-1971	16-11-73	15-11-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977–1969
127.	CM/L-2809 12-11-1971	16-11-73	15-11-74	R.J. Industries, 63/21, Harbans Mohal, Kanpur.	Protective steel tow-caps for footwear— IS : 5852–1970
128.	CM/L-2820 26-11-1971	1-12-73	30-11-74	The Hind Iron Foundry, Railway Road, Batala (Pb).	Cast iron rain water pipes, 100 mm only,— IS : 1230–1968
129.	CM/L-2825 2-12-1971	1-12-73	30-11-74	Fort Gloster Industries Ltd., (Unit : North Mill), Fort Gloster, Distt. Howrah, (West Bengal).	Jute Sackings (1) A-twil jute bags— IS : 1943–1964 (2) B-twil jute bags— IS : 2566–1965
130.	CM/L-2852 23-12-1971	16-12-73	15-10-74	Venketeswara Agro Chemicals and Minerals, Plot No. 3B, Industrial Estate, Ambattur, Madras-53.	BHC DP— IS : 561-1962
131.	CM/L-2853 23-12-1971	16-12-73	15-10-74	Do.	DDT DP— IS : 564–1961
132.	CM/L-2873 14-1-1972	16-10-73	15-10-74	Industrial Minerals & Chemicals Co. Pvt. Ltd., Kurla-Marol Road, Chakala, Andheri, Bombay-58.	Chlordance DP— IS : 2864–1964
133.	CM/L-2874 14-1-1972	16-10-73	15-10-74	Do.	Fenitrothion EC— IS : 5281–1969
134.	CM/L-2875 14-1-1972	16-10-73	15-10-74	Do.	Diazinon EC— IS : 2861–1964
135.	CM/L-2927 21-2-1972	1-11-73	31-10-74	Meryfur Induttries, Sri Ram Lane, Opp. Jindal Oil Mills, G.T. Road, Shahdara, Delhi.	Polyethelene insulated and PVC sheathed cables single-core and flat twin with aluminium conductors, 250/440 volts— IS : 1596–1970
136.	CM/L-3039 30-3-1972	16-10-73	15-10-74	Paras Private Limited, 16, Industrial Area, Banswara (Rajasthan).	Hard-drawn stranded all aluminium conductors and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398–1061
137.	CM/L-3164 22-9-1972	1-10-73	30-9-74	The Vidarbha Cooperative Marketing Society Ltd., Amravati Badvera Road, 4th Mile from Amravati, Post Box No. 46, Amravati.	BHC DP— IS : 561–1962
138.	CM/L-3171 28-9-1972	1-10-73	30-9-74	Nellimarla Jute Mills Co. Ltd., Nellimarla, Vizianagaram (AP).	(1) A-twil jute bags— IS : 1943–1964 (2) B-twil jute bags— IS : 2566–1965
139.	CM/L-3180 9-10-1972	1-10-73	30-9-74	Auckland Jute Co. Ltd., Ghoshpara Road, Jagatdal, 24 Paraganas (W. Bengal).	(1) Jute bags for packing cement— IS : 2580–1965 and (2) DW-flour bags— IS : 3984–1967

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
140.	CM/L-3182 9-10-1972	16-10-73	15-10-74	Chitavalsah Jute Mills Co. Ltd., Chitavalsah P.O., Vishakhapatnam Distt. (AP).	(1) A-twill jute bags— IS : 1943-1964 (2) B-twill jute bags— IS : 2566-1965
141.	CM/L-3186 19-10-1972	1-11-73	31-10-74	Kisan Chemicals, 3, Industrial Estate, Pinjore (Haryana).	Endrin emulifiable concentrates— IS : 1310-1958
142.	CM/L-3191 24-10-1972	1-11-73	31-10-74	Malhotra Steel Industries (Gujarat) Pvt. Ltd., Odhav Road, Near Odhav Village, Ahmedabad (Gujarat).	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
143.	CM/L-3192 24-10-1972	1-11-73	31-10-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
144.	CM/L-3193 24-10-1972	1-11-73	30-4-74	M.P. Wires & Conductors P. Ltd., 31, Industrial Estate, Birla Nagar, Gwalior (M.P.).	Hard-drawn stranded all aluminium conductors and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398-1961
145.	CM/L-3196 27-11-1972	1-11-73	31-10-74	Reavathee Enterprises, 1050-A, T.H. Road, Tiruvottiyur, Madras-19 (Tamil Nadu).	AAC & ACSR conductors— IS : 398 1961
146.	CM/L-3199 27-10-1972	1-11-73	31-10-74	The India Flour Mills Co., C-49/50, Lawrence Road, Rampura, Delhi-35.	BESAN— IS : 2400-1963
147.	CM/L-3200 27-10-1972	1-11-73	31-10-74	Indian Chemical Associates, 10th Miles—H.A.L. Road, Ramagundanahally, P.O. Distt. Bangalore.	Synthetic detergents for industrial purposes, Type 3— IS : 4956-1968
148.	CM/L-3201 27-10-1972	1-11-73	31-10-74	Nagpal Ambadi Petro-chem Refining Ltd., Manali, Madras-68 (Tamil Nadu).	New insulating oils for transformers and switchgear— IS : 335-1972
149.	CM/L-3203 1-11-1972	1-11-73	31-8-74	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala).	PVC-insulated and PVC-sheathed solid aluminium conductored cables of voltage rating upto and including 1100 volts— IS: 4288-1967
150.	CM/L-3204 1-11-1972	1-11-73	30-4-74	Sewree Iron & Steel Co., 6, Sewree Cross Road, Bombay-15	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
151.	CM/L-3205 1-11-1972	1-11-73	30-4-74	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
152.	CM/L-3207 1-11-1972	1-11-73	31-10-74	Vicki Electronics, Plot No. 92C, Kandivilee Industrial Estate, Kandivilee, Bombay-67.	PVC insulated cables (1) Single core, unsheathed, 250/440 volts grade with copper conductor; and (2) Single core, sheathed, 650/1100 volts grade with aluminium conductor— IS : 694 (Part I)—1964 & IS : 694 (Part II)—1964
153.	CM/L-3210 3-11-1972	16-11-73	15-2-74	Tata Fison Industries Ltd., Plot No. 94, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.	Fenitrotnion EC— IS : 5281—1969
154.	CM/L-3211 3-11-1972	1-11-73	30-4-74	Kavisa Industrial Corpn., (Conductor Division), A-5 Industrial Estate, Varanasi (U.P.).	AAC & ACSR conductors— IS : 398-1961
155.	CM/L-3222 28-11-1972	1-12-73	30-11-74	The Megna Mills Co. Ltd., P.O. Jagatdal, Distt. 24 Parganas (W.B.).	Jute sackings (1) A-twill jute bags— IS : 1943-1964 and (2) B-twill jute bags— IS : 2566-1965
156.	CM/L-3232 28-11-1972	1-12-73	30-11-74	National Metal Pressing Corporation, 83/2, Industrial Area, Bangalore-22.	Wrought aluminium utensils,-Grades 'SIC' and 'N53'— IS : 21 1959
157.	CM/L-3234 30-11-1972	1-12-73	30-11-74	C. Prabhudas & Co. Pvt. Ltd., Industry Division, Bunder Road, Bhavnagar (Gujarat).	Steel wire for the core of steel-cored aluminium conductors— IS : 398-1961

[No CMD/13:12]

A. K. GUPTA, Deputy Director General.

औद्योगिक विकास विभाग

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1975

का० आ० 2454.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 7-12-74 में पृष्ठ 3497 पर प्रकाशित का० आ० सं० 3225 की चौथी पंक्ति में जी० जी० कोदवानी के स्थान पर जी० जे० कोदवानी पढ़ें।

[सं० 49(7)/71/पत्र]

बी० एन० जायसिम्हा, संयुक्त सचिव

(Deptt. of Industrial Development)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th July, 1975

S.O. 2454.—In the S.O. 3225 published on 7-12-74 in the Gazette of India in Part II Section 3 Sub-Section (ii) at page 3498, line 4 for G. J. Kedwaney read G. J. Kodwaney.

[No. 49(7)/71-Paper]

B. N. JAYASIMHA, Joint Secy.

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1975

का० आ० 2455.—केन्द्रीय सरकार, भारत के वनस्पति विनिर्माता संगम मुम्बई द्वारा मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संगम को मूंगफली के तेल की अग्रिम संविदाओं की बाबत, 10 अगस्त, 1975 से लेकर 9 अगस्त 1976 तक (जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए गए, जाने वाले निदेशों का अनुपालन करेगा।

[फा० सं० 12(6)-आई०टी०/75]

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2455.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Vanaspati Manufacturers' Association of India, Bombay, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by the Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 10th August, 1975 to the 9th August, 1976 (both days inclusive) in respect of forward contracts in groundnut oil.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(6)-IT/75]

का० आ० 2456.—केन्द्रीय सरकार लुधियाना ग्रेन एक्सचेन्ज लिमिटेड, लुधियाना द्वारा अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम, की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेन्ज को गुड़ में अग्रिम संविदाओं के बारे में, 10 अगस्त, 1975 से लेकर 9 अगस्त 1976 तक (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त एक्सचेन्ज ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[फा० सं० 12(7)-आई०टी०/75]

S.O. 2456.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Ludhiana Grain Exchange Limited, Ludhiana and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 10th August, 1975 up to the 9th August, 1976 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(7)-IT/75]

का० आ० 2457—केन्द्रीय सरकार, विजय ब्यौपार चेम्बर लिमिटेड, मुजफ्फरनगर द्वारा अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त चेम्बर को गुड़ मे अग्रिम संविदाओं के बारे में, 10 अगस्त, 1975 से लेकर 9 अगस्त, 1976 तक (जिसमें ये दोनो दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त चेम्बर ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाये।

[फा० स० 12(8)-आई०टी०/75]

S.O. 2457.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Vijay Beopar Chamber Limited, Muzaffarnagar, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period of one year from the 10th August, 1975 up to the 9th August, 1976 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(8)-IT/75]

का० आ० 2458.—केन्द्रीय सरकार, इंडियन एक्सचेन्ज लिमिटेड, अमृतसर द्वारा अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित मे और लोक हित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेन्ज को गुड़ मे अग्रिम संविदाओं के बारे में, 10 अगस्त, 1975 से लेकर 9 अगस्त 1975 तक (जिसमे ये दोनो दिन भी सम्मिलित है) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त एक्सचेंज एसे निदेशो का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाए।

[फा० स० 12(9)-आई०टी०/75]
यू० एस० राणा उप-सचिव

S.O. 2458.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Indian Exchange Limited, Amritsar, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 10th August, 1975 up to the 9th August, 1976 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(9)-IT/75]
U. S. RANA, Dy. Secy.

(भारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1975

का. आ. 2459.—बर्न कम्पनी और इन्डियन स्टॅन्डर्ड वैगन कम्पनी (प्रबन्ध-ग्रहण) अधिनियम, 1973 (1973 का 57) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मेजर जनरल जे. एस. बावा के स्थान पर, श्री आर. एन. भार्गव को, दोनों कम्पनियों के उपक्रमों के संबंध में, जिनका प्रबन्ध उक्त , अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार में निहित हो गया है, 21 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से अभिरक्षक नियुक्त करती है।

[सं. 1-10/75-एच एम 2]
एस. एम. घोष, संयुक्त सचिव

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 28th July, 1975

S.O. 2459—In exercise of the powers conferred in sub-section (1) of section 4 of the Burn Company and Indian Standard Wagon Company (Taking Over of Management) Act, 1973 (57 of 1973), the Central Government hereby appoints, with effect from the 21st July, 1975, (fore-noon), Shri N. R. Bhargava, as the Custodian in relation to the undertakings of the two Companies, the management of which has vested in the Central Government under sub-section (1) of section 3 of the said Act vice Maj. Genl. J. S. Bawa.

[No. 1-10/75-H.M.II]
S. M. GHOSH, Jt. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1975

का० आ० 2460.—यतः पशु अंतड़ी श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1964 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा अपेक्षितानुसार भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1862, तारीख 12 जुलाई, 1974 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), तारीख 27 जुलाई, 1974 के पृष्ठ 2020 से 2043 पर, उन सभी व्यक्तियों से जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य था, उस तारीख से जिसको उक्त अधिसूचना अन्तर्विष्ट करने वाला राजपत्र जनता को उपलब्ध कराया गया था, 30 दिन की अवधि के समाप्त होने तक सुझाव तथा आक्षेप आमंत्रित करते हुए प्रकाशित किया गया था;

और यतः उक्त राजपत्र 27 जुलाई, 1974 को जनता को उपलब्ध कराया गया था;

और यतः जनता से कोई आक्षेप और सुझाव केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राप्त नहीं किए गए है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पशु अन्तड़ी श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1974 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

नियम

1. (1) इन नियमों का नाम पशु अन्तड़ी श्रेणीकरण और चिन्हन (संशोधन) नियम, 1975 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पशु अन्तड़ी श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1964 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 में, खण्ड (ख) में, मद (ii) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित किए जाएंगें, अर्थात्:—

"(iii) भेड़ तथा बकरी की सूखी, गीली की जाने के लिए तैयार अन्तड़ियों की दशा में, अन्तड़ी के व्यास का माप कम से कम 15 मिनट तक जल में भिगोए जाने के बाद किया जाएगा।"

3. उक्त नियमों म, नियम 3 में,

(i) उपनियम (2) में, खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ग) भेड़ तथा बकरी की सूखी, गीली की जाने के लिए तैयार अंतड़ी की दशा में हैंक, छल्ले या काकून, भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा (पहले से) सम्यक रूप से अनुमोदित आसंजक तथा अन्य पदार्थों से आपस में जोड़े हुए अनेक टुकड़ों में मिलकर बनी हो सकती है, प्रत्येक टुकड़े का माप 1.5 मीटर (5 फुट) से कम नहीं होगा"

(ii) उपविनियम (3) के खण्ड (ख) में, निम्नलिखित टिप्पण जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—
"टिप्पण – कोई भी टुकड़ा माप में एक मीटर से कम नहीं होगा।"

4. उक्त नियमों में अनुसूची 1 में स्तंभ 3 के नीचे,—

(1) श्रेणी 1 के सामने स्तंभ 3 में की प्रविष्टि को मद '(i)' के रूप में संख्यांकित किया जाएगा, और इस प्रकार संख्यांकित मद (i) के पश्चात् निम्नलिखित मदें अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(ii) कुल वसा रेखाएं प्रति मीटर 40 से अधिक नहीं होंगी।

(iii) संस्तर का मध्य भाग वसा रेखाओं से मुक्त होगा; और

(iv) रेखा लम्बाई में तीन सेंटीमीटर और चौड़ाई में एक सेंटीमीटर से अधिक नहीं होगी;";

(2) श्रेणी 2 के सामने की प्रविष्टि में स्तंभ 3 में, "वसा की कुछ रेखाएं" शब्दों के स्थान पर "वसा की कुछ रेखाएं जो प्रति मीटर 60 से अधिक नहीं होंगी" शब्द और अंक रखे जाएंगे ; तथा

(3) श्रेणी 3 के सामने की प्रविष्टि मे, स्तंभ 3 में, अन्त में, स्तंभ 3 में, "और/या प्रति मीटर 60 से अधिक वसा रेखाओं वाले" शब्द और अंक जोड़े जाएंगे।

5. उक्त नियमों में, अनुसूची 3 में, स्तंभ 3 में, श्रेणी 2 के सामने की प्रविष्टि में "दीवार" शब्द के स्थान पर "दीवार पर प्रति मीटर 2 से अनधिक पिनहोल" शब्द रखे जाएंगे।

6. उक्त नियमों में, अनुसूची 3 के पश्चात्, निम्नलिखित अनुसूची अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

अनुसूची III क

(नियम 4 और 5 देखिए)

वाणिज्यिक रूप से "भेड़ की अंतड़ियां" नाम से ज्ञात और भारत में उत्पादित "सूखी, गीली किए जाने के लिए तैयार" भेड़ की अंतड़ियां (जिसमें बकरी की अंतड़ियां शामिल हैं) का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	व्यास मापन	विशेष लक्षण	सामान्य लक्षण
पी० क्यू० अथवा श्रेणी I . . .	(1) 12 से 16 मि० मी०, 2 मि० मि० के अन्तर से, जैसे 12 से 14, 14 से 16 आदि अथवा (2) 13 से 27 मि०मी०, 2 मि०मी० के अन्तर से, जैसे 13 से 15, 15 से 17 आदि अथवा (3) क्रेता और निर्यातकर्ता के बीच हुए करार के अनुसार	अंतड़ियां— (i) छिद्रों, फफोलों, विदारणों, पर्वकों तथा दागचिन्हों जैसे दोषो से मुक्त होंगी (ii) जुड़ी होंगी तथा फटी अथवा विदीर्ण नहीं होंगी । (iii) किट्ट, डोमेस्टिक्स, काली गांठ, अवपंक, श्लेष्मा, गोबर और फफूंदी अथवा कवक बाधाओं से मुक्त होंगी । (iv) सामान्य क्षमतानुसार हवा अथवा पानी भरे जाने पर तथा हलका सा दबाने पर फटेगी नहीं ।	अंतड़ियां — (i) अनुज्ञप्त परिसर में वध किए गए स्वस्थ जानवरों से प्राप्त की जाएंगी अथवा विहित प्रक्रिया के अनुसार उनकी मृत्युपूर्व एवं मरणोपरान्त परीक्षा की जाएगी; (ii) पेटेंट की गई प्रक्रिया सं० 90469 (भारत का राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम) के अनुसार स्वास्थ्यकर अवस्थाओं में तैयार की जाएंगी ; (iii) स्वास्थ्यप्रद और अन्यथा मनुष्यों के खाने योग्य होंगी ; (iv) परजीवी कीट बाधा से या भरे हुए घावों के निशानों से मुक्त होंगी; (v) उनका जीवाणु उत्प्ररेण अथवा किण्वन नहीं हुआ होगा ।
श्रेणी II	(1) 12 से 26 मि०मी०, 2 मिमी० के अन्तर से, जैसे 12 से 14, 14 से 16 आदि (2) 13 से 27 मि०मी०, 2 मि०मी० के अन्तर से, जैसे 13 से 15, 15 से 17 आदि अथवा (3) क्रेता और निर्यातकर्ता के बीच हुए करार के अनुसार	अंतड़ियां — (i) छिद्रों, फफोलों, विदारणों पर्वकों तथा दाग चिन्हों जैसे दोषो से मुक्त होंगी । (ii) जुड़ी होंगी तथा फटी अथवा विदीर्ण होंगी नहीं । (iii) किट्ट, डोमेस्टिक्स, काली गांठ अवपंक, श्लेष्मा, गोबर और फफूंदी अथवा कवक बाधाओं से मुक्त होंगी । (iv) सामान्य क्षमतानुसार हवा अथवा पानी भरे जाने पर तथा हल्का सा दबाने पर फटेगी नहीं । ऊपर की मदों की बाबत थोड़ा सा अन्तर अनुज्ञेय होगा । यह सामग्री सासेजों को तैयार करने में प्रयोग के लिए ठीक होगी ।	
श्रेणी III	(1) 12 से 26 मि०मी०, 2 मि० मी० के अन्तर से, जैसे 12 से 14, 14 से 16 आदि अथवा (2) 13 से 27 मि०मी०, 2 मि०मी० के अन्तर से, जैसे 13 से 15, 15 से 17 आदि अथवा	अंतड़ियां — (i) छिद्रों, फफोलों, विदारणों, पर्वकों तथा दाग चिन्हों जैसे दोषों से मुक्त होंगी । (ii) जुड़ी होंगी तथा विदीर्ण नहीं होंगी । (iii) किट्ट, डोमेस्टिक्स, काली गांठ, अवपंक, श्लेष्मा, गोबर, और फफूंदी अथवा कवक बाधाओं से मुक्त होंगी ।	

श्रेणी प्रभिधान	व्यास मापन	विशेष लक्षण	सामान्य लक्षण
	(3) क्रेता और निर्यातकर्त्ता के बीच हुए करार के अनुसार।	(iv) सामान्य क्षमतानुसार हवा अथवा पानी भरे जाने पर तथा हल्का सा दबाने पर फटेगी नहीं। ऊपर की मदों की बावत थोड़ा सा अन्तर अनुज्ञेय होगा। यहे सासेजों को तैयार करने में प्रयोग के लिए ठीक होंगी। पर्वक अनुज्ञेय होंगे।	
श्रेणी X*	(1) 12 से 26 मि०मी०, 2 मिमी० के अन्तर से, जेसे 12 से 14, 14 से 16 आदि अथवा (2) 13 से 27 मि०मी०, 2 के अन्तर से, जैसे 13 से 15, 15 से 17 आदि अथवा (3) क्रेता और निर्यातकर्ता के बीच हुए करार के अनुसार।	क्रेता और निर्यातकर्त्ता के बीच हुए करार के अनुसार।	

टिप्पण *श्रेणी प्रभिधान "श्रेणी X" निम्नलिखित दशाओं में लागू होगी, अर्थात् :—

परेषण विदेशी आयातकर्ताओं के निश्चित आदेश पर निर्यात के लिए है। "निश्चित आदेश" अभिव्यक्ति से यह अभिप्रेत है कि सम्पूर्ण क्रम धन या तो **पहले ही नकद रूप से संदत्त** कर दिया गया है या किसी अन्य तरीके से प्रत्याभूत किया गया है।

[फा० सं० 13-6/74-ए०एम०]

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 14th July, 1975

S.O. 2460.—Whereas certain draft rules to amend the Animal Casing Grading and Marking Rules, 1964 were published, as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), on pages 2040 to 2043 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 27th July, 1947 under the notification of the Government of India, in the late Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) No. S.O. 1862, dated the 12th July, 1974 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of the period of the 30 days from the date on which the Official Gazette containing the notification was made available to the public;

And Whereas the said Gazette was made available to the public on the 27th July, 1974.

And Whereas no objection or suggestion has been received from the public by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Animal Casings Grading and Marking Rules, 1964, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Animal Casings Grading and Marking (Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Animal Casing Grading and Marking Rules, 1964 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2, in clause (b) after item (ii), the following item shall be inserted, namely :—

"(iii) In the case of dry-ready to-wet casing of sheep and goats, measurement of the diameter of the casings after their treatment with water for at least fifteen minutes".

3. In the said rules, in rule 3 (i) in sub-rule (2), after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

"(c) In the case of dry-ready to-wet casings of sheep and goats, hanks, rings or cocoons may be made up of several pieces joined together with adhesive and other materials which have been duly approved (beforehand) by the Agricultural Marketing Advisor to the Government of India; each single piece shall measure not less than 1.5 metres (5 feet)".

(ii) In sub-rule (3), to clause (b), the following note shall be added, namely :—

"Note- No single piece shall measure less than one metre".

4. In the said rules, in Schedule I, under column 3.— (1) the entry in column 3 against Grade I shall be numbered as item '(i)', and after item (i) as so numbered, the following items shall be inserted, namely :—

(ii) total fat streaks shall not exceed 40 per metre;

(iii) the middle of the seam shall be free from fat streaks; and

(iv) a streak of fat shall not exceed 3 cm. in length and 1 cm. in breadth";

(2) In the entry against Grade II, in column 3, for the words " a few streaks of fat", the words and figures "streaks of fat not exceeding 60 in a metre" shall be substituted; and

(3) to the entry against Grade III, in column 3, the words and figures " and/or having fat streaks in excess of 60 in a metre" shall be added at the end.

5. In the said rules, in Schedule III, in the entry against Grade II, in column 3, for the word "Wall", the words "pinholes on wall not exceeding two in a metre" shall be substituted.

6. In the said rules, after Schedule III, the following Schedule shall be inserted, namely :—

SCHEDULE III A

(See rules 4 and (5)

Grade designation and definition of quality of "dry-ready-to-wet" sheep casings (including goat casings) known commercially as "sheep casings" and produced in India

Grade designation	Calibration	Special characteristics	General characteristics
1	2	3	4
PQ or Grade I	(1) 12 to 26 mm. in steps of 2 mm., e.g., 12 to 14, 14 to 16, etc. or (2) 13 to 27 mm. in steps of 2 mm., e.g., 13 to 15, 15 to 17, etc. or (3) as agreed to between the purchaser and the exporter.	The casings shall : (i) be free from defects like holes, blisters, lacerations, nodules and cicatrices (ii) be intact and not torn or lacerated, (iii) be free from rust, domestics, black nodes, slime, mucus, dung and moulds or fungus infestations, (iv) not burst when filled with air or water to its normal capacity and slightly pressed.	The casings shall : (i) be obtained from healthy animals slaughtered in licensed premises and subjected to anti mortem and post mortem inspections according to the prescribed procedures, (ii) be prepared under hygienic conditions as per patented process No. 90469 (National Research Development Corporation of India), (iii) be wholesome and otherwise fit for human consumption, (iv) be free from prasitic infestation and from scars of healed up wounds, (v) not have been subjected to any bacterial activation or fermentation.
Grade II	(1) 12 to 26 mm. in steps of 2 mm., e.g., 12 to 14, 14 to 16, etc. or (2) 13 to 27 mm. in steps of 2 mm., e.g., 13 to 15, 15 to 17 etc. or (3) as agreed to between the purchaser and the exporter.	The Casings shall : (i) be free from defects like holes, blisters, lacerations, nodules and cicatrices, (ii) be intact and not torn or lacerated, (iii) be free from rust, domestics, black nodes, slime, mucus, dung and moulds or fungus infestations, (iv) not burst when filled with air or water to its normal capacity and slightly pressed. A slight deviation shall be allowed in respect or the above items. The material should be fit for use in preparation of sausages.	
Grade III	(1) 12 to to 26 mm. in steps of 2 mm. e.g., 12 to 14, 14 to 16, etc., or (2) 13 to 27 m.m. in steps of 2mm. e.g., 13 to 15, 15 to 17, etc. or (3) as agreed to between the purchaser and the exporter.	The Casing shall :— (i) be free from dofects like holes, blisters, lacerations, nodules and cicatrices, (ii) be intact and not torn or lacerated, (iii) be free from rust, domestics, black nodes, slime, mucus, dung and moulds or fungus infestations. (iv) not burst when filled with air or water to its nornal capacity and slightly pressed.	

1	2	3	4	5
			A slight deviation shall be allowed in respect of the above items. The material should be fit for use in preparation of sausages. Nodues shall be permitted.	
Grade X*		(1) 12 to 26 mm. in steps of 2mm, e.g., 12 to 14, 14 to 16, etc. or (2) 13 to 27 mm. in steps of 2 mm, e.g., 13 to 15, 15 to 17, etc. or (3) as agreed to between the purchaser and the exporter.	As agreed to between the purchaser and the exporter.	

Note *Grade designation 'Grade X' shall be applicable under the following conditions, namely :—

That the consignment is meant for export against a firm order from foreign importers. The pharase 'firm order' shall mean either that the whole of the purchase money is paid in cash beforehand or is guaranteed in some other way.

[N. 13-6/70-AM]

का० आ० 2461:—कांगड़ा चाय श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1975 का जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और अंकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, निम्नलिखित प्रारूप उक्त धारा द्वारा अपेक्षितानुसार उन सब व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है, प्रकाशित किया जाता है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के बारे में किसी आक्षेप या सुझाव पर जो किसी व्यक्ति से उक्त अवधि के अन्दर प्राप्त हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

नियमों का प्रारूप

कांगड़ा चाय श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1975

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कांगड़ा चाय श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1975 है।

(2) ये हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा और मण्डी जिलों में उगाई गई कैमीलिया साइनेन्सिस/कैमीलिया थिया से व्युत्पन्न चाय को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :—

इन नियमों में,

(i) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;

(ii) "प्राधिकृत पैकर" से वह व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है जिसे कृषि विपणन सलाहकार द्वारा वाणिज्य का इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार श्रेणीकरण और अंकन करने के लिए प्राधिकरण प्रमाणपत्र दिया गया है ;

(iii) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी नाम :— कांगड़ा चाय की क्वालिटी उपवर्णित करने के लिए श्रेणी नाम वे होंगे जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित हैं।

4. क्वालिटी की परिभाषा — श्रेणी नाम द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 से 8 तक में उपवर्णित है।

5 श्रेणी नाम चिन्ह :— (1) पालिएथिलिन के अस्तर वाली बोरियों या लकड़ी/पर्ती लकड़ी के खोखों या कागज के डिब्बों में पैक की गई कांगड़ा चाय का श्रेणी नाम चिन्ह एक लेबल के रूप में होगा जिस पर एक डिजाइन होगी जो कि 'एगमार्क' शब्द सहित भारत के मानचित्र तथा 'भारत की उपज' शब्दों के साथ उदीयमान सूर्य की आकृति से मिलकर बनेगी जो अनुसूची 1 में उपवर्णित चिन्ह के सदृश हों।

(2) पालिएथिलीन की थैलियों या कागज की थैलियों में पैक की गई कांगड़ा चाय की दशा में, श्रेणी नाम चिन्ह की ऐसी डिजाइन भी हो सकेगी जिसमें प्राधिकरण के प्रमाणपत्र की संख्या, 'एगमार्क' शब्द तथा कृषि विपणन सलाहकार द्वारा यथा अनुमोदित श्रेणी नियमित हो।

6. अंकन की पद्धति :—(1) श्रेणी नाम चिन्ह प्रत्येक पात्र पर ऐसी रीति में जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित है, मजबूती से लगाया या मुद्रित किया जाएगा ;

(2) उपर्युक्त के अतिरिक्त, प्रत्येक पात्र पर निम्नलिखित विशिष्टियां भी ऐसी रीति में जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित

है, स्पष्टतया और अलोप्य रूप में अंकित की जाएंगी :—

(क) कूट या सादे अक्षरों में पैकिंग की तारीख,

(ख) प्रत्यय संख्या,

(ग) पैकर का नाम और पता,

(घ) पैकिंग का स्थान तथा,

(ङ) शुद्ध भार।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात्, पात्र पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह ऐसी रीति में अंकित कर सकेगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित है, परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिन्ह चाय की ऐसी क्वालिटी या श्रेणी व्यपदेशित न करता हो जो इन नियमों के अनुसार पात्र पर लगाए गए श्रेणी नाम चिन्ह द्वारा उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न है।

7. पैकिंग की पद्धति :—

(1) कांगड़ा चाय —

(क) पक्की और स्वच्छ बोरियों या लकड़ी पर्ती लकड़ी के खोखों या कागज के डिब्बों में बन्द किए गए पालिएथिलिन के थैलों में पैक की जाएगी जहां कि चाय का शुद्ध भार पांच किलोग्राम से अधिक है; अथवा

(ख) पालिएथिलीन के थैलों या कागज के थैलों में पैक की जाएगी जहां कि चाय का शुद्ध भार, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा यथा अनुमोदित, पांच किलोग्राम या उससे कम है।

(2) पात्रों को ऐसी रीति में, जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित है, मजबूती से बन्द और मोहरबन्द किया जाएगा।

8. प्राधिकरण प्रमाण पत्र की विशेष शर्तें :—

साधारण श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, उन शर्तों का जो अनुसूची 3 में उपवर्णित है, प्रत्येक प्राधिकृत पैकर द्वारा कृषि विपणन सलाहकार को समाधानपद रूप में, अनुपालन किया जाएगा।

अनुसूची 1
[नियम 5(1) देखिए]

कांगड़ा चाय का श्रेणी नाम चिन्ह।

भारत का मानचित्र

अनुसूची 2
(नियम 3 और 4 देखिए)
कांगड़ा चाय की क्वालिटी का श्रेणी नाम और परिभाषा

श्रेणी नाम	किस्म की विशिष्टियां						
	विशेष अभिलक्षण						साधारण अभिलक्षण
	भार द्वारा कुल भस्म प्रतिशतता	उबलते हुए औसत जल में विलेय कुल भस्म न्यूनतम	एच सी एल में अविलेय भस्म भार द्वारा अधिकतम प्रतिशतता	जल विलेय सारसत्त भार द्वारा न्यूनतम प्रतिशतता	विलेय भस्म की क्षारीयता जो भार द्वारा 20 प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त है	अशोधित फाइबर प्रतिशतता भार द्वारा अधिकतम	
1	2	3	4	5	6	7	8
के टी मानक	4.5 से 9.0	भार द्वारा कुल भस्म की 34.0 प्रतिशत	1.2	23	1.0 से 2.2	18.5	1. चाय कैमीलिया साइनेन्सिस या कैमीलिया थिया के जो हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा और मण्डी जिलों में उगाई जाती है, पौधों के पत्तों, किसलयों और कोमल वृंतों से अनन्यतः प्राप्त की जाएगी।

1	2	3	4	5	6	7	8
							2. इसे उचित रीति से सुखाया और प्रसंस्करण किया जाएगा और या किसी अतिरिक्त रंजन द्रव्य से मुक्त होगी । 3. यह कीटों के आक्रमण फफूंदी के उभार तथा किसी अरुचिकर गंध से मुक्त होगी तथा इसमें कांगड़ा चाय की विशेष गंध और स्वाद होंगें ।

टिप्पणी : 1. स्तंभ 2, 5 और 7 के अधीन विनिर्दिष्ट सीमायें शुष्क भार आधार पर, अर्थात् 100, डिग्री सेंटीग्रेट पर नियत भार तक चाय सुखाने के पश्चात् है । :

2. जल विलेय सारसत्व वह सारसत्व है जो शुष्क चाय को आसुत जल के 100 भाग के साथ 1 घण्टा तक पश्चवाही उबालने पर प्राप्त किया जाता है ।

अनुसूची 3

प्राधिकरण प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें

(नियम 8 देखिए)

(क) कांगड़ा चाय का श्रेणीकरण, हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा और मण्डी जिलों में केवल प्राधिकृत परिसरों में ही चलाया जाएगा ।

(ख) प्राधिकृत पैकर प्रसंस्करण, भण्डारकरण और पैकिंग के दौरान कांगड़ा चाय के किसी संदूषण से बचने के लिए सभी पूर्वाविधानी करेगा ।

(ग) यदि प्राधिकृत पैकर अन्य किस्म की चाय का हस्तन भी उन्हीं परिसरों में करता है तो उसके द्वारा इस बात की पर्याप्त पूर्वाविधानियां की जाएंगी कि चाय की विभिन्न किस्में मिश्रित न हो जाएं ।

(घ) प्राधिकृत पैकर चाय की परीक्षण के लिए ऐसे प्रबन्ध करेगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय समय पर विहित किए जाएं। नमूनों के विश्लेषण के उचित अभिलेख रखे जाएंगें ।

(ङ) प्रतिचयन और विश्लेषण की प्रणाली पात्रों के मोहर बन्द करने और अंकन और अभिलेख रखने आदि के बारे में उन सब अनुदेशों का जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय समय पर जारी किए जाएं, कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा ।

(च) प्रत्येक प्रचय से, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीति में लिया गया चाय का नमूना ऐसी नियंत्रण प्रयोगशाला को भेजा जाएगा जिसका समय समय पर निर्देश दिया जाए ।

(छ) प्रत्येक पात्र में केवल एक ही प्रचय में से चाय भरी जाएगी ।

(ज) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारी को ऐसी सुविधाएं उपबन्धित करेगा जो ऐसे अधिकारी के रूप में उसके कर्त्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हों ।

[सं० 13-2/74-ए० एम०]

S.O. 2461.—The following draft of Kangra Tea Grading and Marking Rules, 1975, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft within the said period will be considered by the Central Government.

Draft Rules

Kangra Tea Grading and Marking Rules, 1975.

1. Short title and application:—

(1) These rules may be called Kangra Tea Grading and Marking Rules, 1975.

(2) They shall apply to the Tea derived from Camellia Sinensis/Camellia thea grown in the Kangra and Mandi districts of the State of Himachal Pradesh.

2. Definitions:—In these rules,

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) "authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a Certificate of Authorisation by the Agricultural Marketing Adviser for grading and marking the commodity in accordance with grade standards and procedure prescribed under the rules;

(3) "Schedule" means a schedule appended to these rules.

3. Grade Designation:—

The grade designation to indicate the quality of Kangra Tea shall be as set out in column 1 of Schedule II.

4. Definition of Quality:—

The quality indicated by grade designation shall be as set out in columns 2 to 8 of Schedule II.

5. Grade Designation Mark:—

(1) The grade designation mark for Kangra Tea, packed in Polyethylene-lined gunny bags or wooden/plywood cases, or paper cartons shall consist of a label bearing a design consisting of an outline map of India with the words 'AGMARK' and the figure of "rising" Sun with the words "Produce of India" resembling the mark set out in Schedule I.

(2) The grade designation mark in case of Kangra tea packed in polyethylene bags or paper bags may also have a design incorporating the number of Certificate of Authorisation, the word 'AGMARK' and the grade as approved by the Agricultural Marketing Adviser.

6. Method of marking:—

(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser:—

(a) date of packing in code or plain letters,

(b) lot number,

(c) name and address of packer,

(d) place of packing, and

(e) net weight.

(3) An authorised packer may after obtaining the previous approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of tea different from that indicated by grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

7. Method of packing:—

(1) Kangra tea shall be packed (a) in polyethylene bags enclosed in sound and clean gunny bags or wooden/plywood cases or paper cartons where the net weight of tea is above 5 kilograms : or

(b) in polyethylene bags or paper bags where the net weight of tea is 5 kilograms or below as approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) The containers shall be securely closed and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

8. Special Conditons of Certificate of Authorisation:—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the conditions as set out in Schedule III shall be observed by every authorised packer to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I

[See rule 5 (1)]

Grade Designation Mark of Kangra Tea

Map of India

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Grade Designation and Definition of Quality of Kangra Tea

Grade designation	Particulars of quality						
	Special characteristics						
	Total Ash percentage by weight	Total Ash soluble in boiling distilled water Minimum	Ash insoluble in HCL Maximum % by weight	Water soluble Extract Minimum % by weight	Alkalinity of soluble Ash expressed as K 20% by weight	Crude fibre % by weight Maximum	General Characteristics
1	2	3	4	5	6	7	8
K T STANDARD	4.5 to 9.0	34.0% of total ash by weight	1.2	23	1.0 to 2.2	18.5	1. The tea shall be derived exclusively from the leaves buds and tender stems of plants of Camellis Sinensis or Camellia thea grown in Kangra and Mandi districts of the State of Himachal Pradesh. 2. It shall be properly dried and processed and shall be free from any added colouring matter. 3. It shall be free from insect attack mould development and any obnoxius smell and shall have characteristic odour and taste of Kangra Tea.

Notes :—1. The limits specified under columns 2, 5 and 7 are on dry weight basis, i.e. after drying the tea to a constant weight at 100°C.

2. Water soluble extract is the extract obtained by boiling dry tea with 100 parts of distilled water for one hour under reflux.

SCHEDULE III

Special conditions of Certificate of Authorisation

(See rule 8)

(a) The grading of Kangra Tea shall be carried out only in authorised premises in Kangra and Mandi districts of the State of Himachal Pradesh.

(b) An authorised packer shall take all precautions to avoid any contamination of Kangra tea during processing, storage and packing.

(c) If an authorised packer handles other types of tea also in the same premises, adequate precautions shall be taken by him to avoid the mixing of different varieties of tea.

(d) An authorised packer shall make such arrangements for testing tea as may be prescribed from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. Proper records of analysis of samples shall be maintained.

(e) All instructions regarding mathods of sampling and analysis, sealing and marking of containers and maintenance of record etc., which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser shall be strictly observed.

(f) A sample of tea drawn, in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser, from each lot, shall be forwarded to such control laboratory, as may be directed from time to time.

(g) Each container shall be filled with tea from the same lot only.

(h) An authorised packer shall provide to the Inspecting Officer duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf, on such facilities as may be necessary for the discharge of his duties as such officer.

[No. 13-2/74-AM]

का० आ० 2462.—अगर अगर (श्रेणीकरण और अंकन) नियम, 1975 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और अंकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा द्वारा यथापेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट तारीख के पूर्व जो आक्षेप या सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

अगर अगर (श्रेणीकरण और अंकन) नियम, 1975:

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना :—(1) इन नियमों का नाम अगर अगर (श्रेणीकरण और अंकन) नियम, 1975 है।

(2) ये भारत में उत्पादित अगर अगर को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में ;

(i) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत हैं ;

(ii) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान :—अगर अगर की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान अनुसूची 2 के स्तम्भ 1 में दिया जाएगा।

4. श्रेणी अभिधान चिह्न :—(1) अगर अगर के लिए श्रेणी अभिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित श्रेणी विनिर्दिष्ट करने वाला और (एगमार्क शब्द के साथ भारत के मानचित्र की रूपरेखा और "भारतीय उत्पाद" शब्दों के साथ उगते हुए सूर्य का चित्र) डिजाइन सहित लेबल लगा होगा, जो अनुसूची 1 में दिए गए चिह्न के सदृश होगा।

(2) अगर अगर की दशा में श्रेणी अभिधान चिह्न में एक डिजाइन होगा जिसमें कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित प्राधिकार प्रमाण-पत्र की संख्या और शब्द "एगमार्क" और "श्रेणी" होंगे।

5. क्वालिटी की परिभाषा :—श्रेणी अभिधान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 से 11 में की गई है।

6. अंकन की पद्धति :—(1) श्रेणी अभिधान चिह्न प्रत्येक आधान पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में चिपकाया या छापा जाएगा।

(2) उपरोक्त के अतिरिक्त, प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विशिष्टियां भी स्पष्टतः और अमिटरूप में अंकित की जाएंगी, अर्थात् :—

(क) संकेतिक या सादे अक्षरों में पैक किए जाने की तारीख।

(ख) लाट संख्या

(ग) पैकर का नाम और पता

(घ) पैक किए जाने का स्थान; और

(ङ) शुद्ध भार।

(3) प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन—अभिप्राप्त करने के पश्चात, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न अंकित कर सकेगा, परन्तु यह तब होगा जब प्राइवेट व्यापार चिह्न इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपदर्शित अगर अगर की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी न दर्शित करें।

7. पैकिंग की पद्धति:—अगर अगर केवल कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित प्रकार और आकार के नए, मजबूत और स्वच्छ प्लास्टिक आधान और रेशा द्वारा बुने हुए परतदार थैली, टीनों, पेपर कार्टन जिसके अन्दर पोलिथीन थैला हो, में पैक किया जाएगा। आधान को, अन्तर्वस्तुओं के सदूषण को रोकने के लिये, अच्छी तरह भरा जाएगा और कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में सुरक्षित रूप से बन्द किया जाएगा।

8. प्राधिकार प्रमाण-पत्र की विशेष शर्तें :—साधारण श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, अनुसूची 3 में दी गई शर्तों का, कृषि विपणन सलाहकार के समाधान पद रूप में, प्राधिकार प्रमाण-पत्र के प्रत्येक धारक द्वारा पालन किया जाएगा।

अनुसूची-1

अगर अगर का श्रेणी अभिधान चिह्न (नियम 5.1 देखिए)

शब्द 'एगमार्क' के साथ भारत का मानचित्र और भारतीय उत्पाद शब्दों के साथ 'उगता हुआ' सूर्य ।

अनुसूची-2

अगर अगर की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा

(नियम 3 और 5 देखिए)

क्वालिटी की विशिष्टियां

विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	जल अवशोषण	पांच घंटे तक 100° से० पर सुखाने पर भार द्वारा अधिकतम नमी प्रतिशतता	भार द्वारा कुल भस्म की अधिकतम प्रतिशतता	भार द्वारा अम्ल अविलेय भस्म की अधिकतम प्रतिशतता	भार द्वारा अविलेय पदार्थ अधिकतम प्रतिशतता
1	2	3	4	5	6
साधारण	इसके भार का 4 गुना	20	6.5	1.0	1.0

जिलेटिन	स्टार्च और डेक्स्ट्राइन	आर्सेनिक (जैसे) मि० ग्रा० कि० ग्रा० अधिकतम	सीसा (पी बी के रूप में) मि० ग्रा० कि०ग्रा० अधिकतम	साधारण लक्षण
7	8	9	10	11
अनुपस्थितत	अनुपस्थित	3.0	अगर अगर, रोडोफाइस वर्ग की लाल काई से निःसारित (सुखाया हुआ) हाइड्रोफाइलिक, कोलाइयोडाल पाली गेलाटोमाइड होगा जैसे गोली डियोला जाति और ग्रेसीलेरिया जाति । यह वाणिज्यिक रूप में पतली झिल्ली या इसके कटे हुए टुकड़े, पपड़ी, दानेदार या चूर्ण रूप में बंडलों में उपलभ्य होगा । यह रंग में सफेद से फीका पीला होगा । यह या तो गंधहीन होगा या इसकी हल्की सी लाक्षणिक गंध और श्लेष्मकीय स्वादयुक्त होगा । अगर अगर ठंडे जल में अविलेय होगा किन्तु उबलते जल में विलेय होगा ।	

अनुसूची-3

प्राधिकार प्रमाण-पत्र की विशेष शर्तें

(नियम 8 देखिए)

(1) प्राधिकृत पैकर को प्रसंस्करण, भंडारकरण और पैक करने के दौरान अगर अगर के किसी संदूषण को दूर करने के लिए सभी सावधानियां बरतनी होंगी ।

(2) प्राधिकृत पैकर अगर अगर को परखने के लिए ऐसा प्रबन्ध करेगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर विहित किया जाय। वह नमूनों के विश्लेषण का उचित अभिलेख भी रखेगा ।

(3) नमूना लेने, विश्लेषण करने, सील करने और आधानों को चिह्नित करने और अभिलेखों आदि को रखने की पद्धतियों के सम्बन्ध में सभी ऐसे अनुदेशों का, जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएं, पूरा पूरा पाला किया जाएगा ।

(4) कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीत में प्रत्येक लाट में से लिया गया अगर अगर का नमूना ऐसी नियन्त्रण प्रयोगशाला को भेजा जाएगा जो समय-समय पर निदेशित की जाए ।

(5) प्रत्येक आधान को केवल एक लाट के अगर अगर से भरा जाएगा ।

(6) प्राधिकृत पैकर ऐसी सभी सुविधाएं प्रदान करेगा जो इस निमित्त कृषि विपणन सलाहकार द्वारा सम्यकरूप से प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारी के लिए आवश्यक हों ।

[सं० 13-4/75-ए०एम०]

S.O. 2462.—The following draft of the Agar Agar (Grading and Marking) Rules, 1975, which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Products (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is published, as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified, will be considered by the Central Government.

Agar Agar (Grading and Marking) Rules, 1975.

1. Short title and application.—(1) These rules may be called Agar Agar (Grading and Marking) Rules, 1975.

(2) They shall apply to Agar Agar produced in India.

2. Definitions.—In these rules,—

(i) "Agricultural Marketing Adviser" means The Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(ii) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

3. Grade Designation.—The grade designation to indicate the quality of Agar Agar shall be as set out in column 1 of Schedule II.

4. Grade Designation Mark.—(1) The grade designation mark for Agar Agar shall consist of a label specifying the Grade approved by the Agricultural Marketing Adviser and bearing the design consisting of an outline map of India with the word 'Amark' rn figure of rising sun with the words 'Produce of India' and resembling the mark set out in Schedule-I.

(2) The grade designation mark in case of Agar Agar may also consist of a design in corporating the number of certificate of Authorization the word "Agmark" and the "Grade" approved by the Agricultural Marketing Adviser.

5. Definition of Quality.—The quality indicated by grade designation shall be as set out in columns 2 to 11 of Schedule II.

6. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container, namely:—

(a) Date of packing in cord or plain letters

(b) Lot No

(c) Name and address of packer.

(d) Place of packing, and

(e) Net weight.

(3) An authorised packer may after obtaining the previous approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of Agar Agar different from that indicated by grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—Agar Agar shall be packed in only new, sound and clean plastic container and fibre woven laminated bags, tins, paper carton with polythene bag inside of type and size approved by the Agricultural Marketing Adviser. The container shall be well filled so as to preclude contamination of contents and securely closed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

8. Special condition of certificate of Authorization.—In addition to the conditions specified in rules 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the conditions as set out in Schedule III shall be observed by every holder of certificate of Authorization to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I

Grade Designation Mark of Agar Agar

(See Rule 5.1)

Map of India with word 'Agmark' and 'Rising' Sun with Words Produce of India

SCHEDULE II

Grade designation and definition of quality of Agar Agar

(See rule 3 and 5)

Grade designation	Water absorption	Particulars of Quality Special Characteristics Moisture on percent by weight drying at 1050C. for five hours. Maximum.	Total Ash percent by weight Maximum.	Acid insoluble ash percent by weight Maximum.	Insoluble matter percent by weight Maximum.
1	2	3	4	5	6
General	4 Tins of its weight	20	6.5	1.0	1.0

Gelatin	Starch and Dextrines	Arsenic (as As) Miligram, Kilogram Maximum.	Lead (as Pb) Miligram/Kilogram Maximum	General Characteristics.
7	8	9	10	11
Absent	Absent	3.0	10	Agar Agar shall be dried hydrophylic, colloidal polygalatoside extracted from red algae of class Rhodophyeal, such as Gelidiella species and Gracilaria species. It shall be commercially available in bundles consisting of thin membranous strips or in cut, flaked, granulated or powder form. It shall be white to pale yellow in colour. It shall be either odourless or having a slight characteristics odour and a mucilaginous taste, Agar/Agar shall be insoluble in cold water but soluble in boiling water.

SCHEDULE III

Special Conditions of Certificate of Authorisation

(See rule 8)

(i) An authorized packer shall take all precautions to avoid any contamination of Agar Agar during processing, storage and packing.

(ii) An authorized packer shall make such arrangement for testing of Agar Agar as may be prescribed from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. He shall also maintain proper records of analysis of samples.

(iii) All instructions regarding methods of sampling, analysis, sealing and marking of containers and maintenance of records etc., which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser shall be strictly observed.

(iv) A sample of Agar Agar drawn in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser from each lot shall be forwarded to such control laboratory as may be directed from time to time.

(v) Each container shall be filled with Agar Agar from the same lot only.

(vi) An authorised packer shall provide all facilities as may be necessary to Inspecting Officer, duly authorized by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

[F. No 13-4/75-A.M.]

का० आ० 2463.—नारियल (श्रेणीकरण और अंकन) नियम, 1975 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और अंकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा द्वारा यथापेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा ।

उक्त प्रारूप की बाबत् किसी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व जो आक्षेप या सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

नियमों का प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नारियल (श्रेणीकरण और अंकन) नियम, 1975 है ।

(2) ये भारत में उत्पादित खोल सहित नारियलों और उसकी सूखी गिरियों को लागू होंगे ।

2. परिभाषाएं :—

इन नियमों में—

(i) 'कृषि विपणन सलाहकार' से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(ii) 'प्राधिकृत पैकर' से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है, जिसे इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानक और प्रक्रिया के अनुसार किसी वस्तु के श्रेणीकरण और एगमार्क का चिह्न लगाने के लिये किसी विपणन सलाहकार द्वारा प्राधिकार प्रमाणपत्र दिया गया हो,

(iii) 'प्राधिकरण प्रमाणपत्र' से ऐसा दस्तावेज अभिप्रेत है जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय का नाम जारी किया गया है और जो किसी विशिष्ट वस्तु के श्रेणीकरण के लिये किसी विनिर्दिष्ट परिसर पर उसमें उल्लिखित विनिर्दिष्ट अवधि के लिये प्राधिकार देता है, और

(iv) 'अनुसूची' से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी नाम :—नारियलों की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिये श्रेणी नाम वे होंगे जो अनुसूची 2 से 5 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित हैं ।

4. क्वालिटी की परिभाषा :—श्रेणी नामों द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 2 से 5 में ऐसे नामों के सामने उपवर्णित है ।

5. श्रेणी नाम चिह्न :—श्रेणी नाम चिह्न एक लेबल के रूप में होगा जिस पर अनुसूची I में उपदर्शित डिजाइन बनी होगी ।

6. अंकन की पद्धति :—

(1) श्रेणी नाम चिह्न प्रत्येक आधार पर सुरक्षित रूप से ऐसी रीति में चिपकाया जाएगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित होगा ।

(2) श्रेणी नाम चिह्न के अतिरिक्त प्रत्येक आधान पर ऐसी विशिष्टियां स्पष्ट रूप से और ऐसी रीति में जो समय-समय पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, अंकित होंगी ।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् आधान पर अपना निजी व्यापार-चिह्न ऐसी रीति में अंकित करेगा जो उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित हो, परन्तु निजी व्यापार चिह्न नारियल की वह क्वालिटी या श्रेणी निरूपित नहीं करेगा जो इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी नाम चिह्न द्वारा उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न हो ।

7. पैकिंग की पद्धति :—

(1) पैकिंग के लिये केवल अक्षत, साफ और शुष्क जूट के बोरे जिनकी सिलाई स्वच्छतापूर्वक की गई हो और जो आपत्तिजनक गन्ध से मुक्त हों, प्रयुक्त किये जाएंगे। किसी अन्य प्रकार के आधान का प्रयोग कृषि विपणन सलाहकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् ही किया जाएगा।

(2) सभी आधानों को ऐसी रीति में सुरक्षित और मोहरबन्द किया जाएगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित हो।

8. प्राधिकरण प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें :—

साधारण श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त अनुसूची 6 में उपवर्णित शर्तें इन नियमों के अधीन जारी की गई प्रत्येक प्राधिकरण प्रमाणपत्र की शर्तें होंगी।

अनुसूची 1

नारियल के श्रेणी, नाम अंकन का डिजाइन

(नियम 5 देखिये)

ए एगमार्क मा र्क	क्रम संख्या	नारियल	आगमार्क (खोल सहित या नारियल की साबुत गिरी या टूटी हुई गिरी) श्रेणी	खाने के प्रयोजन के लिये ———— तेल निकालने के लिये

लाट सं०——————————————

पैकिंग की तारीख——————————

पैकिंग का स्थान——————————

निरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर——————————

यह लेबल भारत सरकार की सम्पत्ति है

अनुसूची 2

खोल सहित नारियलों की क्वालिटी, श्रेणी नाम और परिभाषा

(नियम 3 और 4 देखिये)

श्रेणी नाम	रंग	मिलीमीटर में आकार (व्यास)	वर्णन
1	2	3	4
अति विशेष	भूरा	110 और अधिक	नारियल सुविकसित परिपक्व और जल सहित या रहित छिलके रहित होंगे। फफूंद और कीट-ग्रस्तता से होने वाली बुरी गन्ध, नुकसान और दाग से मुक्त होंगे और इनके सिरे पर गहरा भूरा रंग होगा। जब अंगुली या किसी धातु से उसके खोल पर मारा जाए तो इससे लाक्षणिक धात्विक ध्वनि मन्द ध्वनि के बिना उत्पन्न हो।
विशेष	भूरा सफेद या भूरा और सफेद	100 और अधिक	
मानक	भूरा सफेद या भूरा और सफेद	90 और अधिक	
साधारण 3	मिश्रित	90 से नीचे	
अविनिर्दिष्ट	—	—	

टिप्पण :—1. आकार मालूम करने के लिये गिरी छिलके रहित होनी चाहिये और उनके आकार का माप, अपेक्षित आकार के लिये बनाए गए लोहे के छल्लों में गिरियों को डाल कर किया जाना चाहिये।

2. गिरियों के वजन में 10 प्रतिशत के अनधिक का छिलका अनुज्ञेय है।

3. 'अविनिर्दिष्ट श्रेणी' के अधीन पैकिंग विदेशी क्रेता के विनिर्दिष्ट आदेश पर ही अनुज्ञेय होगी जब कि उसमें वांछित उपज की मात्रा और क्वालिटी उपदर्शित हो।

अनुसूची 3

खाने योग्य साबूत नारियल की सूखी गिरी की क्वालिटी का श्रेणी नाम और परिभाषा

(नियम 3 और 4 देखिये)

श्रेणी नाम	मिलीमीटर में न्यूनतम आकार (व्यास)	विजातीय पदार्थ के वजन की अधिकतम प्रतिशतता	गणना द्वारा फफूंदी वाली और काली गिरी की अधिकतम प्रतिशतता	गणना द्वारा झुर्रीदार गिरियों की अधिकतम प्रतिशतता	वजन में नमी की मात्रा की अधिकतम प्रतिशतता	वजन द्वारा टुकड़ों की अधिकतम प्रतिशतता	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
श्रेणी 1	85	0.2	2.0	10.0	7.0	1.0	(i) ये अक्षत गिरियां होंगी और कोको वुक्फेयर लिन के फलों के गेंद के आकार में होंगी।
श्रेणी 2	75	0.2	2.0	10.0	7.0	1.0	(ii) ये अच्छी तरह से शुष्क होंगी और युक्ति युक्त रूप से मजबूत और अच्छी वाणिज्य-योग्य दशा में होंगे।
श्रेणी 3	60	0.2	2.0	10.0	7.0	1.0	(iii) ये खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1975 के अधीन अनुज्ञेय सल्फर या अन्य धूमकों द्वारा धूमित होंगी और विकृतगंधि स्वाद और आपत्ति-जनक गंध से मुक्त होंगी। इनके रस का रंग सफेद से गहरा भूरा होगा और नारियल की गिरी मोती जैसी सफेद से राख जैसे सफेद रंग की होगी और उसका स्वाद मीठा होगा।

टिप्पणियां:—(1) विजातीय पदार्थ में बालू, धूल, भूसा और खोल आते हैं।

(2) फफूंदी वाले और काली गिरियों में ऐसे गोले भी आते हैं जिनके भीतरी सतह का 5 प्रतिशत से अधिक फफूंद से आच्छादित है और/या गहरे भूरे से काले रंग में है।

(3) झुर्रीदार गिरियों में ऐसी गिरियां भी आती हैं जो सामान्य आकार से अधिक सिकुड़ गए हैं या पूर्णरूप से परिपक्व या विकसित नहीं हैं या जिनकी बनावट रबड़ जैसी है और जिनकी सतह असमान है। ऐसी गिरियां बहुधा बदरंग होती हैं।

(4) खण्डों में गिरी के ऐसे टुकड़े भी आते हैं जो आकार में छोटे होते हैं।

(5) गिरी से ऐसा मुलायम भाग अभिप्रेत है जो उस खोल के अन्दर है और जिसमें तेल होता है।

(6) अविनिर्दिष्ट श्रेणी के अधीन पैकिंग विदेशी क्रेता के विनिर्दिष्ट आदेश पर ही अनुज्ञात की जाएगी जबकि उसमें वांछित उपज की मात्रा और क्वालिटी उपदर्शित हो।

अनुसूची 4

खाने योग्य टूटी हुई सूखी गिरियों की क्वालिटी का श्रेणी नाम और परिभाषा

(नियम 3 और 4 देखिए)

श्रेणी नाम	मिलीमीटर में न्यूनतम आकार (व्यास)	वजन में विजातीय पदार्थ की अधिकतम प्रतिशतता	गणना द्वारा फफूंद वाले और काली गिरी की अधिकतम प्रतिशतता	गणना द्वारा झुर्रीदार गिरी की अधिकतम प्रतिशतता	वजन द्वारा खण्डों की अधिकतम प्रतिशतता	वजन में नमी की अधिकतम प्रतिशतता	निकाले गए तेल का अधिकतम एसिड मूल्य	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9
श्रेणी 1	70	0.5	2.0	10.0	1.0	6.0	2	कोको वृक्षफलधर लिन, पामे के फलों में प्राप्त ऐसी गिरियां होंगी जिनको लगभग 2 बराबर टुकड़ों में काटा जाएगा जिससे उनका आकार प्यालों के समान हो जाए । ये अच्छी तरह से शुष्क होंगी और युक्तियुक्त रूप से मजबूत और अच्छी वाणिज्ययोग्य दशा में होंगे । ये खाद्य अपमिश्रण नियम, 1975 के अधीन अनुज्ञेय सल्फर या अन्य धूमकों द्वारा धूमित होंगी और विकृतगंधी स्वाद और आपत्तिजनक गन्ध से मुक्त होंगे । इनके रस का रंग सफेद से गहरा भूरा होगा और नारियल की गिरी पोती जैसी सफेद से राख जैसे सफेद रंग की होगी और उसका स्वाद मीठा होगा ।
श्रेणी 2	—	0.5	2.0	10.0	1.0	6.0	2	
अविनिर्दिष्ट	—	—	—	—	—	—	—	

टिप्पण:—1. विजातीय पदार्थ में बालू, धूल, भूसा और खोल आते हैं ।

2. फफूंद वाले और काली गिरियों में वे भी आते हैं जिनकी अन्दर की सतह का पांच प्रतिशत से अधिक उक्त फफूंद से आच्छादित है और/या उनका रंग गहरे भूरे से काला है ।

3. झुर्रीदार गिरियों में वे भी आते हैं जो सामान्य आकार से अधिक सिकुड़े हुए हैं या पूर्ण रूप से परिपक्व या विकसित नहीं है या उनकी बनावट रबड़ के समान है और जिनकी सतह बराबर नहीं है । ऐसी गिरियां बहुधा बदरंग होती हैं ।

4. खण्डों में गिरियों के वे टुकड़े भी आते हैं जो आकार में छोटे हैं ।

5. गिरियों से वह मुलायम भाग अभिप्रेत है जो खोल के अन्दर है और जिसमें तेल है ।

6. अविनिर्दिष्ट श्रेणी के अधीन पैकिंग विदेशी क्रेता के विनिर्दिष्ट आदेश पर ही अनुज्ञात की जाएगी जब कि उसमें वांछित उत्पाद की मात्रा ... क्वालिटी उपदर्शित हो ।

अनुसूची 5

तेल निकालने के लिये टूटी हुई गिरी की क्वालिटी का श्रेणी नाम और परिभाषा

(नियम 3 और 4 देखिए)

श्रेणी नाम	वजन में विजातीय पदार्थ का अधिकतम वजन	गणना द्वारा फफूंद वाले और काली गिरियों की अधिकतम प्रतिशतता	गणना द्वारा झुर्रीदार गिरियों की अधिकतम प्रतिशतता	वजन द्वारा खण्डों की अधिकतम प्रतिशतता	वजन में नमी की मात्रा की अधिकतम प्रतिशतता	वजन में न्यूनतम तेल की मात्रा की प्रतिशतता (जबकि वह नमी रहित हो)	निकाले गए तेल का अधिकतम एसिड मूल्य	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9
श्रेणी 1	0.5	5.0	10.0	5.0	6.0	70.0	2	कोको नुसीफलयरे लिन, पामें के फलों से प्राप्त ऐसी गिरियां होंगी जिनको लगभग दो बराबर टुकड़ों में काटा जाएगा जिससे उन का आकार प्यालों के समान हो जाए। अच्छी तरह से शुष्क होंगी और युक्तियुक्त रूप से मजबूत और अच्छी वाणिज्ययोग्य दशा में होंगे। ये खाद्य अपमिश्रण नियम, 1975 के अधीन अनुज्ञेय सल्फर या अन्य धूमकों द्वारा धूमित होंगी और विकृतगंधी स्वाद और आपत्तिजनक गन्ध से मुक्त होंगे। इनके रस का रंग सफेद से गहरा भूरा होगा और नारियल की गिरी मोती जैसी सफेद से राख जैसे सफेद रंग की होगी और उसका स्वाद मीठा होगा।
श्रेणी 2	1.0	10.0	10.0	10.0	5.0	68.0	4	
श्रेणी 3	2.0	15.0	15.0	15.0	6.0	66.0	10	
अविनिर्दिष्ट	—	—	—	—	—	—	—	

टिप्पण :—1. विजातीय पदार्थ में बालू, धूल, भूसा और खोल आते हैं।

2. फफूंद वाले और काली गिरियों में वे भी आते हैं जिनकी अन्दर की सतह के पांच प्रतिशत से अधिक उक्त फफूंद से आच्छादित है और/या उनका रंग गहरे भूरे से काला है।

3. झुर्रीदार गिरियों में व भी आते हैं जो सामान्य आकार से अधिक सिकुड़े हुए हैं या पूर्ण रूप से परिपक्व या विकसित नहीं हैं या उनकी बनावट रबड़ के समान है और जिनकी बराबर नहीं है। ऐसी गिरियां बहुधा बदरंग होती हैं।

4. खण्डों में गिरियों के वे टुकड़े भी आते हैं जो आकार में छोटे हैं।

5. गिरियों से वह मुलायम भाग अभिप्रेत है जो खोल के अन्दर है और जिसमें तेल है।

6. अविनिर्दिष्ट श्रेणी के अधीन पैकिंग विदेशी क्रेता के विनिर्दिष्ट आदेश पर ही अनुज्ञात की जाएगी जब कि उसमें वांछित उत्पाद की मात्रा और क्वालिटी उपदर्शित हो।

अनुसूची 6

प्राधिकार प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें

(नियम 8 देखिए)

1. नारियल/नारियल की सूखी गिरी के संसाधन और/या भण्डाकरण के लिए प्राधिकृत पैकर का अपना ऐसा यथोचित स्वच्छ परिसर होगा या वहां तक उसकी पहुंच होगी जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा सम्यकतः अनुमोदित किया गया हो ।

2. नारियल/सूखी गिरी के परीक्षणार्थ प्राधिकृत पैकर ऐसे इन्तजाम करेगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर विहित किए जाएं। वह नमूनों के विश्लेषण का अभिलेख भी रखेगा ।

3. आधानों के नमूनाकरण और उनके विश्लेषण करने और मोहरबंद करने और अंकन करने और अभिलेख आदि रखे जाने की पद्धति के बाबत समय-समय पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा जारी किए गए सभीं अनुदेशों का कठोरतापूर्वक पालन किया जाएगा।

4. प्रत्येक लाट से कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीति में लिया गया नारियल/सूखी गिरी का नमूना ऐसे नियंत्रण प्रयोगशाला को भेजा जाएगा जैसा कि समय-समय पर निदेश दिया जाए ।

5. प्रत्येक आधान में नारियल/सूखी गिरी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीति में भरा जाएगा ।

6. प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्यकतः प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं देगा ।

[सं० 13-5/75-ए० एम०]

आर० एन० बक्शी, अवर सचिव

S.O. 2463.—The following draft of the Concern (Grading and Marking) Rules, 1975, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified, will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. Short title and application:—

(1) These rules may be called the Coconut (Grading and Marking) Rules, 1975.

(2) These shall apply to coconuts-in-shell and copra produced in India.

2. Definitions:—

In these rules.

(i) The 'Agricultural Marketing Adviser' means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(ii) 'Authorised Packer' means a person or a body of persons who has been granted a Certificate of Authorisation by Agricultural Marketing Adviser for getting the commodity graded and agmarked in accordance with grade standards and procedure prescribed under these rules ;

(iii) 'Certificate of Authorisation' means document issued by Agricultural Marketing Adviser in the name of a particular person or a body of persons granting an authorisation for grading a particular commodity at a specified premises for a specified period mentioned in it ;

(iv) 'Schedule' means a schedule appended to these rules.

3. Grade Designation:—

The grade designations to indicate the quality of coconuts shall be as set out in column 1 of Schedule II to V.

4. Definitions of quality:—

The quality indicated by the grade designations shall be as set out against such designations in Schedues II to V.

5. Grade designation mark:—

The grade designation mark shall consist of a label bearing the design resembling the one set out in Schedule I.

6. Method of Marking:—

(1) The grade designation mark shall be securely affixed on each container in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation mark, each container shall be clearly marked with such particulars and in such manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) An authorised packer may, after obtaining the previous approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of coconut different from that indicated by the grade designation mark affixed on the containers in accordance with these rules.

7. Method of packing:—

(1) Only sound, clean and dry gunny bags neatly stitched, free from any objectionable odour shall be used for packing. Any other type of container shall be used only after obtaining the approval of the Agricultural Marketing Adviser.

(2) All containers shall be secured and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

8. Special conditions of Certificate of Authorisation:—

In addition to conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the conditions set out in Schedule VI shall be the conditions of every Certificate of Authorisation issued under these rules.

SCHEDULE I

Design for the Grade Designation Mark of Coconut

(See rule 5)

A G AGMARK A R K	Serial Number	Grade	AGMARK COCONUT (In Shell or Ball Copra or Cup Copra) For Edible use For Oil Milling

Lot number ....

Date of packing ....

Place of packing ....

Signature of Inspecting Officer ....

This label is the property of the Government of India.

SCHEDULE II

Grade Designations and definitions of quality of Coconuts-in-shell

(See rules 3 and 4)

Grade Designation	Colour	Size I (Diameter) in Millimetre	Description
1	2	3	4
Extra special	Brown	110 and above	The Coconuts shall be well developed, matured and husked 2 with or without water. These shall be free from bad smell, damage and blemish due to fungus and insect infestation and dark brown colour at the top. When struck at the shell with finger or metal it shall give the characteristic metallic sound without any dull note.
Special	Brown White or Brown and White	100 and above	
Standard	Brown white or Brown and White	90 and above	
General	Mixed	Below 90	
Non Specified 3	—	—	

Note :—1. To find out the size, the nuts should be husked and the size should be measured by passing the nuts in the iron rings made to the size required.

2. The husk not exceeding 10% of the weight of the nuts is permissible.

3. Packing under 'Non-Specified' grade will be allowed only against a specific order from the foreign buyer indicating the quantity and quality of the produce desired.

SCHEDULE III

Grade, designations and definitions of quality of Ball Copra for edible use

(See rules 3 and 4)

Grade Designation	Size (Diameter) Minimum in mm.	Foreign matter % by weight Maximum	Mouldy & Black kernels % by count Maximum	Wrinkled kernels % by count Maximum	Moisture content % by weight Maximum	Chips % by weight maximum	Description
1	2	3	4	5	6	7	8
Grade 1	85	0.2	2.0	10.0	7.0	1.0	(i) These shall be the kernels obtained intact and in the form of balls from the fruits of Goods nucifera Linn., fam-Palmae.
Grade 2	75	0.2	2.0	10.0	7.0	1.0	(ii) These shall be well dried, reasonably firm and in sound merchantable condition.
Grade 3	60	0.2	2.0	10.0	7.0	1.0	(iii) These may be fumigated by sulphur or other fumigants permissible under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 and shall be free from rancid taste and objectionable odour. The testa shall be whitish to dark brown in colour and the meat shall be pearly white to ash white in colour and shall be sweet in taste.
Non-Specified							

Note:— 1. Foreign matter includes sand, dust, straw and shell.

2. Mouldy and black kernels include balls in which more than 5% of the inner surface is covered with mould and/or is dark brown to black in colour.

3. Wrinkled kernels include balls that are shrunk out of normal shape or are not fully matured or developed or have a rubbery structure and uneven surface. Such kernels are often dis-coloured.

4. Chips include pieces of Kernels which are smaller in size.

5. Meat means the soft body enclosed in the shell which carries the oil.

6. Packing under Non-Specified grade will be allowed only against a specific order from the foreign buyer indicating the quantity and quality of the produce desired.

SCHEDULE IV

Grade Designations and Definitions of quality of Cup Copra for edible use
(See rules 3 and 4)

Grade Designation	Size (Dia meter) Minimum in mm.	Foreign matter % by weight maximum	Mouldy & black Kernels % by count maximum	Wrinkled kernels % by count maximum	Chips % by weight maximum	Moisture % by weight maximum	Acid value of extracted oil maximum	Description
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Grade I	70	0.5	2.0	10.0	1.0	6.0	2	These shall be kernels obtained from the fruits of Cocos nucifera Linn., fam. Palmae, which have been cut into approximate two equal pieces forming a cup shape. These shall be well dried, reasonably firm and in sound merchantable condition. It may be fumigated by sulpher or/other fumigants permissible under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 and shall be free from rancid taste and objectionable odour. The testa shall be whitish to dark brown in colour and the meat shall be pearly white to ash white in colour and sweet in taste.
Grade II	—	0.5	2.0	10.0	1.0	6.0	2	
Non-Specified	—	—	—	—	—	—	—	

Note :—1. Foreign matter includes sand, dust, straw and shell.

2. Mouldy and black kernels include those in which more than 5% of the inner surface is covered with mould and/or is dark brown to black in colour.
3. Wrinkled kernels include those which are shrunk out of normal shape or not fully matured or developed or have rubbery structure and uneven surface. Such kernels are often discoloured.
4. Chips include pieces of kernel which are smaller in size.
5. Meat means the soft body enclosed in the shell which carries the oil.
6. Packing under Non Specified grade will be allowed only against a specific order from the foreign buyer indicating the quantity and quality of the produce desired.

SCHEDULE V

Grade designations and definitions of quality of Cup Copra for oil milling
(See rules 3 and 4)

Grade Designation	Foreign matter by weight maximum	Mouldy & black kernels % by count maximum	Wrinkled kernels % by count maximum	Chips % by weight maximum	Moisture content % by weight maximum	Oil content (on moisture free basis) % by weight minimum	Acid value of extracted oil maximum	Description
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Grade I	0.5	5.0	10.0	5.0	6.0	70.0	2	These shall be kernels obtained from the fruits of Cocos nucifera Linn., fam. Palmae, which have been cut into approximately two equal pieces forming a cup shape. These shall be well dried, reasonably firm and in sound merchantable condition. It may be fumigated by sulpher or other fumigants permissile under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 and shall be free from rancid taste and objectionable odour. The testa shall be whitish to dark brown in colour and the meat shall be pearly white to ash white in colour.
Grade II	1.0	10.0	10.0	10.0	5.0	68.0	4	
Grade III	2.0	15.0	15.0	15.0	6.0	66.0	10	

Note:— 1. Foreign matter includes sand, dust, straw and shell.

2. Mouldy and black kernels include those in which more than 5% of the inner surface is covered with mould and/or is dark brown to black in colour.
3. Wrinkled kernels include those which are shrunk out of normal shape or are not fully matured or developed or have rubbery structure and uneven surface. Such kernels are often discoloured.
4. Chips include pieces of kernels which are smaller in size.
5. Meat means the soft body enclosed in the shell which carries the oil.
6. Packing under Non-Specified grade will be allowed only against a specific order from the foreign buyer indicating the quantity and quality of the produce desired.

SCHEDULE VI

Special conditions of Certificate of Authorisation

(See rule 8)

1. An authorised packer shall own or have access to suitable hygienic premises for the processing and/or storage of coconuts/copra duly approved by the Agricultural Marketing Adviser.
2. An authorised packer shall make such arrangements for testing of Coconuts/Copra as may be prescribed from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. He shall also maintain proper records of the analysis of samples.
3. All instructions regarding methods of sampling and analysis, sealing and marking of containers and the maintenance of records etc., which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser shall be strictly observed.
4. A sample of coconut/copra drawn, in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser, from each lot, shall be forwarded to such Control Laboratory as may be directed from time to time.
5. Each container shall be filled with coconut/copra in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.
6. An authorised packer shall provide all facilities as may be necessary to the Inspecting Officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

[No. 13-5/75—AM]

R. N. BAKSHI, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1975

का० आ० 2464—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (मद्रास) नियमावली, 1975 के नियम 1 के उपनियम (3) के और इसके अधीन अन्य सभी शक्तियों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त नियमावली को 31 मार्च, 1975 से मद्रास के नीचे लिखे इलाकों में भी लागू करती है, अर्थात :—

नम्बर 44, परामबुर बैरकस रोड स्थित वेपेरी डिस्पेंसरी – इलाकों का ब्यौरा ।

उत्तर में ओट्टेरी नाला और न्यु आवादी रोड के संगम से चलकर पूर्व की ओर नाले के साथ साथ जहां तक आगे बढ़िए जहां बकिंघम कैनाल से इसका संगम होता है, फिर वहां से दक्षिण की ओर कैनाल के साथ साथ वहां तक आगे बढ़िए जहां इसका संगम कोकुम नदी से होता है, फिर वहां से पश्चिम की ओर कोकुम नदी के साथ साथ वहां तक आगे बढ़ें जहां यह पेंथेओन रोड के साथ मिलती है, फिर पेंथेओम रोड के साथ साथ वहां तक आगे बढ़ें जहां इसका दोबारा कोकुम नदी से संगम होता है, फिर नदी के साथ साथ आगे वहां तक बढ़ें जहां इसका संगम मेकनिकोल्स रोड के साथ होता है, मेकनिकोल्स रोड से लेकर इसके पूनामल्ली हाई रोड के संगम तक, फिर पश्चिम की ओर पूनामल्ली हाई रोड के साथ साथ वहां तक बढ़ें जहां इसका न्यू आवादी रोड से संगम होता है, फिर वहां से उत्तर की ओर न्यू आवादी रोड के साथ साथ वहां तक आगे बढ़ें जहां इसका संगम ओटटेरी नाला से होता है।

[सं० एस० 11011/1/75–के० स०स्वा० यो०]

वी० रामचन्द्रन, अवर सचिव ।

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 19th July, 1975

S.O. 2464.—In pursuance of sub-rule (3) of rule 1 of the Central Government Health Scheme (Madras Rules, 1975 and all other powers hereunto enabling the Central Government hereby extends the said rules, with effect from the 31st March, 1975 to the following areas in Madras, namely:—

Vepory Dispensary at No. 44, Perambur Barracks Road—Zone details.

On the North, starting from the junction of Otteri Nullah with New Avadi Road, proceed East along the Nullah upto its junction with Bunkingham Canal, proceed south along the canal upto its junction with Cocum River, proceed West along the Cocum River upto its junction with Pantheon Road, proceed along the Pantheon Road upto its junction with Cooum River again, proceed along the river upto its junction with Mc Nichols Road, Mc Nichols Road upto its junction with Poonamallee High Road, proceed West along Poonamallee High Road upto its junction with New Avadi Road, proceed North along New Avadi Road upto its junction with Otteri Nullah.

[No. S. 11011/1/75-CGHS]

V. RAMACHANDRAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1975

का० आ० 2465.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है:

उक्त अनुसूची में :—

(1) आन्ध्र विश्व विद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसन (जीवाणु विज्ञान समेत विकृ०वि०......एम० डी० (जीवाणु विज्ञान समेत विकृति विज्ञान), आन्ध्र।" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित अर्हताएं रख ली जाएं :

"डाक्टर आफ मेडिसन......एम० डी० (त्वचारोग विज्ञान), आन्ध (त्वचारोग विज्ञान)

विसंज्ञाशास्त्र में डिप्लोमा......डी०ए०, आन्ध्र

क्षय रोग में डिप्लोमा......टी०डी०डी०, आन्ध्र";

(2) गुजरात विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसन (भेषजगुण विज्ञान)....एम० डी० (फार्म), गुजरात" के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"मनोविज्ञान संबंधी आयुर्विज्ञान में डिप्लोमा......डी०पी०एम०, गुजरात";

(3) उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "शिशु स्वास्थ्य में डिप्लोमा डी०सी०एच उस्मानिया" के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां रख ली जाएं :—

"मास्टर श्राफ सर्जरी..........एम० एस० (ई०एन०टी०), उस्मानिया", (कर्णनालाकण्ठ विज्ञानी)

(4) मैसूर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों "कर्णनालाकण्ठ विज्ञान में डिप्लोमा डी० एल० श्रो०, मैसूर के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां रख ली जाए :—

डाक्टर श्राफ मैडिसन (विर्संज्ञाशास्त्र)...एम० डी० (विर्संज्ञाशास्त्र) मैसूर

डाक्टर श्राफ मेडिसन (विकृति विज्ञान)....एम० डी० (विकृति विज्ञान) मैसूर

क्षय रोग में तथा यक्ष रोगों में डिप्लोमा...डी०टी०सी०डी०, मैसूर

डाक्टर श्राफ् मैडिसन (सुक्ष्म जीव विज्ञान) ....एम० डी० (सु०वि०) मैसूर

विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा......डी० श्रार्थो, मैसूर

(5) एम० एस० यूनिवर्सिटी श्राफ बड़ौदा से संबंधित प्रविष्टि में "डाक्टर श्राफ रेडिसन (रेडियो....डाइगनोसिस)....एम० डी० (रेडियो डाइगनोसिस) बड़ौदा" के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"मास्टर श्राफ सर्जरी (नेत्र विज्ञान) एम० एस० (नेत्र विज्ञान), बड़ौदा"

(6) श्री वेन्कटेश्वर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "कर्णनालाकण्ठ विज्ञानी में डिप्लोमा (डी०एल०श्रो०) वेन्कटेश्वर" के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"मास्टर श्राफ मेडिसन (शरीर क्रिया विज्ञान) एम०एस०सी० (शरीर क्रिया विज्ञान), वेंकटेश्वर";

(7) नागपुर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में शिशु स्वास्थ्य में डिप्लोमा...डी०सी०एच०, नागपुर के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"क्षय रोग......डी०टी०डी०, में डिप्लोमा, नागपुर

डाक्टर श्राफ मेडिसन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)....एम० डी० (प्र०स्त्री०रो० विज्ञान), नागपुर

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में डिप्लोमा.......डी० जी० श्रो०, नागपुर";

(8) जिवाजी विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "मेडिकल रेडियोलाजी एवं इलेक्ट्रोलाजी...डी०एम०श्रार०ई०, जिवाजी के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां रख ली जाये :

"मास्टर श्राफ सर्जरी (का०ना०ग०)......एम०एस० कान, नाक गला, जिवाजी,

कर्णनालाकण्ठ विज्ञान तथा कर्ण विज्ञान में डिप्लोमा..डी०एल०श्रो०, जिवाजी विर्संज्ञाशास्त्र में डिप्लोमा........डी० ए०, जिवाजी";

(9) सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "मास्टर श्राफ सर्जरी (शल्य चिकित्सा).....एम०एल० (शल्य चिकित्सा) सौराष्ट्र के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"नेत्र श्रायुर्विज्ञान एवं शल्य चिकित्सा में डिप्लोमा...डी०श्रो०एम० एल०, सौराष्ट्र";

(10) मुस्लिम विश्वविद्यालय श्रलीगढ़, से संबंधित प्रविष्टियों में "नेत्र श्रायुर्विज्ञान तथा शल्य चिकित्सा में डिप्लोमा...डी०श्रो०एम०एस०, श्रलीगढ़ प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"मेडिकल रेडियोलाजी डाइगनास्टिकल....डी०एम०श्रार०डी०, श्रलीगढ़";

(11) ए०पी० सिंह यूनिवर्सिटी के समक्ष उल्लिखित "बैचेलर श्राफ मेडिसन तथा बैचेलर श्राफ सर्जरी....एम०बी०बी०एस०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"डाक्टर श्राफ मेडिसन (जनरल मैडिसन) एम० डी० (जनरल मैडिसन) ए०पी० सिंह,

डाक्टर श्राफ मेडिसन (सामाजिक श्रौर निरोधक श्रायुर्विज्ञान) एम०डी० (सामाजिक श्रौर निरोधक श्रायुविज्ञान) ए० पी० सिंह, डाक्टर श्राफ मेडिसन (भेषजगुण विज्ञान)....एम०डी० (भेषजगुण विज्ञान), ए०पी० सिंह";

(12) बरहामपुर विश्वविद्यालय के सामने, "बैचेलर श्राफ मेडिसन श्रौर बैचेलर श्राफ सर्जरी...एम०बी०बी०एस०....बरहामपुर" की प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां श्रंतः स्थापित की जाएगी, श्रर्थात् :—

"विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा...डिग्री श्रार्थो, बरहामपुर, बाल स्वास्थ्य में डिप्लोमा...डी०सी०एच० बरहामपुर";

(13) मिथिला यूनिवर्सिटी से संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए :

"कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय....बैचेलर श्राफ तथा बैचेलर श्राफ सर्जरी.. एम०बी०बी०एस०, कुरुक्षेत्र"।

[सं० वी० 11015/23/75-एम० पी० टी०]

श्रीमती सती नायर, श्रवर सचिव

New Delhi, the 22nd July, 1975

S.O. 2465.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) the Central Government after consulting the Medical Council of India hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule —

(i) in the entries relating to the University of Andhra, after the entry "Doctor of Medicine (Path. incl. Bact.)...... M.D. (Path. incl. Bact.), Andhra, the following qualifications shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology) ......M.D. (Dermatology), Andhra

Diploma in Anaesthesiology......D.A., Andhra

Diploma in Tuberculosis Diseases......T.D.D., Andhra";

(ii) in the entries relating to the University of Gujarat, after the entry "Doctor of Medicine (Pharmacology) . . .M.D. (Pharm.), Gujarat", the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Psychological Medicine . . . D.P.M., Gujarat";

(iii) in the entries relating to the Osmania University, after the entry "Diploma in Child Health......D.C.H., Osmania", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Oto-Rhino-Laryngology) ......M.S. (E.N.T.), Osmania" ;

(iv) in the entries relating to the University of Mysore, after the entry "Diploma in Oto-Rhino-Laryngology. . .D.L.O., Mysore", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Anaesthesiology) ...M.D. (Anaesthesiology), Mysore.

Doctor of Medicine (Pathology) ...M.D. (Path.), Mysore.

Diploma in Tuberculosis and Chest Diseases .... D.T.C.D., Mysore.

Doctor of Medicine (Microbiology)...M.D. (Microbiology), Mysore.

Diploma in Orthopaedics....D. Ortho, Mysore" ;

(v) in the entries relating to the M.S. University of Baroda, after the entry "Doctor of Medicine (Radio-Diagnosis)...M.D. (Radio-diagnosis), Baroda", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Ophthalmology)...M.S. (Ophthalmology), Baroda" ;

(vi) in the entries relating to the Sri Venketeswara University, after the entry "Diploma in Oto-Rhino-Laryngology... D.L.O., Venketeswara", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Physiology)...M.D. (Physiology), Venketeswara ;

Master of Science (Physiology)...M.Sc. (Physiology), Venketeswara" ;

(vii) in the entries relating to the University of Nagpur, after the entry "Diploma in Child Health...D.C.H., Nagpur", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Tuberculosis Diseases ...D.T.D., Nagpur,

Diploma of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)... M.D. (Obst. & Gynae.), Nagpur,

Diploma in Obstetrics and Gynaecology...D.G.O., Nagpur" ;

(viii) *in the entries relating to the Jiwaji University, after* the entry "Diploma in Medical Radiology and Electrology... D.M.R.E., Jiwaji", the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (E.N.T.) ...M.S. (E.N.T.), Jiwaji,
Diploma in Laryngology and Otology...D.L.O., Jiwaji
Diploma in Anaesthesia...D.A., Jiwaji" ;

(ix) in the entries relating to the Saurashtra University, after the entry "Master of Surgery (Surgery)...M.S. (Surgery), Saurashtra, the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery... D.O.M.S. Saurashtra" ;

(x) in the entries relating to the Aligarh Muslim University, after the entry "Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery....D.O.M.S., Aligarh", the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Medical Radiology Diagnostics D.M.R.D., Aligarh" ;

(xi) against the A. P. Singh University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery...M.B.B.S., A. P. Singh", *the following entries shall be inserted, namely:—*

"Doctor of Medicine (General Medicine)...M.D. (Genl. Med.), A. P. Singh,

Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine), ...M.D. (Soc. & Prev. Med.), A. P. Singh

Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm.), A. P. Singh" ;

(xii) against the Berhampur University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery...M.B.B.S., Berhampur", the following entries shall be inserted, namely:—

"Diploma in Orthopaedics....D. Orth., Berhampur,

Diploma in Child Health....D.C.H., Berhampur" ;

(xiii) after the entry relating to the Mithila University, the following entry shall be inserted, namely :—

"Kurukshetra University...Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S., Kurukshetra".

[V. 11015/23/75-MPT]

MRS. SATHI NAIR, Under Secy.

पैट्रोलियम भौर रसायन मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

भादेश

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1975

का० भा० 2466.—पैट्रोलियम उत्पाद (पूर्ति भौर वितरण) भादेश, 1972 के पैरा 3 के उप पैरा (2) के द्वितीय परन्तुक के भनुसरण में केन्द्रीय सरकार यह विनिर्दिष्ट करती है कि मिट्टी के तेल (केरोसिन) की बाबत उड़ीसा राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के पूर्व भनुमोदन के बिना नीचे की सारणी के स्तम्भ उल्लिखित तेल वितरक कम्पनी के, सारणी के स्तम्भ 2 में की तत्संबंधी प्रविष्टि में उल्लखित डिपो के प्रभारी भधिकारी को, डिपो में किसी समय वास्तव में विद्यमान स्टाक की सीमा तक, उस राज्य के भीतर मिट्टी के तेल के साम्यपूर्ण वितरण के लिये निदेश जारी कर सकती है ।

सारणी

तेल वितरक कम्पनी का नाम	डिपो का नाम
1	2
बर्माशैल भायल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रिब्यूटिंग कम्पनी भाफ इण्डिया लिमिटेड, मुम्बई	कटक बेरहामपुर सम्बलपुर
हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, मुम्बई	कटक बालासोर

(1)	(2)
इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड मुम्बई	कटक बेरहामपुर बालासार भरकुण्डा राउरकेला
कालटेक्स (इण्डिया) लिमिटेड मुम्बई	कटक

[फा० सं० आई० एस०-11013/10/74 एफ० एस० पी०]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

ORDERS

New Delhi, the 10th July, 1975

S. O. 2466.—In pursuance of the second proviso to sub-paragraph (2) of paragraph 3 of the Petroleum Products (Supply and Distribution) Order, 1972, the Central Government hereby specifies that in the case of Kerosene, the Government of State of Orissa, may, without the previous approval of the Central Government, issue directions to the officer-in-charge of the depot mentioned in column (2) of the Table below of the oil distributing company mentioned in the corresponding entry in column (1) thereof, for the equitable distribution of kerosene within that State to the extent of the stocks actually held in the depot at any time.

TABLE

(1)	(2)
Name of the Oil Distributing Company	Name of the depot.
Burmah-Shell Oil Storage and Distributing Company of India Limited, Bombay.	Cuttack. Berhampur. Sambalpur.
Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay	Cuttack. Balasore.
Indian Oil Corporation Limited, Bombay.	Cuttack. Berhampur. Balasore. Bhurkunda. Rourkela.
Caltex (India) Limited, Bombay.	Cuttack.

[F. No. IS-11013/10/74-FSP]

आदेश

का० आ० 2467.—पेट्रोलियम उत्पाद (पूर्ति और वितरण) आदेश, 1972 के पैरा 3 के उप पैरा (2) के द्वितीय परन्तुक के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार यह विनिर्दिष्ट करती है कि मिट्टी के तेल (कैरोसिन) की बाबत पंजाब राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, नीचे की सारणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित तेल वितरक कम्पनी के, सारणी के स्तम्भ 2 में की तत्संबंधी प्रविष्टि में उल्लिखित डिपो के प्रभारी अधिकारी, डिपो में किसी समय वास्तव में विद्यमान स्टाक की सीमा तक, उस राज्य के भीतर मिट्टी के तेल के साम्यापूर्ण वितरण के लिये निदेश जारी कर सकती है।

सारणी

तेल वितरक कम्पनी का नाम	डिपो का नाम
1	2
बर्मा शैल आयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रिब्यूटिंग कम्पनी आफ इण्डिया लिमिटेड, मुम्बई	कोटकापुरा लुधियाना फिरोजपुर जालन्धर पटियाला
हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, मुम्बई	जालन्धर पटियाला अमृतसर
इण्डियन आयल, कारपोरेशन लिमिटेड मुम्बई	फिरोजपुर जालन्धर अमृतसर जरी अम्बाला
कालटेक्स (इण्डिया) लिमिटेड, मुम्बई	कोटकापुरा जालन्धर अम्बाला

[फा० सं० आई० एस०-11013/10/74-एफ० एस० पी०]

ए० राजागोपालन, अवर सचिव

ORDER

S. O. 2467.—In pursuance of the second proviso to sub-paragraph (2) of paragraph 3 of the Petroleum Products (Supply and Distribution) Order, 1972, the Central Government hereby specifies that in the case of Kerosene, the Government of the State of Punjab may, without the previous approval of the Central Government, issue directions to the officer-in-charge of the depot mentioned in co umn 2 of the Table below of the oil distributing company mentioned in the corresponding entry in column 1 thereof, for the equitable distribution of kerosene within that State to the extent of the stocks actually held in the depot at any time.

TABLE

(1)	(2)
Name of the Oil Distributing Company	Name of the depot.
Burmah Shell Oil Storage and Distributing Company of India Limited, Bombay.	Kotkapura Ludhiana Ferozepur Jullundur Patiala
Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.	Jullundur Patiala Amritsar
Indian Oil Corporation Limited, Bombay.	Ferozepur Jullundur Amritsar Jeori Ambala
Caltex(India) Limited, Bombay.	Kotkapura Jullundur Ambala

[F. No. IS-11013/10/74-FSP]

A. RAJAGOPALAN, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1975

का०आ० 2468.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II), तारीख 28 अप्रैल, 1973 के पृष्ठ 1680 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1211, तारीख 18 अप्रैल, 1973 में, खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में, "संशोधन" के स्थान पर "द्वितीय संशोधन" पढ़ें ।

[फा० सं० एच०-11021/4/74-पी एण्ड डी/एल डी (i)]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

CORRIGENDA

New Delhi, the 14th July, 1975

S.O. 2468.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 1211, dated the 18th April, 1973, published at page 1680 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 28th April, 1973, in sub-clause (1) of clause 1, for "Amendment", read "Second Amendment".

[File No. H-11021/4/74-P&D/LD (i)]

का० आ० 2469.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 23 जून, 1973 के पृष्ठ 2252 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1784, तारीख 11 जून, 1973 में, खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में, "संशोधन" के स्थान पर "तृतीय संशोधन" पढ़ें ।

[फा० सं० एच० 11021/4/74-पी एण्ड डी/एल डी (iii)]

S.O. 2469.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1784, dated the 11th June, 1973, pulished at page 2252 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 23rd June, 1973, in sub-clause (1) of clause 1, for "Amendment", read Third Amendment".

[File No. H-11021/4/74-P&D/LD (iii)]

का०आ० 2470.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 4 अगस्त, 1973 के पृष्ठ 2693-94 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2169, तारीख 18 जुलाई, 1973 में, खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में, "संशोधन" के स्थान पर "चतुर्थ संशोधन" पढ़ें ।

[फा० सं० एच० 11021/4/74 पी एन्ड डी/एल डी (iv)]

S.O. 2470.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2169, dated the 18th July, 1973, published at pages 2693-94 of the Gazette of India Part, II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 4th August, 1973, sub-clause (1) of clause 1, for "Amendment", read "fourth Amendment".

[File No. H-11021/4/74-P&D/LD (iv)]

का० आ० 2471.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 4 अगस्त 1973 के पृष्ठ 2694-95 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2170, तारीख 19 जुलाई, 1973 में, खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में, "संशोधन" के स्थान पर "पंचाम संशोधन" पढ़ें ।

[फा० सं० एच० 11021/4/74-पी एन्ड डी/ एल डी (v)]

S.O. 2471.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2170, dated the 19th July, 1973, published at pages 2694-95 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 4th August, 1973, in sub-clause (1) of clause 1, for "Amendment", read "Fifth Amendment".

[File No. H-11021/4/74-P&D/LD (v)]

का० आ० 2472.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 22 सितम्बर, 1973 के पृष्ठ 3159-60 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2749, तारीख 12 सितम्बर, 1973 में, खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में, "संशोधन" के स्थान पर "छठा संशोधन" पढ़ें ।

[फा० सं० एच० 11021/4/74-पी एण्ड डी/एल डी-(vi)]

वी० शंकरालिंगम्, अवर सचिव

S.O. 2472.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 2749 dated the 12th September, 1973, published at pages 3159-60 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 22nd September, 1973, in sub-clause (i) of clause 1, for "Amendment", read "Sixth Amendment".

[File No. H-11021/4/74-P&D/LD (vi)]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

(व्यापार पोत)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1975

का० आ० 2473.—व्यापार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 101 की उपधारा (2) के खण्ड (छ) के अनुसरण में और भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और नौवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना जो दिनांक 21 जून, 1967 के सा० आ० सं० 2169 के अन्तर्गत प्रकाशित हुई थी के अतिक्रमण में केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित रसद का माप नियत करती है जो न्यूनतम माप होगा जो पहली मार्च, 1975 से, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत करार नियमावली के जहाजों में कार्यरत नाविकों को दी जायेंगी ।

अनुसूची

भारतीय करार नियमावली विदेश गामी पर हस्ताक्षर करने वाले नाविकों के लिए रसद का संशोधन माप ।

1. चावल (क)	प्रतिदिन	350 ग्राम
2. आटा तथा रोटी (जब व्यवहार्य हो रोटी प्रतिदिन उपलब्ध की जायेगी) (ख)	प्रतिदिन जिसमें से 80 ग्रा० आटा होगा	160 ग्राम
3. दाल—तोर, मूंग, मसूर अथवा मटर की दाल (क)	प्रतिदिन	80 ग्राम

4. ताजा मछली (साबुत)—जहां उपलब्ध हो भिन्न भिन्न प्रकार की मछली दी जायेगी—सप्ताह में 6 दिन (ग)	प्रतिदिन	110 ग्राम
5. ताजा मांस (हड्डियों तथा साधारण चर्बी सहित)—चर्बी 7वें भाग से अधिक न हो—सप्ताह में 6 दिन (घ)	प्रतिदिन	170 ग्राम
6. सब्जियां (ङ)	प्रतिदिन	345 ग्राम
7. खाद्य तेल (च)	प्रतिदिन	25 ग्राम
8. घी (एगमार्क अथवा अन्य किसी अच्छे किस्म का)	प्रतिदिन	45 ग्राम
9. शोखा (छ)	प्रतिदिन	25 ग्राम
10. इमली अथवा कोकम	प्रतिदिन	10 ग्राम
11. नमक	प्रतिदिन	25 ग्राम
12. अचार अथवा चटनी	प्रतिदिन	15 ग्राम
13. मक्खन	प्रतिदिन	20 ग्राम
14. जाम	प्रतिदिन	10 ग्राम
15. चाय तथा/अथवा काफी (ज)	प्रतिदिन	10 ग्राम
16. चीनी	प्रतिदिन	40 ग्राम
17. संघटित दुध	प्रतिदिन	35 ग्राम
18. चूजे का गोस्त–सप्ताह में एक बार (साफ किया हुआ)	प्रतिदिन	225 ग्राम
19. अण्डे	प्रतिदिन	1
20. फल (सप्ताह में 6 दिन) (झ)	प्रतिदिन	एक पूरा टुकड़ा अथवा 115 ग्राम
21. आईसक्रीम–सप्ताह में एकबार (इसके न दिये जाने पर फल दिया जायेगा)		115 ग्राम
22. नीबूं का रस	प्रतिदिन	15 ग्राम
23. पानी	साप्ताहिक	28 क्वार्टस

टैंकरों के लिए

ताजा दूध (समागीकृत अथवा अत्याधिक गर्म किया हुआ)	प्रतिदिन	1 पिन्ट

टिप्पणी :

जब कोई नाविक बीमार हो और छुट्टी पर हो, उसे बिस्कुट चाय अथवा काफी और चीनी, अरारोट अथवा साबूदाने के साथ जैसी आवश्यकता हो, दी जायेगी ।

(क) खराब मौसम में जब चावल और दाल न पकाया जा सके तो उसके स्थान पर 125 ग्राम बिस्कुट तथा 60 ग्राम अतिरिक्त चीनी दी जायेगी ।

(ख) जब रोटी न दी जाये तो 160 ग्राम आटा दिया जायेगा ।

(ग) जब ताजा मछली न मिले तो मछली के स्थान पर डिब्बा बन्द मछली अथवा हैरिंगज मछली का अचार 1:2 के अनुपात में दिया जायेगा ।

(घ) उन नाविकों को जो गोमांस अथवा सूअर का गोश्त न खायें भेड़-बकरे का मांस दिया जायेगा ।

(ङ) 345 ग्राम में से 115 ग्राम आलू, 115 ग्राम प्याज, 115 ग्राम सेम जैसी ताजी सब्जी, बैंगन, अंकुर, गोभी, बन्दगोभी, फूल गोभी, भिण्डी, लाल मिर्च अथवा मटर अथवा विविधता लाने के लिए अन्य उपयुक्त सब्जियां दी जायेंगी । जहां तक हो सके टमाटर कम से कम सप्ताह में एक बार दिए जाएं । एक ही सब्जी लगातार दो दिनों से अधिक बार नहीं दी जायेगी । जब ताजी सब्जियां उपलब्ध न हों सूखी सब्जियां 1:4 के अनुपात में दी जा सकती हैं ।

(च) बम्बई के नाविकों के लिए तिल अथवा काडयि का तेल, कलकत्ता नाविकों के लिए जब उपलब्ध हो सरसों काले अथवा नारियल का अथवा मूंगफली का तेल ।

(छ) 25 ग्राम शोखा में से 18 ग्राम लाल मिर्च, धनिया, हल्दी, सरसों सूखा अथवा हरा लहसून, निर्जलीय अथवा सूखी गरी तथा 7 ग्राम गरम मसाला, अर्थात् दालचीनी, लौंग, इलायची, सफेद जीरा, काली मिर्च, खसखस, जायफल तथा जावित्री होगी । जब ताजी गिरी उपलब्ध हो तो वह सूखी या निर्जलीय गिरी के स्थान पर दी जायेगी ।

(ज) जब चूर्ण काफी की अपेक्षा तैयार काफी दी जाये तो इसका अनुपात 1:4 का होना चाहिए ।

(झ) जब पपीता, तरबूज आदि जैसे बड़े फल दिये जायें तो वह 115 ग्राम हो ।

(ञ) जहां ताजा दूध नहीं दिया जाता वहां हरेक को 100 ग्राम सुखाया हुआ दूध दिया जायगा ।

(ट) ऐसी अवधि के दौरान जब नौवहन, महानिदेशक द्वारा खाद्यान्न की कमी घोषित की जाये, जब अपेक्षित मात्रा में चावल उपलब्ध न हों तो चावल की प्रतिदिन की मात्रा में से 25 ग्राम कम कर दिये जायें और उनकी प्रतिपूर्ति के रूप में प्रतिदिन अन्य मदों की मात्रा में यथा निम्नलिखित वृद्धि कर दी जायेगी :

10 ग्राम ताजी मछली अथवा

5 ग्राम मांस, अथवा

50 ग्राम सूखी सब्जी अथवा

25 ग्राम ताजी सब्जी

(ठ) जब खाद्य सामग्री बन्द डिब्बों में दी जाये तो नाविक उपरोक्त के अनुसार मानक डिब्बों में निकटतम ग्राम वजन स्वीकार करेंगे ।

शीत मौसम माप

शीत मौसम में अतिरिक्त 10 ग्राम चाय तथा/अथवा काफी, 10 ग्राम चीनी और 5 ग्राम संघटित दूध प्रतिदिन दिया जायेगा । शीत मौसम में नीबूं का रस नहीं दिया जायेगा ।

"शीत मौसम" में यह माप

(1) अक्तूबर, मार्च महीने तक की अवधि में उत्तरी गोलार्ध में तथा एटलांटिक समुद्र में 30° एन के उत्तर तथा अन्य किसी जगह 24° एन के उत्तर में,

(2) मई से सितम्बर, तक की अवधि में दक्षिणी गोलार्द्ध में तथा 30° एस के दक्षिण में लागू होगा ।

[सं० एम० एस० ई० (9)/75–एम० टी०]

दीवान चन्द अहीर, अवर सचिव

(Merchant Shipping)

New Delhi, the 15th July, 1975

S. O. 2473.—In pursuance of clause (g) sub- section (2) of section 101 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) published under S.O. No. 2169, dated the 21st June, 1967 the Central Government hereby fixes the scales of provisions set out in the annexed schedule, to be the minimum scales which shall be supplied to the seamen engaged on ships on the Articles of Agreement approved by the Government of India, with effect from the Ist March, 1975.

SCHEDULE

Revised Scale of Provisions for Seamen signing of Indian Articles of Agreement (Foreign-Going).

1. Rice (a)	Daily	350 Grm
2. Flour or Atta and bread (bread to be made available daily, when practicable) (b)	Daily of which 80 grams shall be flour or atta.	160 ,,
3. Dal-Tur, Moong, Masoor or Split Peas (a)	Daily	80 ,,
4. Fresh Fish (whole) variety to be supplied, where available-Six days a week (c)	,,	110 ,,
5. Fresh Meat (with bones and normal fat-fat not be exceed 1/7th portion-Six days a week (d)	,,	170 ,,
6. Vegetables (e)	,,	345 ,,
7. Edible Oil (f)	,,	25 ,,
8. Ghee (Agmark or other good quality)	,,	45 ,,
9. Curry stuff (g)	,,	25 ,,
10. Tamarind or Cocum	,,	10 ,,
11. Salt	,,	25, ,
12. Pickle or Chutney	,,	15 ,,
13. Butter	,,	20 ,,
14. Jam	,,	10 ,,
15. Tea and/or Coffee (h)	,,	10 ,,
16. Sugar*	,,	40 ,,
17. Condensed Milk*	,,	35 ,,
18. Chicken-once a week (Eviscerated)	,,	225 ,,
19. Eggs	,,	1
20. Fruit (six days a week) (j)	,,	One whole piece or 115 Grms
21. Ice Cream-Once a week (when not supplied, fruit will be supplied)		115 Grms
22. Lime Juice*	Daily	15 ,,
23. Water	Weekly	28 Qrts.

FOR TANKERS

Fresh Milk (Homogenised or Ultra Heat treated milk)	,,	1 Pint.

NOTES:

When a seaman]s ill and off duty, biscuits, tea or coffee and sugar shall be given to him with arro-root or sage as needed.

(a) In bad weather, when unable to cook rice and Dal 185 Grams. of biscuits and additional 60 Grams. of sugar shall be substituted.

(b) When Bread is not supplied 160 Grams of flour or atta shall be supplied.

(c) When fresh fish is not available, tinned fish or pickled herrings shall be supplied on lieu of fresh fish, in the proportion 1 : 2.

(d) Mutton shall be supplied to seamen who decline to take beef or pork.

(e) Out of 345 Grams., 115 Grams. shall be Potatoes, 115 Grms. shall be Onions; 115 Grams Fresh vegetables like Beans, Brinjals, Brussels Sprots, Cabbage, Cauliflower, Ladies Fingers, Capsicium or Peas or suitable available alternatives shall be supplied in order to provide variety.

As far as possible, Tomatoes should be supplied at least once a week. The same vegetables should not be repeated on more than two consectutive days. When fresh vegetables are not available, dehydrated vegetables canbe supplied in the proportion 1 : 4.

(f) Til or Kardai oil for Bombay seamen; Mustard oil for Calcutta seamen whenever available; coconut or Groundnut oil otherwise.

(g) Out of 25 Grams of curry stuff, 18 Grms. should consisting of red chillies, corriander seeds, turmeric, mustard, dry or green garlic, desicated or dry coconut, and 7 Grams. 'Garam Masala i.e. cinnamon, cloves, cardamom, cummin seeds, black pepper, poppy seeds, nutmeg, and mace.. When fresh coconut is available, it shall be supplied in place of dry or desicated coconut.

(h) When instant coffee, is supplied instead of podered coffee, it should be in the proportion of 1:4.

(i) When large fruit such as Papaya, Water Melon etc. is supplied, it shall be 115 Grams.

(j) Where fresh milk is not supplied, 100 Grams. of dried milk will be supplied weekly.

(k) During such periods as may be declared periods of food grains scarcity by the Director General of Shipping, if and when rice is not availble in the quantities required, the daily scale of rice may be reduced in units of 25 grams and as compensation therefor the scale of other items shall be increased per day as indicated below:

10 Grams of fresh fish, or

5 grams of meat, or

50 grams of dry vegetables, or

25 grams of fresh vegetables.

(l) Whenever provisions are issued in tinned containers, the standard packings nearest to the grams weight as per above scale will be accepted by the seamen.

COLD WEATHER SCALE:

*In cold weather, an additional 10 grams. of Tea and/or Coffee, 10 grms. of sugar and 5 grams. of condensed milk shall be suppllied daily. No Lime Juice will be supplied in cold weather.

The Scale for 'Cold Weather' shall apply—

(i) In the Northern Hemisphere during the months of October to March inclusive and North of 30°N in the Atlantic Ocean and elsewhere North of 24°N.

(ii) In the Southern Hemisphere during the months of May to September inclusive and South of 30° S.

No. MSE (9)/75-MT]

D. C. AHIR, Under Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1975

का० आ० 2474.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड, इण्डियन कापर कम्पलेक्स, डाकघर मोसाबानी, जिला सिंहभूम (बिसहार) का सरकार के राजपत्रित अधिकारी के समतुल्य रैंक का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और आगे यह निदेश करती है कि उक्त सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की सीमाओं के भीतर रहते हुए उक्त अधिनियम द्वारा या उस के अधीन संपदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उस पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का नाम और पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं			
1	2			
श्री के० के० विद्यार्थी, कार्मिक और प्रशासन अधिकारी				
	प्लाट सं०	थाना सं०	क्षेत्रफल एकड़ में	अधिभोग किस प्रकार का है
मोसोबानी कालोनी	1335	162	147.30	अर्जित भूमि
और खान स्थल।	1493	162	6.36	,,
उत्तर निजी भूमि	1494 सड़क	162	0.37	,,
दक्षिण निजी भूमि	1511	162	28.95	,,
पूर्व निजी भूमि	1334	162	4.40	अनुज्ञात्मक कब्जा
पश्चिम निजी भूमि	1446	162	0.03	,,
	1447	162	0.03	,,
	1462	162	0.38	,,
	1510 भाग	162	0.24	,,
	428	163	54.25	अर्जित भूमि
	385	163	0.43	अनुज्ञात्मक कब्जा
	412	163	28.12	,,
	411 भाग	163	10.23	,,
	1561	164	0.54	,,
	1615	164	24.13	,,
	1616	164	0.33	,,
	1552 भाग	164	6.25	,,
	1557	164	0.30	,,
	1558	164	33.49	,,
	1559	164	0.07	,,
	1560	164	0.90	,,
	1612	164	0.12	,,
	1613	164	0.17	,,
	1614	164	1.15	,,
	1712	164	0.35	,,
	1	166	31.72	अर्जित भूमि
	21	166	19.10	,,
	25	166	10.15	,,
	33 भाग	166	0.20	अनुज्ञात्मक कब्जा
	40	166	42.86	अर्जित भूमि
	62	166	25.50	,,

	प्लाट सं०	थाना सं०	क्षेत्रफल एकड़ में	अधिभोग किस प्रकार का है
	95	166	26.60	अर्जित भूमि
	280	166	0.04	,,
	292 सड़क	166	0.16	,,
	631	166	0.05	अनुज्ञात्मक कब्जा
	632	166	0.15	,,
	633	166	0.17	,,
	635	166	0.04	,,
	758	166	82.50	अर्जित भूमि
	857	166	1.15	अनुज्ञात्मक कब्जा
लोको ट्रैक मोसाबनी से बादिया तक	उपलब्ध नहीं	166	2.2	,,
उत्तर मोसाबानी				
दक्षिण बादिया				
पूर्व निजी भूमि				
पश्चिम निजी भूमि				
पोर्टर शाफ्ट क्षेत्र	934 भाग	166	0.20	,,
उत्तर निजी भूमि	935	166	3.38	,,
दक्षिण खास भूमि	936	166	1.78	,,
पूर्व सड़क				
पश्चिम खास भूमि	2914 भाग	166	0.27	,,
विवियन शाफ्ट क्षेत्र	2284	166	0.22	,,
	2285	166	0.03	,,
उत्तर निजी भूमि				
दक्षिण निजी भूमि				
पूर्व निजी भूमि				
पश्चिम सड़क				
बादिया वेस्ट पास क्षेत्र	3953	166	0.63	अनुज्ञात्मक कब्जा
	2224 भाग	166	0.10	,,
उत्तर निजी भूमि				
दक्षिण निजी भूमि				
पूर्व खास भूमि				
पश्चिम खास भूमि				
अन्नान शाफ्ट क्षेत्र	2222 भाग	166	1.30	,,
उत्तर खास भूमि	2223 भाग	166	0.15	,,
दक्षिण खास भूमि	3390 भाग	166	5.18	,,
पूर्व खास भूमि				
पश्चिम सड़क				
बालू भरण स्थल	2717 भाग	166	9.00	,,
उत्तर निजी भूमि				
दक्षिण खास भूमि				
पूर्व सड़क				
पश्चिम खास भूमि				
ईंट क्षेत्र, पम्पस्टेशन तथा बालू पट्टा क्षेत्र	2909 भाग	166	6.15	,,
	2920 भाग	166	1.25	,,
उत्तर निजी भूमि	2948 भाग	166	2.40	,,
दक्षिण निजी भूमि	2957 भाग	166	0.05	,,

	प्लाट सं०	थाना सं०	क्षेत्रफल एकड़ में	अधिभोग किस प्रकार का है
पूर्व नदी का किनारा	2958 भाग	166	1.10	अनुज्ञात्मक कब्जा
पश्चिम निजी भूमि और नदी	2959 भाग	166	0.85	,,
	2960 भाग		0.23	,,
	2961 भाग	166	0.95	,,
	2962 भाग	166	4.08	,,
	2964 भाग	166	1.73	,,
	2969 भाग	166	0.13	,,
	2963 भाग	166	14.58	,,
	2905 भाग	166	5.30	,,
	2910 भाग	166	0.7	,,
	2911 भाग	166	0.2	,,
	2912 भाग	166	0.2	,,
	2913 भाग	166	0.10	,,
	2914 भाग	156	0.02	,,
	2915 भाग	166	0.25	,,
	2906 भाग	166	12.26	,,
	1599 भाग	165	0.77	,,
	1384 भाग	1083	0.47	,,
(पुराना रेखांक सं०)	281 भाग	168	5.49	,,
,,	282 भाग	168	9.47	,,
	353 भाग	168	3.70	,,
बालू स्टाक ढेर और बालू पट्टा	1563	165	0.63	निजी बस्ती
	1564	165	0.07	,,
	1565	165	0.29	,,
उत्तर खास भूमि	1566	165	1.08	,,
दक्षिण नदी का किनारा	1567	165	0.38	,,
पूर्व सड़क				
पश्चिम खास भूमि और नदी	1595	165	0.27	,,
	1596	165	0.65	,,
	1597	165	0.70	,,
	1598	165	1.06	,,
	1604 भाग	165	0.47	,,
	1605 भाग	165	0.52	,,
	1838 भाग	165	0.70	,,
	1599 भाग	165	15.55	अनुज्ञात्मक कब्जा
पुराना प्लाट सं०	1 भाग	168	19.57	,,
धोबानी फेल शाफ्ट क्षेत्र	1003	1096	0.06	,,
उत्तर	1004 भाग	1096	0.31	,,
दक्षिण	1050	1096	0.03	,,
पूर्व	1051	1096	0.08	,,
पश्चिम	1052 भाग	1096	0.76	,,
	सड़क	1096	0.10	,,
पाथरगोरा सं० 2				
शाफ्ट क्षेत्र	1142 भाग	160	0.06	,,
उत्तर खास भूमि				
दक्षिण खास भूमि				
पूर्व खास भूमि				
पश्चिम खास भूमि				

	प्लाट सं०	खाता सं०	क्षेत्रफल एकड़ में	अधिभोग किस प्रकार है
पाथरगोरा मुख्य शाफ्ट क्षेत्र	1035 भाग	160	0.05	निजी बस्ती
उत्तर निजी भूमि	1044 भाग	160	0.02	,,
दक्षिण निजी भूमि	1045 भाग	160	0.04	,,
पूर्व निजी भूमि	1048 भाग	160	4.93	अनुज्ञात्मक कब्जा
पश्चिम निजी क्षेत्र	1078 भाग	160	0.16	निजी बस्ती
	1079 भाग	160	1.33	अनुज्ञात्मक कब्जा
	1080 सड़क	160	0.28	निजी बस्ती
	1100 भाग	160	0.06	,,
	1101 भाग	160	0.02	,,
	1102 भाग	160	1.17	अनुज्ञात्मक कब्जा
	1138 भाग	160	0.87	निजी बस्ती
	1139 भाग	160	0.68	,,
	1140 भाग	160	0.32	अनुज्ञात्मक कब्जा
	1156 भाग	160	0.12	,,
पाथोरगोरा संवातन शाफ्ट क्षेत्र	760 भाग	160	0.27	,,
उत्तर निजी भूमि	761 भाग	160	0.23	,,
दक्षिण निजी भूमि				
पूर्व निजी भूमि				
पश्चिम सड़क				
सुरदा सं० 4 शाफ्ट क्षेत्र	114 भाग	102	1.73	,,
	115 भाग	102	0.13	,,
उत्तर खास भूमि	136 सड़क	102	0.07	,,
दक्षिण निजी भूमि	135 भाग	102	0.07	,,
पूर्व निजी भूमि	137 भाग	102	0.13	,,
पश्चिम निजी भूमि	138 भाग	102	0.25	,,
	139 भाग	102	0.25	,,
	140 भाग	102	0.10	,,
	141 भाग	102	1.02	,,
	142 भाग	102	0.02	,,
सुरदा कर्मकार कालोनी	103 भाग	102	0.55	,,
उत्तर खास भूमि	105 भाग	102	0.84	,,
पूर्व खास भूमि				
पश्चिम वन भूमि				
सुरदा शाफ्ट कालोनी और खान क्षेत्र	846 पुराना प्लाट सं०	101	55.18	,,
उत्तर वन भूमि	311	101	4.80	,,
दक्षिण वन भूमि	313	101	0.07	,,
पूर्व निजी भूमि	304 भाग सड़क	101	0.20	,,
पश्चिम वन भूमि	305	101	0.55	,,
	306 सड़क	101	0.10	,,
	307	101	0.23	,,
	277 भाग	101	2.33	,,
	278	101	0.05	,,
	279 सड़क भाग	101	0.07	,,
	280	101	0.35	,,
	281	101	0.22	,,
	285	101	0.01	,,
चीरुडीह शाफ्ट क्षेत्र		1098	1.05	,,
उत्तर वन भूमि				
दक्षिण वन भूमि				
पूर्व वन भूमि				
पश्चिम वन भूमि				

[फा० सं० 48013/10/73-एम ई टी III]

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Mines)

New Delhi, 5th July, 1975

S. O. 2474.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised, Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below being an officer of Hindustan Copper Ltd., Indian Copper Complex, Post Office Mosaboni, District Singhbhum (Bihar) of rank equivalent to a Gazetted Officer of Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, and further directs that he shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on the Estate Officer by or under the said Act within the limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Name and Designation of the Officer.	Categories of public premises/local limits of jurisdiction.
(1)	(2)
Shri K.K. Vidyarthi Personnel and Administrative Officer	*(Here incorporate what is contained in the annexure).*

ANNEXURE

	Plot No.	Thana No.	Area in acres.	Type of coccupation
Mosaboni Colony and Mine Site.	1335	162	147.30	Acquired land.
	1493	,,	6.36	,,
N Private Land	1494 Road	,,	0.37	,,
S ,,	1511	,,	28.95	,,
E ,,	1134	,,	4.40	Permissive possession
W	1446	,,	0.03	,,
	1447	,,	0.03	,,
	1462	,,	0 38	,,
	1510 Portion	,,	0.24	,,
	428	163	54.25	Acquired land
	385	,,	0.43	Permissive possession;
	412	,,	28.12	,,
	411 Portion	,,	10 23	,,
	1561	164	0.54	,,
	1615	,,	24.13	,,
	1616	,,	0.33	,,
	1552½ Portion	,,	6.25	,,
	1557	,,	0.30	,,
	1558	,,	33.49	,
	1559	,,	0.07	,,
	1560	,,	0.90	,,
	1612	,,	0.12	,,
	1613	,,	0.17	,,
	1614	,,	1.15	,,
	1712	,,	0.35	,,
	1	166	31.72	Acquired land.
	21	,,	19.10	,,
	25	,,	10 15	Permissive possession.
	33 Portion	,,	0.20	Acquired land
	40	,,	42.86	,,
	62	,,	25.50	,,
	95	,,	26 60	,,
	280	,,	0.04	,,
	292 Road	,,	0.16	,,
	631	,,	0 05	Permissive possession
	632	,,	0.15	,,
	633	,,	0.17	,,
	635	,,	0.04	,,
	758	,,	82 50	Acquired land.
	857	,,	1.15	Permissive possession.
Loco Track Mosaboni to Badia	Not available	166	2 2	Do.
N. Mosaboni				
S. Badia				
E Private Land.				
W Private land.				
Porter shaft Area	934 Portion	166	0.20	Permissive possession
N Private land	935 ,,	166	3.38	Do.
S Khas land	936 ,,	,,	1 78	Do.
E Road				
W Khas land	2914	,,	0.27	Do.
Vivian shaft area	2284	,,	0 22	Do.
	2285	,,	0 03	Do.
N Private land				
S Private land				
E Private land				
W Road				

	Plot No.	Thana No.	Area in Acres	Type of Occupation
Badia Waste Pass Area	3953	166	0.63	Permissive possession.
	2224 Portion	,,	0.10	,,
N Private land				
S Private land				
E Khas land				
W Khas land				
Annan Shaft area	2222 Portion	,,	1.30	Permissive possession
N Khas land	2223 ,,	,,	0.15	,,
S Khas land	3390 ,,	,,	5.18	,,
E Khas land				
W Road				
Sand Filling Station	2717 Portion	,,	9.00	Permissive possession
N Private land				
S Khas land				
E Road				
W Private land				
Brick Field, Pump Station and Sand lease area	2909 Portion	,,	6.15	,,
	2920 ,,	,,	1.25	,,
N Private land	2948 ,,	,,	2.40	,,
S Private land	2957 ,,	,,	0.05	,,
E River Bank	2958	,,	1.10	,,
W Private land and River	2959	,,	0.85	,,
	2960	,,	0.23	,,
	2961	,,	0.95	,,
	2962 Portion	,,	4.08	,,
	2964 ,,	,,	1.73	,,
	2969 ,,	,,	0.13	,,
	2963 ,,	,,	14.58	,
	2905 ,,	,,	5.30	,,
	2910 ,,	,,	0.07	,,
	2911 ,,	,,	0.02	,,
	2912 ,,	,,	0.02	,,
	2913 ,,	,,	0.10	,,
	2914 ,,	,,	0.02	,,
	2915 ,,	,,	0.25	,,
	2906 ,,	,,	12.26	,,
	1599 Portion	165	0.77	,,
	1384 ,,	1083	0.47	,,
(Old Plant No.)	281 Portion	168	5.49	,,
,,	282 ,,	,,	9.47	,,
	353 ,,	,,	3.70	,,
Sand stock pile and Sand Lease	1563	165	0.63	Private settlement
	1564		0.07	,,
	1565	,,	0.29	
N Khas Land	1566	,,	1.08	
S River bank	1567	,,	0.38	
E Road				
W Khas land & River	1595	,,	0.27	,,
	1596	,,	0.65	,,
	1597	,,	0.70	,,
	1598	,,	1.06	,,
	1604 Portion	,,	0.47	,,
	1605 ,,	,,	0.52	,,
	1838 ,,	,,	0.70	,,
	1599 ,,	,,	15.55	Permissive possession
Old plot No.	1 ,,	168	19.57	,,
Dhobani Fell shaft Area	1003	1096	0.06	Permissive possession
N	1004 Portion	1096	0.31	,,
S	1050	,,	0.03	,,
E	1051	,,	0.08	,,
W	1052 ,,	,,	0.76	,,
	Road	,,	0.10	,,
Pathargora No. 2 Shaft Area	1142 ,,	160	0.06	,,
N Khas Land				
S Khas Land				
E Khas Land				
W Khas Land				
Pathargora Main Shaft Area	1035 Portion	,,	0.05	Private settlement
N Private land	1044 ,,	,,	0.02	,,
S Private land	1045	,,	0.04	,,
E Private land	1048	,,	4.93	Permissive possession
W Private land	1078	,,	0.16	Private settlement
	1079 ..	,,	1.33	Permissive possession
	1080 Road	,,	0.28	Private settlement
	1100 Portion	,,	0.06	,,
	1101 ,,	,,	0.02	,,
	1102 ,,	,,	1.17	Permissive possession
	1138 ,,	,,	0.87	Private settlement
	1139 ,,	,,	0.68	,,
	1140 ,,	,,	0.32	Permissive possession
	1156 ,,	,,	0.12	,,

	Plot No.	Thana No.	Area in Acres	Type of cocupation.
Pathargora Ventilation Shaft Area	760 Portion	160	0.27	Permissive possession
N Private land	761 ,,	,,	0.23	,,
S Private land				
E Private land				
W Road				
Surda No. 4 Shaft area	114 ,,	102	1.73	,,
	115 ,,	,,	0.13	,,
N Khas Land	136 Road	,,	0.07	,,
S Private land	135 Portion	,,	0.07	,,
E Private land	137 ,,	,,	0.13	,,
W Private land	138 ,,	,,	0.25	,,
	139 ,,	,,	0.25	,,
	140 ,,	,	0.10	,,
	141 ,,	,,	1.02	,,
	142 ,,	,,	0.02	,,
Surda Worksmen colony	103 ,,	,,	0.55	,,
N Khas land	105 ,,	,,	9.84	,,
S Khas land				
E Khas land				
W Forest land				
Surda Staff Colony and Mine Site	846 Old Plot No.	101	55.18	,,
N Forest land	314 ,,	,,	4.80	,,
S Forest land	313 ,,	,,	0.07	,,
E Private land	304 Portion Road	,,	0.20	,,
W Forest land	305 ,,	,,	0.55	,,
	306 Road	,,	0.10	,,
	307	,,	0.23	,,
	277 Portion	,,	2.33	,,
	278	,,	0.05	,,
	279 Road Portion	,,	0.07	,,
	280	,,	0.35	,,
	281	,,	0.22	,,
	285	,,	0.01	,,
Chirudih Shaft Area		1098	1.05	,,
N Forest land				
S Forest land				
E Forest land				
W Forest land				

[F. No. 48013/10/73—Met. III]

का० आ० 2475.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड, इण्डियन कापर कम्प्लेक्स, डाक घर, घाटसिला, जिला सिंहभूम (बिहार) की सरकार के राजपत्रित अधिकारी के समतुल्य रैंक का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और आगे यह निदेश करती है कि उक्त सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की सीमाओं के भीतर रहते हुए उक्त अधिनियम द्वारा उस के अधीन संपदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उस पर अधिरोपित कर्त्तव्यों का पालन करेगा ।

सारणी

अधिकारी का नाम और पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
1	2
ब्रिगेडियर बी० जे० साहिलरमानी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी	(1) मौजा-मोऊभण्डार में अर्जित भूमि, थाना सं० 86, प्लाट सं० 308 और 698 क्षेत्रफल 453.59 एकड़ । सीमाएं : उत्तर में—रेलवे भूमि, दक्षिण में—सुवर्ण रेखा नदी, पूर्व में—हाटीजोबरा नाला, पश्चिम में—टूमांगडुगरी टोला । (2) मोऊभण्डार में क्रय की गई भूमि, थाना सं० 86, क्षेत्रफल 3.05 एकड़

1	2		
प्लाट सं०			
	54. चीरुडीह नालाधार क्षेत्रफल		0.40 एकड़
	55. यथोपरि–तालाब	,,	0.43 ,,
	56. यथोपरि–तालाबाार	,,	0.26 ,,
	57. यथोपरि–नाली	,,	0.07 ,,
	58. गोराबाद–गोरा I	,,	1.03 ,,
	59. मकान 4	,,	0.11 ,,
	60. प्रांगण	,,	0.30 ,,
	61. गोराबारी गोरा II	,,	0.37 ,,
	62. नाली	,,	0.08 ,,
	9 प्लाट		3.05 एकड़ ।

(3) तेरेंगा ग्राम में अर्जित भूमि
नदी तट—मोटर गैराज के लिए
थाना सं० 99,
प्लाट सं० 793 क्षेत्रफल 1.00 एकड़ ।

(4) मौजा गोपालपुर में क्रय की गई भूमि
थाना सं० 113 क्षेत्रफल 16.89 एकड़ ।

प्लाट सं०		क्षेत्रफल
618	(भाग)	0.24 एकड़
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.16 ,,
618	,,	0.24 ,,
618	,,	0.16 ,,
618	,,	0.16 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.16 ,,
618	,,	0.24 ,,
618	,,	0.16 ,,
618	,,	0.33 ,,
618	,,	0.16 ,,
618/806	,,	0.40 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,
618	,,	0.08 ,,

1	2	
	भाग	
618	,,	0.08 एकड़
639/1257	,,	0.44 ,,
809(807/809)		0.07 एकड़
639/1232		0.68 ,,
639/1263		0.65 ,,
639/1173		0.16 ,,
639/1174		0.14 ,,
639/1212		0.33 ,,
619/1254		1.14 ,,
639/1217		0.99 ,,
638		0.63 ,,
617		0.17 ,,
625/1267		0.30 ,,
639/1176		0.08 ,,
805		0.97 ,,
639/1255		0.70 ,,
620		0.13 ,,
804		0.78 ,,
804/1205		0.78 ,,
		12.83
(4) 797		0.54
798		0.26
799		0.30
800		1.79
619		1.00
621		0.17
		16.89

(5) मौजा मोऊभण्डार में कुटलूडीह टोला से राष्ट्रीय राजपथ तक नई सड़क—
क्षेत्रफल 1.35 एकड़
मौजा मोऊभण्डार
थाना सं० 86

प्लाट सं०	क्षेत्रफल
446	0.11 एकड़
445	0.09 ,,
444	0.15 ,,
443	0.12 ,,
441	0.09 ,,
440	0.10 ,,
430	0.08 ,,
428	0.07 ,,
427	0.05 ,,
422	0.03 ,,
423	0.06 ,,
424	0.02 ,,
417	0.12 ,,
	1.09 †

† वर्तमान नई सड़क का सन्निर्माण, दोनों योग और कीनालियों सहित 30 फुट चौड़ाई के आधार पर किया गया था ।

1	2

मौजा किटाडीह
थाना सं० 85

प्लाट सं०		क्षेत्रफल
1270		0.09 एकड़
1271		0.09 ,,
1272		0.08 ,,
	योग	0.26†
	कुल योग	1.35

†वर्तमान नई सड़क का सन्निर्माण, दोनों ओर की नालियों सहित 30 फुट चौड़ाई के आधार पर किया गया था ।

(6) ग्राम—बेनासोल (एस० बी० टी० संयंत्र के लिए)
थाना सं० 100
क्षेत्रफल 0.9968 एकड़

प्लाट सं०	क्षेत्रफल
818, 924, 925 } क्षेत्रफल	0.1207 एकड़
812, 819, 817 } क्षेत्रफल	0.503 ,,
962, 963 } ,,	0.1105 ,,
965, 967 } ,,	0.804 ,,
805 ,,	0.407 ,,
962 ,,	0.301 ,,
1008 ,,	0.604 ,,
807, 811 } ,,	0.509
809 ,,	0.808
807, 827 } ,,	0.108
828 ,,	0.407
822, 824, 825, 920, 921 } ,,	0.2404
922, 923, 925 } ,,	0.801
योग	0.9968 एकड़

प्लाट सं० 802-क्षेत्रफल-10 फुट × 108 फुट
918 ,, 0.30 बीघा

(7) बालू खनन पट्टा, मोऊभण्डार के साथ-साथ नदी तल का 113.50 एकड़ क्षेत्रफल

(क) मौजा—मोऊभण्डार
थाना सं० 86
प्लाट सं० 306 भाग
307
699 भाग

(ख) मौजा तेरेंगा
थाना-सं० 99
प्लाट सं० 795

(ग) मौजा बेनसोल
थाना सं० 100
प्लाट सं० 1010

(8) दक्षिण तट ट्रीटमेंट संयंत्र
मौजा—बेनासोल
थाना सं० 100
प्लाट सं० 832
क्षेत्रफल-माप 8.10 एकड़
सीमाएं :

उत्तर में प्लाट सं०	833
	821
	818
दक्षिण प्लाट सं०	818
	815
पूर्व प्लाट सं०	818
पश्चिम में सड़क	

(9) आकासी रज्जुमार्ग-एंगल-स्टेशन
मौजा—बेनासोल
थाना सं० 100
प्लाट सं० 813
क्षेत्रफल 0.56 एकड़

[फा०सं० 48013/10/73-एम ई टी-III]

आई० एम० भागा, निदेशक

S.O. 2475—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an Officer of Hindustan Copper Limited, Indian Copper Complex, Post Office Ghatsila, District Singhbhum (Bihar) of rank equivalent to a Gazetted Officer of Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, and further directs that he shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on the Estate Officer by or under the said Act within the limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Name and Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Brig. B.J. Tahilramani Chief Security Officer	(1) Acquired land in Mouza-Moubhandar, Thana No. 86 Plots Nos. 308 & 698 area 453.59 acres.

(1)	(2)
	Bounded on the North by Railway land South by River Subernarekha East by Hatijobra Nulla, West by Tola Tumangdungri

(2) Purchased land at Moubhandar Thana No. 86 area 3.05 acres. Plot Nos.

54—Chirudih Talabar, area—0.40 acres

55—Chirudih Talabar, area—0.43 acres

56—Chirudih Talabar area—0.26 acres

57—Chirudih Nali area—0.07 acres

58—Gorabad—Gora I area 1.03 acres

59—Makan 4 area 0.11 acres

60—Courtyard area—0.30 acres

61—Gorabari Gora II area 0.37 acres

62—Nali area—0.08 acres

9 Plots 3.05 acres

(3) Acquired land in Village Terenga, Riverside—for Motor Garage Thana No. 99

Plot No. 793 area—1.00 acre.

(4) Purchased land at Mouza-Gopalpur Thana No. 113, area 16.89 acres.

Plot Nos.	Area
618 (Portion)	0.24 Acres
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.16 ,,
618 ,,	0.24 ,,
618 ,,	0.16 ,,
618 ,,	0.16 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.16 ,,
618 ,,	0.24 ,,
618 ,,	0.16 ,,
618 ,,	0.33 ,,
618 ,,	0.16 ,,
618/806 ,,	0.40 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
618 ,,	0.08 ,,
639/1257,,	0.44 ,,
809(807/809)	0.07 ,,
639/1232	0.68 ,,
639/1263	0.65 ,,
639/1173	0.16 ,,
639/1174	0.14 Acres
639/1212	0.33 ,,
619/1254	1.14 ,,
639/1217	0.99 ,,
638	0.63 ,,
617	0.17 ,,
625/1267	0.30 ,,
639/1176	0.08 ,,
805	0.97 ,,
639/1255	0.70 ,,
620	0.13 ,,
804	0.78 ,,
804/1205	0.78 ,,
797	0.54 ,,
798	0.26 ,,
799	0.30 ,,
800	1.79 ,,
619	1.00 ,,
621	0.17 ,,
	16.89

(5) New Road to National Highway in Tola Kutludih within Mouza Moubhandar—area—1.35 acres. Mouza-Moubhandar Thana No. 86

Plot Nos.	Area	Acre
446	0.11	,,
445	0.09	,,
444	0.15	,,
443	0.12	,,
441	0.09	,,
440	0.10	,,
430	0.08	,,
428	0.07	,,
427	0.05	,,
422	0.03	,,
423	0.06	,,
424	0.02	,,
417	0.12	1.09*

Mouza Kitadih,

Thana No. 85

Plot Nos.	Area	Acre
1270	0.09 acres	
1271	0.09 ,,	
1272	0.08 ,,	0.26*
	Total	1.35

*The existing new Road was constructed on the basis of 30 ft. wide inclusive of drains on both sides.

(6) Village-Benasol (for S.B.T. Plant) Thana—No. 100, Area 0.9968 acres.

Plot Nos.		Acres	
818, 924, 925	area	0.1207	Acres
812, 819, 817	,,	0.503	,,

(1)	(2)	
Plot Nos.	Acres	
962, 963 area	0.1105	Acres
965, 967 ,,	0.804	
805 ,,	0.407	
962 ,,	0.301	
1008 ,,	0.604	
807, 811 ,,	0.509	
809 ,,	0.803	
807, 827 ,,	0.108	
828 ,,	0.407	
822, 824, 825, 920, 921 ,,	0.2404	
922, 923, 925 ,,	0.801	
Total:	0.9968	acres

Plot Nos.—802—area—10 ft X 10ft.
Plot Nos.—918—area—0.30 Bigha.

(7) Sand Mining Lease, area 113.50 acres of riverbed alongside Moubhandar.

(a) Mouza Moubhandar
Thana No. 86
Plots Nos—306 portion
307
699 portion

(b) Mouza Terenga
Thana No. 99
Plot No. 795

(c) Mouza Benasol
Thana No. 100
Plot No. 1010

(8) South Bank Treatment Plant
Mouza—Benasol
Thana No. 100
Plot No. 832
Area—measuring 8.10 acres.
Bounded on the North by Plots No.
833
821
818
Bounded on the South by Plots Nos.
818
815
Bounded on the East by Plot No.
818
Bounded on the West by Road.

(9) Aerial Rope Way angle-station
Mouza-Benasol
Thana No. 100
Plot No. 813

Area 0.56 acres

[F. No. 48013/10/73-Met-III]

I. M. AGA, Director

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1975

पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 के मामले में

और

राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के मामले में

का० आ० 2476.—भारत सरकार के भूतपूर्व शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ. 1955, तारीख 25 जून, 1962 की अनुसूची ख में दी गई स्कीम के पैरा 8 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महा समिति, राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान प्रशासन नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान प्रशासन (संशोधन) नियम, 1975 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान प्रशासन नियम, 1962 में,—

(क) नियम 4 के खण्ड (ख) के उपखण्ड (ii) की मद (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(1) मुख्य आयुक्त या उप राज्यपाल अथवा जहां मुख्य कार्यकारी पार्षद हो, वहां मुख्य कार्यकारी पार्षद"।

(ख) नियम 7 में, "दोबारा" शब्द के स्थान पर "एक बार" शब्द रखा जाएगा।

[सं० एफ० 12-8/74-एन०एस०-4]

एस० एम० एस० चारी, सचिव कोषाध्यक्ष

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 11th July, 1975

In the matter of Charitable Endowments Act, 1890

and

In the matter of Nation 'Foundation for Teachers' Welfare, New Delhi.

S.O. 2476.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of paragraph 8 of the scheme set out in Schedule B to the notification of the Government of India in the late Ministry of Education, No. S. O. 1955, dated the 25th June, 1962, the General Committee hereby makes the following rules further to amend the Administration of the National Foundation for Teachers' Welfare Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Administration of the National Foundation for Teachers' Welfare (Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Administration of the National Foundation for Teachers' Welfare Rules, 1962, —

(a) for item (1) of sub clause (ii) of clause (b) of rule 4, the following shall be substituted, namely :—

"(1) Chief Commissioner or Lieutenant Governor, or, where there is a Chief Executive Councillor, the Chief Executive Councillor", :

(b) in rule 7, for the word "twice", the word "once" shall be substituted.

[No. F. 12-8/74-NS. 4]

S. M. S. CHARI, Secy.-Treasurer

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

दिल्ली, 16 जनवरी, 1975

का० आ० 2477.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का XXXI) की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री हरीश चन्द्र चौधरी को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत अभिरक्षक को सौंपे गये

कार्यों को निष्पादित करने के लिए हरियाणा तथा गुजरात राज्यों के लिए तत्काल प्रभाव से निष्क्रान्त सम्पत्ति सहायक अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा० सं० 36016(1)/प्रशासन सेल/73]

डी० एन० असीजा, अवर सचिव

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 16th January, 1975

S.O. 2477.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950) the Central Government hereby appoints Shri Harish Chander Chaudhary as Assistant Custodian of Evacuee Property for the States of Haryana and Gujarat for the purpose of discharging the duties imposed on such custodian by or under the said Act, with immediate effect.

[F. No. 36016(1)/Admn. Cell/73]

D. N. ASIJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1975

का० आ० 2478.—पुनर्वास विभाग (सैटलमेंट विंग) में प्रतिनियुक्ति पर बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में कार्य कर रहे उत्तर प्रदेश राज्य (न्यायिक) सेवा के स्थायी अधिकारी श्री जी० सी० मोघा ने, अपने मूल राज्य को प्रत्यावर्तित होने तथा अतिरिक्त जिला एवं सेशन जज, मेरठ के पद का कार्यभार संभालने पर, 7 मार्च, 1975 के अपराह्न से इस विभाग में बन्दोबस्त आयुक्त के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

[सं० 5(4)/प्रशासन-II/70/प्रशासन सेल]

के० डी० अरोड़ा, बन्दोबस्त आयुक्त (प्रशासन)

पदेन अवर सचिव

New Delhi, the 4th April, 1975

S.O. 2478.—On his repatriation to his parent State Government, Shri G. C. Mogha, a permanent officer of U.P State (Judicial) Service on deputation to the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) as Settlement Commissioner, relinquished the charge of the post in this Department in the after-noon of 7th March, 1975 to assume the charge of the post of Additional District and Session Judge, Meerut.

[No. 5(4)/Admn. II/70/Admn. Cell]

K. D. ARORA ,Settlement Commissioner,

& Ex-officio, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 मई, 1975

का०आ० 2479.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या 1(100)/73-दण्ड, दिनांक 18 मई, 1974 के क्रम में राष्ट्रपति डा० मन मोहनदास की दण्डकारण्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में हुई नियुक्ति को प्रथमतः 1 मार्च, 1975 से तीन मास की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

[सं० 1(100)/73-दण्ड]

New Delhi, the 21st May, 1975

S.O. 2479.—In continuation of this Department's Notification No. 1(100)/73-DNK dated the 18th May, 1974 the President is pleased to extend the term of appointment of Dr. Mono Mohan Das, as Chairman of the Dandakaranya Development Authority with effect from 1st March, 1975 for a period of three months in the first instance.

[No. 1(100)/73-DNK]

नई दिल्ली, 31 मई, 1975

का० आ० 2480.—राष्ट्रपति, अधिसूचना संख्या 1(100)/73-दण्ड, दिनांक 21 मई, 1975 का अतिक्रमण करते हुए दण्डकारण्य विकास प्राधिकरण में डा० मनमोहन दास की अध्यक्षता के रूप में हुई नियुक्ति को 1 मार्च, 1975 से तीन मास की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

[सं० 1(100)/73-दण्ड]

कुसुम प्रसाद, निदेशक

New Delhi, the 31st May, 1975

S.O. 2480.—In pursuance of Notification No. 1(100)/73-DNK dated the 21st May, 1975, the President is pleased to extend the term of appointment of Dr. Monomohan Das, as Chairman of the Dandakaranya Development Authority with effect from 1st March, 1975 for a period of three months.

[No. 1(100)/73-DNK]

KUSUM PRASAD, Director

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1975

का०आ० 2481.—रेल यात्रियों पर सीमाकर अधिनियम, 1956 (1956 का 69) की धारा 2 के खंड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्थानों को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये "अधिसूचित स्थान" घोषित करती है।

2. यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1975 से प्रवृत्त होगी।

अनुसूची

(1) मथुरा जंकशन

(2) मथुरा छावनी

(3) भूतेश्वर

(4) वृन्दावन

(5) मसानी

[सं० एफ० एक्स 1-70/टी० एक्स/19/19-1]

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 22nd July, 1975

S.O. 2481.—In pursuance of Clause (c) of section 2 of the Terminal Tax on Railway Passengers Act, 1956 (69 of 1956), the Central Government hereby declares the places specified in the Schedule hereto annexed to be "notified places" for the purposes of the said Act.

2. This notification shall come into force with effect from the 1st September, 1975.

SCHEDULE

(1) Mathura Junction
(2) Mathura Cantonment
(3) Bhuteshwar
(4) Vrindavan
(5) Masani

[No. F(X)I-70/TX/19/19-I]

का०आ० 2482.—रेल यात्रियों पर सीमाकर अधिनियम, 1956 (1956 का 69) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार:—

(क) निःशुल्क जोन सीमा 49 किलोमीटर नियत करती है;

(ख) इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ II में वर्णित दरों को उस दर के रूप में नियत करती है, जिस पर उक्त अनुसूची के स्तम्भ I में विनिर्दिष्ट अधिसूचित स्थानों से या तक रेल द्वारा ले जाये गये सभी यात्रियों पर प्रत्येक रेल टिकट की बाबत (चाहे वह एक ओर का हो या वापसी टिकट) सीमाकर उद्ग्रहीत किया जायेगा; और

(ग) यह विनिर्दिष्ट करती है कि पूर्वोक्त सीमाकर 1 सितम्बर, 1975 से उद्ग्रहणीय होगा।

अनुसूची

I		II			
अधिसूचित स्थानों के नाम	श्रेणी	एक ओर के प्रत्येक टिकट पर सीमा कर की दर			
		वयस्क		12 वर्ष के बीच के बालक	
		अल्प दूरी वाले यात्री 50–242 किलोमीटर	लम्बी दूरी वाले 242 किलोमीटर से अधिक	अल्प दूरी वाले यात्री 50–242 किलोमीटर	लम्बी दूरी वाले यात्री 242 किलोमीटर से अधिक
		रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०
1. मथुरा जंकशन	वातानुकूलित श्रेणी प्रथमश्रेणी	0.75	1.00	0.35	0.50
2. मथुरा छावनी 3. भतेश्वर 4. वृन्दावन	वातानुकूलित (टू-टायर) शयन श्रेणी वातानुकूलित चेयर कार श्रेणी	0.60	0.75	0.30	0.35
5. मसानी	द्वितीय श्रेणी	0.15	0.20	0.05	0.10

स्पष्टीकरण:—वापसी टिकट पर सीमाकर इसमें नियत की गयी दरों से दोगुना होगा।

[सं० एफ० (एक्स) I-70/टी० एक्स-19/19-2]

ए० एल० गुप्त, सचिव

SO 2482.—In exercise of the powers conferred by section 4 and sub-section (1) of section 3 of the Terminal Tax on Railway Passengers Act, 1956 (69 of 1956), the Central Government hereby:—

(a) fixes the free zone limit at 49 Kilometres ;

(b) fixes the rates as amentioned in column II of the Scheduled hereto annexed as the rates at which terminal tax shall be levied in respect of every railway ticket (whether single or return) on all passengers carried by railway from or to the notified places specified in column I of the said Schedule; and

(c) specifies that the aforesaid terminal tax shall be leviable with effect from the 1st September, 1975.

SCHEDULE

I		II			
Names of Notified Places	Class of accommodation	Rates of Terminal Tax per single ticket			
		Adult		Children between 3 & 12 years	
		Short distance passengers 50-242 Kms.	Long distance passengers over 242 Kms.	Short distance passengers 50-242 Kms.	Long distance passengers over 242 Kms.
1. Mathura Jn.	Air Conditioned Class.	0.75	1.00	0.35	0.50
2. Mathura Cantt.	First Class.				
3. Bhuteshwar	Air Conditioned Sleeper Class	0.60	0.75	0.30	0.35
4. Vrindavan	Air Conditioned Chair Car Class.				
5. Masani	II Class.	0.15	0.20	0.05	0.10

Explanation : The terminal tax on a return ticketshall be double the rates fixed herein.

[No .F. (X) I-70/IX-19/19-II]
A. L. GUPTA, Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1975

का०आ० 2483.—वायुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उप नियम (2) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा सरकारी विमानन प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर के सरकारी विमानन अधिकारी को भी नियम 38 के खंड (क) और उक्त नियमों की अनुसूची II के खंड "ख" में निर्दिष्ट छात्र विमानचालक अनुज्ञप्ति की मंजूरी देने अथवा नवीकरण करने के लिए प्राधिकृत करती है और 2 जनवरी, 1971 के भारत राजपत्र के भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) के पृष्ठ 40 पर प्रकाशित भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 34, दिनांक 16 दिसम्बर, 1970 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि 11 के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात :—

"12. सरकारी विमानन अधिकारी,
सरकारी विमानन प्रशिक्षण संस्थान,
भुवनेश्वर ।"

[फा० सं० ए०वी०11016/1/75-ए/ए-आर/ 1937(1)/1975]
एस० एकाम्बरम, उप-सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th July, 1975

S.O. 2483—In pursuance of sub-rule (2) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby authorised the Government Aviation Officer, Government Aviation Training Insitute, Bhubaneshar also to grant or renew Studet Pilot's Licence referred to in clause (a) of rule 38 and in Section 'B' of Schedule II to the said rules, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 34, dated the 16th December, 1970, published at page 40 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 2nd January, 1971, namely :—

In the said notification, after entry 11, the following entry shall be inserted, namely :—

"12. Government Aviation Officer.
Government Aviation Training Institute,
Bhubaneswar."

[F. No. Av. 11016/1/75-A/AR/1937(1)/1975]
S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1975

का० आ० 2484.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्द्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तर सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उप-धारा (4) तथा धारा 16.

(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1953 (1953 का 11वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उप-धारा (3) तथा धारा 9.

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि०मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेन्ट्री फिल्म है
1	2	3	4	5	6
1.	"बम्बई इज ब्युटिफुल फार रैट्स"	37.80 मीटर	ट्राइओ फिल्म्स, बम्बई		डाकुमेन्ट्री (केवल बम्बई शहर के सिनेमाघरों में ही प्रदर्शन के लिए स्वीकृत)

[फा० सं० 28/7/73-एफ० (पी०), परिशिष्ट 1997]
के० पी० के० नायर, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 4th July, 1975.

S.O. 2484.—In pursuance of the directions issued under the provision of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendation of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1853 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Bombay is Beautiful for rats.	37.80 Metres.	Trio Films, Bombay.		Documentary Approved for exhibition in Bombay city only.

[F. No. 28/7/73-F(P) App. 1997.]
K.P.K. NAYAR, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली- 21 जुलाई, 1975

का०आ० 2485.—स्थाई आदेश संख्या 627 दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक के रूपनारायणपुर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-8-75 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-19/75-पी० एच० बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. & T. BOARD)

New Delhi, the 21st July, 1975

S.O. 2485.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th August, 1975 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Rupnarayanpur Telephone Exchange West Bengal Circle.

[No. 5-19/75-PHB]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1975

का० आ० 2486.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कमारेड्डी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-9-75 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/75-पी०एच०बी०]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

New Delhi, the 24th July, 1975

S.O. 2486.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S. O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-9-75 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kamareddy Telephone Exchange, Andhra Circle.

[No. 5-6/75-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th July, 1975

S.O. 2487.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs S. R. Pusalkar and Company, Bombay-1 and their workman Shri Moodbidri Padmanabha Prabhu, which was received by the Central Government on the 14th July, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY.

PRESENT :

Shri B. Ramlal Kishan, I.L.M. Bar-at-Law, Presiding Officer.

Reference No. C.G.I.T.-2/2 of 1973

Employers in relation to the Management of Messrs S. R. Pusalkar and Company, Bombay-1.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the employers : Shri Y. N. Joshyulu, Advocate

For the workman : Shri S. V. Kharkar, Advocate

Industry : Ports and Docks State : Maharashtra

Bombay, the 8th June, 1975.

AWARD

By order No. L-31012/3/72-P&D dated 9th March, 1973 the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Messrs S. R. Pusalkar and Company, Bombay and their workman Shri Moodbidri Padmanabha Prabhu in respect of the matter specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs S. R. Pusalkar and Company, National Seamen's Union Bldg., 4, Goa Street, Ballard Estate, Bombay-1 in orally terminating the services of Shri Moodbidri Padmanabha Prabhu with effect from the 20th September, 1971 is justified ? If not to what relief is the workman entitled ?"

2. The workman in his claim statement states that :—

(i) He joined the Partnership concern of Messrs S. R. Pusalkar & Co. on 14-4-1969 as a workman on permanent basis on salary of Rs. 300 per month from April to 31-8-1969. He was not delivered with an appointment letter mentioning the terms and conditions. Somewhere in the month of August, 1969 the General Manager of the Company made an application to the Bombay Port Trust for the purpose of issuing a Dock Entry Pass in the name of workman and made it clear in the application that the workman was in their permanent employment with the designation of an Assistant Manager. He was not at all confirmed with effect from 13-4-1970 on the day on which he completed one year's service. His salary was raised from Rs. 325 to Rs. 410 with effect from 1-1-1971.

(ii) He was not paid the salary due to him from the company for the period he had worked and was on leave i.e. from 1-8-1971 to 20-9-1971. He was not paid bonus, conveyance charges due to him and Dearness Allowance. He was also not given 'N' Card to know how much leave was to his credit.

(iii) The workman went to the office on 20-9-1971 with a fitness Certificate and joined duty but to his surprise he was not given any work and he was made to sit idle in the office by one Shri C. S. Umbralkar the then staff Superintendent, who orally informed the workman that his services have been terminated with immediate effect. The workman then personally approached Shri V. N. Dixit, the Partner of the company and he too confirmed the said oral orders.

(iv) Immediately after his discharge he approached the Transport and Dock Workers' Union, who took up the matter with the management and later on with the Assistant Labour Commissioner (C), Bombay. As he did not hear anything from the Union he took up the matter with the Assistant Labour Commissioner under Section 2-A of the I.D. Act.

(v) The workman prays before this Tribunal to pass necessary orders against this statement of claims for the reinstatement with such other benefits as the workman is at present unemployed and cannot secure any employment at the present stage.

3. The company in its written statement states that :—

(i) The reference in question is bad in law. There was no demand by the workman made to the company seeking relief claimed under the present reference. Therefore the reference is bad in law and untenable.

(ii) There is no industrial dispute in existence in respect of which the present reference could be made.

(iii) Shri Prabhu is not a workman as defined under the Industrial Disputes Act. He was never in its employment. The relation of employer and employee never existed between the company and the workman.

4. Without prejudice to the above contentions the company states :—

(i) The company denies that Shri Prabhu joined the company as a workman on 14-4-1969 or any other

date on a permanent basis. It denies that Shri Prabhu was paid at the rate of Rs. 300 per month upto the end of 31st August, 1969. There is no truth in any of the contentions raised in the said para. In the circumstances the question of delivering an appointment letter did not arise. The company denies that it never confirmed its employees in service.

(ii) That sometime in 1969 its General Manager made an application to the Bombay Port Trust for the purpose of issuing a Dock Entry Permit in the name of Shri Prabhu and in that application Shri Prabhu's designation was 'Assistant Manager', but denies that in the said application it was made clear that the said Shri Prabhu was in the company's permanent employment. During the year 1969 to 1971 Shri Prabhu was entrusted with the work of settling the company's claims against the Bombay Port Trust etc. on a contract basis and for carrying out the said assignment Shri Prabhu was required to visit the Bombay Port Trust Dock Office and for the same he required a Dock Entry Permit.

(iii) As Shri Prabhu was never in its employment, the question of giving him any salary or less salary than what was prescribed under any Award did not arise.

(iv) The question of Shri Prabhu going on leave from any day to any day did not arise as the company had no knowledge about the alleged treatment undergone by him and had no knowledge about the alleged fitness Certificate. The company denies that Shri Prabhu reported for duty on 20-9-1971 or on any other day. In the circumstances the question of not giving him any work or making him to sit idle by any one did not arise.

(v) The company denies that Shri C. S. Umbralkar informed Shri Prabhu at any time that his services have been terminated, that too orally. It also denies that Shri Prabhu approached its partner Shri V. N. Dixit regarding the alleged termination of his services.

(vi) The company denies that Shri Prabhu was entitled for any salary from it at any time and in respect of any period, or for any bonus or Conveyance Charges or for any dearness allowance. There was no question of giving any 'N' Card to Shri Prabhu as he was not in its employment.

(vii) Sometime in the month of September, 1971, it received a leter from the Transport and Dock Workers' Union, Bombay regarding the alleged termination of the services of Shri Prabhu. As the Transport and Dock Workers' Union did not press its demand for reinstatement of Shri Prabhu the demand raised by the Transport and Dock Workers' Union, was closed by the Assistant Labour Commissioner.

(viii) There was no question of Shri Prabhu being removed from service with effect from 1-9-1971 as alleged by him. He is not entitled to claim any money or other benefits on any account from it. He is also not entitled to claim either reinstatement in Service or any other benefits from the company. The reference be rejected in toto.

5. The workman in his rejoinder says that:—

(i) It is totally denied that the present dispute is bad in law. Demand for reinstatement was made orally by the applicant with Shri C. S. Umbralkar the then Staff Superintendent and also with Shri V. N. Dixit Partner of the company as has been made crystal clear in the application made to the A.L.C.(c), Bombay. The demand was raised by the Transport and Dock Workers' Union, Bombay by its letter No. TD/31/2009/71 dated 30-9-1971. As he was not knowing what the Union had done regarding the present dispute he raised the present dispute under Section 2A of the I.D. Act, 1947. The present dispute is an industrial dispute as defined under Section 2K of the I.D. Act, 1947 as it relates to non-employment read with Section 2A.

(ii) He was drawing Rs. 410/- as the salary at the time of wrongful oral termination and the said figure is within the limits stated under Section 2s of the I.D. Act.

(iii) The entire statement of the company at para 7 of the written statement is false, baseless and contains ulterior design with evil intention. He will be able to prove that he was neither a Representative nor a Contract Labourer. He was an employee of the company drawing regular salary at monthly intervals except the last two at the time of wrongful termination. The workman with the help of the true copy of the letter dated 1-10-1971 addressed by the company to the Docks Manager, Bombay will be in a position to prove that he was under the employment and his services were terminated wrongfully with antidated effect i.e. 1-9-1971 even-though he joined the company after the expiry of leave that is on 20-9-1971. This letter will definitely prove that the company are totally wrong in handling the workman and the present dispute. The company is wrong in not delivering the 'N' Form to him as he was under the Employment of the company. The workman craves leave to prove that he was under the employment of the company and he has to be reinstated with full back wages and other benefits. He was an employee of the company and he was holding the Claims Department. There were Assistants to the workman to get the work done such as Typist, Clerk etc. exclusively for the use of his work of the company. When all these assisting employees are the employees of the company how can the workman be separated from them as well as from the department which is a wing of the entire company. The company cannot twist their own stand earlier taken by them when the workman was serving them. The company has not entrusted any ad-hoc work. Neither it has paid any lump sum nor on contract basis or piece rate basis but by paying regular salarly as has been brought to the notice of this Tribunal on the cash vouchers of the company with properly stamped receipts at the cost of the workman.

6. The company amended its written statement by adding the following para.

"(4A) Without prejudice to each of the above contentions, the company submits that the reference in question is bad in law and untenable. The company submits that the reference in question is made to the Honourable Tribunal under Section 2A read with Section 10(1) of the Industrial Disputes Act. The company submits that section 2A read with Section 10(1) of the Industrial Disputes Act is discriminatory in character and is void and unconstitutional. Any reference given or steps taken thereunder are therefore illegal and untenable. In the circumstances, the company submits that the Honourable Tribunal may be pleased to reject the Reference."

7. The company submits that it is not permission for Shri Prabhu to raise fresh plea in the rejoinder and the Court be pleased to strike of the said statement from the records of the court.

8. The workman examined himself as a witness. He also examined one Shri A. R. Chavan on his behalf. Shri K. K. Rai, Assistant Labour Commissioner (C), Bombay has given evidence. The company has examined S/Shri Vasant Narayan Dikshit and Chandrakant Umbralkar in its behalf. The workman also examined Shri K. A. Sheikh, Asstt. Secretary Transport and Dock Workers' Union Bombay. The company produced documents at Exhibit 9/E to 12/E and E-20. The workman has produced documents at Ex. 3/W to 7/W and Ex. W-22 to W-24.

9. A preliminary objection is raised by the management that the reference is bad in law as there was no demand made by the workman on the management seeking reinstatement prior to the present reference. Relating to the preliminary

objection the workman examined himself and one Shri A. R. Chavan as witness. The workman Shri Prabhu says in his evidence that he knows the management of Messrs S. R. Pusalkar and company, who are carrying on the business of clearing and forwarding agency. He further says that he joined the company on 14-4-1969 as Asstt. Manager on monthly pay of Rs. 300 and served till 20-9-1971, and from 17-8-1971 he was on leave till 19-9-1971. He says that he sent three applications for leave and resumed duty on 20-9-1971 at the new premises of the company and on that day he drafted 7 letters but at about 11.00 or 11.30 A.M. Shri C. S. Umbralkar the then Staff Superintendent told him that he has no work from the next day and that he should go away from that day and he immediately contacted Shri Dixit one of the partners of the company, who confirmed the same thing. He further says that he therefore went away from the company and thereafter contacted the Transport and Dock Workers' Union and he represented his case to the Union and the Unions representative Shri Shaikh told him that they will take up his case against the management. He further says that on 21-9-1971 he wrote a letter to the General Manager. M/s. S. R. Pusalkar and Co. making grievances regarding termination of his service and asking to reinstate him with continuity of service and back wages and gave a copy of his letter to the Union on 21-9-1971. He says that he had sent this letter to the Company but he does not remember whether he posted this letter and he does not remember whether he sent this letter to the company. He further states that the Transport and Dork Workers Union took up the dispute with the management by letter dated 30-9-1971 asking the company to reinstate him with continuity of service and back wages. He has produced a copy of the letter at Ex. 6/W. Later on he went twice to the Union. They gave him a copy of the letter EX. 6/W thereafter they did not inform him anything. Somewhere on 15-9-1972 he approached the Conciliation Officer under sec. 2A of the I.D. Act to redress his grievances. The conciliation officer took up his dispute and tried to bring about conciliation by calling both the parties, but he did not succeed in bringing about the settlement. The conciliation officer submitted failure of concillation report to the Government. On account of this report the Government referred the present dipute on 9-3-1973. He also told S/shri Umbralkar as well as Shri Dixit not to remove him from service on 20-9-1971.

10. The Assistant Labour Commissioner (C), Bombay has produced two filed concerned with the dispute hearing Nos. P. Con. III. 451(16)/72 and B-Con. 451(177)/72. He says that both the proceedings were conducted by him and he was requested by the Union to keep the dispute closed for the time being as the employee was not available and the order dated 28-2-1972 on Exhibit E4/A is made by him. He further states that he registered a fresh dispute on the application of the workman dated 15-9-1972. Letter dated 30-9-1971 addressed to the management by the Secretary of the dispute waes espoused by the Union and the dispute raised before him in the earlier proceedings started at the instance of the Union. He further says that in the first proceedings the dispute was espoused by the Union and the dispute raised in the second proceedings as well as in the first proceedings are the same, and the note otherwise dated 28-2-1972 on Ex.14/A means otherwise disposed of and if the file is closed, they may not necessarily make the remark closed. He clarified that otherwise means that no settlement is arrived at, no failure report is sent. that the proceedings are disposed of otherwise and it also means otherwise closed.

11. Shri A. R. Chavan, witness of the workman says in his evidence that he knows M/s. S. R. Pusalkar and Co. and he was working as typist in this company from February 1970 till February 1972. He states that he was not given any written appointment order but he was given oral order for joining the duties. He also says that he knows Shri M. P. Prabhu because he was working in the company and he was working in the company since before him and he used to draft the letters and hand over to him for typing. He says that Shri Prabhu used to visit office like B.P.T. and Docks. On every darft prepared by Shri Prabhu he used to put his initials and he used to initial the correspondence typed by him. The practice was that while typing the correspondence although the drafts were prepared by Shri Prabhu he used to type his initials to show that the draft was put by him and his initials also to show that the same was typed by him. The correspondence used to be signed by the General Manager. He says that to his knowledge Shri Prabhu came to office on 20-9-1971 and after coming to the office he draft some letters and the witness typed the same. He also says that Shri Umbralker Manager used to sit in front of him outside the cabin. He says that Shri Umbralkar asked Shri Prabhu not to come for work as there was no work from the next day and Shri Prabhu requested Shri Umbralkar to retain him, but Shri Umbralkar asked him to see Shri Dixit, who is partner of the company. Therefore Shri Prabhu went in the cabin to see Shri Dixit. He does not know what happened thereafter but after returning from the Cabin Shri Prabhu told him that Shri Dixit also told him not to come for work from the next day.

12. The workman also examined Shri K. A. Shaikh, Asstt. Secretary of the Transport and Dock workers' Union, WW-2. He produced a letter exhibit W-24 received by the Union. He says that as the letter was handed over to him personally he did not make the endorsement as to the date of receipt of the letter and as the letter might have been handed over to him he did not put the stamp. He also says that he was conducting the proceedings before the Asstt. Labour Commissioner (C) Bombay and as the workman was not available he told the Asstt. Labour Commlssoner (C) that the workman was not available and the proceedings may be closed.

13. The company examined Shri Vasant Narayan Dixit at EW-1. He says that he is a partner with the Pusalkar & Co. He also says that it is not true that on 20-9-1971 Shri Prabhu approached him and told him that Shri Umbralkar told him not to come to work the next day and Shri Prabhu did not tell him that he should be taken back in service on 20-9-1971 and Shri Prabhu did not approach him on 20-9-1971. He received Ex. E-20, which is a letter dated 30-9-1971 received by him from the Union. EW-2 Shri Chandrakant Umbralkar says in his evidence that he was working with the Pusalkar & Co. from 1961 to June 1973 and on 20-9-1971 he did not tell Shri Prabhu that there was no work for him and therefore he should not come to work the next day. Shri Prabhu did not meet him on 20-9-1971 as he stopped coming to the company from August, 1971. There was one Shri A. R. Chavan working with the company and Shri Chavan used to sit about 7-10 tables away from his table and he was sitting at one corner and Shri Chavan was sitting at the other corner, at a distance of 100 ft. from him. It was not possible to hear the conversation of Shri Chavan if some one was sitting with him. If some one was discussing with him it was not possible for Shri Chavan to hear the conversation. He also says that he was Export Manager while working with Pusalkar Co.

14. Two preliminary issues arise for consideration at this stage in view of the stand taken by the employer (i) whether Shri Moodbidri Padmanabha Prabhu raised any valid demand with the management and (ii) whether the reference is incompetent as alleged in para. 1 of the written statement.

15. It is contended before me by the learned counsel for the employers that as no demand was made by the workman on the company seeking reinstatement in service, it does not become an industrial dispute and this Tribunal has no jurisdiction to entertain the reference. It is contended that the reference is bad in law and it should be rejected. It is also contended by the learned counsel for the employers that the industrial dispute raised by the Transport and Dock Workers' Union with the Assistant Labour Commissioner (C), Bombay by its letter dated 10-1-1972, the proceedings before the Assistant Labour Commissioner (C) were closed. Fresh dispute was raised by the workman before the Assistant Labour Commissioner (C) as shown in exhibit 15/A and no demand was made by the workman against the management before the commencement of the conciliation proceedings and therefore no industrial dispute existed before the Government referred this dispute to this Tribunal. On the other hand the learned counsel for the workman contends that under Section 2(k) of the I.B. Act industrial dispute continued even after the closure of the conciliation proceedings on 20-12-1972. The dispute raised in Ex. 15/A was not a fresh dispute but a continuation of the dispute which was sponsored by the Transport and Dock Workers' Union before the Assistant Labour Commissioner (C), Bombay on 10-1-1972. It is then argued by the learned counsel for the workman that making a reference is an administrative

act and the fact that it has to form an opinion as to the factual existence of the dispute as a preliminary step to discharge its functions does not make it any the less administrative in character and the Court cannot canvass the order closely as if it was a judicial or quasi judicial act; that while it will be open to a party to impugn an award on the ground that what was referred was not an industrial dispute, the fact of its existence and propriety of reference were matters entirely for Government and a court cannot quash the proceedings merely because in its opinion, Government had no material to come to that conclusion.

16. The learned counsel for the workman relying on State of Madras v. C. P. Sarathy, A.I.R. 1953, S.C. 53 urges that all along the company knew during the conciliation proceedings which were commenced by the Transport and Dock Workers' Union about the nature of the dispute and no fresh demand was necessary. It is argued that the Assistant Labour Commissioner (C) has stated in his evidence that he had called the parties for discussions after the receipt of the letter dated 10-1-1972 from the Transport and Dock Workers' Union. Attention is also invited to the evidence of EW-1 that the company has taken part in the conciliation proceedings before the Assistant Labour Commissioner and he was not prepared to reinstate Shri Prabhu when asked during the conciliation proceedings and in the conciliation proceedings Shri Umbralkar was appearing before the Assistant Labour Commissioner and Shri Umbralkar appeared before the Assistant Labour Commissioner on 17-11-1972 and 18-12-1972 and he was kept informed of these proceedings and the dispute was first discussed with the Assistant Labour Commissioner (C). EW-2 deposes that he attended the dispute between the company and Shri Prabhu before the Assistant Labour Commissioner (C) about the reinstatement of Shri Prabhu with back wages but the company was not prepared to accede to this demand and this stand was clarified by the company before the Assistant Labour Commissioner (C). It is canvassed that this evidence clearly show that the company was aware of the demand made by the workman about reinstatement and no separate demand by the workman was necessary. The learned counsel for the workman contends that in this case even assuming that fresh demand was necessary it was orally made by the workman as it is apparent from the evidence of the workman and his witness. It is canvassed that the evidence of Shri Chavan supports that oral demand was made to the management and this fact is recited in exhibit E-20. It is mentioned in that letter Ex. E-20 when Shri Prabhu resumed duty on 20-9-1971 Shri C. S. Umbralkar told him not to attend duty for next day and therefore Shri Prabhu approached Shri V. N. Dixit, Partner of the company but he also supported Shri Umbralkar's order. It is also pointed out by the learned Counsel for the workman that demand was made by the workman by his letter dated 21-9-1971 and copy was sent to the Transport and Dock Workers' Union as shown in exhibit W-24. It is therefore submitted that there is no substance in the preliminary objections raised by the employers and the reference is good in law.

17. The question now poses for determination in whether Shri Prabhu raised a demand with the management and whether the reference is competent. The Delhi High Court, 1973, II, LLJ, 307 held that the first question is a preliminary issue of jurisdiction. The object of the Industrial Disputes Act, 1947 is to provide for 'the investigation and settlement of industrial disputes'. An industrial dispute as defined in S. 2(k) of the Act exists or is apprehended before it could be considered by the conciliation officer under S. 12 of the Act and then referred to the Labour Court by the appropriate Government under S. 12(5) read with S. 10(1) of the Act. The concept of industrial dispute' is that a demand is made by the workman and is rejected by the employer. It is this demand and rejection which constitutes a dispute between these two parties following the judgement of the Supreme Court in Sindhu Resettlement Corporation Ltd. v. Industrial Tribunal of Gujarat (1968-I LLJ. 834) A.I.R. 1968 S.C.529 the Division Bench of Delhi High Court in Fedders Lloyd Corporation (P) Ltd. v. Lt. Governor, Delhi, A.I.R. 1970 Delhi 60, held that an industrial dispute could not be said to exist unless and until a demand was made by the workman on the employer and it was rejected by the employer. Their Lordship observed that if the workman does not make a demand on the employer but directly goes to the conciliation officer then, even if the demand is made before the conciliation officer and is not acceded to by the employer in the conciliation proceedings, it could not be said that in 'industrial dispute' within the meaning of S. 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947 existed between the workman and the employer. Though the reference is made by the Government on a consideration of the report of the conciliation officer under S.12(5) of the Industrial Disputes Act, 1947 the power of the Government to make the reference is derived from S. 10(1) of the said Act which reads as follows :—

"Where the appropriate Government is of opinion that any industrial dispute exists or is apprehended, it may at any time, by order in writing—

(a) refer the dispute to a Board for promoting a settlement thereof; or

(b) refer any matter appearing to be connected with or relevant to the dispute to a Court for inquiry; or

(c) refer the dispute or any matter appearing to be connected with or relevant to the dispute, if it relates to any matter specified in the Second Schedule, to a Labour Court for adjudication."

The only basis of the jurisdiction of the Labour Court is the reference of the dispute made to it by the Government. If the Government does not make a reference, the Labour Court does not get the jurisdiction to adjudicate on an industrial dispute under S. 7 of the Industrial Disputes Act, 1947. The subject matter of the dispute may relate to any of the matters specified in the Second Schedule to the Act. These are within the exclusive jurisdiction of the Labour Court. But the factum and legality of the reference fall outside the subject matter of the dispute and is, therefore, not a matter which falls within the exclusive jurisdiction of the Labour Court. The question whether a demand was raised by the workman with the employer and was rejected by the employer is a jurisdictional fact being part of the definition of 'industrial dispute' which must exist before the reference can be made by the Government. The challenge to the legality of the reference by the employer both before the Labour Court and in this Court based on the ground that no industrial dispute existed within the meaning of S. 2(k) of the Act.

18. The Supreme Court in the Jaipur Udyog Ltd. v. The Cement Work Karamchari Sangh, Sahu Nagar-1972, I, LLJ, 437 following the decision in the Sindhu Resettlement Corporation Ltd. v. The Industrial Tribunal of Gujarat and others, 1968, I, LLJ, 834 held that unless a dispute was raised by the workman with their employer it could not become an industrial dispute. These two decision of the Supreme Court therefore finally establish beyond doubt that a mere demand on the Government without a demand on their employers cannot become an industrial dispute. The above decision also establish beyond doubt that the legality of a reference can be inpugned by disproving its factual basis. These two decision of the Supreme Court were followed by the Delhi High Court in Delhi Transport Corporation v. Delhi Administration and others 1973 II., LLJ, 307. It is true that in the State of Madras v. C. P. Sarathy, 1953, I, LLJ, 174 the Supreme Court had observed that the Government acting under Section 10(1) is doing administrative act and the fact that it has to form an opinion as to the factual existence of an industrial dispute cannot be question by the Court while it is open to the employers to show that what was referred by Government was not an industrial dispute within the meaning of the Act. But in Newspapers Ltd. v. State Industrial Tribunal, U.P., A.I.R. 1957 S. C. 532, it was held that the rights of an aggrieved party to show that what was referred was an industrial dispute at all even though the factual existence of a dispute may not be subject to such a challenge. Did the Supreme Court intend to exclude judicial review of facts in testing the legality of a reference under S. 10(1) of the Industrial Disputes Act. 1947? With great respect, it appears that no such rigid conclusion was reached by the Court in the above mention two decisions. In C. P. Sarathy's case (supra) the contention of Prabhat Talkies was that no dispute existed between them and their workmen and therefore, they should not have been included along with the other cinema theatres in the reference made by the Government to the Industrial Tribunal. This contention was negatived by the Court on two grounds. Firstly, it was said that the Labour Commissioner's report showed that an industrial dispute existed between the management and the employees of the cinema theatres. Secondly, reference could

be made even when a dispute was apprehended (though it may not be existing) and therefore, Government had jurisdiction to make reference even in respect of the Prabhat Talkies. In the case before me, the question of dispute being apprehended did not arise at all. Either the dispute existed or it did not. In C. P. Sarathy's case (supra) a dispute was apprehended and it was not, therefore, necessary to decide if it existed. In Newspapers Ltd., v. State Industrial Tribunal (supra) the question was purely one of law, namely whether the dispute between a single workman and the employer was an 'industrial dispute'. It would appear, therefore, that neither of these two decisions finally establish that judicial review of the factual basis of the reference was precluded in all circumstances. The observations pointing in that direction may, therefore, be respectfully regarded as obiter. However, in view of the decision of the Supreme Court in Sindhu Resettlement Corporation Ltd. v. Industrial Tribunal, 1968-I, LLJ 834 it will be futile to discuss the matter any further. It is now finally established by the Supreme Court that a mere demand to the Government without a dispute being raised with the employer cannot become an industrial dispute.

19. In this case before me the Transport and Dock Workers' Union had made a demand on the company under Ex. E-20 dated 30-9-1971 in which they asked the management to reinstate Shri Prabhu with full back wages and difference of arrears and continuity of service at the earliest or the Union will be compelled to forward the issue with the appropriate authority to secure justice to Shri Prabhu. The Transport and Dock Workers' Union then approached the Assistant Labour Commissioner (C) by its letter dated 10-1-1972, which is found in file Ex. 14/A enclosing a copy of the Union's letter dated 30-9-1971 addressed to the employer stating that the management failed to reply its letter till that day in spite of its waiting for a consideration time and therefore requested the ALC (C) to admit the matter in conciliation and advise the Employer concerned to reinstate Shri Prabhu with full back wages, difference of arrears of wage and continuity of service. The Assistant Labour Commissioner (C) Bombay issued notice to the employer on 8-2-1972 in which the employer was informed that the Assistant Labour Commissioner (C) Bombay proposed to hold/resume joint discussions and if need be also to initiate conciliation proceedings in the dispute on 17-2-1972 at 11.00 hours. On 28-2-1972 the Assistant Labour Commissioner (C) made remark on Ex. 14/A stating that he talked to Shri Sheikh of the Union the employee is not available and therefore they would like the dispute to be closed for the present.

20. The Assistant Labour Commissioner (C) Bombay in his evidence deposes that after he made the remark on 28-2-1972 on Ex. 14/A the Transport and Dock Workers' Union did not approach him in this matter again. He further says that the Secretary told him that as the applicant is not available the matter may be closed for the time being. WW-2 on the other hand states in his evidence that he was conducting the proceedings before the Asstt. Labour Commissioner (C), Bombay and as the workman was not available he told the Asstt. Labour Commissioner (C) that the workman is not available and the proceedings may be closed. After the closure of the proceedings it was not espoused by the Union. The workman approached the Assistant Labour Commissioner (C) by his letter dated 15-9-1972 which is found in the file Ex. 15/A and after the conciliation proceedings were over in the dispute raised by the workman on account of his alleged oral termination the Assistant Labour Commissioner (C), Bombay sent failure of conciliation report to the Secretary to the Govt. of India, Ministry of Labour and Employment on 23-12-1972. It is difficult to agree that the dispute raised by the workman in Ex. 15/A is in continuation of the dispute raised by the Transport and Dock Workers' Union with the Assistant Labour Commissioner (C) in Ex. 14/A. In order to answer the contention of the workman it is profitable to refer to Section 2k of the Industrial Disputes Act which defines that an 'Industrial dispute' means any dispute or difference between employers and employers, or between employers and workmen, or between workmen and workmen which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with conditions of labour of any person.

21. In order to mitigate the hardships of individual workman, whose causes are not espoused by the Union or other workman the Government inserted Section 2A, which reads where any employer discharges, dismisses retrenches or otherwise terminates the services of an individual workman, any dispute or difference between that workman and his employer connected with or arising out of, such discharge, dismissal, retrenchment or termination shall be deemed to be an industrial dispute notwithstanding that no other workman or any union of workmen is a party to the dispute. The necessity of enacting this section arose because it had been held in various decisions that an industrial dispute must be between the employer on the one side and the workmen collectively on the other side or if it related to a single workman, it must be sponsored collectively by the other workmen or by a union of workmen to constitute an industrial dispute which could be referred for adjudication under Section 10 of the Act. In order to do away with the necessity of the dispute between the management and a single workman, being sponsored by the workmen collectively or by a union of workmen, the Parliament enacted Section 2A to provide that a dispute between the management and a single workman will be an industrial dispute even if it is not sponsored collectively by the other workmen or by a union of workmen. Section 2A, thus, covers only such cases in which the dispute of an individual workman has not been sponsored or espoused by other workmen or any Union of workmen. The proceedings under Section 2k and Section 2A of the I. D. Act are entirely different and cannot be co-existent. There can be no interlinking. Conciliation proceedings on account of the dispute raised by the Transport and Dock Workers' Union in this case had been closed. Notes in this effect is found in the file Ex. 14/A. The proceedings before the Asstt. Labour Commissioner (C) was closed on 28-2-1972 as the Union did not prosecute the dispute any further before the conciliation Officer. The proceedings were again commenced on account of the letter dated 15-9-1972 addressed to the Asstt. Commissioner of Labour (Central) by the workman. In the letter dated 23-12-1972 addressed to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), the Assistant Labour Commissioner (C) describes the dispute raised by the workman Shri M. P. Prabhu against M/s. S. R. Pusalkar and Co. over his alleged oral termination of service. It cannot by any imagination be said that the industrial dispute raised by Shri Prabhu by his letter dated 15-9-1972 was in continuation of the dispute raised by the Transport and Dock Workers' Union on 10-1-1972. Therefore the demand raised by the Transport and Dock Workers' Union by its letter dated 30-9-1971 cannot be said to be a demand made on the management by the workman. The authority cited by the learned counsel for the workman, 1970, II, LLJ, 257 deals with that appropriate Government could make reference despite its earlier order of refusal if according to it industrial dispute exists or is apprehended and such earlier order refusing reference is not a bar on its power to refer the same dispute for adjudication subsequently. Further it was held in the above case that if on the date reference the employee's cause was espoused by appreciable number of workmen of the establishment where he was working the individual dispute stood converted into an industrial dispute. I fail to comprehend how this authority espouses the claim of workman. There is no substance in the contention of the learned counsel for the workmen that no demand was necessary to be made on the employer, as the employer's representative appeared before the Conciliation Officer and took part in the conciliation proceedings. The mere fact of the knowledge of the dispute as pointed out by the Supreme Court, 1968, I, LLJ, 834, would not dispense with the demand being made by the workman on the employer prior to the commencement of the conciliation proceedings. This could not be regarding as existence of the industrial dispute.

22. In the alternative it is argued by the counsel for the workman that in this case there is sufficient evidence that not only oral demand but also written demand was made by the workman on the employer. For this purpose the learned counsel for the workmen relies on the evidence of the workman and his witness. The workman Shri M. P. Prabhu had deposed that at about 10 or 11 A.M. on 20-9-1971, Shri Umbralkar the then Staff Superintendent told him that he has no work from the next day and that he should go away from that day. He immediately contacted to Shri Dixit, one of the partners of the company, who also confirmed the same thing and therefore he went away from the company. Shri A. R. Chavan, witness for the applicant says that Shri Umbralkar asked Shri Prabhu not to come for work as there was no work from the next day. He deposes that Shri Prabhu requested Shri Umbralkar to retain him but Shri Umbralkar asked him to see Shri Dixit, who is partner of the company and therefore, Shri Prabhu went in the cabin

to see Shri Dixit. He does not know what happened thereafter. He also says that after returning from the cabin Shri Prabhu told him that Shri Dixit also told Shri Prabhu not to come for work from the next day. It is difficult to believe the testimony of Shri Chavan. There is not a whisper in the evidence of the workman about the presence of Shri Chavan. The workman does not say in his evidence that had informed Shri Chavan after returning from the cabin of Shri Dixit that Shri Dixit had told him not to come for work from the next day. Further the witness says in his cross-examination that his memory is not that strong as to remember the visitors, who visited Shri Umbralkar on that day and how many other employees had talked to him. There is, of course recitation in Ex-E-20 about the workman approaching Shri Umbralkar and Dixit and their telling him not to attend duty from the next day. But this by itself is not sufficient to establish that oral demand was made by the workman on the employer on 20-9-1971. Then there is the claim of the workman that he had made demand on the employer under Ex. W-23. This letter reads as follows :—

"May I request your goodself to kindly reinstate me with full back wages and such other benefits with effect from the 20th day of September, 1971 as I have been illegally terminated from the services under Oral Orders by Shri C. S. Umbralkar and confirmed by the Partner Shri V. N. Dixit that too on the day I resumed duty after my leave period is over. Shri Umbralkar informed me that I need not attend office work with effect from 21st day of September 1971 and immediately after the said oral orders were passed I approached Shri Dixit who also confirmed the said oral orders without paying any consideration against my demand to reinstate me.

I hope and trust that you will consider my demand to reinstate me and also note that I have not been paid the salary for the month of August, 1971 as well as the leave period.

Awaiting to hear you in this connection. Thanking you in advance."

In order to show that Ex. W-23 was sent to the company the workman relies on Ex. W-22, Ex. W-24. Exhibit W-23 was produced by the Asstt. Secretary of the Transport and Dock Workers' Union. Ex. W-24 appears to be connected document and improvised for the occasion. The workman has not given cogent reasons for not mentioning this document in his list of documents. No mention either in the written statement or in the rejoinder has been made by the workman about sending this letter Ex. W-23 making demand for reinstatement. It was for the first time in his evidence the workman stated that on 21-9-1971 he wrote a letter to the General Manager, Messrs S. R. Pusalkar and Company making grievances regarding termination of his service and asking him to reinstate him with continuity of service and back wages and gave copy of this letter to the Union on 21-9-1971. He also says that he sent this letter to the company but he does not remember whether he posted this letter or whether he sent this letter to the company. In cross-examination he says that he does not remember whether he had sent any letter to the company for reinstatement and he has not mentioned in any correspondence or statement about his letter to the company for reinstatement. Ex. W22 is the certificate of posting to show that letter was sent to the company. Ex. W-22 is dated 28-9-1971 whereas the letter is dated 21-9-1971 and it cannot be said that letter dated 21-9-1971 was sent alongwith the letter sent under the Certificate of Posting dated 28-9-1971. It is not stated by the workmen that Ex. 23 dated 21-9-1971 was sent by certificate of posting on 28-9-1971. Ex. W-22 saw the light of the day for the first time and was confronted EW-1 in cross-examination on 26-4-1975. No affidavit was filed by the workman stating as to why the letter was not produced earlier and as to when the letter was discovered by the workman. There is no explanation as to why this letter was not produced during the conciliation proceedings concluded on 20-12-1972. Now it is to be seen whether a copy of the letter was sent to the employer. A great deal of mystery surrounds this document. There is no endorsement on Ex. W-23 copy of letter sent to the company, but there is endorsement on another copy of letter sent to the Transport and Dock Workers' Union on the reverse of Ex. W-24 endorsing to the General Secretary Transport and Dock Workers Union, Bombay for information under Membership No. 2236 dated 22-12-1970. WW-2 the Assistant Secretary of the Transport and Dock Workers' Union states in cross-examination that he cannot recollect whether Ex. W-24 was handed over to him personally and cannot say from the record and he does not have any proof that he received Ex. W-24 before sending Ex. E-20 and the workman did not tell him that he had already sent Ex. W-24 to the company. For the aforegoing reasons it cannot be contended that the workman had sent the original of the letter Ex. W-24 to the company. The workman in his application dated 7-5-1975 to this Tribunal states that it is only on 5-5-1975 the Union told him that the old file of 1971 is traced. WW-2 deposes that he does not remember whether the workman approached him before 5-5-1971 and the workman came and told him that the Court wanted to call a witness in his case and wanted to see the file. He directed him to the clerk and the clerk and the workman told him that the papers are there. However it is interesting to note that there is no reference in Ex. W-20 about Ex. W-24. If Ex. W-24 was received by the Transport and Dock Workers' Union then certainly the Union would have made reference to this letter in its letter dated 30-9-1971 addressed to the company as well as in the letter addressed to the Asstt. Labour Commissioner (C), Bombay. In the absence of reference in the letter dated 30-9-1971, by the Union to the company, a doubt arises about the genuineness of Ex. W-24. If Ex. W-24 was given to the Union or any official of the Union he would have initialled the letter but no such initial is found in Ex. W-24. For the reasons given supra I have no other alternative but to say that Ex. W-23 was not sent by the workman to the management and copy was not endorsed to the Union. Thus there is absolutely no evidence that he had made any oral or written demand on the employer raising an industrial dispute for his reinstatement in service. In this case as no dispute for his reinstatement in service. In this case as no dispute was raised by the workman with the management prior to the dispute being referred by the Government for adjudication, the Government was not competent to make this reference. The preliminary objection raised by the management is sustained. The reference made by the Government is therefore not competent and it is accordingly rejected.

In the circumstances of the case I make no order as to costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer.

[No. L-31012/3/72-P&D/D-IV(A)]

NAND LAL, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 19th July, 1975

S.O. 2488.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the Food Corporation of India and their workmen which was received by the Central Government on the 15th July, 1975.

IN THE MATTER OF ARBITRATION UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT IN THE INDUSTRIAL DISPUTE BETWEEN THE MANAGEMENT OF FOOD CORPORATION OF INDIA WEST BENGAL AND PATNA REGIONS AND THE FOOD CORPORATION OF INDIA WORKERS UNION CALCUTTA OVER THE ISSUE REGARDING WAGES FOR THE STRIKE PERIOD FROM 11-2-72 TO 14-2-72.

APPEARANCES :

Representing the employer :

1. Shri Malay Ghosh, Deputy Manager (Labour).
2. Shri G. S. Dutt, Chief Labour Inspector.
3. Shri A. N. Goswami, Deputy Manager, Storage.
4. Shri S. K. Biswas, District Manager, Calcutta.

5. Shri N. K. Bose, District Manager, Calcutta (North).

Representing the FCI Workers Union :

2. Shri G. S. Jena, Joint Secretary.

2. Shri A. K. Ghosh, Adviser.

Industry : Others. State : West Bengal & Bihar

AWARD

[No. 25(28)/72-Con. I] New Delhi, the 11th July, 1975

By a written agreement dated 22-2-72, the management of the Food Corporation of India and its workmen represented by the Food Corporation of India Workers Union, Calcutta have referred the following industrial dispute for my arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

"Whether the demand of the departmentalised labourers of the Food Corporation of India Eastern Zone for wages for the period from 11-2-72 to 14-2-72 when they were on strike is justified, if so what relief they are entitled to."

2. The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation, New Delhi vide their order No. L-42013/1/71/LRIII dated 24-7-1972 published the said arbitration agreement in the Gazette of India.

3.1. On 22-8-72 the parties were requested to send to me a brief self-contained statement of the case simultaneously endorsing copies to the other parties and the other parties were requested to furnish their comments on the statement of the opposite parties within five days of its receipt.

3.2. The Deputy Manager (Stg) Calcutta Region requested for extension of time for sending the self-contained statement of the case by six weeks and time was given for submission of statement up to 30-9-72. Accordingly, the Deputy Manager (Storage) F.C.I. Calcutta Region furnished a brief self-contained statement under his letter dated 28-9-72 endorsing a copy to the Joint Secretary, FCI Workers Union. The Joint Manager (Port Operations), Calcutta has informed under his letter dated 1-6-73 that he has no statement to make, other than what has been stated in the written statement filed by the Regional Manager, FCI, Calcutta. The Regional Manager, FCI, Patna under his letter dated 8-11-73 forwarded a brief self-contained statement endorsing a copy to the General Secretary, FCI Workers Union.

3.3. In response to my letter dated 22-8-72 supra, the Joint Secretary of the FCI Workers Union, Calcutta requested for extension of time for submission of his statement up to 30-9-72 which has been acceded to. But by a telegram dated 29-9-72, the Joint Secretary requested for further three weeks' time for submission of the statements and time was extended up to 21-10-72. The written statement of the FCI Workers Union was received at my office on 23-10-72. The union also confirmed that it has forwarded copies of the written statement to the Regional Managers, Calcutta and Patna and Joint Manager (Port Operations) of the Food Corporation of India.

3.4. The Deputy Regional Manager (Stg.) Calcutta under his letter dated 18-11-72 forwarded his comments on the statement of the FCI Workers Union.

4.1. The hearing was fixed on 16-12-72 which was postponed to 1-2-1973 under intimation to the parties. During the hearing held on 1-2-73, it was decided to postpone the proceedings so that the Advocate representating the Regional Manager, Calcutta might ascertain from the F.C.I. Authorities whether the other two signatories to the Arbitration Agreement have any statement to make. The further hearings which were fixed on 19-6-73, 19-12-73, 17-7-74 and 31-7-74 were postponed and one hearing was held on 25-9-74 at Calcutta. The representative of the Joint Manager (Port Operations), Calcutta stated that they have not received a copy of the statement of the Union which the union agreed to furnish. It was agreed that the further hearing may be fixed in the middle of October, 1974. Further hearing was fixed on 4-12-74 when the representative of the union requested for adjournment at least by a month as the General Secretary was away. The final hearing was held on 12-6-75 at Calcutta when all the parties were present.

4.2. Both the parties have from time to time extended the time limit for giving my Award up to 15-7-75.

5.1. Arguments on behalf of the management—On receipt of a notice of direct action from the FCI Workers Union, negotiations between the management and the union were started immediately for settlement of the dispute. The RLC (C), Calcutta also held conciliation proceedings. While discussions, bipartite and tripartite were in progress, the FCI Workers Union served a strike notice on 9-1-72 on the management proposing to call a strike after the expiry of the notice period. The RLC (C), Calcutta made another attempt to settle the dispute but in vain. The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation promulgated an order No. S. 42025/2/72-LR. I dated 10-2-72 prohibiting any strike in connection with any industrial dispute in the Food Corporation of India in the States of West Bengal, Bihar and Assam for a period of six months. The FCI workers Union, however, staged the threatened strike virtually suspending the work in all the Depots from 11-2-72 to 14-2-72. However, under the kind intervention of the then Union Minister for West Bengal Affairs, Shri S. S. Ray, the settlement of the dispute was arrived at and the work was resumed by the workers on 15-2-72. The management requested me to consider the point at issue in its pros and cons and give my final decision on the same.

5.2. The Regional Manager, Bihar Region while narrating the facts which led to the strike, has contended that the strike was totally illegal and unjustified and that the workmen are not entitled to get wages or any other relief for the strike period in view of the prohibition of strike under Rule 118 of the DIR by the Government of India.

5.3. During the hearing, the representatives of the management reiterated their contention that as the strike was illegal, the workmen were not entitled to wages. They have invited attention to action taken by the Railway Administration with regard to the strike in May, 1974. To counter the contention of the union that the workmen had no intimation about the prohibition of the strike by the Government of India, the management argued that the RLC (C), Calcutta had intimated the union about the order of the Government of India and that this should be treated as sufficient intimation to all workmen concerned because also of the fact that the said order was published in the Gazette of India. They have also contended that the union should not have resorted to strike pending negotiations.

ARGUMENTS ON BEHALF OF THE UNION :—

6.1. The union in its written statement has contended that it submitted a notice on 28-12-1971 intimating that if by the 7-1-1972 all the grievances as mentioned in the statement were not fully redressed, the workers might resort to direct action for which entire responsibilities would be on the FCI, that as negotiations with the employers failed to resolve the dispute, they were constrained to issue a strike notice in proper form to the Zonal Manager, Calcutta on 9-1-1972 giving the reasons for the strike notice, that the conciliation proceedings held by the RLC (C), Calcutta ended in failure on 4-2-1972, that because of the conclusion of the conciliation proceedings there was no ban under the I.D. Act for going on strike, that the prohibitory orders from the Government under Rule 118 of the DIR prohibiting strikes in FCI was communicated to them by the RLC (C), Calcutta on 11-2-1972 and that the said order of the Government was mala fide, illegal, without jurisdiction and in any event did not render any strike within the alleged prohibited period and places by the workmen of the FCI, illegal under the I.D. Act. It was also contended that the employers have paid full wages when the clerical staff resorted to strike and that the strike was a legal one and for extremely justifiable reasons inasmuch as the union's demands included the implementation of Tripartite Settlement, the violation of which by the employer itself was illegal and unjustified on the part of the employer.

7.1. The facts as borne out from the records and from the pleadings of the parties which led to the present dispute are as follows:—

A strike notice dated 9-1-1972 over a charter of 17 demands was served by the General Secretary, FCI Workers Union,

Calcutta on the management of the Food Corporation of India, Eastern Zone, Calcutta. The Regional Labour Commissioner (C) and Conciliation Officer, Calcutta held conciliation proceedings in the matter, but the same ended in failure on 3-2-1972. He submitted his FOC report to the Government on 4-2-1972. Joint discussions between the parties were arranged by the Commissioner and Secretary of the Food Department, Government of West Bengal between 5-2-1972 and 10-2-972 which the Regional Labour Commissioner (C), Calcutta also attended. But the said negotiations broke down on 10-2-1972 and no settlement could be reached on three major demands of the union. In the meanwhile, the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation vide their order No. S. 42025/2/72-LR. I dated 10-2-1972 prohibited any strike under Rule 118 of the Defence of India Rules, 1971 in the Food Corporation of India in the States of West Bengal and Bihar and Assam. This order was published in the Extraordinary issue of the Gazette of India of the same date. On 11-2-1972, the Regional Labour Commissioner (C) sent a letter to the General Secretary of the FCI Workers Union in the following terms:—

"I furnish below a copy of Telex received today (10-2-72) from the Secretary, Ministry of Labour and Employment, New Delhi addressed to this office :—

No. S-42025/2/72-LR. I.

Government have issued an order today prohibiting any strike in the Food Corporation of India in the States of West Bengal, Bihar and Assam under Rule 118 of DIR for a period of six months. Please inform the FCI and FCI Workers Union, Food Secretary and the Home Secretary of the Government of West Bengal and other authorities."

In view of the above order, I request you kindly not to resort to strike as contemplated in your said strike notice." But the workers went on strike w.e.f. 11-2-1972. All the departmentalised workers in Food Corporation of India godowns and the godowns of Central Warehousing Corporation and of the West Bengal S.W.C. had participated in the above strike. The departmentalised workers of three godowns of the Food Corporation of India in Bihar State also struck work from 11-2-1972. On 13-2-1972 Shri Sidhartha Shankar Ray, the then Hon'ble Union Minister for West Bengal Affairs intervened and gave certain suggestions for resumption of work and for resolving the dispute. Consequently, the parties again met the Regional Labour Commisioner (C), Calcutta and a settlement was arrived at on 14-2-1972 under Section 12(3) of the I.D. Act. As agreed upon, the strike was called off on 14-2-1972. By an arbitration agreement under Section 10 A of the Industrial Disputes Act, the parties referred the question of payment of wages for the strike period for my arbitration.

7.2. The question regarding wages for strike period depends upon the legality and justifiability of the strike. With regard to the first point about the legality or otherwise of the strike, the main contention of the union is that hey have complied with the provisions of I.D. Act by issuing the formal notice under Section 22 of the said Act and also participated in the conciliation proceedings initiated by the Conciliation Officer. The union also submitted notices to management on 28-12-71 intimating the fact that if by 7-1-1972, all the grievances as mentioned in the Statement were not fully redressed, the workers might resort to direct action. The contention of the union is that the order of the Government of India prohibiting the strikes under Rule 118 of the DIR in the FCI for a period of six months, was mala fide, illegal, without jurisdiction and in any event does not render any strike within the alleged prohibited period and places by the workmen of Food Corporation of India, illegal under the I.D. Act, 1947. It was also contended that the workmen were not made aware of the said prohibition of strike under the D.I.R. The main contention of the management is that the strike was illegal because it was prohibited under Rule 118 of the DIR.

7.3. As mentioned earlier, the union vehemently argued that the strike is fully justified, that they have made every effort to peacefully negotiate with the employer for resolving the dispute and that when the efforts of even the Conciliation Officer failed, they had to resort to strike. In this connection, reference was made to the decision of the courts in Western India Match Co. Ltd. Vs. WIMCO Mazdoor Union (1957-LAC-322-LAT) and in Swadeshi Industries Ltd. Vs. their workmen (1960-II-LLJ-78-SC). The above decisions have laid down that a strike is a legitimate and some times unavoidable weapon in the hands of labour and may be resorted to for securing the demands of workmen to improve their conditions and that the question of *justifiability or otherwise* would depend upon whether the demands are made bona fide for the betterment of conditions of service of the workmen or whether they are made frivolously or for any ulterior purpose. Further, it has been laid down in many decisions that a right to strike is labour's ultimate weapon and in the course of a century, it has emerged as *the inherent right* of every worker. It is an element which is the very essence of the principles of collective bargaining. The *justifiability* of a strike depends upon whether the workmen have been *indiscriminate or hasty* in the use of the weapon of strike or the demand of the workmen was of such an urgent or serious nature that they could not be reasonably expected to wait till after asking the Government to make a reference. In this case, it is clear that the union exhausted all avenues of resolving the dispute by participating both in the direct negotiations with the management and also in the conciliation proceedings before the conciliation officer. It has also given advance notice to the management for settlement of the demands followed by a strike notice. There is some force in the argument of the union that it was only after the workmen resorted to strike that the management entered into a settlement over important general demands. No doubt it is due to the kind intervention of the then Hon'ble Union Minister for West Bengal Affairs, that such an important dispute was amicably resolved, but the fact that the management conceded the demands would lead to a reasonable inference that the management itself was convinced that the demands were bona fide and were not frivolous. The results of the strike would certainly be a relevant matter to be considered in determining the justifiability of a strike. The main contention of the management was that the strike was resorted to in contravention of the prohibitory orders of the Government of India issued under Rule 118 of the DIR. To counter this contention of the management, the union argued that the strike was perfectly legal within the meaning of the Industrial Disputes Act. I cannot subscribe to this view of the union that a strike prohibited under the DIR can be a legal strike under the I.D. Act. The relevant order of the Government states that strikes in connection with any industrial disputes have been prohibited under Rule 118 of the DIR. The term "industrial disputes" used in Rule 118 of DIR will have the same meaning as assigned in the Industrial Disputes Act, 1947. Therefore, the prohibitory orders of the Government refer to strikes in connection with the industrial disputes under the Industrial Disputes Act, 1947.

7.4 The union also contended that the workmen had no intimation about the prohibition of strikes in the Food Corporation of India and the management countered this contention stating that the union had intimation of the Government's order prohibiting the strikes in the Food Corporation of India. No doubt the order of the Government of India banning strikes in the Food Corporation of India was issued on 10-2-1972, but the intimation was given by the Regional Labour Commissioner (Central), Calcutta to the union on 11-2-1972. As strike itself commenced on 11-2-1972 as proposed, there was no time lag between the date of prohibition of the strike and the commencement of the strike lending support to the contention of the union that they were not communicated about the said prohibition well in advance. The parties also cited different precedents followed in some other cases of strikes where wages were paid or denied for the strike period. While the management cited by Railway strike in May, 1974 when wages were not paid to the workmen, the union cited the recent strike of the Maharashtra Government employees who were paid salary for the strike period. Thus most of the precedents and practices adopted are not uniform as each case has to be judged on its merits apart from the legal technicalities. In view of this, I have to conclude that my answer to the terms of reference is in the negative to the extent that workers' demand for payment of wages for the strike period is not justified.

7.5. But I cannot but expreses that from the trend of events leading to the issue of strike notice, the levels of discussions, the readiness and willingness of the union to negotiate and arrive at an amicable settlement over important issues affecting the labour force and the ultimate settlement that was arrived at resulting in the calling off of the strike that the strike was not resorted to on any flimsy ground or with an intention to defy the prohibitory orders of the Government dated 10-2-1972 and there is considerable force in what has been contended by the union in respect of their case for going on strike. In the circumstances of the case, I feel that

it will be just and proper if the absence of the workmen during the period of strike is adjusted against leave due to the workmen. I understand that the management have in fact adjusted the strike period as leave with wages. I, therefore, award that although the workers are not entitled to wages the absence during the period of the strike be adjusted as leave with wages, wherever due.

I give my award as above and the reference is disposed of accordingly.

[No. L-42013/1/72/LR. III/D. II B]

R. J. T. D'MELLO, Chief Commissioner (Central) and Arbitrator

श्रम मंत्रालय

श्रादेश

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1975

का० आ 2489 :—यतः भारतीय खाद्य निगम से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व परिवहन और गोदी श्रमिक संघ, काण्डला करता है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद, अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 क की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम् के लिये निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10क की उप-धारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 14 जुलाई, 1975 को मिला था, एतद्द्वारा प्रकाशित करती है ।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

के बीच

पक्षकारों के नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले: क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारतीय खाद्य निगम, बम्बई ।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले: परिवहन और गोदी श्रमिक संघ, नया काण्डला ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री एस० एम० दिखाले, उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-1 के माध्यस्थम् के लिये निर्देशित करने का एतद्द्वारा करार किया गया है :—

विनिर्दिष्ट विवाद ग्रस्त विषय :

काण्डला के विभागीय श्रमिकों सम्बन्धी प्रोत्साहन कार्य-दर योजना को अन्तिम रूप देते समय, कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले परिवहन और गोदी श्रमिक संघ ने मांग की है कि इस योजना को 1-1-1972 से पूर्वापेक्षी प्रभाव दिया जाना चाहिये। नियोजक, जिनका प्रतिनिधित्व क्षेत्रीय प्रबन्धक (पश्चिम), भारतीय खाद्य निगम, बम्बई करते हैं, इससे सहमत नहीं हुये। अतः दोनों पक्ष इस मद को माध्यस्थम् के लिये निर्देशित करने को सहमत हैं। अभी यह योजना 15-11-1973 से प्रभावी होगी।

विवाद के पक्षकारों का विवरण :

अन्तर्वलित नियोजक और उपक्रम :

भारतीय खाद्य निगम,
मिस्तरी भवन, दिनशाव वाचा रोड,
चर्चगेट, बम्बई-20 ।

संघ का नाम :

परिवहन और गोदी श्रमिक संघ, नया काण्डला।

उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या: 1432 (कुल)

विवाद द्वारा प्रभावित कर्मकारों की संख्या : 1180

मध्यस्थ अपना पंचाट तीन मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो मध्यस्थम् के लिये निदेश स्वतः रद्द हो जायेगा और हम नये माध्यस्थम् के लिये बातचीत करने को स्वतन्त्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

1. नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले । ह० —आर० संपथ कुमारन,
क्षेत्रीय प्रबन्धक, (पश्चिम),
भारतीय खाद्य निगम,
बम्बई-20

2. कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : ह०—मनोहर कोतवाल
अध्यक्ष,
परिवहन और गोदी श्रमिक संघ,
काण्डला।
ह० —रमाकान्त देसाई,
महा सचिव,
परिवहन और गोदी श्रमिक संघ, काण्डला।

साक्षी :	साक्षी :
1. अपाठ्य	ह० —के० एच० घोख
2 अपाठ्य	ह० —आई० एस० सामन्त

[संख्या एल-42012/33/74-एल० आर०-3/डी०-2बी०]

ORDER

New Delhi, the 21st July, 1975

S.O. 2489.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the Food Corporation of India and its workmen represented by the Transport & Dock Workers' Union, Kandla.

And, whereas the said employers and workmen have, by a written agreement, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration by the person specified therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 14th July, 1975.

AGREEMENT

(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act. 1947)

BETWEEN

NAME OF PARTIES :

Representing employers.—The Zonal Manager, Food Corporation of India, Bombay.

Representing workmen.—The Transport & Dock Workers' Union, New Kandla.

It is hereby agreed between the parties to refer the following Industrial dispute to the arbitration of Shri S. M. Dikhale, Dy. Chief Labour Commissioner (C), Office of the Chief Labour Commissioner (Central), Shram Shakti Bhavan, Rafi Marg, New Delhi-1.

SPECIFIC MATTERS IN DISPUTE :

While finalising the Incentive Piece Rate Scheme for Kandla departmental workers, the Transport & Dock Workers' Union representing workmen have demanded that the scheme should have retrospective effect from 1-1-1972. This is not agreed to by the employer represented by the Zonal Manager (West), Food Corporation of India Bombay. Hence both the parties agree to refer this item to arbitration. The scheme at present will be effective from 15-11-1973.

DETAILS OF PARTIES TO THE DISPUTE EMPLOYER AND THE UNDERTAKING INVOLVED

The Food Corporation of India, Mistry Bhavan, Dinshaw Vancha Road, Churchgate, Bambay-20.

Name of the Union :

The transport & Dock Workers' Union, New Kandla.

Total No. of workmen employed in the undertaking 1432 (Total)

No. of workmen affected by the dispute : 1180.

The arbitrator shall make his award within a period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to the arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Signature of the parties

1. Representing employer : Sd/- R. Sampath Kumaran,
Zonal Manager (West),
Food Corporation of India,
Bombay-20.

2. Representing workmen : Sd/- Manohar Kotwal, President Transport & Dock Workers' Union, Kandla.
Sd/- Ramakant Desai,
General Secretary,
Transport & Dock Workers' Union, Kandla.

Witness:	Witness:
1. Illegible	Sd/- K. H. Shaikh
2. Illegible	Sd/-I. S. Samant

[No. L-42012/33/74-LR. III/D. 2 B]

आदेश

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1975

का० आ० 2490:—छावनी बोर्ड, अम्बाला छावनी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और इसके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व अखिल भारत छावनी बोर्ड कर्मचारी संगठन करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 14 जुलाई को मिला था, प्रकाशित करती है।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

के बीच

पक्षकारों के नाम:

1. नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री के० आर० ए० एन० अयर,
कार्यपालक अधिकारी,
छावनी बोर्ड,
अम्बाला छावनी।

2. कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री जे० डी० बख्शी,
महा सचिव,
अखिल भारत छावनी बोर्ड कर्मचारी संगठन,
अम्बाला छावनी।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित विवाद को श्री जे० एल० वाधी, सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय), बरेली के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है:

(1) विनिर्दिष्ट विवाद ग्रस्त विषय:

"क्या छावनी बोर्ड, अम्बाला के प्रबन्धतंत्र की, डा० सी० आर० भट्टाचारजी को 1-2-1969 से रु० 400—1100 का वेतनमान नामंजूर करने की कार्यवाही वैध और न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष के हकदार है?

(2) विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्वलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

1. छावनी बोर्ड,
अम्बाला छावनी।

2. अखिल भारत छावनी बोर्ड कर्मचारी फेडरेशन,
अम्बाला छावनी।

(3) श्रमिक का नाम यदि वह स्वयं विवाद में अन्तर्ग्रस्त हो, या यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकार या कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम।

अखिल भारत छावनी बोर्ड कर्मचारी संगठन,
अम्बाला छावनी।

(4) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या: 1135

(5) विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या:—1

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर आबद्धकर होगा।

मध्यस्थ अपना पंचाट छः मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निदेश स्वतः रद्द हो जायेगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बात चीत करने को स्वतंत्र होंगे।

ह०/- के आर० ए० एन० अयर
नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/- जे० डी० बख्शी,
श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

साक्षी:

1. ह०/- अपाठ्य
2. ह०/- यश पाल

[संख्या एल०-13012(2)/75-डी०2 (बी०)]
हरबंश बहादुर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2490.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Cantonment Board, Ambala Cantonment and its workmen represented by the All India Cantonment Board Employees Federation.

And, whereas the said employers and workmen have, by a written agreement, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration by the person specified therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10-A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 14th July, 1975.

AGREEMENT

(Under sectian 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947)

BETWEEN

NAME OF PARTIES:

1. Representing Employer—Sri K. R. A. N. Ayer, Executive Officer, Cantonment Board, Ambala Cantt.

2. Representing workmen—Sri J. D. Bakhshi, General Secretary, All India Cantt. Board Employees' Federation, Ambala Cantt.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Sri J. L. Wadhi, Assistant Labour Commissioner (Central), Bareilly:

(1) Specific matter in dispute :—

"Whether the action of the Management of the Cantonment Board, Ambala in denying, Dr. C. R. Bhattacharjee, the scale of pay of Rs. 400—1100 w.e.f 1-2-1969 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled ?"

(2) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved.

1. Cantonment Board, Ambala Cantt.

2. All India Cantt. Board Employees Federation, Ambala Cantt.

(3) Name of the workman in case he himself is involved in the dispute or the name of the Union, if any, representing the workman or workmen in question.

All India Cantt. Board Employees' Federation, Ambala Cantt.

(4) Total number of workmen employed in the undertaking affected: 1,135.

(5) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute : 1.

We further agree that the decision of the Arbitrator shall be binding on us.

The Arbitrator shall make his Award within a period of 6 months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the Award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Witnesses :

1. Sd/- (Illegible)
2. Sd/- Yash Paul.

Sd/- K. R. A. N. Ayer,
Representing Employer.

Sd/- J. D. Bakhshi,
Representing Workmen.

[No. L-13012/2/75-D. IIB]
HARBANS BAHADUR, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2491.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following Award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th July, 1975.

AWARD

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri K. K. Sarkar, Judge, Presiding Officer.

REFERENCE NO. 34 OF 1974

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Jaipur Udyog Limited, Post office Phalodi Quarry, District Sawaimadhopur.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri C. N. Sharma, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri P. C. Pandey, Secretary (Law).

State : Rajasthan.
Industry : Cement.

Dhanbad, the 15th July, 1975

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Jaipur Udyog Limited, Post Office Phalodi Quarry, District Sawaimadhopur and their workmen, by their order No. L-29011(49)/74-LR. IV dated 17-12-1974 referred the same to this Tribunal under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication on the issue mentioned in the Schedule below:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Post Office Phalodi Quarry (District Sawaimadhopur) in laying off their workmen of Phalodi Lime Stone Quarry with effect from the 11th May, 1974 to the 28th May, 1974 and the Bakraco Bheronpura Lachhipura Group of mines for the period from the 12th May, 1974 to the 27th May, 1974 was justified ? If not, to what relief

Briefly stated the case of the workman is as follows :—

The management of Jaipur Udyog Limited laid off certain categories of workmen at their Phalodi and B. B. L. Mines with effect from 11th May and 12th May, 1974 respectively as per their notice No. 98 dated 10-5-1974 and No. 99 dated 11-5-1974 respectively. The management lifted partial lay off at Phalodi Quarries with effect from B and C shift of 19-5-74 by their notice No. 100 dated 19-5-1974 and at Bakraco Bheronpura Lachhipura mine with effect from 22-5-1974 by notice No. 102 dated 22-5-1974. Finally the management lifted the lay off with effect from B shift of 28-5-1974 at B. B. L. Mines and with effect from A shift of 29-5-1974 at Phalodi quarries by their notice No. 107 dated 27-5-1974 and No. 108 dated 28-5-1974 respectively. The reasons as notified for lay off and partial lay off are not in conformity with the permissible reasons u/s 2 (KKK) of the I. D. Act and as such are illegal and unjustified. Certain categories of workmen both at the Phalodi quarries and B. B. L. mines who had no connection with production were also laid off by the management. The Phalodi quarries are connected with the cement works at Sawaimadhopur partly by fair weather road and partly by metal road over and above the two places being connected by railway. The B.B.L. Mines are not connected with the cement works at Sawaimadhopur by railway but is connected by roads. In the month of May, 1974 during the railwaymen's strike the company was having huge stock of Limestone, coal, gypsum, explosives and as such there was no shortage of raw materials for manufacture of cement at Sawaimadhopur factory. Three or four transport companies were operating at Sawaimadhopur and the transporting of materials by road transport was available during the period of railway strike. There was no dearth of diesel at Sawaimadhopur as there was a number of petrol pumps operating there. Cement from the works at Sawaimadhopur was transported by trucks to different parts of India like Punjab, Hariyana, U.P. etc. There was adequate capacity at quarries to stock the excavated limestone at the railway siding and other places. When the relevant strike was called in the month of May, 1974 it had no effect on the working of Sawaimadhopur and other stations of the regions. After declaring lay off the company held up railway wagons and for these reasons the same could not be utilised by the railway administration. The company was indenting one rake of 40 wagons for loading at Phalodi quarries each day. Since 20-5-1974 the railway arranged a rake of 40 wagons fot the quarries and the railway removed the loaded rakes lying at Phalodi quarries on 16th May, 1974. Other facts as stated by the workmen in their written statement will be taken up and discussed as and when necessary.

The case of the management put briefly is that the Phalodi quarries and B. B. L. Mines form part of one and the same establishment. It is denied that the cement factory at Sawaimadhopur is connected with fair weather roads with all the mines and as a matter of fact 1/3rd of the roads is katchha. The limestone is received at the cement factory from Phalodi quarries by means of railway rakes and from B. B. L. mines by means of truck run by contractors. Entire rake of limestone coming from Phalodi quarries to the works at Sawaimadhopur is all stationed on railway line adjacent to the crusher. Then each railway wagon in the rake is disjointed and manually brought to the crusher platform to be emptied in the crusher by mechanical device. The limestone carried to the factory from B. B. L. Mines by trucks is directly unloaded into the impactor which is one of the crushers and when the crusher goes out of order the limestone is unloaded on the ground. When the railwaymen's strike started from 7-5-1974 a loaded limestone rake was strained at Phalodi and no empty rake was placed at the Phalodi quarries siding after 7-5-1974 and upto 20-5-1974, which made it impossible to excavate Limestane at the quarries. Inspite of the difficult position the company did not bring about lay off for the first four days of the railwayman's strike in the hope that it would be over very soon. But as the strike continued and there was no indication of it being called off in the near future the company had to lay off the workers at Phalodi quarries. According to the company stock of limestone to the tune of 1.39 lakhs tonnes piled up at the cement works and this stock was perhaps the highest at any one time. The impactor was running eratically in the first week of May, 1974 which remained under repair during the 3rd and 4th week of May, 1974. The transport contractors who were transporting limestone from B. L.L. Mines to the cement factory by trucks intimated their inability to ply their trucks till such time as the diesel became available in the local market. The company was therefore obliged to declare lay off at B. B. L. Mines from 12-5-1974. It is contended that it is not the normal practice of the company to stock limestone for the sake of stocking and accumulation of stocks at other times temporarily was necessitated by temporary causes like non-placement of wagons etc. About the lay off of workmen not directly connected with production the case of the company is that these workmen were actually connected with the welfare activities afforded to the directly concerned workmen and the lay off of the former was necessary in the absence of any welfare work which could not be undertaken due to laying off. According to the company it required a fleet of about 100 trucks daily to transport limestone from Phalodi to the cement works at Sawaimadhopur a distance of about 8/20 miles and it was impossible to arrange such a fleet of trucks for short duration particularly at the time of railway strike when the demand for trucks was greater and supply of diesel was shorter. The company could lift the lay off of 57 per cent of workmen at Phalodi when the railway started giving one rake w.e.f. 20-5-1974 but this supply of rake fell short of the daily requirements of two rakes of 60 wagons each. That apart the impactor and crusher plants were under repairs and the only available crusher No. 1 was not sufficient for the purpose of intake. The company asserts that the reasons of lay off were lawful and justified, and there was nothing malafide in the action of the management in declaring lay off for the reasons as already stated.

The company is Jaipur Udyog Limited. It has cement works at Sawaimadhopur and limestone quarries at Phalodi and other group of limestone mines known as B. B. L. Mines feeding the cement plant with limestone excavated in these mines. The distance between the two groups of mines and the cement works is about 18/20 miles. Admittedly the normal practice at Phalodi quarries was to transport excavated lime stone to the cement works by railway rakes and the normal practice at the B. B. L. group of mines was to send limestone to the works by road through trucks. The company declared lay off in Phalodi quarries and B.B.L. group of mines with effect from 11th and 12th of May, 1974, and incidentally I may mention that it is the admitted position that the lay off was also declared at the cement works at Sawaimadhopur at that time; but we are not very much concerned with the lay off at the cement works in this reference. The workmen have challenged the validity of the lay off both on the point of fact and point of law. My approach to the case is first to go into facts and then to apply law as it now obtains to the facts proved. The grounds of lay off are stated in the notice of lay off. The notice dated 10-5-1974 gives the reasons of lay off at Phalodi quarries as due to huge accumulation of limestone at the cement works at Sawaimadhopur for the past few months and disruption in the movement of railways due to railwaymen's strike bringing the movement of limestone rakes to and from Phalodi quarries to a complete stand-still. The further reasons given in the notice is that the disruption in the railway traffic adversely affected supply of fuels, oils, lubricants, spare parts of machinery paralysing the operation of the quarries. The notice dated 11-5-1974 gives the reason for lay off at B. B. L. group of mines as accumulation of huge stocks of limestone at cement works at Sawaimadhopur, disruption of railway traffic adversely affecting the supply of essential materials like fuels, oils, lubricants, spare parts of machinery which paralysed various operations at the works and mines. It may be mentioned at the outset that the procedure as agreed upon by both sides was that each side would place their evidence on affidavit and the other side will be allowed to cross-examine the deponent. As a matter of fact on behalf of the management the evidence of their Senior Personnel Manager, Shri Ved Leekha on affidavit was placed before me and he was cross-examined on the same by Shri P. C. Pandey, Secretary (Law) of the union. Similarly the evidence of Shri P. C. Pandey Secretary (Law) of the union on affidavit was placed before me and he was cross-examined by the learned Advocate of the management, Shri C. N. Sharma. The documents were also filed. The evidence was closed and the argument started. The union representative, Shri P. C. Pandey made a prayer to this court to bring on record some more documents viz. the monthly stock register of limestone at the works, monthly record of excavation and stock of limestone at the quarries and a statement shownig dates on which limestone rake was placed at the quarries by the railways. The learned Advocate representing the management objected to the above documents being taken on record on the ground of serious prejudice to their case. It appears that the company

had supplied all the documents to the union as demanded by them and it was no doubt possible for the workmen to utilise them in proper times which they did not do. For the ends of justice however I am not shutting out the documents from evidence because of their nature. It may be mentioned that at the time of argument both the union and the management made use of these documents. I first start with the railwaymen's strike and the consequences thereof falling on the company. Admittedly the railwaymen's strike continued for 20 days or so starting from 7/8th May, 1974. The case of the company is that it disrupted the movement of the railways, limestone rake movement to and from Phalodi quarry was brought to a complete stand-still, it resulted in loaded limestone rake stranded at Phalodi quarry siding and empty rakes held up at works. Shri S. C. Pandey admits in his cross-examination that from 7th May, 1974 to 16th May, 1974 no rakes were placed by the railway at the disposal of the company, on 16th May, 1974 stranded loaded wagons were taken to the factory and on 17th, 18th and 19th May there was no replacement of wagons/rakes by the railways. He also admits that from 7th to 20th May, 1974 the company did not obstruct the functioning of the railway or movement of rakes. So the evidence of Shri Pandey on affidavit that after declaring lay off the company held up railway wagons and the same could not be utilised by the railway has no substance. The union does not deny the normal practice of movement of limestone from Phalodi quarry to the works by railway rakes and admittedly the railway rakes were not placed at the disposal of the country from 7th May, 1974 to 20th May, 1974. The system of working has been outlined by MW 1. We says that limestone is directly fed to the crusher at the cement factory from trucks as well as loaded railway wagons. The entire limestone that comes to the factory from Phalodi is stationed on the railway line adjacent to the crusher. Each railway wagon is disjoined from the rake and manually brought to a crusher platform to be emptied into crusher by mechanical process. It may therefore be said that the whole system so far the company was concerned was put out of gear by the railwaymen's strike. The union's further case is that the company could have employed alternative means of transport i.e. trucks for the period of strike. According to the company's witness it required a flow of about 100 trucks daily to transport limestone from Phalodi to the works and it was impossible to arrange such a fleet of trucks for short duration particularly at the time of railwaymen's strike when the demand for trucks was greater. It was also a very costly affair and supply of diesel was shorter. Further there are two transport contractors to transport limestone from B.B.L. mines to the works and they expressed their inability to transport limestone to the factory for want of diesel. Shri Pandey in his cross-examination admits that due to railwaymen's strike there was greater demand for trucks transport from general public. He also admits that the trucks about the availability of which he has stated in his affidavit were engaged in their own business. The evidence of MW. 1 and cross-examination of WW. 1 taken together show the non-availability of such a huge fleet of 100 trucks daily to transport limestone in view of the difficulties as stated by the management. The fact that some trucks were transporting cement from the works to Haryana and Punjab do not also help in that Shri Pandey admits in his cross-examination the case of the company that the cement which was transported by trucks at that time was at the instance of the purchasers and the company had no say in the matter.

So it boils down to this that (1) during the railwaymen's strike loaded rail rake got stranded at Phalodi quarry siding and empty rakes were stranded at the works, (2) no railway rakes/wagons could be placed by the railway at the disposal of wagons could be placed by the railway at the disposal of the company from 7-5-74 to 29-5-74, (3) the normal practice was to transport limestone from Phalodi to the works by means of railway rake/wagon, (4) Limestone from B.B.L. group of mines to the works was sent by two transport contractors by trucks, (5) due to railwaymen's strike there was greater demand for trucks from general public, (6) transport companies were engaged in their own business, (7) it was not possible to arrange a fleet of about 100 trucks daily for a shorter period from Phalodi quarry, (8) two transport contractors declined to carry limestone from B.B.L. mines to the works for short supply of diesel.

Now I come to the stock position. The senior Personnel Manager of the company, MW.1 in his evidence says that at the commencement of strike by railwaymen on 7th May, 1974 the accumulation of crushed and uncrushed limestone at the works was 1.30 lac tonnes. It appears from the statement on record that upto December, 1972 the accumulation at the works was for less and from January, 1973 upto May, 1974 the accumulation was far carc exceeding 1 lac tonnes. It also appears that the accumulation at Phalodi quarry in May, 1974 was less than majority of the previous months. The question now remains if the above position can be said to be accumulation at all. At the time of hearing before me Shri P. C. Pandey, Secretary (Law) of the union elaborated his case on the basis of accumulation of limestone and not on the accumulation of cement which was their case in the written statement. In think that should be the correct approach. There was an unity of control and management of both the works and the quarries and mines, and therefore they formed part of one unit. The case of the company is that for some months prior to the railwaymen's strike there was huge accumulation of limestone at the works, which appears to be so, but still the company was trying to maintain the raisings and despatch of limestone from Phalodi quarry. Was the company obliged to carry out the raisings indefinitely inspite of the railwaymen's strike in the face of accumulation of stock being already huge? The situation changed. I may take judicial notice of the fact as submitted before me that the company declared lay off in the works also. A line of demarcation should be drawn as between the heavy accumulation in previous times and heavy accumulation at the commencement of strike and during the continuance of the strike. In normal times though the accumulation might be heavy for some temporary reason for some time, but as the cement manufacture was in progress, the heavy accumulation of limestone got adjusted, and there was little chance of further abnormal accumulation. But as during the period of strike the cement manufacture was stopped, there was no chance of the limestone stock being adjusted and the stock position of 1.39 lakh tonnes at the works came to be a constant factor. The case of the company is that they were feeling the pinch of heavy accumulation for some months and the position came to a head with the railwaymen's strike, and it is submitted that it was high time for the company to do something. In the circumstances, I think that the constant stock position of 1.39 lakh tonnes of limestone at the works, if maintained during the period of strike, can be said to be heavy accumulation. The stock at the works and the raisings in the quarry go hand in glove. Dislocation of railway movement bringing to a stand-still the despatch of raised limestone from the quarry for want of placement of railway rakes has also been taken a ground in the notice of lay off. The railwaymen called an indefinite strike and it continued form one day to two days, from two days to four days, from four days to eight days, from eight days to sixteen days and more. It might have continued for more days and nobody knew how long. If the raisings were continued throughout the period of railwaymen's strike, it is not unlikely to think what an alarming stock position would have been reached. It is the company's case that it is the dislocation of rail movement that they had to stop the raising, which also contributed to the lay off of the workmen in Phalodi quarry. The case of the company appears to be that the company could have stocked the rasings in the quarry. The case of the union is that it got their practice to stock the raisings for the sake of stocking but their practice is to stock the raisings for the purpose of consumption in the works. It is submitted by the learned counsel for the company that if for some temporary reasons the company had to stock the raisings in the past for a short time that could not be a guide for all the time to come, specially in a situation like the railwaymen's strike and the company is not obliged to go on continuing the raisings indefinitely irrespective of non-availability of wagons. It is submitted that the company was already feeling the pinch of heavy limestone stock and they reached a saturation point. That submission has of course great force. There must be a dead line at some point to stop further raisings, as the raisings are closely connected with the stock at the works. Considering the existence and continuance of the railwaymen's strike I think that the accumulation of stock of limestone was heavy and it can well be said that there was accumulation of stocks at the relevant time.

I may now take up the submissions of Shri P. C. Pandey, the Secretary (Law) of the union. According to him by virtue of provision of S. 25(J) of the I.D. Act the standing

orders are not applicable in case of lay-off and the grounds of lay off as given in the Standing orders cannot be availed of. Shri Pandey refers to two decisions of Hon'ble Supreme Court, viz. AIR 1964 SC 1458 and AIR 1960 SC 893. I have considered the decisions. The facts remain that the standing orders alone give a right to the employer to lay-off. The only effect of S. 25(J) is that in so far as the provisions of the standing orders are inconsistant with any provisions of Chapter V-A, the provision of Chapter V-A will override the inconsistant provisions of the standing orders. Chapter V-A determines not merely the rights of workmen to receive compensation for lay-off or retrenchment but also the liability of the employers to pay such compensation. Previously the workmen were only entitled to the compensation as provided in S. 25-C. Now according to the proviso to S. 25(J) of I. D. Act if the compensation or any other benefit available to the workmen under the standing orders is more favourable to them, it will not be superseded by S. 25-C, 25-F or any other provision contained in the Act. So the ground of lay-off must be those as mentioned in S. 2 (kkk) of the I.D. Act, but with regard to lay-off compensation, the workmen are entitled to the benefits of lay-off i.e. compensation as in the standing orders if such benefit or compensation is more than as provided in the Act. We are not very much concerned with the grounds of lay-off as specified in the standing orders No. 35 of the standing orders. The grounds of lay-off as in S. 2(kkk) of the Act are (1) trade reasons shortage of coal, power or raw materials or accumulation of stocks or break-down of machinery, (2) any other reason the reasons are not specified in the Section. The words 'any other reason' occuring in the definition of lay-off were considered by the Supreme Court in Kalvvetta Estate v. Rajamanickm (1960 II L.L.J. 275) and it was observed that any other reason must be a reason which is allied or anologous to the reasons already specified in the section and this construction was reiterated in many other decisions. Now I have already found that at the commencement of the railwaymen's strike the accumulation of limestone at the works was already heavy and it continued to be heavy. The raisings in the quarries are closely connected with the stock at the works and in view of the heavy stocks, raisings could not be continued till rakes were placed at the disposal of the company to ease the position. For this reason the employers were not able to give employment to the workmen. Accumulation of stock is a valid trade reason for which the company was justified to declare lay-off in both Phalodi quarries and B.B.L. groups of mines under S. 2(kkk) of the I. D. Act. Now I come to 'any other reason' for the purpose of this case. The Supreme Court in Kaivvetta Estate v. Rajamanickm held that the words 'any other reason' have to be read ejusdem generis, and observed that if there is a strike or slow down of production in one part of the establishment and if lay-off is the consequence, the reason for which lay-off has taken place would undoubtedly be similar to the reasons specified in the definition. In Narayanaswami v. Labour Court the Madras High Court held in 1965 II L.L.J 677 that the temporary stoppage of roving bobbins to the weaving unit of a textile mill pending the dismantling of the preparatory machinery at the mills; installation of the same at such unit amounted to lay-off as the reason was ejusdem generis with the other specific reasons mentioned in the definition of lay-off. The above decisions give us some idea as to what this 'any other reasons' should be like. In the present case the whole business of the company was paralysed by the railwaymen's strike loaded limestone rakes got stranded at the Phalodi quarry siding, empty rakes were stranded at the works siding, the railway failed to place rakes at the disposal of company from 7th May, 1974 to 20th May, 1974. Huge fleet of trucks for road transport of materials was not available in the places of business of the company and the stock of stone quarry at the works was pretty heavy. I think that in keeping with the spirit of the decisions regarding ejusdem generis in the above quoted Supreme Court and Madras High Court decisions, all the difficulties taken together faced by the company make the reason for lay-off as ejusdem generis with the other specific reasons of lay-off mentioned in the definition in S. 2(kkk) of the Act. I am therefore of the view that the lay-off declared by the company in the Phalodi quarry and B.B.L. groups of mines can be supported by trade reasons viz. accumulation of stock and also by any other reason as in the definition of lay-off in S. 2(kkk) of the Act.

Now I come to another point. Shri P. C. Pandey submits that even those categories of workmen who were not connected with mining operations were laid off. In this connection I may refer to para 12 of Shri Ved Leekha's affidavit. It appears therefore that out of a total number of 871 workers, as many as 842 were workmen who were employed in mining operations and jobs directly connected with the mining operation. Out of 10 cartmen whose duty was to carry water by means of carts to the manual faces and Sadakund mines as well as jhuggis of labour, only 6 cartmen were laid-off. It is submitted that when the workmen engaged in mining operations were laid-off it was not required to carry water to the faces. Then another 17 masons, carpenters, helpers, beldars and coolies and 5 workmen in miscellaneous duties were laid-off. Their duty was to repair and maintenance of rest sheltars, water tanks, compressor platform etc. and the mining faces. The same reasons has been advanced as in the case of cartmen. One female stone is submitted that the case of the female stone cutter has been settled with the union. The reasons for lay-off of the above categories of workmen as given by the company are justified in the sense that when the work at the faces was stopped and the workmen employed in mining operation were laid-off, the services of the above categories of workmen became redundant. I should therefore think that the lay-off of the above categories of staff was also justified.

I now come to the question of partial lifting of lay-off i.e. partial continuance of lay-off in Phalodi quarry and in B.B.L. groups of mines as mentioned in the notice. In his affidavit Shri Ved Leekha says that railways started giving one rake w.e.f. 20-5-74 though the company's requirement is two rakes of 60 wagons each. From the side of the workmen this evidence has not been challenged in cross-examination or by any better evidence. Another reason is the major break-down of crushers. Mr. Ved Leekha's affidavit is that at the relevant time the impactor and crusher No. 2 was under repairs and the only crusher available was crusher No. 1. This is sought to be supported from morning production report, Exts. M2 to M 18. This morning production report show that on 16-5-74 and 17-5-74 Hammer Mill No. 1 ran for 5.50 hours and Hammer Mill No. 2 and the impactor did not run. On 18-5-74, 19-5-74 and 20-5-74 both the hammer mills and the impactor did not run. On 21.5.74 hammer mill No. 1 ran for 8.55 hours and hammer mill No. 2 and the impactor did not run. On 22-5-74, hammer mill No. 1 ran for 5 hours and hammer mill No. 2 and the impactor did not run. On 23-5-74, 24-5-74 and 25-5-74 hammer mill No. 1 worked for some hours and hammer mill No. 2 and the impactor did no run. On 26-5-74, 27-5-74 and 28-5-74 hammer mill No. 1 & 2 worked for some hours and not the impactor. It is submitted that hammer mills are crushers which is not denied. This evidence does not appear to have been successfully challenged from the side of the workmen in cross-examination. No evidence is forthcoming from the workmen side showing anything to the contrary. Shri Ved Leekha's evidence support the case of the company that there was break down of crushers which were under repairs. This in my opinion justifies the partial continuance of the lay-off. It is the case of the workmen that if the company took proper steps they could have avoided the lay off. The learned counsel for the management refers to a decision in Supreme Court Labour Judgments, Vol. 3 page 1983 and submits that all that the Tribunal is required to see is if the reasons for lay-off as specified in the definition of lay-off in S. 2(kkk) of the Act have been satisfied and nothing more. Now it would appear that the law specifies the reason for which a company can lay-off their workmen and there is no rider in the law that the court should see of the lay-off could have been avoided by the company this way or that. The requirements of law with regard to lay-off were satisfied and that is enough for our purpose and nothing more needs to be seen. With regard to malafides of the company in declaring lay-off, it appears that the union has not alleged malafides nor Shri Pandey in his affidavit speaks about malafides. It appears that the railwaymen's strike started on 7/8th May, 1974 and for 3/4 days the company did not declare lay-off and the work continued for those 3/4 days even after the railwaymen's strike started. The position being, as it was, the company would not have perhaps been unjustified if they declared lay-off at the commencement of the strike or immediately the after. This they did not do perhaps in the expectation that the strike would not continue. The expectation did not materialise. If the fact of continuing the work even upto 3/4 days of the commencement

of the strike shows anything, I think it only shows the best of intentions of the company and not mala fides. Coupled wtih this should be considered the fact that as soon as the railway started placing one rake from 20-5-74, the company called to duty about 57 per cent of the workmen. This is not denied. It may be mentioned that admittedly the strike continued for a few days beyond 22-5-74. If the intention of the company was not good then it is expected that they would not call to duty 57 per cent of the workmen on 20-5-74 and they could continue the lay off till the railwaymen's strike was not called off, banking upon the ground of continuance of the strike. So calling to duty 57 per cent of the workmen on 20-5-74 goes a long way to show that there was no malafides on the part of the company in declaring the initial lay off or partial continuance of it from 20th May, 1974 or so. I therefore see that malafides there were none on the part of the company.

Analysing the evidence I may finally say that the company satisfied the provisions of law in declaring lay-off in their Phalodi quarries and B.B.L. group of mines and there was no mala fide on their part. The schedule in the order of Reference poses a question, which is, if the lay-off was not justified, then what relief are the workmen entitled to. So, when the lay-off is found justified, the question what relief are the workmen entitled to does not arise to be answered.

In the result, the action of the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Post Office Phalodi Quarry (District Sawaimadhopur) in laying off their workmen of Phalodi Lime Stone Quarry with effect from the 11th May, 1974 to the 28th May, 1974 and the Bakraco Bheronpura Lachhipura Group of mines for the period from the 12th May, 1974 to the 27th May, 1974 was justified and the workmen are entitled to no relief.

This is my award.

K. K. SARKAR, Judge, Presiding Officer

[No. L-29011/74-LR IV//D.O. IIIB]

New Delhi, the 24th July, 1975

S.O. 2492.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Belampalli Division of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Belampalli (Andhra Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th July, 1975.

BEFORE SHRI T. NARSING RAO INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 40 of 1974

BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, (P.O.) Bellampalli.

AND

Management of Singareni Collieries Company Limited, (P.O.) Ballampalli.

APPEARANCES :

Sri Ganga Ram, Vice President, S. C. Workers Union—for workmen.

Sri D. Subramanyam, Assistant Personnel Officer, S. C. Co. Ltd., Bellampalli—for Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by notification No. L-21012/4/74-LRII dated 17th December, 1974 referred the industrial dispute between the Employers of the Belampalli Division of Singareni Collieries Company Limited and their Workmen under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (which would hereinafter be called the Act) for adjudication by the Tribunal on the following issue :

"Whether the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli Division (Andhra Pradesh) is justified in abolishing the post of strikers in No. 2 Incline of Belampalli Division without observing the statutory provisions of Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), and thereby depriving Shri Thongalla Seethaiah, General Mazdoor of his chances of promotion ? If so, to what relief is the workman entitled ?"

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 40 of 1974 and notices were directed to the workmen as well as to the Management. The workmen sought time on various occasions for filing the claims statement of to report a Settlement. As no claims statement was filed inspite of number of notices the Management was called upon to file counter if any. No counter was also filed by the Management but on 11-7-1975 a Settlement dated 8-7-1975 was filed into the Tribunal. The said Settlement is signed by the Additional General Manager and the Divisional Personnel Officer of Belampalli area for the Management, and by Mr. Ganga Ram, Vice President of the Singareni Collieries Workers Union and by the workman concerned. The Settlement was also recorded on ascertaining its contents from the Vice President of the Union and the Assistant Personnel Officer, for the Management who were present.

3. The only point for consideration is whether the Settlement is fair and just. The issue referred to the Tribunal relates to an individual workman and to the question of depriving opportunity of his promotion as a Striker on abolition of that post. The Settlement recites that the workman has been only acting as a Striker in the absentee vacancy but the said post is no more available. It is however agreed that the said workman would be promoted as Trammer in Category IV with effect from 11-7-1975 and that was in settlement of all his claims. In the circumstances, the Settlement which meets the claim of the workman appears to be just and reasonable. There would thus, be an award in terms of the Settlement. A copy of the Settlement be encolsed to this award.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 11th day of July, 1975.

T. NARSING RAO, Presiding Officer

BEFORE SHRI T. NARSING RAO INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) HYDERABAD

In the matter of I.D. 40/74

BETWEEN

The workman represented by the Singareni Collieries Workers' Union Belampalli, P.O. Belampalli, Distt. Adilabad-A.P.

....Workman

AND

Employers

Singareni Collieries Company Limited, Belampalli.

......Employers

MEMORANDUM OF COMPROMISE FILED BY THE PARTIES

(1) The Government of India had referred the case of Sri Thongala Seethaiah, General Mazdoor, No. 2 Incline, Belampalli in respect of his chances of promotion as striker.

The Government of India vide their letter No. L.-21012/4/74-LR-II dated 17th December, 1974, had referred the dispute for adjudication with the following terms of reference.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli Division (Andhra Pradesh) is justified in abolishing the post of strikers in No. 2 Incline of Belampalli Division without observing the statutory provisions of section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), and thereby depriving Shri Thongala Seethaiah, General Mazdoor of his chances of promotion? If so, to what relief is the workman entitled?"

(2) Shri Thongala Seethaiah's claim was mainly dependant on the fact that he acted as a striker in the absentee vacancy. This could not be agreed to by the Management. Alternatively he was offered the job of a surface Trammer in the same category i.e. Cat. III which Sri Thongala Seethaiah refused. Subsequently Shri Thongala Seethaiah had submitted an application to the Management informing his willingness to work as Trammer as there was no vacancy of a striker against which his case could be considered.

(3) However, to have continued cordial relations, the Management and the Union representatives for the workman and the workman have had mutual discussions and arrived at the following settlement on 8-7-1975.

(4) Terms of Settlement.—The Management agreed to promote Shri Thongala Seethaiah General Mazdoor Category I to work as Trammer in Category IV with commencing basic wage of Rs. 12.75 with effect from 11-7-1975. This fully and finally settles the claim of the workman and he will not have any further claim on this score.

(5) This is agreed to as a special case. This case will not be cited as precedent and no future claim from any body at any Mine will be entertained.

(6) The parties, therefore, pray that the Honourable Tribunal be pleased to pass an Award in terms of this Compromise.

The Parties as in duty bound shall every pray.

For Workman :	For Employers
Sd/- B. Gangaram	1. Sd/- M. Vasudevan
Vice President SCWU	Additional General Manager, Belampalli.
Sd/-Thongala Seethaiah, Workman	2. Sd/- P. Papa Rao Divisional Personnel Officer, Belampalli Area.

Witnesses:

Sd/-

1. Sri B. Radhakrishna Murthy Steno-typist.

Sd/-

2. Sri D. Dasarath, Clerk.

TRUE COPY

T. NARSING RAO, Presiding Officer

[No. L-21012/4/74-LR II/D.O. IIIB]

New Delhi, the 26th July, 1975

S.O. 2493.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Nagpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Umrer Colliery, Post Office Umrer Project District Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th July, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT NAGPUR.

Reference (CGT) No. 1 of 1975

BETWEEN

Management of Umrer Colliery, P.O. Umer, Project, Distt. Nagpur, Party No. 1

AND

Their Workmen, Party No. 2

APPEARANCES:

Shri R. K. Mehta, Area Personnel Manager (N) Nagpur.

Shri P. C. Waghmare, Secretary, M.P. Rashtriya Koyala Khadan, Kamgar Sangh (INTUC), Umrer.

State: Maharashtra. Industry: Colliery.

Nagpur, the 27th June, 1975.

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, under Sec. 10 (1) (d) of the Industrial Disputes Act 1947, for the adjudication of a dispute between the Management of Umrer Colliery and their workmen in respect of the demand of the workmen for colliery 'E' wages as recommended in Chapter VIII Vol. No. 1 of the Report of the Central Wage Board for Coal Mining Industry.

2. Before the case came up for final hearing the parties arrived at an amicable settlement of the dispute. They have filed on record a Memo of Settlement dated 14-4-75. On behalf of the Management, the settlement is signed by Shri R. K. Mehta, Area Personnel Manager (N) C.M.A.L. Nagpur and on behalf of the workers it is signed by Shri P. C. Waghmare, Secretary, N.P.R.K.K.K. Sangh, Umrer Colliery, Br. Umrer. I am satisfied that the terms of the settlement are quite fair and reasonable and I therefore, pass an Award in terms of the setlement which is marked Annexure 'A' and which shall form part of the Award.

W. K. ALMELKAR, Presiding Officer.

ANNEXURE 'A'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

PARTIES:

Representing Management—Shri R. K. Mehta, Area Personnel Manager (N), Nagpur.

Representing workmen—Shri P. C. Waghmare, Secretary, M. P. Rashtriya Koyala Khadan Kamgar Sangh (INTUC), Umrer.

SHORT RECITAL OF THE CASE:

The working President, M.P.R.K.K.K. Sangh (INTUC), Umrer colliery Branch, Umrer vide his letter dated 18-9-1973

represented to the A.L.C.(C), Nagpur alleging improper categorisation of Shri Suryabhan Mahadeo Waghmare and other 81 Category I Mazdoors working in excavation Section of Umrer colliery, Umrer. The A.L.C.(C), Nagpur intervened in the dispute but no settlement could be arrived at and hence he submitted a failure of Conciliation Report to the Government vide his letter No. ALCN/3(130)/73 dated 18th May, 1974. On receipt of his report the Govt. of India, Min. of Labour & Employment vide their Notification No. L-22012/15/74-LRII dt. 18-12-1974 referred to said dispute for adjudication to the Central Govt. Industrial Tribunal at Nagpur. During the pendency of the dispute before the Tribunal, the parties held joint discussions on various dates and amicably settled the dispute as per the terms mentioned below :—

TERMS OF SETTLEMENT :

(1) It is agreed that the question of promotion to the post of E.P.G.H. of Sr. Nos. (48) Shri Gajanan Prasad, (50) Shri Haribhau Manawkar, (65) Sri Subhash Tiwari (74) Sri V. N. Sahare, and (76) Sri S. K. Mudgal, does not arise as they have already been promoted to the post of Tripman and have been drawing higher wages than admissible to the post of E.P.G.H.

(2) It is agreed that Sr. No. (10) Sri Bhiwa Chindu, (11) Sri Mahadeo Baga Wankhede, (12) Sri Shiwaji G. Muley, (13) Sri Haroti Sakharam, (52) Sri Baburao Bujadoe, (53) Baliram Hatwar, (54) Sri Gopal Bhiwa, (58) Sri Vasanta Chaple, (59) Sri Akhade, (73) Sri Bhaurao Bulkunde, (78) Sri Vithal Jungharc and (82) Sri Doma Mahadeo, though completed more than 3 years of service, but as they have not been working with the machines and have been working either as Waterman or Cableman or Messenger Boy, they will continue to draw wages of Cat. I only. Their case can be considered for promotion to higher category only after they start working with the machines.

(3) It is further agreed that Sr. No. (1) Sri Tangappan Iyyapan shall continue to draw the wages of Cat. II only.

(4) It is further agreed that the remaining 64 Misc. Mazdoors Cat. I. i.e. Sr. No. (2) Sri Narayan Warloo, (3) Sri Nathu Sonba, (4) Shri Amar Singh Mangal Singh, (5) Sri Balrishna Bajirao, (6) Sri Jagdish Bansi Dushed, (7) Sri Laxman Kawro Balpande, (8) Sri Kawdu Gopal, (9) Sri Baban Doma, (14) Sri Tulal Turi, (15) Sri Tuna Turi, (16) Sri Vithal Maheskar, (17) Sri Gulab Barkoo, (18) Sri Mujaftar Abdul Gani, (19) Sri Venkat Urkude, (2) Sri Som Bisan, (21) Sri Basudeo Bhusari, (22) Sri H. V. Nagbhirkar, (23) Sri Jagan Gaikwad, (24) Sri Namdeo Laxman, (25) Sri Ekanath Laxman Wandkhed, (26) Sri Chaitu Upasrao, (27) Sri Wasudeo Tukaram, (28) Sri Tulsi, (29) Sri Ganpat D. Mohinkar, (30) Sri Manohar Mahadeo Bhoj, (31) Sri Suryabhan Mahadeo, (32) Sri Laxman Ramji, (33) Sri Laxman Wankhede, (34) Sri Ramdas Zibal, (35) Sri Ganpat Doma, (36) Sri Shalikram Guja, (37) Sri P. G. Rahate, (38) Sri Adku Soma, (39) Sri Balakdas Sadashiv, (4) Sri Chintaman Jago, (41) Sri Harichand Govinda, (42) Sri Nathu Adkoo, (43) Sri Harish Sambhaji, (44) Sri Sattar Ali Yusuf Ali, (45) Sri Sampat Mohinkar, (46) Sri Kundlik Vithoba, (47) Sri K. Achuthan, (49) Sri Mahadeo Nago, (51) Sami Patel, (55) Sri L. R. Naidu, (56) Sri Fakroo, (57) Sri Chandu Kachi, (60) Sri Bhupal Bunsol, (61) Sri Soma Zorapoe, (62) Sri Dinanath Singh, (63) Sri Tukaram Laxman, (64) Shri Faktoo Kisan, (66) Sri Kawdu Gedam, (67) Sri Suresh Tiwari, (68) Sri Maroti Tidke, (69) Shri Antoba Pralhad, (70) Sri Pandurang Bank, (71) Sri Shriram Bhusari, (72) Sri Sadashiv Mohinkar, (75) Shri Bhaskar Balpande, (77) Sri N. N. Pote, (79) Shri V. D. Paliya, (80) Sri Shaikh Majid, (81) Sri Bharat Singh, who have been working with the machines and who have completed more than three years of service shall be given promotion as Cat. II Mazdoors with retrospective effect from 1-1-1975.

(5) On the basis of recommendations made by the Departmental Promotion Committee it is agreed to promote the following 11 persons to the post of E.P.G.H. w.e.f. 8-1-1975 from amongst the Misc. Mazdoors of Cat. II referred to in Item No. 4 above.

S.No.	S.No. mentioned in the settlement.	Names
1.	3	Shri Nathu Sonba
2.	4	Shri Amar Singh Mangal Singh
3.	5	Shri Balkrishna Bajirao
4.	7	Shri Laxman Kawro Balpande
5.	8	Shri Kawdu Gopal
6.	25	Shri Eknath Laxman Wandkhed
7.	26	Shri Chaitu Upasrao
8.	27	Shri Wasudeo Tukaram
9.	29	Shri Ganpat D. Mohinkar
10.	30	Shri Manohar Mahado Bhoj
11.	31	Shri Suryabhan Mahadeo

(6) It is further agreed that with this settlement the dispute regarding categorisation of Mazdoors employed in Excavation Section of Umrer colliery of CMAL/NCDC stand settled to the satisfaction of both the parties.

(7) It is further agreed that the parties will present this settlement to the Central Govt. Industrial Tribunal, Nagpur with a request to give consent award based on the terms incorporated in this settlement.

Sd/-

(P. C. Waghmare)

Secretary, M. P. R. K. K. K. SANGH,

Umrer Colliery, Br., Umrer.

Representing Workmen.

Sd/-

(R. K. Mehta),

Area Personnel Manager(N),

C.M.A.L. Nagpur.

Representing Management.

Dated : 14th April, 1975.

Witness :

1\.

Sd/-

2\.

Sd/-

[No. L-22012/15/74-LR II/D III B]

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110027
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1975